

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Call Number: **GELC-A _ 001 _ 1279**

Classification:

Original File No:

Title

KSS_ ACTING PRAMUKH ADHYAKSH

Volume: III

Running from year: 1974

till year:

Content:

- Letter correspondence, Extracts, Notices, Minutes, Estimated budget from March '74
- Basic structure of proposed construction
- Short report of visit by Dr.C.K.Paul Singh

Ambassador

REGD:

FLAT - FILE

Extra Thick Quality

1974

File No.

III

Name

K.S.S. - Acting Banner Adhyaksha

Subject

सेवा में,

श्री मान अध्यक्ष महोदय,

गोमन्टर हॉस्पिटल, रौली।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपसे कि-
खालफ में १९६१ के लक्ष्यक शिक्षक के पद
पर कार्य कर रहा हूँ। १२ दिसम्बर १९६३ से
१२ जुलाई १९६४ तक मैंने अपनी मर्यादा
के कारण विभागीय की दृष्टि (Medical Leave)
लिखा था। १६ जुलाई ६३ को जब मैं स्कूल
में कार्यभार ग्रहण करने आया तो उपस्थित
महोदय ने कार्य करने नहीं दिया बल्कि
मौखिक रूप से कहा कि लघुव महोदय
ने प्रश्नों के बाद मुझे कार्य करने दिये।
इस भीषणता में मैंने लघुव महोदय के
आदेशों को उन्हीने भी संज्ञा कि अध्यक्ष
महोदय ने परामर्श करने के लक्ष्यक मुझे
कार्य करने की अनुमति दी। कि नहीं मैं
हर सदिने के मुझे सुनाने रहे पाते
मापक विद्यालय में पुनः कार्य करें
करने दिया कि टाल टाल करते रहे हैं।

मैं : श्री मान के आदेशों

के बिना मुझे विद्यालय में कार्यभार ग्रहण
करने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।
मौखिक भीषणता में मुझे कार्यभार ग्रहण
रहीगा

दिनांक २०-६-६४

आपका विश्वासुक्

अभिमान्य पाराडिप

म.शि.

गोमन्टर हॉस्पिटल रौली

सूचना

गोरेसनर एंवजेलिकल लूथेरान कलीसिया की आम जनता को इस बात की सूचना दी जाती है कि केन्द्रीय सलाहकारी समिति ने अपनी २७-३० अक्टोबर ७३ की बैठक जिसमें मिशन डाइरेक्टर पाद्री मार्टिन सीवर्ग भी उपस्थित थे कलीसिया के प्रशासन के लिये नया प्रबन्ध किया है जो आप की जानकारी के हेतु नीचे लिखे जाते हैं।

नये प्रबन्ध की आवश्यकता इसीलिए हुई कि (के० एस० एस०) कलीसिया ने केन्द्र एवं केन्द्रीय संस्थाओं के लिये रुपैया प्रबन्ध करने का बहुत अधिक प्रयास किया परन्तु प्रयास करने के पश्चात् भी न तो बाहर से न कलीसिया के अन्दर इस जटिल आर्थिक परिस्थिति का सामना किया जा सका। फल यह हुआ कि १९७० से आज तक में लगभग १ लाख रुपैया का घाटा हुआ, और यदि इस प्रशासन के रोक थाम करने को न सोचा जाता तो यह घाटा बढ़ता जाता और ऐसा समय आता कि के० एस० एस० के अन्य मदों के पैसे भी खतम हो जाते और केन्द्र के किसी काम को चला पाना कठिन होता। इस कठिन परिस्थिति में आकर के० एस० एस० के चारों अफसरों ने अर्थात् (प्रमुख अध्यक्ष, उप प्रमुख अध्यक्ष, सेक्रेटरी तथा कोषाध्यक्ष, रेभ जे० तोपनो, डा० नि० मिंज, श्री सी० ए० तिकी तथा रेभ नि० भुइयां) के० एस० एस० के सामने अपना पदत्याग पत्र पेश किया तथा के० एस० एस० ने उन्हें मंजूर किया एवं निम्न प्रबन्ध कलीसिया के प्रशासन के लिए किया है जिसके सम्बन्ध में के० एस० एस० समिति के सदस्यों को छोड़ कर अन्य पूर्ण के० एस० एस० मेम्बरों की मंजूरी की आवश्यकता है जिसेसे ५ नोवम्बर तक प्राप्त करना है।

- १ कि के० एस० एस० एवं केन्द्रीय बोर्ड ६ नोवम्बर १९७३ से उठा (Desolve) दिये जाय परन्तु अंचलों से नीचे का प्रबन्ध ज्यों का त्यों बना रहेगा।
- २ अंतरिम अवधि ६ नोवम्बर से आरम्भ होकर तब तक रहेगा जब तक नया संविधान बन कर न लागू हो जाय।
- ३ अंतरिम अवधि के लिये डाक्टर खिस्त कुमार पौल सिंह कार्यवाहक प्रमुख अध्यक्ष होंगे जिनको निरपेक्ष व्यक्ति माना गया है। ये ६ नोवम्बर से कार्य वाहक प्रमुख अध्यक्ष का काम प्रारम्भ करेंगे।

नया संविधान बनाने के लिये ये व्यक्ति चुने गये हैं, कनवीनर डाक्टर सिंह रहेंगे।

- | | |
|---|--|
| १ डाक्टर एन मिंज रांची (उरांव जाति से) | ८ पाद्री एन कुलु-सुन्दरगढ़ (सबस्टीच्यूट) |
| २ श्री सी० ए० तिकी-चैनपुर | ९ पाद्री जुनुल तोपनो रांची (मुन्डा जाति से) |
| ३ श्री अबनेजर लकड़ा-रांची | १० पाद्री विजय आइन्द (फूदी) |
| ४ इरुस बड़ा (सबस्टीच्यूट) कांके | ११ पाद्री सेवेयान होरो (असम) |
| ५ पाद्री पी० डी० सोरेंग (खड़िया जाति से) खुटीटोली | १२ श्री हेरन समद (सबस्टीच्यूट) |
| ६ पाद्री मार्टिन टेटे-रांची | १ डाक्टर खिस्त कुमार पौल सिंह रांची (अन्य जाति से) |
| ७ प्रो० एस० केरकेटा-सिमडेगा | २ पाद्री सुरेन्द्र मोहन एस जी हटिया |

इस कमिटी को मार्च १९७४ तक नया संविधान बनाना है। इस संविधान कमिटी की पहली बैठकी २०वीं नोवम्बर १९७३ से आरम्भ होने को निश्चित है। इस कमिटी द्वारा निर्णय किई गई बातें अंचलों में समालोचना (Comments) के लिये भेजी जायगी तथा सब कुछ होने के बाद संविधान की मंजूरी के लिये हर एक अंचल से पांच-पांच व्यक्ति केन्द्र में आयेंगे जो कार्यवाहक प्रमुख अध्यक्ष के साथ मिलकर संविधान को मंजूर करेंगे एवं लागू करेंगे।

५ संविधान बनाते वक्त असम की विशेष परिस्थिति पर विचार करना अनिवार्य समझा गया क्योंकि असम रांची से बहुत दूर में है।

६ के० एस० एस० ने अंचलों के कोरोबोरेटिव वोट को अवक्रमण (Supersede) करने का निर्णय किया है।

७ वर्तमान प्रमुख अध्यक्ष पाद्री जे० तोपनो तथा अन्य प्रभावित (Affected) व्यक्तियों के विषय निम्न फैसला किया गया है—

१ पाद्री जुनुल तोपनो ६ नोवेंबर से दक्खिनी-पूर्वी अंचल के पाद्री होंगे जिनकी नियुक्ति अंचल द्वारा होगी परन्तु नोवेंबर का वेतन केन्द्र से प्राप्त होगा।

२ पाद्री बिमल मिंज ६ नोवेंबर से नोर्थ-वेस्ट अंचल के पाद्री होंगे जिनकी नियुक्ति अंचल द्वारा होगी परन्तु नोवेंबर का वेतन केन्द्र से प्राप्त करेंगे।

३ बाकी के० एस० एस० स्टाफ मेम्बर श्री अरविन्द होरो को छोड़ जिन्हें पेन्शन दिया गया केन्द्रीय आफिस तथा विभागों में कार्य करते रहेंगे।

८ के० एस० एस० का हिसाब जनवरी १९७३ से आज तक का आडिट चाटर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा किया जायगा।

आप सभी से निवेदन है कि आप जिस प्रकार अपना सहयोग कलीसिया के अधिकारियों से देते आये वैसा ही नये प्रबन्ध के प्रति भी अपना योगदान प्रदान करें ताकि कलीसिया का काम अंतरिम अवधि का ठीक से चले और ठीक समय पर नया संविधान बन सके तथा परमेश्वर की महिमा एवं कलीसिया की मजबूती के लिये लागू किया जा सके।

परमेश्वर का वचन कहता है— मुझ को यह सिखा कि मैं तेरी इच्छा क्योंकर पूरी करूँ क्योंकि मेरा परमेश्वर तू ही है तेरा आत्मा तो भला है सो मुझ को धर्म के मार्ग में ले चल भ० स० १४३:१०

सुन इस्राएल का रक्षक न ऊँधेगा न सो जायगा, यहोवा तेरे आने जाने में तेरी रक्षा अब से सदालों करत रहेगा भ० स० १२१:४, ८।

यह जान कर कि ये निर्णय परमेश्वर के आत्मा की अगुवाई में हुआ है हम इसे परमेश्वर ही का प्रबन्ध जानें और मानें ताकि परमेश्वर की आशीष कलीसिया के साथ बनी रहे।

सही:— श्री ख्रिस्त आनन्द तिर्की सही:— रेभ. नि. भुइयां सही:— डा. नि. मिंज सही:— रेभ. जे. तोपनो
सेक्रेटरी खजांची उप-प्रमुख अध्यक्ष प्रमुख अध्यक्ष

गोसनर एवं जेलिकल लूथेरान चर्च, छोटानागपुर आर असम, रांची।

31-10-1973
3614=49 181 अक्षर
1968
17-73

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No.

Date 197

To
The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Sir,

Respectfully I would like to request you to allow me to go home in the after noon to day. I will come back to Ranchi on 18th July'74.

Thanking you in anticipation.

Yours sincerely.


(A. Lakra) 12/7/74
Education Officer
GEL Church Ranchi.

Granted
12/7/74

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 257/74/KSS-109

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Candidate Biraj Kujur
Jashpurnagar.

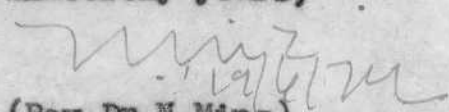
Dear Cand. Kujur,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You were found weak in Pastoralogy. You will have to improve in the subject in your practical life in the Church Service.

You are advised to go on working for the Service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

CC: Ilaka Chairman, Ichkela Ilaka
Jashpurnagar.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 258/74/KSS-109

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Cand. Theodore Elka
GELC, Kinkel

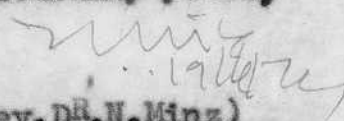
Dear Cand. Elka,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You were found weak in hymn. Please try to improve in this line in your practical life of Church Service.

You are advised to go on working for the Service of Our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,


(Rev. DR. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Elka Chairman Kinkel.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

SECRETARY : REV. P. D. SORENG

TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 317/74/KSS-109

Ranchi Dated 12th July '74.

To

The Adhyaksh NWA
The Adhyaksh SEA
The Adhyaksh M.A. ✓
The Adhyaksh Orissa. A.
The Adhyaksh Assam. A.

Dear Adhyakshas,

An extract from the minutes of the full KSS meeting dated 23th June '74 to 1st July '74 item No.22(b) is appended below for your information and needful action.

Item No.22(b): ~~xxxxx~~ Thalar:-

The Adhyakshas are requested to help to realise the advances paid to those newly ordained Pastors.

Yours faithfully,

P.D. Soreng
12-7-74
(Rev. P. D. Soreng)
Secretary, KSS.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

Secretary-Rev.P. D. Soreng

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 318/74/KSS-134

Ranchi Dated 12th July'74.

To

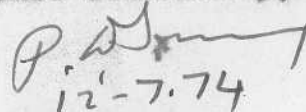
The Adhyaksh SEA.
The Adhyaksh NWA.
The Adhyaksh A.A.
The Adhyaksh O.A.
The Adhyaksh M.A. ✓

Dear Adhyakshas,

An extract from the minutes of the full KSS meeting dated 23th June'74 to 1st July'74 item No.24 is appended below for your information and necessary action.

Item No.24: New Constitution drafting :- The Anchals who have not yet fully contributed are requested to do so as early as possible.

Yours faithfully,


12-7.74

(Rev.P. D. Soreng)
Secretary, KSS.

K.S.S.OFFICERS' MEETING

1. The Officers' meeting held on 1.6.74 in the Pramukh's office with a short prayer led by the Acting Pramukh Adhyaksh.
2. Attendance:- 1. Rev.Dr.N.Minz, Acting Pramukh Adhyaksh.
2. Rev.M.Jojo, Treasurer.
3. Rev.P.D.Soreng, Secretary.
3. Interim Allowance:- After adequate discussion, it was resolved that:-
 - a. A zero point regarding the finance be arrived at by 25th of June 74. Only after this point the interim Allowance can be implemented.
 - b. Mr.S.Bhengra, Accountant is requested to work out the account to bring about the zero point by 25th of June '74, from where a fresh understanding and dealing with finance can begin.
4. Application of Mr.A.Lakra, Education Officer for Advance:-
It was resolved to pay Mr.A.Lakra as advance, which has to be adjusted in 12 equal installments @ ~~R.~~ ^{Rs.} 125.00 per month beginning from the month of June '74.
5. Transfer of building construction fund:- Resolved to endorse the resolution of the College Council which has been concurred by the Acting Pramukh Adhyaksh.
6. F.E.L.C.I matter:- Revolving fund questionnaire:-
Resolved that the questionnaire be looked in to and in case of some improvement fund necessary in some item. The same may be communicated to F.E.L.C.I.

The meeting was closed with benediction.

Sd/- Rev.P.D.Soreng
1.6.74
Secretary KSS.

321/74

Gossner Theological
College, Ranchi/Bihar.
Date 22.6.74.

Minz
22/6/74
Mr. Urbanus Toppo
Incharge G.E.L.Church
Youth Centre, Ranchi.

Dear Mr.Toppo,

in the
Youth
Centre
The G.E.L.Church youth Convention is taking place on 26.6.74. Many boys and Girls may arrive on 25.6.74 by evening. Please therefore make adequate arrangements for the boys to stay there. The girls may stay in our Theological College. Mess management may be made in the Theological College.

N.B. I am sending some cards for your distribution.
kindly do the needful.

C.C. Dr.N.Minz,
Acting Pramukh Adhyaksh ,

Yours Sincerely,

Minz
Director.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

No. 316/74/KSS-19

Ranchi Dated 12th July '74.

To

Rev. Dr. N. Minz,
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church/Ranchi.

Dear Dr. Minz,

An extract from the minutes of the full KSS meeting dated 28th June '74 to 1st July '74 item No. 18(C)-6 is appended below for your information and necessary action.

Item No. 18(C)-6: Recommendation for opening 5 years integrated B.D. Course.

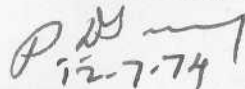
The College Council has recommended that 5 years integrated B.D. Course be introduced in the Theological College from July, 1975.

It was noted and approved.

Further action be taken by the Committee of four

1. Dr. Minz, Chairman and Convener.
2. Dr. Singh
3. Rev. M. Tete
4. Rev. R. Dang.

Yours faithfully,


(Rev. P. D. Soreng)
Secretary KSS.

CC: Dr. Singh
Rev. M. Tete
Rev. R. Dang
for information and needful action.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

No. 310/74/KSS-32

Ranchi Dated 12th July '74.

To

The Director and Secretary,
B.E.L., GEL Church/Ranchi.

Dear Sir,

An extract from the minutes of the full KSS meeting dt. 28th June '74 to 1st July '74 item No. 18(A) is appended below for your information and needful.

Item No. 18(A): GEL Church Press:- In the report of the Director, it was expressed that the KSS should take action for the betterment of the Press. In this connection investigations regarding the functions, working system and finance were discussed to ascertain the real position of the Press.

Following points were clarified:-

1. Liabilities and Assets.
2. Training of the Superintendent.
3. Car and Gun
4. Printing of Church Books
5. Business of the Press.

The following things were noted and action taken.

- I. Out of Rs. 40000.00 loan given to the Press by the KSS, Rs. Ten thousand was taken by the then Pramukh Adhyaksh Rev. J. Topno to pay the Government dues of the Press. It was reported that no payment was made with the money.
- II. Administration:- Management of the Press be revived and other suitable arrangements be made amending the constitution for its smooth running.
- III. Training:- Resolved that the management should arrange training for the superintendent and the supdt. also ^{supdt.} express his willingness to do the same.
- IV. Car & Gun:- M/C Press is advised to see that the Press gun² and the Car be transferred in the designation of the office and not in the name.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

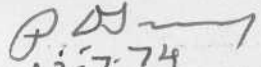
ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

- 2 -

- V. Amalgamation of the Press and CCPH:- The KSS has already taken action to amalgamate the Press and CCPH:-
Resolved to complete the process of amalgamation.
- VI. The Press superintendent and office staff was advised to show formal courtesy to enhance the business.

Yours faithfully,


12-7-74
(Rev. P. D. Soreng)
Secretary, KSS.

- ✓ cc: To the Chairman, M/C
GELC, Press, for information
and needful action.
- To the Secretary, M/C
GELC, Press, for information
and needful action.
- To the Superintendent,
GELC, Press, for information
and needful action.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

No. 304/74/KSS-90

Ranchi Dated 6th July'74.

To

The Chairmen Managing Committees:-
1. Bethesda Girls' High School, Ranchi
2. Khutitoli High School, Khutitoli.
3. Bethesda Womens' Teachers Trg. School, Ranchi.

Subject:- Appointment of Secretaries to the M/Cs.

Dear Sirs,

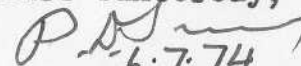
With reference to Pramukh Adhyaksh's letter No. 145/73/KSS-90 dated 22nd February'74 I have to say that the Secretary of your Managing Committees were appointed by the KSS. Regarding authority of the KSS question was raised in the last session of the KSS.

Please remember, Secretaries for Central Schools were similarly appointed in 1969.

The KSS however revised and felt that recommendations for such appointment should come from the Managing Committees.

You are therefore requested to get the recommendations of the M/C and send the same through the Education Board for approval of the KSS. Please see that action in this matter is taken within a month.

Yours sincerely,


6.7.74
(P. D. Soreng)
Secretary KSS, GELC.
Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

SECRETARY : REV. P. D. SORENG

TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 306/74/KSS-21

Ranchi Dated 11th July '74.

To

Rev. Dr. N. Minz ✓
Rev. S. R. Topno
Rev. M. Tete
Mr. Salan Bhengra

Dear sirs,

An extract from the minutes of the full KSS meeting dated 28th June '74 1st July '74 item No. 17(III) is appended below for your information and needful.

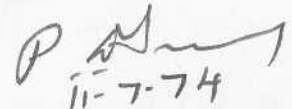
Item No. 17-III. Gharbandhu:- BEL has constituted an Editorial Committee for the Publication of the Gharbandhu with following members.

1. Rev. Dr. N. Minz, Chairman/Editor
2. Rev. S. R. Topno
3. Rev. M. Tete
4. Mr. Salan Bhengra

It was said that Rev. C. S. R Topno be requested to help in the Editorial work.

This is noted and approved by the KSS.

Yours faithfully,



(Rev. P. D. Soreng)
Secretary, KSS.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

To

The Acting Pramukh Adhyaksh
G.E.L. Church Ranchi.

Sir,

I beg to inform you that I have to go to Chaibasa to attend Chaibasa Court in connection with the land/properties of the GEL Church on 4th of July, 74.

I shall not be able to attend ~~office~~ to-morrow.

Yours faithfully,

S. Bhengra 3/7/74
(S. Bhengra)
Head Accountant, KSS.
GEL Church Ranchi

G. E. L. CHURCH
BOARD OF EVANGELISM AND LITERATURE

Director & Secretary

C. K. Paul Singh, B. D., DR. THEOL. (BERLIN)

Ref. Memo. No. **BEL/166/74**

G. E. L. CHURCH
RANCHI, BIHAR/INDIA

The **July 8, 1974**

**The Acting Pramukh Adhyaksh/G.T.C. Chairman
G.E.L. Church,
Ranchi.**

Dear Sir,

As there is an urgency to visit the Mission Field and to dedicate the newly built Chapel at Jagarnathpur on 10th July 1974 I am leaving Ranchi on 9th July and come back on 11th July, '74.

I, therefore, shall be not able to attend the ceremony of laying down of foundation of the Gossner Theological College. ~~As~~ I be please excused and necessary arrangement be kindly made.

Thanking you.

Yours sincerely,


(C.K. Paul Singh)

Copy :-

**The Principal,
Gossner Theological College, Ranchi.**

NOTICE

An emergent meeting of the N.C., A.I.C. Executive will take place at its Executive Office on July 27th, 1974 at 8 P.M.. All the Honourable members of N/C are hereby requested to attend the meeting.

The agenda for the meeting is as follows:-

1. Approval of Association deed executed on 20-6-74.
2. N/C's financial matters.
3. N/C's Training Programme.
4. N/C's Vehicles and Machinery.
5. Executive 4/8's N/A.
6. N/C's Dairy Farm.
7. Miscellaneous.

Chapman 27.6
SECRET,
N.C., Executive,
27th June, 1974.

cc. Rev. Dr. A. Hines/Rev. F. D. Spring/Rev. G. J. Erney/Rev. A. Lewis/
Mr. J. Egge/Mr. R. A. Lindholm for information please.

Notice

A meeting of the managing committee of Bethesda women's Training school, Ranchi will be held on Tuesday the 2nd July 1974 at 8 A.M. in the School premises.

Members are requested to attend the meeting.

Agenda :-

1. Minutes of the last meeting.
2. Interview and selection of the applicants for admission.

H. Samal
27.6.74

Secretary,

Bethesda Women's Training School.
RANCHI.

Time - Table

- 22.5.74 Arrival by evening & pick up the Agenda and other documents for the meeting. at 6.30 P.M.
- 23.5.74 6.A.M. Worship Service at Christ Church
7.30 A.M. Breakfast
8.A.M. Opening Devotion by Rev.Dr.N.Minz
8.30 A.M.- 10.30 A.M. Presentation of Papers on Basic Structures of the New Constitution.
10.30 A.M. Tea
11 10.30 A.M. - 12.00 noon Discussions on Basic structure .
12.00 Noon. L u n c h.
2.30 P.M. Discussion Continues
3.30 P.M. - 5.P.M. Findings on the basis of discussion.
4.30 P.M. Evening Tea. 7.30 P.M. Dinner
- 24.5.74 7.00 A.M. Breakfast
7.30 A.M.-Prayer Rev.N.Bhuinya
8.00 A.M.-12.00 noon Business Session. 12.00 Noon L u n c h.
2.30 P.M.-5.P.M. Business Session
4.30 P.M. Evening Tea. 7.30 P.M. Dinner

Evening Session if necessary.

A g e n d a.

1. Discussion on Basic Structure of the New Constitution.
2. Matters from Previous Minutes:-a) Rev.C.P.John Toppo
b) GELC, Press.
c) Expert from Japan to be invited.
d) Report on Corroborative Votes on Amendment to the Constitution.
3. Action on Basic Structure of the New Constitution of GELC.
4. FELCI Mahabalipuram Findings and the Revolving fund.
5. Letters from LWF + CCA : Dr.W.Y.Ji
Miss C.Held
Dr.G.Schaefer
6. Reports: Dr.N.Minz, & Dr. C.K.P.Singh.
7. One Layman from Assam to visit Germany.
8. Membership and Representation to Christian Education Council of India.
9. Matters from Board of Education and other Boards (if any)
Gossner College Site Plan.
10. Extension of Service of Rev.C.B.Ekka.
11. Applications for withdrawal of Provident Funds.
12. Sympathy Society.
13. Any other competent matter.

Rev.Dr.N.Minz
Acting Pramukh Adhyaksh
GELChurch, Ranchi.

सामाजिक ढाँचे के संदर्भ में कलीसिया का संगठन

(BASIC STRUCTURE OF THE CHURCH IN THE CONTEXT OF SOCIAL STRUCTURE)

कलीसिया व्यक्तियों की ईकाई से बनी है। अतः समाज का संबन्ध कलीसिया से घनिष्ठ है। इसलिए यह स्वभाविक है कि कलीसिया का संगठन समाज के ढाँचे से संबन्धित और प्रभावित हो। कलीसिया का निर्माण समाज के कच्चे माल या सामग्री से होता है। अतः कलीसिया के नये संगठन के ढाँचे के विषय विचार करते समय इसका सामाजिक ढाँचे से संबन्धित समस्याओं पर ध्यान दिया जाय।

१. समाज का अस्तित्व

सृष्टि के नियम तथा मानव सभ्यता के आधार पर समाज का गठन होता है। प्रकृति का संबन्ध सन्तानोत्पत्ति और खून के आधार का समाज गठन से है। भाषा सभ्यता का मूल चिन्ह है। समाज की रीति और उसके नियम सामूहिक रूप से समाज को संगठित रखते हैं। व्यक्ति, परिवार, कुल (गोत्र) उपसमाज और समाज तथा राष्ट्र सामाजिक अस्तित्व के मुख्य ठोस रूप हैं। इस अस्तित्व के साथ स्थान विशेष तथा इतिहास संलग्न रहते हैं।

गोस्सनर कलीसिया आदिवासी और अन्य समाज के संदर्भ में स्थित है। उरांव (कुड़ुख), मुंडा, खड़िया, हो, और संथाल आदिवासी समाज में मुख्य सामाजिक समूह हैं। बंगाली, उड़िया, कोड़ा, रेतिया, पनका आदि अन्य समाज से हमारी कलीसिया का सम्पर्क रहा है। गांव, पड़हा, राज आदि इनके राज्य-समाज संगठन होते आये हैं। इनके अलावे चारों वर्ग के हिन्दु समाज और मुसलमानों का समूह हमारे चारों ओर विस्तृत रूप से बिखरे हुए हैं। समाज और संस्कृति के विचार से हिन्दु, मुसलमान तथा हिन्दी बंगाली, ओड़िया और असामीज भाषाओं से घिरे हुए हैं।

इस सामाजिक संदर्भ में कृषि प्रधान और औद्योगीकरण तथा वाणिज्य व्यापार और सरकारी दफ्तरों के मध्य में समाज का जीवन यापन हो रहा है। इन ठोस सामाजिक सच्चाई के मध्य में कलीसिया का संगठन होना है।

२. कलीसिया का अस्तित्व

कलीसिया नई सृष्टि है। ईश्वर ने यीशु मसीह के नाम में नई सृष्टि आरम्भ की है। यीशु मसीह के जीवन, दुःख सहन क्रूर मृत्यु और पुनरुत्थान के सुसमाचार को सुन कर पवित्रात्मा की आगुवाई में यह विश्वास करना कि ईश्वर यीशु के कारण पापी के पाप क्षमा करता और अपनी जीवित संगति में ग्रहण करता है, (यह) नई सृष्टि की प्रक्रिया है। इसी सुसमाचार के आधार पर विश्वासियों की फुंद बनती है। इस फुंद या समूह की सीमा समाज और भाषा तथा राष्ट्र की दीवारों को तोड़ कर अखिल जगतीय संगति के निर्माण के लिए द्वार खोलती है। खून या सृष्टि के सम्बन्ध तथा भाषा और संस्कृति की मान्यता और मुल्य हैं पर कलीसिया में इनकी सीमा से व्यक्ति (विश्वासी) पूर्ण प्रतिबंधित नहीं है।

व्यक्ति, समाजगठन, भाषा सुसमाचार के वाहक हो जाते हैं। ये साधन हैं साध्य नहीं। अतः क्लोसिया के जीवन और उसके कार्य या मिशन में ये वाहक नहीं पर साधक होंगे। इनके व्यवहार से क्लोसिया में आत्मिक संगति को बढ़ती हो। क्लोसिया इससे लाभान्वित हो, इससे हानि न होवे। विशेष कर क्लोसिया में इनके व्यवहार से आत्मिक संगति को वृद्धि हो तथा क्लोसिया की एकता उसकी शक्ति बनी रहे।

भाषा वचन से संबन्धित है। भाषा ईश्वर के वचन या सुसमाचार का मुख्यवाहक है। सक्रामेन्त और समाज में सम्यता की सामग्रियां यीशु मसीह की उपस्थिति के साक्षात्कार में सहायक हैं। अतः क्लोसिया में असुक भाषा का व्यवहार तथा संस्कृति के सामग्रियों का व्यवहार भी अनिवार्य हैं। कुड़ख, मुंडारी, खड़िया, हो, संथाली और बंगाली, उड़ीया और हिन्दी भाषाओं का व्यवहार होना आवश्यक है।

इन्हीं बातों को मद्देनजर रखते हुए गोस्सनर क्लोसिया की मंडली, पेरिश, इलाके तथा उपर के संगठन बने हुए हैं। क्लोसिया मूल रूप में संगति है पर इसी संगति का दृश्य और ठोस रूप शासन तथा सेवा संगठन भी हैं। क्लोसिया के नये ढांचे के निर्माण में निम्नलिखित विशेष बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है।

3 विचार्य विशेष बिन्दु -

जब क्लोसिया के संगठन को सामने रखते हैं तो स्वाभाविक है कि प्रस्तुत समाज, उप-समाज और समूहों के ढांचे के सम्पर्क में आना ही है। इस सम्पर्क सहित संगठन के ढांचे निर्माण होंगे। याद रहे कि इस ढांचे से आत्मिक संगति (जिसका ठोस रूप सामाजिक सम्पर्क) और क्लोसिया की भीतरी और दृश्य एकता बनी रहे। भीतरी एकता सुसमाचार और सक्रामेन्त विषय शिक्षा और विश्वास से संलग्न है और दृश्य एकता एक साथ सेवा करने की संभावना देने वाली शासन व्यवस्था है। इन मुख्य निशानों को सतत सामने रखना आवश्यक है अतः निम्न बिन्दुओं पर गौर करें।

क) मंडली, पेरिश और इलाका गठन में समाज, भाषा, संस्कृति को ध्यान में रखते हुए क्लोसिया की संगति और उसकी एकता को आरम्भ हो से प्रकट करने का प्रयास हमारी क्लोसिया में किया गया है। यह एक दृश्य सच्चाई है जो गोस्सनर क्लोसिया की सामर्थ्य का प्रमाण है। क्लोसिया की संगति और उसका स्पष्ट रूप सेवा की संभावना देने वाली शासन व्यवस्था है।

ख) इलाके से सीधे केन्द्र निर्माण करके एकीकरण के प्रयास में समस्याएं और अड़चनें होती आयी हैं। एक समाज का अधिक बल शासन अधिकार पाकर दूसरे के प्रति स्वाभाविक रूप से व्यवहार किया गया है। इससे स्वस्थीय एकता और संगति भंग की नोटें आयी हैं। समाज की शक्ति का व्यवहार स्वस्थीय रूप में तभी व्यवहार हो सकता, जब एक सम्पूर्ण समाज या भाषा समूह को अपना स्वस्थीय सहकर्मी, सहराही और संगी समझे। स्वभाव से तो एक दूसरे को अपना प्रतिस्पर्धी या समय-समय पर अपना शत्रु भी समझ बैठता है। एक को दूसरा सही रूप में अपना निकट पड़ोसी यीशु मसीह के खून के सम्बन्ध के कारण हो समझ सकता है।

ग) इसी समस्या के समाधान के लिए सिनोद प्रथा, और अंचल ढांचे का निर्माण हुआ। सिनोद अब नहीं है। अंचल ढांचे से भी हम असन्तुष्ट हो चुके हैं। पर याद रहे कि इलाका के उपर सीधे केन्द्र बनाने में अड़चने हैं। इसीलिए केन्द्र और इलाका के बीच एक ऐसी सीढ़ी की आवश्यकता है जिससे समाज का ढांचा, भाषा और संस्कृति क्लोसिया की एकता, उसकी संगति को स्थिरता और विकास में सहायक हो।

इति

(पाद्री डा० एन० मिंज)

गोस्सनर क्लोसिया का भविष्य - केन्द्रीकरण अथवा विकेन्द्रीकरण ?

.....

गोस्सनर क्लोसिया आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर आ गई है। हमने गम्भीरतापूर्वक यह सोच विचार करना आरम्भ किया है कि भविष्य में क्लोसिया का प्रशासनिक संगठन कैसा हो कि क्लोसियाई जोवन हर दृष्टिकोण से आगे बढ़ सके। इस विषय को लेकर हमें एक विशेष प्रश्न पर गौर करना पड़ रहा है। प्रश्न है कि क्लोसिया का संगठन केन्द्रीकृत हो अथवा विकेन्द्रीकृत हो। इस प्रश्न पर विचार करते समय हम यह भी स्मरण रखें कि यह प्रश्न आज हमारे सामने क्लोसिया की उस आर्थिक स्थिति को लेकर उठ रहा है जो केन्द्र को हिला रही है। अतएव यह देखना आवश्यक है कि किस प्रकार के संगठन से क्लोसिया की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

गोस्सनर क्लोसिया के लिये 'केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण' कोई नया प्रश्न नहीं है। विभिन्न परिस्थितियों में समय-समय पर क्लोसिया को इन दो प्रकार के संगठनों पर सोच विचार करना पड़ा है। संभवतः कारण वश ही गोस्सनर क्लोसिया ने कभी भी न तो पूर्ण केन्द्रीकृत संगठन को अपनाया और न तो पूर्ण विकेन्द्रीकृत संगठन को ही। आज हम फिर नई रीति से इन दो संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

क) केन्द्रीकरण:- पूर्ण केन्द्रीकृत संगठन का अर्थ यह होता है कि संगठन में आये हुए मसीहियों का समूह न सिर्फ समूह के सदस्यों को चरवाही, सेवकाई, अध्यात्मिक प्रशिक्षण एवं साक्षी देने आदि कार्यों को सामूहिक रूप से निवाहना स्वीकार करता है, परन्तु समूह के प्रशासनिक अधिकार की सत्ता को केन्द्र पर केन्द्रित करता है। केन्द्र क्लोसिया के प्रशासनिक जीवन का स्रोत हुआ करता है। क्लोसियाई कार्यों के लिये आवश्यक रकम एकत्र करने और उसके खर्च के सम्बन्ध में उचित व्यवस्था करने की जिम्मेदारी केन्द्र पर ही होती है। इस प्रकार के संगठन को गोस्सनर क्लोसिया पर लागू करने से यह होगा कि क्लोसिया की एकता के अनुकूल केन्द्र में एक प्रशासनिक पदाधिकारी, चाहे प्रेसिडेंट अथवा बिशप अथवा किसी अन्य नाम से होंगे। उनकी सहायता के लिये संभवतः एक समिति (चर्च कौंसिल) होगी जिसके सदस्य विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिनिधित्व करेंगे। समिति के अधीनस्थ उसी के द्वारा नियुक्त विभागीय अफसर (सेक्रेटरी, सजांची, जयदाद-मैनेजर, शिक्षा पदाधिकारी, राज्यवृद्धि डायरेक्टर आदि) दिन-प्रतिदिन के प्रशासन कार्य का संचालन करेंगे। नीचे स्तरों में इलाका चेयरमैन, पेरिस चेयरमैन एवं अन्य कर्मचारीगण भी उक्त केन्द्रीय समिति के अधीन कार्य करेंगे। हर स्तर के लिये आवश्यक खर्च के निमित्त आय-व्यय का प्रबन्ध केन्द्रीय समिति के निर्णयानुसार होगा। केन्द्र ही पूरी क्लोसिया के खर्च को बढ़ाने एवं घटाने का अधिकार रखेगा। केन्द्रीय समिति का निर्णय अन्तिम निर्णय होगा। इसके लिये नीचे स्तर के किसी संगठन का मत (Corroborative Vote) लेना आवश्यक नहीं रहेगा।

ऊपर वर्णित केन्द्रीकृत संगठन का अनुभव गोस्सनर क्लोसिया को ओटोमोमी के पश्चात् वाले वर्षों में कुछ हद तक प्राप्त हुआ था। उन दिनों में पूरी क्लोसिया का प्रशासनिक अधिकार "महासभा" पर निहित था। महासभा पूरे क्षेत्रों से नियमित रूप से आये हुए प्रतिनिधियों की सभा थी। महासभा के कार्यों को स्थायी रूप से करने वाली समिति "चर्च कौंसिल" थी। इस प्रकार से क्लोसिया का प्रशासनाधिकार चर्च कौंसिल को प्राप्त था।

साधारणतः इस प्रकार के केन्द्रीकृत प्राशासनिक व्यवस्था से कुशल प्रशासन मिलने की बहुत अधिक संभावना रहती है। छोटी क्लीसियाओं के लिये तो यह उत्तम व्यवस्था मानी जाती है। चर्च कौंसिल ने भी ओटोमोमी के बाद उन सभी समस्याओं का सामना योग्यता पूर्वक किया जो उन दिनों उत्पन्न हुई और उन वाह्य शक्तियों का मुकाबला किया जो क्लीसिया को हिला सकती थीं। किन्तु ऊपर दर्शाया जा चुका है कि गोस्सनर क्लीसिया का संगठन कभी भी पूर्ण केन्द्रीकृत नहीं रहा। चर्च कौंसिल के दिनों में भी इलाका स्तर तक के संगठनों को प्रशासनिक एवं आर्थिक विषय में नियंत्रण अधिकार बहुत अधिक प्राप्त था। ज्यों ज्यों क्लीसिया का भौगोलिक क्षेत्र विस्तृत होता गया, क्लीसिया की प्रगति इलाकों पर निर्भर करने लगी। केन्द्र धीरे धीरे कमजोर होता गया। आर्थिक बातों में तो केन्द्र का बल एकमात्र विदेश से प्राप्त रकम पर ही निर्भर था। केन्द्र को इलाकों से प्राप्त 'मंडली पैसा' रकम जितना मिलता था उसका आधा भी नहीं मिलता था। इन दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में क्लीसिया की प्रगति हुई। अनेक हाई स्कूल खुले, अनेकों जगह नये गिर्जे घर बने और कई प्रदेशों में गोस्सनर मंडलियों की संख्या बढ़ती ही गई। प्रश्न उठ सकता है कि इन प्रगतियों का आधार क्या रहा, केन्द्र अथवा इलाका एवं नीचे स्तर की अन्य ईकाई। मेरे देखने में ऐसी प्रगति का श्रेय इलाकों और प्रचारकपनों को है।

यदि हम केन्द्रीकृत संगठन को अपनाना और साथ ही केन्द्र को हर दृष्टिकोण से मजबूत देखना चाहते हैं तो कदाचित् पूर्ण केन्द्रीकरण की आवश्यकता पड़ेगी। संभवतः आर्थिक-नियंत्रण-स्वतंत्रता जिस हद तक आज इलाका स्तर की ईकाइयों को प्राप्त है उसे उठा कर केन्द्र में लाना होगा; हर स्तर के आय-व्यय का प्रशासनाधिकार केन्द्र ही के हाथ सौंपना होगा। केन्द्र आय के अनुसार ही केन्द्र में एवं नीचे स्तरों में कर्मचारियों की संख्या को निर्धारित करेगा।

इसमें संदेह नहीं कि गोस्सनर क्लीसिया इस प्रकार के केन्द्रीकृत संगठन को अपना कर थोड़े समय में ही केन्द्र को वार्षिक आर्थिक घाटे से मुक्त कर पाएगी। संभवतः प्रयास करने पर मजबूत प्रशासन भी प्राप्त हो जाएगा। किन्तु इस प्रकार के पूर्ण केन्द्रीकरण से क्लीसिया पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकते हैं। हमें ऐसे प्रभावों पर भी विचार कर लेना आवश्यक है।

जब कभी कोई क्लीसिया पूर्ण केन्द्रीकृत होती है तब नीचे स्तर के संगठन क्लीसिया के सभी कार्यों के प्रारम्भ (initiative) निर्देश (direction), निरीक्षण (inspection) आदि बातों के लिये केन्द्र ही की ओर ताकते हैं मानों वास्तव में क्लीसियाई जीवन का एकमात्र स्रोत केन्द्र ही हो। ऐसी अवस्था में केन्द्र अगर कारणवश पूर्ण रूप से क्रियाशील (active) नहीं हो पाया तो नीचे के स्तरों में शिथिलता आ जाती है, सदस्यों में क्लीसियाई जीवन एवं कार्यों के प्रति अभिरूचि घटने लगती है, उनका प्रारम्भ करने का गुण (initiative) कार्य नहीं करता है। क्लीसिया का क्षेत्र अधिक विस्तृत हो जाने पर केन्द्र का कार्य-प्रभाव यथोचित रूप में नीचे तक नहीं पहुंच पाता। यही बात गोस्सनर क्लीसिया के साथ भी घट सकती है। आज तक तो गोस्सनर क्लीसिया के इतिहास में हर प्रकार की मुसीबतों के आने पर भी गोस्सनर मसीहियों में स्वयं किसी कार्य को प्रारम्भ करने के लिये तैयार रहने (Self initiative)

का जो गुण देखने को मिला है वह सराहनीय है। जब कभी गोस्सनर मसीही असम के चाय बगान में, अथवा उड़ीसा (बनई, बमड़ा) के जंगलों में अथवा किसी नये खदान, कारखाना एवं रेल-स्टेशन में कुछ वर्षों के लिये गये, वे साधारणतः अपने साथ उपासना, सक्रामेन्त एवं मसीही संगति की भूख-प्यास लेकर गये। फलतः दो तीन ऐसे गोस्सनर मसीही जन अथवा परिवार एक जगह रह जाने पर उन्होंने उतनी ही की एक मंडली संगठित करने का प्रयास किया, कलीसिया के अन्य मंडलियों से सम्बन्ध स्थापित किया और संख्या कुछ अधिक बढ़ने पर छोटा मोटा उपासनालय भी बना डाला। इन सब कार्यों में केन्द्र पर ~~गंभीर~~ धरे बैठ रहने एवं केन्द्र के प्रारम्भिक कार्य (initiative) का इन्तजार करने की बात नहीं रही। ऐसी जागृति ओटोनोंमी का देन है, इसे हर कीमत से जीवित रखना चाहिये। अ प्रश्न है कि क्या पूर्ण केन्द्रीकृत संगठन को अपना कर गोस्सनर कलीसिया ऐसी जागृति को जीवित रख पाएगी ?

ख) विकेन्द्रीकरण:- विकेन्द्रीकृत संगठन में प्रशासनाधिकार केन्द्र पर केन्द्रित न होकर नीचे स्तर की ईकाइयों पर विकेन्द्रित होता है। फिर भी कलीसिया एक समूह रहती है और सामूहिक रूप से कलीसियाई उत्तरदायित्व निवाहना चाहती है। ऐसा संगठन पूर्ण विकेन्द्रीकृत अथवा अर्द्ध-विकेन्द्रीकृत हो सकता है। भारत में पूर्ण विकेन्द्रीकृत संगठन का प्राहम वपतिस्त कलीसियों में दोस्तता है। हर एक स्थानीय मसीहियों का समूह (मंडली) मंडली स्तर के सभी कार्यों के लिये जिम्मेदार होती है। वही अपने मंडली के पालक (पास्टर) की नियुक्ति करती है और उसके वेतन आदि संपूर्ण सर्व का वाहन करती है। किसी एक क्षेत्र को ऐसी मंडलियां अपने क्षेत्र में सामूहिक रूप से विभिन्न कार्यों के लिये संगठन (Union) बनाती हैं। यूनियन बनाकर वे विशेषतः ऐसी संस्थाओं को संभालती हैं जिनके द्वारा पूरे क्षेत्र की सेवा होती है। ये यूनियन आवश्यकतानुसार और अपने आर्थिक सामर्थ्यानुसार पूरे क्षेत्र के लिये चाहे पूर्ण वेतन भोगी अथवा होनोरारी अफसरों को नियुक्त करते हैं। इस तरह से यूनियन स्तर तक के सर्व के लिये सभी मंडलियां जिम्मेदार रहती हैं। छोटे यूनियन आवश्यकतानुसार बड़े यूनियन में भी संगठित होते हैं।

इस प्रकार के विकेन्द्रीकृत संगठन से नीचे स्तरों में स्वशासित, स्वपालित, स्वसंचालित आदि गुणों के जीवित रहने की संभावना अधिक रहती है। सदस्यों के स्वयं गतिशील (Self initiative) गुण क्रियाशील (active) होते हैं। नीचे स्तर के किसी भी कलीसियाई कार्य के लिये मंडलियां ऊपर की ओर नहीं ताकतीं। आर्थिक स्वावलम्बन नीचे स्तर के संगठनिक ईकाइयों का विशेष आधार होता है। किन्तु इस प्रकार के संगठन में केन्द्र के कमजोर होने की संभावना होती है। आर्थिक द्वात में यदि नीचे स्तर की ईकाइयां मजबूत न हों तो केन्द्रीय कोष में उनको जो देन देना रहता है वह पूर्ण रूप से जमा नहीं हो पाने की संभावना रहती है।

यदि हम गोस्सनर कलीसिया पर पूर्ण विकेन्द्रीकृत संगठन लागू करना चाहें तो ऐसा होगा कि हमारे सबसे छोटे 'ईकाई' 'प्रचारकपन' को प्रशासनिक पूर्ण अधिकार मिलेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से हर एक प्रचारकपन को स्वपालित होना होगा। प्रचारकपन से ऊपर जो भी क्षेत्रीय

संगठन (पेरिस अथवा अन्य नाम से) होंगे उनका कार्य होगा उस क्षेत्र की सामूहिक शक्ति को प्रगट करना और वेबल क्लास, युवा संघ, महिला संघ, आध्यत्मिक प्रशिक्षण आदि से सम्बन्ध रखने वाले विषयों पर सामूहिक रूप से बात-विचार करना एवं कार्यक्रम बना कर संचालन करना । जब कभी ऐसे सामूहिक कार्यों के लिये रकम की आवश्यकता होगी, प्रत्येक ईकाई (मंडली) का कर्तव्य होगा कि अपना हिस्सा सर्व वाहन करने का प्रबन्ध कर ऐसे क्षेत्रीय संगठन कोषा में उक्त कार्य के लिये भेज दें । इस प्रकार के छोटे क्षेत्रीय संगठन बड़े क्षेत्रीय संगठन के अंग होंगे । इस प्रकार से पूरी गोस्सनर क्लोसिया का केन्द्र संगठित होगा और केन्द्र के प्रति नीचे स्तर की ईकाइयां अपनी जिम्मेदारी निवाहेंगी ।

अब जब हम विकेन्द्रीकरण के प्रश्न को लेकर गोस्सनर क्लोसिया के इतिहास को देखते हैं तो यह दोखता है कि क्लोसिया का प्रशासनाधिकार नीचे स्तर में इलाके तक को दिया जा चुका है । समय-समय पर नई नियमावली लागू हुई और विभिन्न संगठनिक प्रारूप अपनाये गए किन्तु इलाका स्तर तक कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ । जो भी बदलाव हुआ वह विशेषतः केन्द्र से ही सम्बन्ध रखे । आज भी बहुत कम लोग हैं जो इलाका एवं इलाका से नीचे स्तर के संगठनों में किसी प्रकार की बदलाव लाना चाहते हैं । प्रचारकपनों को प्रशासनिक पूर्ण अधिकार देना इसलिये भी संभव नहीं है क्योंकि इस स्तर तक सेवकाई का कार्य अधूरा ही रह जाता है । सक्रामेन्त के लिये पेरिस संगठन आवश्यक है । अतएव गोस्सनर क्लोसिया के लिये पूर्ण विकेन्द्रीकरण की संभावना नहीं रह जाती है ।

प्रश्न उठता है कि विकेन्द्रीकरण का प्रश्न बीचे दिनों में गोस्सनर क्लोसिया में कैसे उठा ? इलाका स्तर तक को प्रशासनाधिकार देना संभवतः प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर हुआ । किन्तु जहां तक केन्द्र में विकेन्द्रीकरण का प्रश्न आता है, गोस्सनर क्लोसिया के निजी समस्या के कारण उठता आया है । हमारी क्लोसिया में अब भी कोई प्रशासनाधिकार केन्द्र पर केन्द्रित होता है, साधारणतः यह दोखता आया है कि ऐसे अधिकार प्राप्ति के लिये किसी किसी रूप में गुटबन्दी होती है । गुटबन्दी से तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है । तनाव क्लोसिया के वातावरण को न सिर्फ केन्द्र में परन्तु नीचे तक दुष्प्रति कर डालती है । ऐसी घटनाओं के कारण क्लोसिया को जैसे दिन देखने को आये हैं वे हमें यह सोचने को बाध्य करते हैं, कि ऐसी समस्याओं का निराकरण कैसे हो । मेरे देखने में ऐसी समस्याओं का जड़ केन्द्र ही रहा है ।

अतएव जब हम एक ओर पूर्ण केन्द्रीकरण एवं पूर्ण विकेन्द्रीकरण के अनुकूल एवं प्रतिनूल प्रभावों को देखते हैं और दूसरी ओर गोस्सनर क्लोसिया की वर्तमानिक स्थिति को देखते हैं तब ऐसा प्रतीत होता है कि संभवतः दोनों प्रकार के संगठनों के संतुलित मिश्रण से ही अपेक्षित प्रारूप प्राप्त होगा जो गोस्सनर क्लोसिया के लिये उपयुक्त भी होगा ।

जहां तक केन्द्र में तनाव उत्पादक समस्याओं के निराकरण का प्रश्न है, मेरे देख में केन्द्रीय सत्ता का विकेन्द्रीकरण ही इसका उपाय है । किन्तु जब पूर्ण विकेन्द्रीकरण गोस्सनर क्लोसिया के लिये उपयुक्त नहीं है तब नीचे के किसी संगठन ईकाई के स्तर तक पूर्ण केन्द्रीकरण आवश्यक होगा । ऐसे पूर्ण केन्द्रीकृत ईकाइयां अधिक न हों जिससे केन्द्र का संगठन कार्यशील रह सके ।

पूर्ण केन्द्रोक्त ईकाइयों के आर्थिक स्वावलम्बन पर केन्द्रीय आर्थिक स्वावलम्बन निर्भर करेगा ।
केन्द्र में तनाव का निराकरण और क्लीसिया का आर्थिक स्वावलम्बन दोनों लक्ष्यों की पूर्ति
कदाचित् इस प्रकार से हो सकेगी ।

मैं कई लोगों के इस विचार से सहमत हूँ कि क्लीसिया के सुधार एवं प्रगति नये संगठन को अपनाने मात्र से नहीं आयेगी । क्लीसिया को नितांत आवश्यकता है प्रशासन प्रणाली की । संगठन का प्रारूप जैसा भी हो परन्तु आवश्यक प्रशासन-प्रणाली हर स्तर के लिये लागू होना चाहिये । इससे प्रशासन-को मजबूत बनाने और आर्थिक प्रगति लाने में सहायता प्राप्त होगी । फिर भी केन्द्र की तनाव उत्पादक समस्या प्रशासन-प्रणाली से परे दूर नहीं होगी । इसके निराकरण के लिये नया एवं ठोस कदम क्लीसिया को उठाना अनिवार्य है ।

Department of Theology
Serampore College
Serampore, W. Bengal.

डा० एम० दागे
४-५-७४

साथीव.

मंडली पंच

जी० ई० हलचल चय, रायी ।

महाशय,

आप के पत्र २४.६.०८

के अनुसार आम समा में जा
रिपोर्ट देने के लिए हमें कहा
गया है, और संबंध में हमें

बड़ी कष्टना दे, कि युवराज
के अधिकारी के रूप में असमर्थ

हैं। य कि किली वरह का
कारण हमें नदी मिला है
और न हमें किली प्रकार का
अधिकार दो पाप हुआ है।

साथी
२४.६.०८

आप का विश्वल
सुशाल कुंज
साथी प्रय सेवर

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

HAZARIBAGH (ILAKA)

Est.—1853

Chairman : Rev S Kujur
Secretary : Mr. P. K. Minj
Treasurer : Prof. P. C. Horo

Ast Secty. : Mr. C. M. Horo
Ast. Tr. : Mr. P. E. Beck

SINGHANI
P. O. HAZARIBAGH

Dated _____ 197

To
The Acting Pramukh Adhyaksh
K. S. S. Ranchi

Dear Sir,

We have been given to understand at a very late hour that candidat Sri P. Hansda of Hazaribagh Ilaka is going to be ordained tomorrow the 30th June 74. Important happenings like this should have been made known earlier to the Ilaka working Punch members. We also feel that as a matter of fact before selecting for ordination it was essential to obtain consent of the Ilaka under which a particular candidat works. But we regret this has been ignored.

On 26th instant, cand. P. Hansda had been here and through him it was learnt that the cost of "Thalar" which would cost approximately Rs 400/- by him is to be borne by him and hence requested for the loan. This is a very surprising matter that a candidat getting a very low salary has to borne the cost of the "Thalar" for himself.

P.T.O

GOSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(HAZARIBAGH (ILAKA))

We are not aware whether for such occasions the central organisation of the G. E. L. church has to borne the expenses.

However to cope with the emergency a sum of Rs 150/- is being advanced to him.

For the rest amount of Rs 250/- this ~~to~~ may please be advanced to him by the K.S.S.

This request is made on the Statimment given by cand. Hansda that if Glaka stands guarantee. If this sum could be given to him by the K.S.S.

We are requesting our Glaka chairman who is already at Ranchi through a seperate letter to stand guarantee on behalf of the Glaka.

Yours faithfully.

P. Minz
29/6/74
Secretary
HAZARIBAGH ILAKA
G. E. L. CHURCH SINGHANI

U. Minz
29/6/74
Treasurer
HAZARIBAGH ILAKA
G. E. L. CHURCH SINGHANI

XF 1617 CR7 GENEVA 27 OCS 13 MINZ GEL RANCHI

= MY BEST WISHES FOR CONSTRUCTIVE POSITIVE DECISIONS IN KSS = HELLBERG =

LN 489 MINZ GEL KSS CR7-

30A



**ख
B**

**भारतीय डाक
INDIAN POSTS AND**



**तार विभाग
TELEGRAPHS DEPARTMENT**

ख संख्या/B. No.....

प्राप्ति का समय/Received at.....	भेजने का समय/Sent at.....	परिपथ संख्या Circuit Number	तारीख मोहर Date-Stamp
किससे/From.....	किसको/To.....		
किसके द्वारा/By.....	किसके द्वारा/By.....		

टिप्पणी—समय को स्पष्ट रूप से ठीक-ठीक भरिए । तार मनीआर्डरों, प्राथमिकता तथा जवाबी परियात के मामले में पूरे हस्ताक्षर करें ।
Note—Enter Time neatly and correctly. Sign in full in T. M. Os. Priority and Reply paid Traffic.

MGIPAh.—857—23*! 1-72—5,00,000

(23-7/69(MT))

Very Urgent & important

To

The Acting Pramukh Adhyaksh,
G. E. L. Church,
Ranchi.

Subject: - Submission of a proposal
for the appointment of teachers
to DSE, Ranchi.

Sir,

On the subject noted above
I wrote you one letter seeking
your advice in absence of Sri A.
Bahra, Education Officer and in
view of the delay in its submission.
Till this evening I received no
instruction from you for which I
regret.

Now in spite of the importance
of the above noted work I am com-
pelled to go to Fuchi tomorrow early
in the morning at 6 a.m. as I am
to address fresh interviewers at
8 a.m. I cannot get back from
there tomorrow. Under this circum-
stance I advise you to send the
proposal to the DSE under the
signature of Sri A. P. Barla, education
clerk or do as you think fit.

I regret for my absence
in the office tomorrow.

Yours faithfully,

Dated Ranchi, June 28'74

HSamael
Executive Officer,
Educ. Deptt.

(2) The proposal
must accompany
a forwarding
letter.

(1) The proposal is on the table of the Education
Officer. It should be typed again. Mr. A. P.
Bahra may sign for Education Officer and
the rest of the letter be given below the
signature.

Minutes of the KSS Meeting dt.16.4.74.

1. Prayer:- The KSS meeting was started with a prayer led by the Acting Pramukh Adhyaksh Rev.Dr.N.Minz.

2. Attendance:- The following members were present:-

1. Rev.Dr.N.Minz - Acting Pramukh Adhyaksh.
2. Rev.N.Bhuinya
3. Rev.C.B.Aind
4. Mr.H.Soy
5. Mr.C.A.Tirkey
6. Mr.E.Bara
7. Rev.M.Jojo
8. Rev.S.Barla
9. Mr.N.Kerketta
10. Mr.T.P.Lakra
11. Rev.P.D.S.Bage
12. Rev.P.D.Soreng
13. Rev.S.Pungdung
14. Rev.Dr.C.K.P.Singh
15. Rev.S.Kujur - abs
16. Rev.C.S.B.Horo

sent a telegram that due to dislocation of train services Assam delegates are unable to come. Further informed to accept all decisions to be taken by the KSS.

- | | | |
|----------------|---|------------------------|
| 17. Mr.G.Tiru | | Assam - apology above. |
| 18. Mr.P.Surin | | |
| 19. Mr.B.Topno | - | absent with apology |
| 20. Rev.N.Bor | - | absent. |

3. Recording Secretary: Mr.C.A.Tirkey was asked to continue as recording Secretary for this meeting also.

4. Ratification of the Emergency Meeting held on the 15th & 16th March '74.
Minutes of the last emergency meeting of the KSS held on the 15th & 16th March '74 was read and ratified after it was moved by the house to do so.

5. Talks from the minutes for clarification:-
Following points were clarified for the satisfaction of the members.

1. Restoration of KSS
2. Drafting Committee to invite some experience members for consultation while forming constitution.
3. Clarification about Mr.Z.Lakra, It was reported that Mr.Z.Lakra is the legal member of G.E.L.Church has been confirmed. He may be accepted as member of the Drafting Committee.

6. Election of Secretary & Treasurer for the Interim Period:-

Following steps were taken to elect Secretary & Treasurer as per Constitution:-

Appointment of Nomination Committee:-

Following members were appointed as the members of the Nomination Committee -

- | | |
|-------------------|--------------------|
| 1. Rev.C.B.Aind | 2. Rev.N.Bhuinya |
| 3. Rev.S.Barla | 4. Rev.P.D.S. Bage |
| 5. Mr.H.Soy | 6. Mr.C.A.Tirkey |
| 7. Mr.T.P.Lakra | 8. Mr.E.Bara |
| 9. Mr.N.Kerketta. | |

7. Election of Secretary & Treasurer:-

The house proposed and seconded the following names for the post of Secretary and Treasurer.

1. Rev.P.D. Soreng - Secretary
2. Rev.M.Jojo - Treasurer

As there were no other names, they both were declared elected uncontested to their respective post as it was not necessary to send

them to the Nomination Committee.

Further resolved to send the names of Rev.P.D.Soreng, Secretary and Rev.M.Jojo Treasurer for scrutiny and confirmation by the Statutory Board.

8. Bank Operation:- It was reported to the house that the Munsif Magistrate, has allowed Dr.C.K.Paul Singh as acting Pramukh Adhyaksh to operate the Bank account till the case is decided.

The KSS accepts this arrangement and resolved that Dr.C.K.Paul Singh is to make Bank operation while Rev.M.Jojo, Treasurer shall make disbursement to various offices.

9. Amendment:- Proposed amendment regarding Corroborative was read, compared and after some clarification was finally accepted by the KSS.

It was resolved to send the amended constitution for Corroborative votes of the Anchals.

As agreed in the last KSS meeting, the Corroborative votes be completed by 30th April '74. (See appendix for Amended Const.)

10. Review in the Calender of Works:- It was felt that before the Drafting Committee meets, the KSS must meet to discuss the frame works and guidelines of the Constitution.

Accordingly it was decided that the KSS shall meet on the 14th and 15th May and the Drafting Committee to meet from the 16th May '74 and the member shall arrive on the 15th evening.

It was further resolved to invite following members on the 14th May '74 for consultation.

1. Rev.Dr.M.Bage - Prof. Serampore
2. Rev.M.Tete - Principal G.Th.Colleg.
3. Sri.N.E.Horo - M.P.-Substitute - Mr.H.Samad.
4. Sri.A.Lakra - Education Officer.
5. Rev.J.J.P.Tiga
6. One Youth representative
7. One Woman representative

It was also decided to invite a representative of F.E.L.C.I. for consultation.

11. Extension of Service:- Rev.C.J.Tirkey was given extension for one year more from the date of his retirement.

12. Rev.C.P.John Toppo:- Rev.C.P.John Toppo has applied to rejoin the Service of the G.E.L.Church Ministry.

The KSS considered his application and accepted him in the ministerial service of the GEL Church.

Resolved that he be declared in the regular Church service as Pastor of the Church and his rejoining be published in the Gharbandhu.

Posting of Rev.C.P.John Toppo:- Resolved to post Rev.C.P.John Toppo in the North West Anchal. The terms and condition under which he will be re-appointed be intimated to the KSS.

- 13(a) Extension of Scholarship to Mr.Manohar Kujur (74-75):-

Acting Pramukh Adhyaksh reported that recommendation for extension of Scholarship to Mr.M.Kujur for 74-75 was asked from the LWF. As the time was limited and it was necessary, the Acting Pramukh Adhyaksh sent the recommendation for extension of his Scholarship.

The KSS approves the action of the Acting Pramukh Adhyaksh.

13. (b) Membership & Representation of Christian Education Council of India.

The matter was postponed till next meeting.

14. City allowance:-

The KSS Office staff have applied for City allowance.

A sub-committee was set up to bring recommendation for this. Following members were appointed to form the sub-committee and to bring recommendation while the KSS is in session.

1. Rev.M.Jojo
2. Rev.C.B.Aind - Convener.
3. Rev.Dr.C.K.P.Singh.

15. Posting of Candidates: & Theological Students.

The following Candidates have been posted to the Anchals mentioned against their names:-

B.D.Students:-

1. Mr. Hizikiel Khess - NWA
2. Rev. Nehemia Topno - SEA
3. Mr. Manohar Kandulna - Orissa
4. Mr. Saban Martin Topno - SEA.

B.Th. Students:-

1. Mr. Belas Bara NWA
2. Mr. Elias Topno SEA
3. Mr. Prabhudan Burh - Higher study.
4. Mr. Sushil Horo - Assam
5. Mr. John Minz - Higher study.
6. Mr. Paikas Khess - NWA
7. Mr. B. Kumar Nag - NWA
8. Mr. C.A.S. Kandulna - Orissa.
9. Mr. Jolen Marshal Topno - Assam
10. Mr. Christ Samson Kandulna - Orissa.
11. Mr. Suleman Lugun - SEA
12. Mr. Anand Masih Minz - NWA
13. Mr. Yakub Soreng - G.Th.C.
14. Mr. Dhan Masih Baa - NWA.

16. Budget: Six months budget from March to August '74 was presented and with after necessary addition and alteration was adopted by the house. (See appendix)

Following action were taken:-

Income from Properties:- To get more income it was passed.

(1) That Rent be directly collected from Good Books also. RCP and Good books be informed of this decision.

(2) That income from Money Fetching Buildings in the Anchals must be sent to the KSS.

(3) That 50 % income from the landed properties of Karamdih, Koronjo, Lali and Khutitoli must be realised. The Managers shall take necessary steps to realise the same.

(4) That the Press must pay the required amount to the KSS.

(5) That Sri.A.P.Barla be paid from the Ed.Fund and also work for the Ed.Board.

17. Dr. Helberg's letter:- Dr. Helberg writes that he had to cancel his visit to India due to sudden illness. He has further assured his assistance to extend LWF help in the present situation.

18. Report of the Statutory Board:- The election and appointment of Rev.P.D.Soreng as Secretary and Rev.M.Jojo as Treasurer was confirmed by the Statutory Board.

19. Report of Sub-Committee for City Allowance:-

The Sub-Committee appointed by the KSS did not bring recommendation as City Allowance but brought proposal for interim relief to the Church workers through out the Gossner Church. Relief was fixed according to Pay grade.

Pay up to 200/- to receive up to Rs.40/-
 Pay " " 300/- to receive " " Rs.30/-
 Pay above 300/- to receive " " Rs.20/-

The matter was discussed at some length and following action were taken:-

1. Resolved that this be called Interim relief and shall be applicable to Pastors, Officer Staff and Catechists of the Church from 1st April '74 to Sept. '74.
2. As the finance of the Church is not sound it was resolved that Anchals are free to implement the above relief according to their financial strength. The amount should not be higher than as stated above.

20. School Projects: & College Hostel: Up till now nothing is heard about these projects it is therefore resolved to pursue the matter..

21. Domestic Scholarship:- Arrangement for training of Candidate with domestic Scholarship received through F.E.L.C.I be made in Music, Salesman, Journalism and Management.

Dr. Singh as Secretary of the Scholarship Committee should find out the possibility of such training within India.

22. Workshop in Religious Eduaction - LWF. Resolved that this year the workshop must be arranged with the LWF.

23. BEL Report: BEL Report was read and accepted. The following action were taken.

1. Balance Money with BEL be kept intact for use in the time of emergency.
2. It was noted with appreciation that Dr. Singh has been appointed as the member of Kuratorium, Gossner Mission. KSS approves this and extends thanks for this friendly action.
3. Foreign Bill-Regulation:- It was reported that this Bill if passed will effect Evangelistic Work of the Church. The Church must be ready to solve the problem and face the situation when it would be necessary. Further resolved to seek NCC advice in this regard.

4. G.E.L.C. Press Superintendent. It was reported that the term of contract for Mr. B. Khess services in the Press terminated in Nov 16, '73. The BEL therefore has given him extension up to March 1975 with conditions that financial statement be prepared, inventory of Press be made for records, Song Books be printed, and that he undergoes training in press management & Printing Technology.

It was approved by the KSS and resolved that Financial Statement and Inventory of Press Properties be submitted to the KSS by 13th May '74.

24. Property Board:- Report was read and approved.

Action taken:- Personnel from Japan be invited to make survey of our landed properties for development works in consultation with LWF.

It was futher asked by the house to investigate and clarify the position of Sarnatoli, Khutitoli and Angaon.

Education Board: Matters from Education Board was not received so no action was taken.

25. Bible School Govindpur:- It was resolved to admit students in the Bible School Govindpur and extra amount needed for stipend be found out.

It was further resolved to increase Rs.10/- in the stipend to make the amount Rs.40/- p.m.

26. Fraternal delegate to C.N.I. Conference: Due to financial difficulty it will not be possible to send a delegate to CNI Synod Conf. but resolved to send a message of Goodwill to the Secretary CNI on behalf of the Church.
27. Sri.H.Samad, application for Loan of Rs.3000/- Sri.H.Samad be granted a loan of Rs.3000/- out of Education Fund and the amount shall be deducted from his Salary in 24 equal instalments.

28. Candidates for Ordination: Following candidates have been recommended for ordination in the Ministry.

1. Nirmal Tiga - Kalyanpur Ranchi
2. Theodore Ekka - Kinkel
3. Biraj Kujur - Jashpur Nagar
4. Pritam Hnasdah Bermo
5. Nelson Topno - Barsawan Orissa
6. C.S.A.Kandulna - Rajgangpur
7. Albert Minz - G.Th.College.
8. Bijay Toppo - G.Th.College.

SEA is requested to send names at the earliest.

- Declaration of Candidate: Subas Chander Naik be declared candidate and necessary steps be taken for the same.

29. KSS Office in-charge:- Acting Pramukh Adhyaksh reported that he have to attend LWF meeting at Geneva so he would be out of office from 20th April to 6th May '74 it is therefore necessary to make arrangement for an incharge.

It was resolved that Rev.P.D.Soreng, Secretary KSS, be in charge of the KSS office during the absence of Acting Pramukh Adhyaksh Dr.N.Minz from 20th April to 6th May '74.

30. Relief Work: To some length activities of the relief Committee was discussed and it was felt necessary to add two more members in the Relief Committee. The following members were added to relief Committee, making the number seven in all.

1. Sri. Sushil Kumar Barla - Asstt. Manager Property Board.
2. Sri. Abnejar Lakra - Education Officer.

Further resolved that proper steps be taken to mobilise and accelerate the relief work. Necessary arrangements be made for efficient working of the office of the Secy. Relief Committee.

31. Confirmation of Minute :- As there was no time, it was resolved that members be confirmed by the officers and available members on the 17th Morning at 8.30 A.M.

The meeting ended with Prayer led by Dr.C.K.P.Singh.

Sd/- C. A. Tirkey
16.4.74.

Recording Secretary.

Confirmation of Minute. by the Officers and available members.
17-4-74, 8.30 A.M. Prayer was conducted by Rev.P.D.Soreng.

The following members and officers were present to confirm the minutes.

- | | |
|---|--------------------|
| 1. Rev.Dr.N.Minz - Acting Pramukh Adhyaksh. | 6. Rev.P.D.S.Bage. |
| 2. Rev.P.D.Soreng - Secretary | 7. Sri.C.A.Tirkey |
| 3. Rev.M.Jojo - Treasurer | 8. Sri.H.Soy |
| 4. Rev.Dr.C.K.P.Singh | 9. Rev.N.Bhuinya. |
| 5. Rev.H.Dungdung | |

The minute was read and confirmed after making nessary addition wherever necessary.

Read and confirmed.
Sd/- Dr.N.Minz, 17/4/74
Chairman, Acting Pramukh Adhyaksh.

Sd/-C.A.Tirkey,
17/4/74.
Recording Secretary.

TEXTS OF ARTICLES OF THE CONSTITUTION PROPOSED FOR AMENDMENT

Original version

ARTICLE FOUR

BASIC PRINCIPLES AND ORGANISATION.

Part II. ORGANISATION

6.(d)(ii)-All decisions affecting the Constitution of the Church and its Bye-laws, the doctrine and the worship of the Church, the general status of the Church and of its workers, need an independent corroborative decision of the Anchals or the Ministerium of the Gossner Church, as the case may be, in order to become effective.

ARTICLE TWENTYFIVE

BYE-LAWS AND AMENDMENTS TO THE CONSTITUTION.

Para (1)- Bye-laws to this Constitution may be proposed by any Anchal or the Kendriye Salahkari Sabha. Such proposals shall be circulated by the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha amongst the Anchals for their Consideration, setting a time-limit of three months and for information only to the Kendriye Salahkari Sabha members. The Anchals meeting separately shall discuss them and forward their opinion to the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha. The Kendriye Salahkari Sabha then shall meet and take a decision which shall become effective, only after the corroborative vote of each of the Anchals.

ARTICLE TWENTYFIVE

BYE-LAWS AND AMENDMENTS TO THE CONSTITUTION.

Para (2)-Amendments and alterations to the Articles of the Constitution (with the exception of Article I and II) may be proposed by the Anchals or the Kendriye Salahkari Sabha. Such proposals shall be circulated by the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha amongst the Anchals for their Consideration, setting a time limit of three months, and also amongst the members of the Kendriye Salahkari Sabha for information. The Anchals meeting separately shall discuss them and forward their opinion to the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha. The Kendriye Salahkari Sabha shall then meet and take a decision (Provided the representatives of any one Anchal en-block did not vote against it). The decision of the Kendriye Salahkari Sabha shall then be communicated to the Anchals for their corroborative (atleast 2/3 majority) vote or unanimous acceptance. Only then the decision thus accepted by all the Anchals shall become effective.

Amended version

ARTICLE FOUR

BASIC PRINCIPLES AND ORGANISATION.

Part II. ORGANISATION

The amended version: 6(d)(ii). All decisions affecting the doctrine and worship of the Church, the general status of the Church and its workers need an independent Corroborative decision of the Anchals or the Ministerium of the Gossner Church, as the case may be, in order to be effective.

ARTICLE TWENTYFIVE

BYE-LAWS AND AMENDMENTS TO THE CONSTITUTION.

The amended version: Para (1)-Bye-laws to this Constitution may be proposed by any Anchal or the Kendriye Salahkari Sabha. Such proposals shall be circulated by the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha amongst the Anchals for their consideration, setting a time-limit of three months and for information only to the Kendriye Salahkari Sabha members. The Anchals meeting separately shall discuss them and forward their opinion to the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha. The Kendriya Salahkari Sabha then shall meet and take decision by a majority vote.

ARTICLE TWENTYFIVE

BYE-LAWS AND AMENDMENTS TO THE CONSTITUTION.

The amended version: Para (2)- Amendments and alterations to the Articles of the Constitution (with the exception of Article I and II) may be proposed by the Anchals or the Kendriye Salahkari Sabha. Such proposals shall be circulated by the Secretary of the Kendriye Salahkari Sabha amongst the Anchals for their consideration, setting a time limit of three months, and also amongst the members of the Kendriye Salahkari Sabha for information. The Anchals meeting separately shall discuss them and forward their opinion to the Secretary of the KSS. The KSS shall then meet and take a decision by a majority vote.

**BUDGET ESTIMATE CENTRAL EXPENSES OF THE GEL CHURCH IN
CHOTANAGPUR & ASSAM FOR SIX MONTHS WITH EFFECT FROM MARCH 1974.**

<u>Particulars</u>	<u>Monthly Expenses</u> Rs.	<u>Total Expenses</u> Rs.	<u>Total Income</u> Rs.	<u>Remarks.</u>
A (1) CENTRAL REGULARS				
1. Salaries:-				
Sri. S. Bhengra	298.00	1783.00		
" A. I. Khess	137.00	822.00		
" P. P. Hemrom	97.00	582.00		
Sweepers	45.00	270.00		
Total	577.00	3462.00		
Arrear for one month.		577.00		
Allowance		660.00		
Total		4699.00	4699.00	
2. KSS Office Expenses:-				
Postage		1000.00		
Stationeries		1500.00		
Electric, Telephone		500.00		
Printing		500.00		
Total		3500.00		
A r r e a r		800.00		
Total		4300.00	4300.00	
3. Travel Expenses:-				
KSS Officers		1000.00		
Staff Conveyance		200.00		
Total		1200.00	1200.00	
4. Motor Vehicles:-				
Salary of Driver	150/-	900.00		
Petrol & Repair		3000.00		
Income Tax		600.00		
Total		4500.00		
Allowance		240.00		
Total		4740.00	4740.00	
5. Meetings & Conventions:-				
4 KSS Meetings @ Rs.3000/-		12000.00		
3 Constitution Drafting		7500.00		
Committee Meet @ 2500/-		7500.00		
Printing, circulating cost of Constitution.		7000.00		
Total		26500.00	26500.00	
TOTAL CENTRAL REGULARS A (1)		41439.00	*41439.00	

* Income of Rs.41439.00 shown above will be obtained in the following way.

SEA- 1000.00	Anchals	Rs. 3200.00
NWA- 1000.00	Envelop Chanda:-	Rs. 14239.00
Orissa- 500.00	LWF request	:- Rs. 10000.00
Assam - 300.00	GM request	:- Rs. 14000.00
Madhya- 200.00	Total	Rs. 41439.00
H.Q. 200.00		

Particulars	- 2 -		Total Expenses Rs.	Total Income Rs.	Remarks.
	Monthly Expenses Rs.				

A (2) CENTRAL REGULARS (Annual one time expenses)

1. KSS Contributions:-

T. GELC Provident/Pension Fund		16000.00		
" Vikash Maitri		1000.00		
" Regional L. Conf. North India		200.00		
Total		17200.00	17200.00	

2. Affiliation fees:-

LWF/WCC/FELCI		3427.00		
NCC/BCC		1200.00		
Theological Universities		1500.00		
Total		6127.00	6127.00	

3. Miscellaneous:-

		3000.00	3000.00	
Total		3000.00	3000.00	

Grand Total A (2) Annual one time Expenses, CENTRAL REGULARS. 26327.00 *26327.00

*Income of Rs.26327.00 be found out from various sources through Anchals. The increase in the proceed of Envelop Chanda shall be a source to add this income. Also income of Properties be realised seriously by the Property Board.

CENTRAL REGULARS A (1+2) CONSOLIDATED.

Part A (1)	-	41439.00	
A (2)	-	26327.00	
Total		67766.00	

B. BOARD OF PROPERTIES, G.E.L.CHURCH

1. Salaries:-

Honorary Manager	60.00	360.00	
Assistant "	200.00	1200.00	
Clerk (Miss Hurad)	125.00	750.00	
Allowance		480.00	
Total		2790.00	
A r r e a r		385.00	
Total		3175.00	3175.00

2. Office Expenses:-

Postage		300.00	
Stationery		500.00	
Court Expenses		2500.00	
Total		3300.00	3300.00

All Total B. 6475.00 *6475.00

* Income of Rs.6475.00 will be obtained from the lease land rent which are deposited direct to Central Treasury.

C. BOARD OF EVANGELISM

<u>Particulars</u>	<u>Monthly Expenses</u> Rs.	<u>Total Expenses</u> Rs.	<u>Total Income</u> Rs.	<u>Remarks</u>
Central Office of BEL		13745.00		
Ev. Work in Anchals		99938.00		
Mikir Hills		18336.00		
Baghima		2299.00		
Surguja		61458.00		
Total.		195776.00		
Arrear		25000.00		
Total.		220776.00	*220776.00	

* Note:- For this item G.M. will bear the full cost.

D. THEOLOGICAL EDUCATION

a, Gossner Theological College Ranchi.

1. Salaries	10000.00	
2. Miscellaneous	2000.00	
3. Stipen	9600.00	
Total	21600.00	21600.00

b, Serampore College Serampore.

1. Stipend of 5 B.D. Students	4600.00	
2. Arrear	6000.00	
Total	10600.00	10600.00

c, Bible Training School, Govindpur.

1. Salaries	4500.00	
2. Miscellaneous	1000.00	
3. Stipend	5040.00	
Total	10540.00	
Arrear	1600.00	
Total c	12140.00	12140.00

Total (a+b+c)	44340.00	*44340.00
---------------	----------	-----------

* The amount of Rs.44340.00 will be obtained in this way

1 LWF Subsidy	18000.00
2 G.M. Subsidy	12500.00
Total	30500.00
3 To be requested from G.M.	13840.00
Total	44340.00

E. SECULAR EDUCATION including KNH Hostel.

a, Bethesda Women's Training School Ranchi.

1. Budget for six months	4000.00	
Arrear 1973	2000.00	
Total	6000.00	6000.00

Particulars	Monthly Expenses Rs.	4 - Total Expenses Rs.	Total Income Rs.	Remarks
-------------	-------------------------	------------------------------	---------------------	---------

b, Central Office of Education, GEL Church.

1. Salaries:-

Education Officer	598.00	3588.00
Executive Officer	400.00	2400.00
Mr. A. P. Barla	185.00	1110.00
Peon Daud Aind	130.00	780.00
Allowance	720.00	720.00

Total 8598.00

A r r e a r 1313.00

Total 9911.00

9911.00

2. P.F. & Pension

576.00

Contingency, Postage

800.00

Travel

1500.00

Total

2876.00

2876.00

Total b, (1+2)

12787.00

12787.00

c, KNH Hostel

126700.00

126700.00

Total (a+b+c)

145487.00

145487.00

Income shown above be obtained out of respective Funds.

TOTAL BUDGET & RESOURCES

Part. Total Expenses		Receipts.					
		Envelop	Anchal	LWF	G.M.	P.B.	Departments
A(1)	41,439.00	14239.00	3200.00	10000.00	14000.00	x	x
(2)	26,327.00	5000.00	16327.00	x	x	5000.00	x
B	6,475.00	x	x	x	x	6475.00	x
B	220,776.00	x	x	x	220776.00	x	x
D	44,340.00	x	x	18000.00	26340.00	x	x
E	145,487.00	x	x	6000.00	x	x	139487.00
	484,844.00	19239.00	19527.00	34000.00	261116.00	11475.00	139487.00
	484,844.00			484,844.00			

1. The above Budget is meant only for six months, the period with effect from March 1974. The KSS has to prepare Budget for other six months also.
2. There is no source of income for Central Regular expenses exept Envelop Chanda. The amount to be expected is not a sure one. It varies. Something definite and serious be done for its collecti.
3. Other ways and means be thought out to create Fund for Central Expenses.
4. The above Budget is prepared in consultation with Dr.N.Minz, Acting Pramukh and Dr.C.K.P.Singh, Director, BEL.

Sd/- S. Bhengra, 16.
Head Accountant

IV

BASIC STRUCTURE OF PROPOSED CONSTITUTION

O R G A N I S A T I O N

1. A Pracharakpan shall remain as it is to-day which is the smallest organisational unit of the Church. It is led by a Pracharak appointed by Dharamchetra Council. He is aided and advised in his work by a Pracharakpan Panch.
2. A Padripan consists of one or several pracharakpans. He is appointed by the Church Council. The spiritual authority of the Padripan is vested in the Pastor. The administrative authority of the Padripan is the Padripan Panch. The Pastor is the chairman of the Padripan Panch by virtue of his Office.
3. A Dharamchetra ordinarily consists of several Parishes. The spiritual authority of the Dharamchetra is vested in the Dharamchetra Supervisor. Administrative authorities of the Dharamchetra is vested in the Dharamchetra Council. There shall be Dharamchetra ministerium for assistance of the Supervisor (Dharamchetra).
4. The one and indivisible Gossner Evangelical Lutheran Church at present consists of twelve administrative units, known as Dharamchetra. Twelve Dharam chetras of the GEL Church will be as follows:-

S.N.	N a m e.	No. of Parishes	No. of baptised.
1.	Ranchi	8 Parishes of Ranchi Ilaka including Hd. Qr. Cong.	13,500
2.	Lohardaga	8 Parishes of Lohardaga and H.B. Ilaka	11,500
3.	Gumla	7 Parishes of Gumla, Chainpur & Kondra Ilaka	15,500
4.	Simdega North	Parishes of Khutitoli, Panisani, Kinkel & Jatatoli Ilaka	
5.	Simdega South	Parishes of Koronjo and Takarma Ilaka	
6.	Khunti	Parishes of Tokad, Marcha, Govindpur, Burju, Amlessa Ilaka.	
7.	Singhbhum	Parishes of Singhbhum Ilaka	
8.	Jashpur M.P.	Parishes of Madhya Pradesh	
9.	Sundergarh North		
10.	Sundergarh South -		
11.	West - Bengal	Jalpaiguri, Purulia, Calcutta, Andaman.	
12.	Assam -		

Composition:- PRACHARAKPAN PANCH.

The Pracharakpan shall consist of elected members. Headmaster of High School, Middle School and Primary School, within the area of Pracharakpan Panch shall be ex-officio member. The Pracharak shall be a member and Chairman by virtue of his office. The period of membership in the Pracharakpan Panch shall be for five years.

Administrative authority of the Pracharakpan shall vest in the Pracharakpan panch. The Secretary and Treasurer shall be the executive authorities of the Pracharakpan Panch. The treasurer shall collect all income from the Pracharakpan and shall deposit it with the Parish treasurer regularly in the first week of every month.

P A R I S H
PADRIPAN PANCH.

1. Each Parish shall have two administrative wings namely the Padripan Panch and Pracharak's Council.
2. The Padripan Panch shall consist of members elected by Pracharakpan Panches of that Padripan. The Pastor shall be member & Chairman by virtue of his office.
3. Pracharak's Council shall consist of all active Pracharak's of that Parish. Parish Pastor shall be member and Chairman by virtue of his office.

F u n c t i o n s :-

Padripan Panch.:-

1. To supervise, direct and help the Pracharakpan in the discharge of all the functions as signed to them,
2. To make recommendations to the Dharamchetra Council regarding appointment, discharge, transfer etc of the Pracharaks and other workers of the Pracharakpan.
3. To receive reports from all the Pracharaks and the Padri working within its jurisdiction and to advise and help them.
4. To receive all income from the Pracharakpans and other sources and to deposit all the money promptly with the treasurer of the Dharamchetra.
5. To maintain relevant registers.

Pracharak's Council:-

1. To survey fields for evangelistic works and to arrange for the same in consultation with the authorities concerned.
2. To maintain registers of marriages, births, deaths, Baptism, confirmation, Holy communion and ex-communications.
3. To find suitable students for the College, Pracharak's training school etc.

D H A R A M C H E T R A

A Dharamchetra consists of two or more parishes. At present there will be 12 Dharamchetras headed by ordained appointed ministers who will be designated as supervisors. Supervisors will be appointed by the Bishop on the recommendation of the Bishop's Council.

Eligibility for appointment as Supervisors -

- (a) Matric L.Th. ministers of outstanding service for at least 15 years.
- (b) Graduate ministers of outstanding service for 10 years.
- (c) Ministers holding Master or Ph.D. equivalent degrees of outstanding service for 5 years.

N o t e :- 50% of the post of Supervisors be kept reserved for promotion for category (a) ministers for the present.

Organisation -

Supervisors will be assisted in his administrative works by two council

(1) Executive Council - Consisting of following members -

- (i) One lay member from each Parish.
- (ii) Headmaster of High Schools of the area.
- (iii) One Headmaster of Middle Schools on rotation.
- (iv) 1/3 of the Parish Pastors of the area nominated by the Supervisor on the recommendation of Supervisor's Council.

(II) Ministerium Council - Consisting of all ordained Pastors of the area

Functions of -

Executive Council:

- (a) To deal with all appointment matters of catechists.
- (b) To review the work of the Pastors.
- (c) To deal with matters coming from Parishes.
- (d) To collect funds from Parishes and to centralise it regularly to the Centre.
- (e) To Assist and Co-ordinate works regarding properties and educational institutions.

Functions of Supervisor's Council -

- (a) To deal with all matters relating to ministerial works.
- (b) To plan and suggest ways and means for
 - (i) Enrichment of the Church
 - (ii) Nurture of the Church
 - (iii) Sunday Schools
 - (iv) Mahila Samities
 - (v) To carry on evangelistic work in the area.

For efficient work and proper administration two paid officers will be appointed by the Bishop's Council on the recommendation of the Executive Council of the Dharamchetras -

- (a) Secretary-(i) To keep records of Dharamchetras
 - (ii) To deal with all correspondences on the advice of the Supervisor.
 - (iii) To co-ordinate works within the Dharamchetra.
 - (iv) To take care of development programmes.
- (b) Treasurer-(i) To deal with finance and statistics.
 - (ii) Collection of funds and centralisation.
 - (iii) Authorised disbursements.

B I S H O P.

The spiritual authority of the Gossner Church shall be vested in the Bishop. He shall be advised and assisted in his administrative function by two Councils -

(I) Bishop's Council:- Shall consist of -

- (a) One elected laymember from each Dharamchetra.
- (b) 3 nominated Supervisors
- (c) Heads of institutions other than schools -
- (d) All central office officers

(II) Church Supervisors Council - Consisting of all Supervisors.

Functions:-

Bishop's Council:-

- (a) Function of the Bishop's Council is mainly administrative.
- (b) To appoint supervisors, Parish Pastors, Central Office Officers of the Central institutions other than schools.
- (c) To approve appointments of Headmaster of High Schools.
- (d) To receive reports from department, Ministerium, Central institutions and reviewing it.
- (e) To prepare budget and regulation expenditures accordingly.

(III) Supervisor's Council:-

- (a) Shall function as executive of the ministerium.
- (b) Shall deal with all matters relating to ministerium.

Bishop shall be appointed for 10 years. All decisions in the Bishop's Council shall be declared voted only when the motion gets favour of 2/3rd vote failing which the matter be dropped.

C E N T R A L O F F I C E

Central Office headed by the Bishop shall have 4 departments-

- (A) Secretariate - headed by general Secretary who will ordinarily be ordained minister.

Functions:-

- (i) To deal with all records dealing with appointment, Service records of Pastors.
- (ii) To co-ordinate works with Dharamchetras.
- (iii) To make all correspondences on the advice of the Bishop.

- (B) B.E.L. Officer:-

- (a) To deal with all evangelistic works.
- (b) Publications of tracts, Pamphlets, hymn books, Magazines etc.

- (C) Finance Officer:-

- (a) Shall be appointed by the Bishop's Council.
- (b) He should be atleast a Commerce graduate or graduate with Mathematics or Statistics or Economics.

Functions:-

- (a) To deal with all financial matters.
- (b) To deal with properties of the Church.

- (D) Education Officer-

- (a) Shall be appointed by the Council.
- (b) Atleast Trained graduate with atleast 5 years experience as Headmaster of High School.
A person with high academic qualification may also be considered for whom criteria of experience shall not apply.
- (c) He will deal with all educational matters of the Church education institutions. (Pre-Primary to University).
- (d) Sunday Schools, Child case Centres, Vocational training institutes, Hostel Programmes shall come under his perview.
- (e) Youth department be attached with education department.

*Minister's
Footnote 5*

M E D I C A L P R O G R A M M E

Medical Programme in the GEL Church shall come directly under the Church Council.

- N o t e:
- (i) Bye-laws for Medical Programme, Agriculture Development Programm, Printing Press, Industrial Projects shall separately be framed for proper administration and Management of the institutions.
 - (ii) Special status and powers for Assam Dharamcheta be defined.
 - (iii) Separate constitutions for administering Colleges, and Schools be framed.

F I N A N C E

Following measures for collection of funds be taken -

- (a) Ghara Sirni and muthi sirni shall remain as it is.
- (b) Rs.5/- -Rs.10/- annual contribution be realised per family.
- (c) Landed Properties be properly utilised and income be regularly centralised.

D i s b u r s e m e n t s :-

- (a) Accounts in all Dharamchetra Head quarters be operated in the name of the GELChurch.
- (b) Payments to all Pastors, Dharamchetra employees, employees of Central institutions be made from the Centre.
- (c) 25% of the income from source (a) above be kept at Parish level for payment of Catechists and other developments works.
- (d) Payments to Catechists will however be made on the sanction of the Dharamchetra Council.

N o t e: Service rules for all Categories of employees be framed and implemented.

Sd/- A . Lakra
Education Officer,
GEL Church Ranchi.

Statement of KSS A/c

Balance on 6.11.73

Particulars.	Rs.	Particulars.	Rs.
Ev. Work:		Deficit	79153.10
Central		Surguja	3695.71
General	163064.00	Miss Martin	3133.01
Mikir		Sp. Construction	12306.49
In Country Scholar.	25332.62	Loans	202996.63
Theol. College Libry.	2575.62	Balance	152332.46
Endowment fund.	11963.45		
Affiliation fees.	3179.66		
Beth. Training	2000.00		
Medical grant	9000.00		
Central Ed. fund	236502.05		
Total:	453617.40	Total:	453617.40

Receipt and Payment A/c from 6.11.73 - 25.6.74

LWF Subsidy	67509.57	G.M. Subsidy	26000.00
G.M. Subsidy	85238.42	Atam Palan Env.	1920.00
KSS Contribution	30.00	G.Th. College	23221.90
Atam Palan Dan	8052.00	Serampore College	12054.00
Miscellaneous Contr.	3819.78	Bible Trg. School	9520.12
Advance: Dr. Singh	36000.00	Advance: Dr. Singh	36000.00
Hertel	50000.00	Court Expenses	2620.90
Adhyaksh Meet. Exp.	6500.00	Adhyaksh Meeting	8704.65
P.F. Own Contribution	502.48	P.F. Own Contribu.	502.48
Pension Own "	145.08	Pension own "	145.08
Central Ed. Fund.	470.00	General Expenses	9046.09
KNH Grant	53335.67	KNH Grant	57090.06
Property Board	8918.98	Property Board	5140.25
Draft Constitu. Exp.	2321.35	Draft Const. Exp.	1350.71
Sp. Widows grant	2000.00	Sp. Widows grant	1380.00
Loan refund	23833.45	Loan paid	1000.00
		Electric-Telephone	971.44
		Print. - Publication	1694.65
		Motor vehicle	6881.40
		Travel	1203.45
		Affiliation fees	11200.00
		Miscellaneous	975.93
		Edu. Office Exp.	12541.48
		Education Advance	5000.00
		Beth. Training	4000.00
		Auditor	3000.00
		KSS Meeting	1450.67
Total:	343676.79	Total:	244615.26
Surguja	7500.00		40802.10
Evangelistic work	13474.79		101550.92
Total:	369651.58	Total:	386968.28
Previous Balance	152332.46	Closing Balance	135015.76
Total:	521984.04		521984.04

Final Balance after adjustment

Cr.		Dr.	
✓ Ev. Work	74987.87	Adhyaksh meeting &	
✓ Surguja	1911.35	Court expenses	4825.55
✓ Incountry Schol.	25332.62	✓ Theol. Education	7555.60
Endowment fund	11963.45	✓ KSS Expenses	12063.63
Medical	9000.00	KNH Advance	3754.39
Sp. Construction	5693.51	Miss Martin	3133.01
LWF Subsidy	15441.00	Deficit	79153.10
Affiliation fees	3179.66	Loans	180163.18
Property Board	3778.73	Balance	135015.76
Central Ed. fund	219430.57		
Miscellaneous	819.78		
Draft Committee	970.65		
Sp. Widows	620.00		
College Library	2575.62		
Advances	50000.00		
Total:	425705.55	Total:	425705.55
General Reserve.	25,363.26		
Widows.	4730.00		
	3,093		

Adhyaksh meeting &	
Court expenses	4825.55
Theol. Education	7555.60
KSS Expenses	12063.63
KNH Advance	3754.39
Miss Martin	3133.01
Deficit	79153.10
Loans	180163.18
Balance	135015.76
	<u>25,363.26</u>
	<u>30,093.00</u>
	<u>1,65,119.82</u>
Total Balance	
Difference	1,65,41.33

Mr. S. Bhengra
Head Accountant KSS

Mr. S. Bhengra
Head Accountant KSS
GEL Church Ranchi.

1. Evangelist's work	74,987.87	1. Theol. E.	7555.60
2. Surguja	1,911.35	2. KSS Exp.	12063.63
3. KSS	50,000.00	3. Adhyaksh. -	
Education	2,19,430.57	Court Expense	4825.55
4. In country schola	25,332.62	4. Loan:	
5. Endowment F.	11,963.45		
6. Medical	9,000.00		
7. Special Constr.	5,693.51		
8. LWF Subsidy	15,441.00		
1. BEL	35,000.00		
2. Education	50,000.00		
3. Property	3000.00		

45,000.00	Press
28,000.00	ATC
25,000.00	Chow
35,000.00	EL Church
128,000.00	

Alain Palam

Hd.D.	1200.00
NW.	730.00
M.A.	754.00
Jata	256.66
Kinkil	256.43
Gumk	364.68
Kondru	112.47
S.E. Konyo	1288.00
Omiss Raja	1350.00
Sundh	200.00
Chamfor	139.18
Kinkil	50.00
Assam (Sint)	274.00
S.E. Takaruna	1000.00
Jatal N.W.	76.00

Draft. Const. Int.

L. Seeborg	1000.00
NW.	200.00
	40.00
	50.00
	50.00
	100.00
	50.00
	50.00
	531.30
S.E.	200.00
	<u>1071.00.</u>

NO 380 / 3-6-74

From, The Secretary,
Kinkel Ilaka.
P.O.Kinkel, Dt Ranchi.

TO,
The Pramukh Adhyaksh ,
G.E.L.Church, Ranchi.

Subject:Reg- The Application of Shri A.Lakra.

Kinkel the 3rd June, 1974.

Dear Sir,

Enclosed please find the Resolution NO
5(a) of the ^{Ilaka}~~Ilaka~~ Sabha meeting held on the 9th
May 1974 and application of Shri A.Lakra in original
for your kind arrangement and action.

C.M.Th.Ekka,
cmth 24/6/74
Secretary,

Kinkel Ilaka, G.E.L.Church.

Kinkel.

Enc:

- 1, Resolution 5(a)
of the Ilaka Sabha meeting.
2. The Application of shri A.Lakra.
(in original)

Extract from the minutes of the Ilaka Sabha meeting of the G.E.L.Church Kinkel Ilaka held on the 9th May 1974.

Item NO 5(a) The Application of shri A.Lakra.

"The application of shri A.Lakra was read. Shri A.Lakra has applied to the Pramukh Adhyaksh to use ~~his~~ service for the 'Revival work in the G .E.L.Church.

Resolved that the application of shri A.Lakra in origin original be forwarded to the Pramukh Adhyaksh of the G.E.L. Church for necessary arrangement ad action

C.M.Th.Erka,
cm th Erka 2/6/74
Secretary,

Kinkel Ilaka, G.E.L.Church.

सेवा में,

प्रमुख अध्यक्ष (मि. ई. व. एल. चर्च) रांची।

*Ref. to Mr. ...
...
...
...*

कितनेल इलाका समा, कितनेल।

महाशय,

आप सभी को मेरी ओर से धन्य-
सहाय। प्रज सचिनय ऐसा है कि मैं अब
अपनी स्कूल के काम से अवकाश ग्रहण
कर चुका हूँ। और मेरी हार्दिक इच्छा है
कि मैं अपना बाकी जीवन प्रमु का सेवा
और मंडली की सेवा में लगाऊँ। मेरी
इच्छा है कि मैं धूम-धूम कर मंडली
में आत्म जागृति का काम करूँ। अतः
मुझे इस काम करने के लिए इजाजत
दे।

आगे मेरा यह भी अनुरोध है कि
ऐसे कामों के लिए कलकत्ता में एक
खास योजना बनायी जाए। जिसे कि बेमैन
लोगों को मंडली में आत्म जागृति के
काम के लिए उचित स्थान मिल सके
और मंडली में किसी प्रकार का ठोकर
का कारण न हो सके।

आप लोगों का प्रमु में
सेवक

दिनांक
२८-४-६४

महाशय लक्ष्मी, कितनेल

मई महीना के बाद मेरा पता
लोहरदगा मि. लुधेरान मिशन
लोहरदगा।

आवश्यक कार्य हेतु अग्रसरित
Shakunika. Seku. 24/5

KSS June 1972. Item 38.

Nov. 1972.

Letter 22nd Feb. 1973. Paamick Aekyaisha ..

Goswami High School.

Bethula, Girls.

Bethula Women's.

Kantitali. High School.

4 members each.

3 organised except Goswami High School.

26 - 30 June 1973. full KSS. item No 30.

JEP Tiga Letter - one term secretary Len Pant 5TH.
20 June 73.

29.8.73. Principal: A. Lakra. Education Officer's
Goswami High School. letter. No reply.

20.9.73. Chairman, Dr. N. Minz

2.4.74. A. Lakra, To, Principal

5.4.74. JEP Tiga, By. A. Lakra To Principal.
Memo.

3.5.74 To JEP Tiga - A. Lakra. Education
Principal. Officer.

3.5.74 To Principal - A. Lakra.

25.5.74. To Mr. JEP Tiga: A. Lakra.

31.5.74. Extract of Educak 14.5.74 To Principal

11.5.74

5 June 74 -

Personal - Principal avoided?

JEP Tiga, not..
Constitution for Educational in Establish. at. 1968
1968 Minutes of KSS. Dec. Nov. + Dec full KSS
(1) 1969. forming managing committee.
(2) Church nominees
(3) the secretary & the appointed for KSS.

KSS... =

MINUTE OF THE JOINT MEETING OF GFLC EDUCATION
COMMISSION AND BOARD MEETING HELD AT RANCHI
ON 13-14th MAY 74.

The meeting was started with a word of prayer led by Rev. Dr. N. Minz the Pramukh Adhyaksh who was on the chair. Under his chairmanship Mr. C. A. Tirkey was unanimously elected convener of the commission.

Attendance:- Following members were present;-

1. Rev. Dr. N. Minz Acting Pramukh Adhyaksh
2. Mr. C. A. Tirkey
3. Mr. A. Lakra
4. Mr. H. Samad
5. Miss S. M. Bodra
6. Miss H. Bhengra
7. Mr. P. S. Barjo
8. Mr. C. M. Th. Ekka
9. Mr. H. Soy

Mr. N. E. Horo was not present.

Item No. 1. CDS School Projects:-

Rev. Dr. N. Minz Pramukh Adhyaksh introduced the matter with his verbal report that \$ 700 is available for the continuing study of teachers. Letter of Miss Christa Held was also read, considered and following action were taken;-

- (a) Attempt be made to convince LWF people and donor agencies that development of school projects are necessary and unavoidable.
- (b) Representatives from LWF and donor agencies be invited to make survey and spot study of our present situation and proper assessment of need for development of schools.

- (c) The joint committee also felt need of reformulation of our policies wishes and aims for our educational programmes reviewing the previous one adopted in Education Board meeting held at Gumla on 28-10-72 which are as follows;-

(A) Purpose;- Church institutions are primarily founded to provide sound education to Christian youths and also to all those who voluntarily join the schools. Church institutions will further serve the community as community centres in respective areas of operation.

(B) Objectives and Aims;-

In order to fulfil the above mentioned purposes and providing high quality education in Christian environment, the following aims are adopted as our basis.

1. To present to all the truth of God and His world as revealed in Jesus Christ.
2. To share this truth and Christian understanding through instructions personal relationship and the total programme of the institution.
3. To provide a well rounded education so that youth can be responsible citizens.
4. To encourage appreciation of our national and cultural heritage and to promote national integration.
5. To promote international understanding and world consciousness.
6. To broaden the scope of education by integrating work experience activities into the academic programme.
7. To enrich the school programme and to develop leadership through co curricular activities.
8. To take cognisance of special needs of the physically and mentally handicapped slow barriers and underprivileged.
9. To motivate educational programme for liberation from poverty oppressions prevailing in different ways and taboos of the society.
10. To promote the cause of equality justice, human dignity.
11. To provide ample opportunities for selected few to take up university education, technical and medical education.
12. To provide clear attractive well maintained and adequate physical facilities which reflect the above mentioned objectives.

Programmes for achieving the aims and objectives:-

- (1) School development projects be given priority so that adequate physical facilities may be provided for development of the community and the nation through the students participating in our programmes. Schools are the agent of development of the community and the nation and not the development in itself alone.
2. Orientation courses be arranged for the teachers to equip them to take up new methods and challenges of the time.
3. Production oriented programmes be taken up in as many schools as possible
4. Condensed courses for adult women be taken up at Chainpur Takarna and Bethesda Girls' school, Ranchi.
5. Job oriented programmes be taken up at Lohardaga in commerce and type writing.
6. Existing schools be converted into residential schools, Extending working hours from 8 A.M. to 4 P.M. instead of present 10 a.m. to 4 p.m.
7. Schools should serve as community centres for social education.

Drafting committee with Rev. N. Ekka Secretary, Mr. A. Lakra and Mr. H. Soy was formed. Rev. N. Ekka Secretary Education Board was unanimously coopted as commission member and was also elected Secretary of the said commission.

EDUCATION BOARD MEETING DT. 14.5.74.

The meeting was started with a word of prayer led by Rev. Dr. N. Minz Pramukh Adhyaksh who was in the chair.

Attendance:- Rev. Dr. N. Minz Chairman

Rev. N. Ekka Secretary

Shri P. S. Barjo member

Shri H. Soy "

Shri Th. Ekka "

Shri A. Lakra Edn. officer

Shri C. A. Tirkey attended the meeting as invitee.

Item No. 1. Syllabus for religious education in schools:-

Pramukh Adhyaksh told the house that LWF have sanctioned 700 dolla for conducting workshop programmes in the GFL Church.

Resolved that this work be incorporated with the workshop programme.

Item No. 2;- Adult Education and child care centre:-

Projects submitted by the Education officer Mr. A. Lakra was read and considered. Resolved that:-

(a) condensed course for adult women be taken up in Khutitoli H. S., Chainpur and Takarna and preference be given to Bethesda G. H. S. Ranchi.

(b) Commercial courses:-

Commercial courses introduced already in Luth. H. S. Lohardaga be developed and type writing courses be included.

Further resolved that Dr. Grothaus be contacted for donation of used type machines. Other possible sources also be taped.

(c) A vocational course:-

Agriculture vocational courses with provisions of intensive practical training be taken up in high school Khutitoli. Step be taken to get recognition of Diploma given there from the Govt. of Bihar.

(d) Child care centre:-

K. C. Sockey child care centre be accepted as church sponsored programme and be developed. Managing committee be constituted for this centre.

Item No. 3:- Orientation courses for religious teachers in schools and Sunday Schools.

Letter of Dr. Ji was read and resolved that in consultation with Dr. Ji and other concerned persons a programme for conducting workshop be chalked out and be conducted during Puja holidays.

Item No. 4. Half Yearly education 1974:- ~~Examination~~

Resolved that half yearly examination programme this year be cancelled. However it was resolved that compulsory centralised examination be conducted for upper primary and middle school examination from 1974.

Item No.5. Application of Mr. A. Lakra Edn. officer:-

Application of Mr. A. Lakra Education officer was placed on the table by the Pramukh Adhyaksh which relates to his annual increment. Resolved that Mr. A. Lakra Edn. officer be allowed to draw his normal increment of Rs.25/- p.m. with effect from 1st April '74.

Item No.6. Representation of Mr. H. Samad was read considered and following actions taken:-

- (a) The Board accepts that the post of Executive Officer is not in tune with the existing constitution. Amendment in the constitution might be necessary but since the new constitution is likely to be adopted the post should remain as it is for the present.
- (b) As per decision of the KSS the Education officer shall deal with all common matters at all level and the Executive officer shall deal with middle and primary schools.
- (c) As per decision of the KSS the executive officer will be responsible to the education officer and the education officer represents the church before the Government and is responsible to the Education Bd. and the Pramukh Adhyaksh. This implies that all correspondences to the Govt. be made in the signature of the Education Officer.
- (d) There are some areas of common concern in primary and secondary schools such as, Central Education Fund, teachers' training programmes etc. shall be dealt with by the Education officer. *** 1. 2.

Item No.7. Gossner High School M/c.:-

Letter of Education officer was read and following actions taken:-

1. The education board and the KSS have uphold their previous decisions and have appointed Rev. N. Minz as Secretary of the Gossner High School.
2. Since Mr. J. P. E. Tiga has failed to comply with the decision of the Ed. Bd. and the KSS even after several reminders, the Board resolves that his membership as church nominee to the Gossner High School M/c be withdrawn with immediate effect.

Further resolved that Shri J. P. E. Tiga be informed that immediately after receipt of this resolution he will have nothing to do with the Gossner High School managing committee. Shri Theodore Dean is nominated as a church representative in the Gossner High School M/c in place of Shri J. P. E. Tiga.

3. Further resolved to call an explanation from the Principal Gossner High School (i) as to why he did not comply with Education Board and KSS instructions for constituting managing committee for the school (ii) why the entire transaction made in the school during this period be not declared irregular, malafide and unjustified.

*** Areas exclusively pertaining to primary sections shall be dealt with by the Executive officer.

Sd/- Rev. N. Ekka
Secretary
Education Board, GFLC.

NATIONAL CHRISTIAN COUNCIL OF INDIA
CHRISTIAN COUNCIL LODGE
NAGPUR-1.

18th January 1974.

The Heads of Churches
The Heads of Children, Laity and Youth Organisation.

Dear Friends,

The National Christian Council of India (NCCI) has for some time been planning to organise a Christian Education Council. Now the Christian Education Council of India (CECI) is in the process of formation according to the mandate of the Kottayam Assembly of the NCCI. The membership is open to all member churches and organisations related to the NCCI.

The main objective of the Council is to seek to develop in the people a true and deeper understanding of the life and mission of Jesus Christ through study of the Word of God and critical participation in the historical happenings and movements of the world in such a way as to lead them to an experience of the saving work of Christ. The Council also proposes to initiate better co-ordination among the churches and organisations for a more comprehensive, intensive and relevant plan of Christian Education work on regional and national levels. It will also serve as the co-ordinating agency.

The CECI will have three departments:-

- (1) Childrens' work department
- (2) Youth work department
- (3) Laity work department

A recent Christian Education Consultation at Tiruvalla attended by the representatives of the member churches and some experts in the field of Christian Education has planned programmes for the three departments of the Council. One of the important programmes planned is the production of a new common curriculum books on Christian Education entitled "Growing Together"

Therefore you are requested to enrol your church's Christian Education Department/Organisation as a member of the CECI and name your official representative. Please send the name to the Secretary, CECI, National Christian Council Lodge, Nagpur 440001.

The Christian Education Council of India (CECI) is a project of the Christian Service Agency (CSA) National Christian Council of India (NCCI) with the following objectives:-

- (a) To encourage integrated approach to Christian nature by initiating programmes for children, youth and adults (Laity)
- (b) To seek to develop in growing persons such an understanding and appreciation of the personality, life and teaching of Jesus Christ as will lead to the experience of Him as Saviour and Lord, loyalty to him and his cause, and will manifest itself in daily life and conduct.
- (c) To develop in growing persons the ability and disposition to participate in the life of the Christians-the church.
- (d) To help in the total development of the individual, enabling him to know and understand the meaning and importance of his role in the family and society.
- (e) To promote facilities for specialised training in work among children youth and adults.
- (f) To help people in developing Christian insight of service and to enable them to fulfil God's purpose for their lives.
- (g) To initiate better cooperation among Christian, secular and social agencies involved in children, youth and adult welfare.

-----contd on page 2-----

- (h) To initiate better co-ordination in all the organisations, for Christian Education for a more comprehensive plan and work on regional and national level and to help them avoid overlapping of programmes.
- (i) To act as a liasonⁱ between Christian Education Organisations, and the Government agencies on regional and national levels.
- (j) To help in better understanding and co-ordination between the organisations of Christian Education at national and international levels.
- (k) To help plan and provide adequate literature in the form of pamphlets, books, manuals and magazines for the three areas of concern, i.e. children youth and adult work.

-----00000000-----

DEPARTMENT OF YOUTH WORK.

For the purposes of programmes the following categories of youth would be kept in-to consideration :-

Rural Youth, Urban Youth, Young Industrial Workers, Young Working Women and Students.

It was felt that there are Christian organisations in India, which are taking care of the last three categories of youth in one way or the other. But the Rural Youth among the Urban Youth the following categories:- Slum dwellers, Migrants, Educated and Uneducated unemployed are neglected. Therefore, it has been recommended that the Youth work of the CECI should be geared to cater the needs and problems of these two categories of youth, for the next two years. After this period the whole work will be reviewed.

Objectives:- The Committee feels that objectives No. b, d, h and i mentioned earlier can be incorporated into the objectives for the youth work, and re-framed in such a way as to serve the purpose for the Youth Department.

Programme:- The following programme is suggested in terms of priority and availability of funds:-

1. Eradication of poverty Projects:- The programme of eradication of poverty will be launched in the form of a model project in a village with special emphasis on programmes of adult education which will include (a) informal education including liquidation of illiteracy and provision of welfare services for the age group 15-25 and (b) linking the programme of liquidating adult illiteracy with employment programmes.

2. Educating youth for participation in socio-political/economic problems in slums:- A programme of sensitization in the social, political and economic fields will be organised on a long term basis for youth in slums.

3. Training and counselling:-

(a) Rural youth training institutes:- Four rural youth training institutes of a duration of one month will be conducted in rural areas, in the following areas of concern:-

- i) Needs and problems based e.g. Agricultural etc.
- ii) Liquidation of illiteracy through conscientization method.
- iii) Youth workers' training institute-group dynamics, programme planning and youth counselling.
- iv) Backward class Youth Institute.

These institutes will be oriented towards the needs and problems of the youth in the particular area it is organised.

(b) Urban youth training institute- Two urban youth training institutes for a duration of one month each in the urban areas on the following concern

- i) Vocational guidance programme on self employment etc.
- ii) For migrant youth at the initial stages.

Objectives:- The objectives for which the CECI is established are:-

- (a) To encourage integrated approach to Christian nature by initiating programme for children youths and adults (laity)
- (b) To seek to develop in growing persons such as understanding and appreciation of the personality, life and teaching of Jesus Christ as will lead to the experience of Him as saviour and Lord, loyalty to him and his cause, and will manifest itself in daily life and conduct.
- (c) To develop in growing persons the ability and disposition to participate in the life of the Christians the church.
- (d) To help in the total development of the individual enabling him to know and understand the meaning and importance of his role in the family and society.
- (e) To promote facilities for specialised training in work among children, youths and adults.
- (f) To help people in developing Christian insight of service and to enable them to fulfil God's purpose for their lives.
- (g) To initiate better co-operation among Christian, secular and social agencies involved in children, youth and adult welfare.
- (h) To initiate better co-ordination in all the organisations, for Christian education for a more comprehensive plan and work on regional and national level and to help them avoid overlapping of programmes.
- (i) To act as a liason between Christian Education Organizations and the Government agencies on regional and national levels.
- (j) To help in better understanding and coordination between the organisations of Christian Education at national and international levels.
- (k) To help plan and provide adequate literature in the form of pamphlets, books, manuals and magazines for the three areas of concerns i.e. children, youth and adult work.

Time - Table

27.6.74 Arrival by evening & pick up the Agenda and other documents at 6.30 P.M.

28.6.74 7.30 A.M. Breakfast
8.00 A.M. Opening Prayer by Rev.Dr.N.Minz, Actg.Pr.Adhyaksha.
Attendance by Rev.P.D.Soreng, Secretary.
8.30 A.M. - 10.30 A.M. 1st Session
10.30 A.M. Tea break.
10.45 A.M.- 12.00 Noon 2nd Session
12.00 Noon- 2.30 P.M. Lunch and Rest.
2.30 P.M. - 4.30 P.M. 3rd Session
4.30 P.M. Tea break
4.45 P.M. - 6.00 P.M. 4th Session
7.30 P.M. Dinner.

29.6.74 Same as 28th June '74.

Rev.Dr.N.Minz
Acting Pramukh Adhyaksh.

A g e n d a.

28.6.74 1. Approval of the Minutes of Officers' Meeting held on 1.6.74.

2. Matters from Previous minutes:-

- (a) Report on Corroborative Votes.
- (b) Expert from Japan to be invited.
- (c) GEL Church Press.
- (d) Membership and representation to Christian Education Council of India.

3. Letters from LWF and Gossner Mission: a, Dr. Ji's
b, Director Seeberg
c, Dr. K. Rajaratnam

4. Extension of Service of : a, Rev. C. B. Ekka
b, Miss. S. Horo.

5. Application for withdrawal of Provident Fund:-

- (a) Rev. D. D. Toppo
- (b) Rev. N. Ekka
- (c) Rev. P. D. Soreng

(d) Rev. M. P. Jaja

6. Matters from Boards:-

- (a) Board of Theological Education
- (b) Board of Education
- (c) Board of Evangelism and Literature
- (d) Board of Properties.

7. Reports on Projects: a, Sri. J. B. Minz's
b, Contribution for Bokaro Church & Christian Centre.

8. Endorsement of Rev. C. A. B. Turkey's extension of his stay in USA.

9. Visitors from Germany and one layman from Assam to visit Germany.

10. Reports: Rev. Dr. CKP Singh and Rev. Dr. N. Minz.

29.6.74 11. Finance: Mr. Chugan Le request

11. Action on Basic Structure of the New Constitution of GELC.

12. Sympathy Society.

13. Consideration of Providing Thaller for New Ordinands and their appointment.

14. FELC-I Mahabalipuram findings and the revolving fund.

15. Application for revival preaching by laymen and plan for the same.

16. Youth Department of GELC.

17. Any other matters: Def. use of vehicle by Executive Paper 3.

Rev. Dr. N. Minz
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church, Ranchi.

NATIONAL CHRISTIAN COUNCIL OF INDIA
CHRISTIAN COUNCIL LODGE
NAGPUR-1.

18th January 1974.

The Heads of Churches

The Heads of Children, Laity and Youth Organisation.

Dear Friends,

The National Christian Council of India (NCCI) has for some time been planning to organise a Christian Education Council. Now the Christian Education Council of India (CECI) is in the process of formation according to the mandate of the Kottayam Assembly of the NCCI. The membership is open to all member churches and organisations related to the NCCI.

The main objective of the Council is to seek to develop in the people a true and deeper understanding of the life and mission of Jesus Christ through study of the Word of God and critical participation in the historical happenings and movements of the world in such a way as to lead them to an experience of the saving work of Christ. The Council also proposes to initiate better co-ordination among the churches and organisations for a more comprehensive, intensive and relevant plan of Christian Education work on regional and national levels. It will also serve as the co-ordinating agency.

The CECI will have three departments:-

- (1) Childrens' work department
- (2) Youth work department
- (3) Laity work department

A recent Christian Education Consultation at Tiruvalla attended by the representatives of the member churches and some experts in the field of Christian Education has planned programmes for the three departments of the Council. One of the important programmes planned is the production of a new common curriculum books on Christian Education entitled "Growing Together"

Therefore you are requested to enrol your church's Christian Education Department/Organisation as a member of the CECI and name your official representative. Please send the name to the Secretary, CECI, National Christian Council Lodge, Nagpur 440001.

The Christian Education Council of India (CECI) is a project of the Christian Service Agency (CSA) National Christian Council of India (NCCI) with the following objectives:-

- (a) To encourage integrated approach to Christian nature by initiating programmes for children, youth and adults (Laity)
- (b) To seek to develop in growing persons such an understanding and appreciation of the personality, life and teaching of Jesus Christ as will lead to the experience of Him as Saviour and Lord, loyalty to him and his cause, and will manifest itself in daily life and conduct.
- (c) To develop in growing persons the ability and disposition to participate in the life of the Christians-the church.
- (d) To help in the total development of the individual, enabling him to know and understand the meaning and importance of his role in the family and society.
- (e) To promote facilities for specialised training in work among children youth and adults.
- (f) To help people in developing Christian insight of service and to enable them to fulfil God's purpose for their lives.
- (g) To initiate better cooperation among Christian, secular and social agencies involved in children, youth and adult welfare.

-----contd on page 2-----

- (h) To initiate better co-ordination in all the organisations, for Christian Education for a more comprehensive plan and work on regional and national level and to help them avoid overlapping of programmes.
- (i) To act as a liaisonⁱ between Christian Education Organisations, and the Government agencies on regional and national levels.
- (j) To help in better understanding and co-ordination between the organisations of Christian Education at national and international levels.
- (k) To help plan and provide adequate literature in the form of pamphlets, books, manuals and magazines for the three areas of concern, i.e. children youth and adult work.

-----00000000-----

DEPARTMENT OF YOUTH WORK.

For the purposes of programmes the following categories of youth would be kept in-to consideration :-

• Rural Youth, Urban Youth, Young Industrial Workers, Young Working Women and Students.

It was felt that there are Christian organisations in India, which are taking care of the last three categories of youth in one way or the other. But the Rural Youth among the Urban Youth the following categories:- Slum dwellers, Migrants, Educated and Uneducated unemployed are neglected. Therefore, it has been recommended that the Youth work of the CECI should be geared to cater the needs and problems of these two categories of youth, for the next two years. After this period the whole work will be reviewed.

Objectives:- The Committee feels that objectives No. b, d, h and i mentioned earlier can be incorporated into the objectives for the youth work, and re-framed in such a way as to serve the purpose for the Youth Department.

Programme:- The following programme is suggested in terms of priority and availability of funds:-

1. Eradication of poverty Projects:- The programme of eradication of poverty will be launched in the form of a model project in a village with special emphasis on programmes of adult education which will include (a) informal education including liquidation of illiteracy and provision of welfare services for the age group 15-25 and (b) linking the programme of liquidating adult illiteracy with employment programmes.

2. Educating youth for participation in socio-political/economic problems in slums:- A programme of sensitization in the social, political and economic fields will be organised on a long term basis for youth in slums.

3. Training and counselling:-

(a) Rural youth training institutes:- Four rural youth training institutes of a duration of one month will be conducted in rural areas, in the following areas of concern:-

- i) Needs and problems based e.g. Agricultural etc.
- ii) Liquidation of illiteracy through conscientization method.
- iii) Youth workers' training institute-group dynamics, programme planning and youth counselling.
- iv) Backward class Youth Institute.

These institutes will be oriented towards the needs and problems of the youth in the particular area it is organised.

(b) Urban youth training institute- Two urban youth training institutes for a duration of one month each in the urban areas on the following concept

- i) Vocational guidance programme on self employment etc.
- ii) For migrant youth at the initial stages.

Objectives:- The objectives for which the CECI is established are:-

- (a) To encourage integrated approach to Christian nature by initiating programme for children youths and adults (laity)
- (b) To seek to develop in growing persons such as understanding and appreciation of the personality, life and teaching of Jesus Christ as will lead to the experience of Him as saviour and Lord, loyalty to him and his cause, and will manifest itself in daily life and conduct.
- (c) To develop in growing persons the ability and disposition to participate in the life of the Christians the church.
- (d) To help in the total development of the individual enabling him to know and understand the meaning and importance of his role in the family and society.
- (e) To promote facilities for specialised training in work among children, youths and adults.
- (f) To help people in developing Christian insight of service and to enable them to fulfil God's purpose for their lives.
- (g) To initiate better co-operation among Christian, secular and social agencies involved in children, youth and adult welfare.
- (h) To initiate better co-ordination in all the organisations, for Christian education for a more comprehensive plan and work on regional and national level and to help them avoid overlapping of programmes.
- (i) To act as a liason between Christian Education Organizations and the Government agencies on regional and national levels.
- (j) To help in better understanding and coordination between the organisations of Christian education at national and international levels.
- (k) To help plan and provide adequate literature in the form of pamphlets, books, manuals and magazines for the three areas of concerns i.e. children, youth and adult work.

A SHORT REPORT OF MY VISIT TO GERMANY

May 3rd - 13th, 1974.

The purpose of the visit was to attend the meeting of the KURATORIUM (Gossner Mission) as its member. Arrival in Berlin was not as scheduled but as planned by the Air Lines. I had only one day time in Berlin to discuss with the Mission Director about various points of concern for Gossner Church.

First of all I gave the latest news from our church and specially about the decisions of the last KSS pointing out some special points. The then existing news of corroborative vote of Anchals was also reported. Following points were also raised and discussed:

- (a) Request of Rs. 14,000/- for meeting etc. in regard with new Constitution. The Director expressed the readiness of G.M. to grant the sum.
- (b) Balance money of BEL of last years. As the money belong to the BEL/the KSS, the decision of BEL and KSS is not objectionable. The BEL should use as its money carefully and wisely for the mission work. The G.M. has nothing to claim.
- (c) Education Department: The Department has the highest sum for its use. It has nothing to request more for individual programs. But use the amount carefully for such programmes. The LWF is to channel some more amount for the department.
- (d) Successor for Pastor Hecker: The G.M. is not to force to accept a successor for Pastor Hecker. It is up to GELC. If she wishes, she should make formal requests in this case. It should contact the G.M. in GDR as the matter is discussed to send a successor from GDR.
- (e) Exchange Programme: I could not give a name, as it is not yet finalised in the KSS. The visitor is very much expected some times in the next fall between September-December 1974. Pastor Schmelter, Lemgo is to visit our church in January 1975 or already towards the end of December 1974.
- (f) Pastor H. Borutta; Exten: - He is my official substitute in the KURATORIUM. Therefore it is thought that he shall visit the GELC to get first hand information. The GELC has to get its contact with him. Necessary steps be taken with this respect.

The above points were also mentioned in the Kuratorium meeting and left the Executive for action.

For a short time I was in Exten with Pastor Borutta to give him informations and to discuss the matters with him.

This time Kuratorium meeting was in Mainz, about 15 members or their substitutes were present. This time one main point was to review the Budget (1974) and also to introduce the Budget 1975. The budget has been reduced but for GELC it is still favourable. The another point was a Theological one, which was discussed much. The Kuratorium discussed the approach of GM. to contemporary development in the field of theology (Practical), politica, industry, society etc. Decisions were made also for some personnel, i.e. Mr. Schwerk is leaving GM, Pastor Symanowsky shall go on pension. Special greetings were expressed by the Kuratorium for the GELC and good success in the coming KSS meeting.

After the meeting in Mainz I was rushed to East Berlin to follow up the programmes. As I was to return for KSS the long programme was shortened. I had a chance to preach in the most famous St. Marien church in east Berlin. I also visited some groups in Potsdam. Besides this I had a chance to meet different groups of leaders of Brandenburg church. Our discussion were centred on 'Partnership': How can we deepen and strengthen our 'Partnership'. The following points were expressed and are needed for attention in this KSS.

- a) The Church Council is ready to depute a teacher for theological College as successor of Pastor Hecker. The talks and preparations are going on. The KSS has to send a formal invitation.
- b) Dr. Althausen is to visit India in September 1974. It will be highly appreciated if he can be visited - invited to visit G.E.L. Church also.

(contd. next page).

Page (2).

- c) Two co-workers of GM. in GDR shall visit India. Durgapur and Calcutta in February-March 1975. It is expected that they shall visit GELC also.
- d) Delegates to Jakarta be invited to visit GELC on their way back to GDR.
- e) In future the visitors from G.E.L.C. should include GDR in their programme for visit.

The G.M. in GDR specially Director Bruno Schottstadt is ready to help G.E.L. Church and co-operate in the field of VIM. necessary steps be taken with this regard.

The K.S.S. is requested kindly to make necessary decisions with these regards as and where needed.

Thankfully submitted.

Sd/- C.K. Paul Singh

Kurator

Director, BEL

Ranchi the 23rd May, 74.

REPORT ON COMMISSION ON STUDIES /LWF MEETING HELD FROM
24th APRIL --2nd MAY 1974 AT GENEVA.

As a member and representing the whole of Asia in Commission on Studies LWF I have to attend the meeting of the Commission once a year. The Commission has been kind enough to elect me as a member of four men administrative Committee of the Commission which meets once between the Commission meetings. This means twice a year I do attend the international meetings. This is my third year of membership in the Commission on Studies/LWF. Only once I have had the occasion to present a formal report on the event of commission meeting. I feel it my responsibility to do so each time whether I am asked or not. Hence this short report on the major events and decisions of the Commission on Studies in which I had the opportunity to participate.

1) Constitution and the form of the meeting:-

As this Commission met to review its previous three years works two members of the executive committee, a representative from Lutheran Church in Tanzania, and one from West Germany attended our meeting. Besides the 9 Commission and the two executive committee members, national committee members from U.S.A., Norway, Sweden, East and West Germanys, and staff representatives from Commission on World Service attended our sessions. This meant that there might have been over thirty members who attended our Commission meeting very regularly. The General Secretary of LWF Dr. Andre Appel attended the sessions regularly. It is pity that Dr. Appel has resigned from the General Secretaryship and the LWF is on the look out of a new General Secretary.

2. The meeting was organised in two parts. First: Seminar on Ecclesiology and identity of the church was held for three days i.e. 24th-26th April '74. The major focus of discussion centred around the meaning and function of the church and how far the present understanding of the church is effective in its function in modern world situation - such as in South Africa Apartheid situation, in Namibia etc. The second part of the meeting which was held from 26th eve-2nd May was the regular business sessions of Commission on Studies. The Commission on Studies deals primarily with four major areas of concerns of the member churches.

1) The life and work of churches faced by new challenges:-

This area has the following subsections (a) Worship (b) Identity of the church (c) Women in the church (d) Theological education and scholarship and exchange programme (e) Christian education and (f) Communications. Many important decisions in the first area of concern the following are to be noted: (a) Women and youth are gaining strength in their opinion and it is generally accepted that equal opportunities must be given to women and youth in the administrative structures of the church from the local to the central levels.

(b) In scholarship and exchange programme more women candidates be encouraged to apply and they must be given minimum 30% to 60% scholarship in the future. This means that we have to encourage women candidates to apply for LWF scholarship and exchange programmes.

Theological education Secretariat will change from March 1975. The present Secretary Dr. Julia Nagy of Hungary will leave the work and he will be replaced by Dr. Sitampal of Indonesia. Christian education section has many exciting programmes going on all over the world. They have agreed to conduct workshop on Christian education and curriculum development, at our invitation in February 1975.

2) Interconfessional dialogue:-

Various dialogues are being carried on at national and international levels between the Lutherans and other churches. Notable developments have taken place in Lutheran-Reformed, Lutheran, Anglican Lutheran-Roman Catholic dialogues. Dialogues between Lutherans and other smaller churches are being initiated. The published documents on these dialogues are available for member churches and they will be most useful for our local situation.

Among

3) Peace Justice and Human Rights:-

This section deals with churches duty and responsibility at local, regional, national and international levels to help promote peace, justice and human rights. The problem of American Indians and the white communities, the Southern labourers in Northern countries in Europe, the white and black problem in South and South-West Africa, the Chinese and the Malays in Singapore and so on are vitally important for the work of the church.

4) The Encounters with religious and ideologies:-

China study in this area is the major focus. The presence of China and Chinese form of socialism present a major challenge to the mission of the church in the world. It is being explored how the church can best fulfil its mission in the presence of China and Chinese ideologies all over the world.

After the Commission meeting I had the opportunity to meet staff members of other communities. I would like to mention two of them.

1) Dr. Won Yong Ji - Asia Secretary, Department of Church Co-operation. I acquainted Dr Ji with our present situation. He patiently listened to my verbal report. He and Dr. Hellberg have assured me that the C.C.C./LWF will find out ways and means to help us with Rs. 10,000/- during the interim period. Dr. Ji is very keen on building programme of our Gossner Theological Coll. at Ranchi. As we all know that the CCC/LWF sanctioned \$ 60,000 for our building purpose this year and they are working for \$ 50,000 for 1975. Dr. Ji is keen on implementing Asiaprogramme for advanced studies in theology. This will be a new programme in Asia.

2) Miss Christa Held:- At first she enquired about our school development programmes and she expressed her difficulties in helping this programme at the moment. More thought is being given along this line. She is interested in our development plans in business, industry and agriculture. In her opinion India needs more agricultural projects than school development plans. She is firm on the improvement of personnel rather than facilities in impress. And the CDS/LWF will be willing to pay more attention to agricultural projects than others.

Dr. Appel, Dr. Sovik, Dr. Ji, Miss Christa Held, Dr. C. Hellberg and others send greetings and good wishes to Gossner Church and pray that the Lord take her out of the present difficulties.

(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramu Kh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Barla/21

No. 14

F E L C I CONSULTATION "Silver Sands" MAHABALIPURAM

October 4th - 9th, 1973.

G R O U P (16)

A MODEL OF 10-YEAR PLAN TOWARDS GROWTH
AND SELF-RELIANCE

The group thoroughly discussed the paper and under the imperative urgency of the situation created by the impending legislation to control flow of foreign funds, the following recommendations are made:

- A. I. All the Lutheran Churches in India must give their heart and mind towards Christian Education and Teaching that members of Lutheran Churches be awakened towards giving their tithe for the support of Church and her Mission.
- II. On the lines of Suvartha Dhananidhi Fund of A.E.L.C., separate funds and programmes be started in all churches. The S.A.L.C. example of zonal system and Parish self-reliance plans are also recommended.

B. Recommendation regarding Institutions:

- I. All Hostels shall become Self-Supporting and are not to depend on any subsidy either from abroad or from the Church.
- II. Educational Institutions which are no longer marked for their excellence and Christian witness be turned up to Government if they do not become self-sufficient.

The stipendary part of the expenditure on Theological Education for the students is to be met by the churches according to their own ability and rules of Theological Colleges be amended accordingly.

OR

The Theological Students be given a certain amount of fixed scholarship and any expense beyond it (for medical, travel, books etc.) is to be borne by the candidates.

C. Administration:

The central Administration as well as the affiliation fees to outside bodies is to be covered by income from existing properties put to a productive use.

D. Future expansion Programmes:

- (i) Self-supporting Hostels at Industrial Centres to gather the Young Christian workers and help them to live a Christian life be started.
- (ii) Vocational Training Schools according to the needs of churches could be started.

While working out the recommendations we suggest the order of priority as follows:-

- I. Parish and all parish work.
- II. Maintenance of existing Institutions and sometimes even closure wherever necessary.
- III. Extension of work or establishment of new work.
- IV. Constituent churches are encouraged to draw up a 10-year plan of development as Self-support on the model given and presented to the Consultation adjusting their own conditions and resources.
- V. FELCI be requested to arrange a Consultant to sit with the Constituent Churches' leaders to draw up the above plan.

**

**

**

From,

The Secretary,
Gossner High School, Ranchi.

To

The District Education Officer,
Ranchi.

Dated Ranchi the 14th June, 1974.

Subj: Secretary Gossner High School, Ranchi.

Sir,

It has come to my notice that Shri. A. Lakra Education Officer of the G.E.L. Church, Ranchi has informed you that I, Shri J.P.E. Tiga am no longer secretary of the Gossner High School, Ranchi and that Dr. N. Minz has been appointed the new Secretary of the Managing Committee of the School.

In this connection I might point out to you that the Education Officer, the Education Board and the KSS (the highest administrative body of the Church) have clearly violated the Constitution of the Church in appointing Dr. N. Minz as secretary of the managing committee. The secretary of the Gossner High School is appointed on recommendation of the managing committee, which in Dr. Minz's case has not been fulfilled. I have pointed out this fact to all the authorities of the Church concerned, but instead of rectifying it, the Education officer has rushed to the Department, which would complicate the matter further.

I am enclosing copy of the relevant paper letters that have passed between us which would clarify our position. Also a copy of the relevant portion of the church constitution is enclosed in this regard.

Dr. N. Minz is the Pramukh Adhyaksh (President) of the Church who becomes Chairman of the managing committee Ex-Officio. He cannot be appointed at the same time secretary of the managing committee of which he is the chairman. This is an anomaly which has to be removed.

It is therefore requested that no action should be taken by you at this stage before the constitutional matter is settled between the managing committee and the Church Education Department. We are still exploring avenues for rectifying the controversy, but any action by you in a hurry at this stage would further complicate the matter and it might go for lengthy court litigation.

Yours faithfully

Sd/- J.P.E. Tiga

Secretary

Gossner High School, Ranchi

Memo. No. _____ / Dated Ranchi the 14th June, 1974.

Copy forwarded to:-

- 1) S.D.E. O. Ranchi Sadar, Ranchi.
- 2) The Agent Bank of Baroda Main Road, Ranchi.
- ✓ 3) The Secretary KSS, G.E.L. Church, Ranchi, for information and the needful.

No. 96-97 /

From,

The Secreary,
Gossner High School, Ranchi

To

The Agent,
Bank of Baroda,
Main Road, Ranchi.

Dated Ranchi the 14th June, 1974.

Ref:-

Our S/B A/C No. 8/2633 and
Fixed Deposit Account.

Dear Sir,

It has come to our knowledge from different sources that the Education Officer of the G.E.L. Church, Ranchi has claimed that I, Shri J.P.E. Tiga am no longer member and secretary of the managing committee of the Gossner High school, Ranchi.

I have to point out in this regard that a controversy has arisen in the matter of the appointment of the secretary of the managing committee. The constitution of the Church requires the managing committee to recommend a name to the K.S.S. (highest executive of the Church) for appointment as secretary. This has been violated by the Department of Education who its turn misguided the K.S.S. in appointing Dr. N. Minz as secretary without obtaining any recommendation of the managing committee.

My contention is that even the K.S.S. cannot act or order in violation of the provisions of the constitution, and if it does as in the present case, its decisions/Orders would be of non-effect and therefore the contention of the Education Officer has no locus standi and must not be honoured.

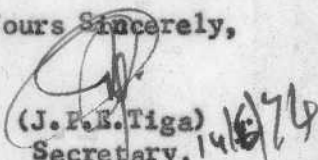
I would therefore request you not to act immediately purely and solely on the basis of the communication of the Education Officer as that would be ultra vires.

We have written to the Education Officer and the K.S.S. explaining our position, but instead of replying our letters positively they have been trying to create a crisis.

We are still exploring other opportunities to short out the controversy, and in this light may I request you not to act in a hurry. If a secretary or a member ceases to be member of the managing committee, it is the managing committee which has to make resolution authorising a person or persons to operate on the Bank Accounts.

I am enclosing a copy of the relevant portion of the Church constitution, which would explain our position. I will be willing to come personally and discuss with you in this regard.

Yours Sincerely,


(J.P.E. Tiga)
Secretary,
Gossner High School,
Ranchi.

Copy to the:-

(1) Secretary K.S.S. Ranchi for information.

(2) S.A.E.O. Ranchi for information - & careful

COPY OF THE RELEVANT PORTION OF THE CONSTITUTION OF THE G.E.L. CHURCH
CHOTANAGPUR & ASSAM FOR THE ADMINISTRATION OF THE CENTRAL INSTITUTIONS.

ARTICLE TWENTYONE.

FUNCTIONS of the K.S.S. Page 28(q):- "To appoint on the recommendations of the managing committees or councils, the Principals, Headmasters or Headmistresses of all the central institutions and in the case of the Theological College, the full-time staff and the Secretaries of the said institutions."

ARTICLE TWENTYTWO.

(c) Board of Education Page 30.

The following institutions and all other institutions which may be established by the K.S.S. shall come under the perview of the Board.

- 1) Gossner High School for boys at Ranchi.
- 2) Bethesda Girls' High School at Ranchi.
- 3) Womens Training school at Ranchi.

"These institutions will be governed as hitherto by their own managing committees. However, in the case of the appointments of the Principals, or Heads of these institutions and the secretaries of the managing committees, the Kendriya Salahkari Sabha (K.S.S.) shall appoint them on the recommendation of the managing committee concerned"

No 109

From
The principal
Gossner High School, Ranchi.

To
The Secretary,
K.S.S.G.E.L.Church, Ranchi.

Dated the 26th June, 1974.

Subject:- VIOLATION OF CONSTITUTION REGARDING THE APPOINTMENT
OF THE SECRETARY, GOSSNER HIGH SCHOOL.

Sir,

In continuation of my letter No.81-86 dated the 22nd May, 1974, I would like to remind you that I have not received any reply from you regarding the constitutional points raised by me on the above noted subject.

In addition to this, I would like to inform you that the Education Officer has made the matter more complicated by his letter No.256/C-25 dated 5.6.74 addressed to D.E.O Ranchi and the Bank concerned. His letter will affect the payment of salary to the teachers and other employees of the school. This action of his clearly indicate that he wants to put the institution in trouble which he cannot do.

Thus he has made another mistake by violating the rules of the church without getting prior consent or approval of the K.S.S. He is working beyond his jurisdiction.

I would, therefore, request you to kindly consider my representation with sympathy and take necessary action. Further I request you to kindly arrange for the payment of salaries of teachers and other employees of the school for the interim period.

Thanking you,

Yours faithfully,

M.P. Kongari
26.6.74

(M.P. KONGARI)

principal,
Gossner High School,
Ranchi.

Copy to:-
All concerned,

Recd.
27-6-74

No III - 113

From,

The Principal,
Gossner High School, Ranchi.

To

The Education Officer,
G.E.L. Church, Ranchi.

Dated Ranchi the 26th June, 1974.

Sub:-

Secretary of the Gossner High School, Ranchi.

Sir,

In continuation of my letter No.92-95 dated 3rd June, 1974, I have to say that I have not received any reply from you regarding the constitutional points raised by me.

That instead of rectifying the mistakes done, you are making it more complicated which will tell upon the institution. I have come to know that you have written to D.E.O. and the Agent of the Bank concerned according to your own ^{own} suit will. I would like to point out that K.S.S. is the supreme body of the Church. But you have not even obtained the permission to disclose the church affairs to the outsiders. Thus you have violated the rules of the church, neglected the existence of the K.S.S. and tried to damage the interest of the institutions.

That the K.S.S. which is the whole and sole authority and the proprietor of the schools has been misguided by you from the very beginning and at the end you have acted as if you are the highest authority and thus you have violated the constitution and superseded the K.S.S. of the church.

I do not find any reason why you should not be asked for an explanation regarding your unconstitutional actions by the K.S.S.

It is obvious that you have been appointed by the K.S.S. and hence you have got no right to disclose in writing the internal affairs of the church to the outsiders. I think henceforth you will be aware of your powers and functions.

Yours Sincerely

(M.P. Kongari)
26/6/74

(M.P. Kongari)

Principal,
Gossner High School, Ranchi

Copy forwarded to:-

All concerned for information.

Secretary, K.S.S. G.E.L. Church, Ranchi

True Copy.

BANK OF BARODA .
Ranchi Branch.

MAIN ROAD,
RANCHI- 1.

Ref No.S/B/9

7th June, 1974.

The Chairman Managing Committee,
Gessner High School,
Main Road, Ranchi.

Dear Sir,

Re: Your S/BA/c.No.8/2633 &
Fixed Deposit Account.

We are informed by the Education Officer, G.E.L.Church, office of the Department of Education, G.E.L.Church, Chetanagpur & Assam vide their letter Ref.No.356/c-25 dated 5-6-74 that Shri J.P.E.Tiga's membership as Church nominee to Gessner High School M/C is withdrawn and that he shall have nothing to do with the school account.

Accordingly his authority to operate upon the account's as secretary of the school with us stand revoked and this is to advise that no operation shall be permitted in your a/c's with us till fulfilment of the undermentioned formalities.

You are requested to elect fresh office bearers and advise us the name of fresh authorised signatories i.e. Secretary & Principal together with attested signature of the office bearers and the Managing Committee's resolution to that effect by the secretary of the Education Board.

Pending fulfilment of these formalities no operation shall be permitted in your accounts.

Yours faithfully,

Sd. Illigible
Agent,

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 356/C-25

Date 5 June 1974.

To
The District Education Officer
Ranchi.

Subject:- Secretary Gossner High School Ranchi.

Sir,

Respectfully I would like to inform you that Mr.J.P.E.Tiga is no longer the Secretary of Gossner High School. The Kendriya Salahkari Sabha, the highest administrative body of the GEL Church has on the recommendation of the Education Board appointed Rev.Dr.N.Minz as Secretary of the said school in its meeting held at Ranchi from 23rd-27th January 1973 as per item No. 32(E) of its proceedings. Mr.J.P.E.Tiga had submitted representation with request to allow him to continue as Secretary of the school. The K.S.S. have turned down his request and as such Rev.Dr.N.Minz is the Secretary of Gossner High School.

Further I have to say that membership of Mr.J.P.E.Tiga to the managing committee of the school have also been withdrawn by the Education Board in its meeting dated 13-14 May '74 as per item No.7(2) which reads as follows:-

Item No.(7) Gossner High School M/C

(2) Since Mr.J.P.E.Tiga has failed to comply with the decision of Education Board and the KSS even after several reminders, the Board resolve that his membership as church nominee to the Gossner High School M/C be withdrawn with immediate effect.

Further resolved that Shri J.P.E.Tiga be informed that immediately after receipt of this resolution he will have nothing to do with the Gossner High School managing committee.

As such any transaction of Gossner High School accounts and other documents in the signature of Mr.J.P.E.Tiga as Secretary will be treated as invalid, mala fide and unjustified. This is for your information and needful.

Yours sincerely,

(A. Lakra)

Education Officer
GEL Church Ranchi.

- CC: 1. The B.D.E.O. Ranchi Sadar for information and needful.
2. The Agent Bank of Baroda, Ranchi for information and needful.
3. Pramukh Adhyaksh GELC.
4. Secretary Education Board.

Gossner High School



MAIN ROAD, RANCHI

No. 89-91

Dated the... 6th June, 1974.

To

Sri A. Lakra,
Education Officer,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

Reference your letter No. 345/A-S dated 25-5-74 I find that I have been appointed by the K.S.S. and now THE Education Board is writing of withdrawing my membership. In this connection I would like to say that let us not go against the constitution. The constitution is above all of us and this should not be violated in any way. If the constitution is followed it will solve the whole thing. Please note I am still the Secretary and I shall continue till the matter is not decided constitutionally.

Yours faithfully,

(J. P. R. Riga)

Secretary,

Gossner High School,
Ranchi.

Copy to:-

1. Secretary, Education Board
2. Pramukh Adhyaksh, G. E. L. Church, Ranchi. ✓

From,

The Principal,
Gossner High School, Ranchi

To

Mr. A. Lakra,
Education Officer, G.E.L. Church, Ranchi

Dated Ranchi the 3rd June, 1974.

Sub:-

Constitution of Managing Committee.

Ref:-

Your letter No. 346/A-8, dated 31-5-74.

Sir,

In connection with your above quoted letter I have to say the following:-

That the first point raised therein has already been made clear in my letter No. 81-56 dated 22-5-74 to the Secretary, K.E.S. G.E.L. Church, Ranchi; a copy of which has already been sent to you.

That the names of the nominees were sent along with the appointment of a New Secretary, which was quite irregular and unconstitutional according to the procedure as per Article 22(C) Page 30 of the G.E.L. Church Constitution.

That the instruction could not be accommodated part-wise. It was in no way proper for the Education Board to override the Constitution of the G.E.L. Church. *over-ride*

That the Education Board has committed mistake itself and misguided K.E.S. regarding the appointment of Secretaries of the Central Institutions. As one of the function of the K.E.S. according to the Constitution is, "To appoint on the recommendations of the Managing Committees or Councils, the Principals, Headmasters and Secretaries of the said Institutions (Vide Article 21(Q) Page 28).

It is therefore, not incumbent upon me, to adhere to mistakes unless rectified and put in right order.

That the second point in connection with transaction made in the School" this period", I may be allowed to intimate you that it has been done on previous sanction and advice of the Chairman (The then Pramukh Adhyaksh Rev. J. Toyne) and the Secretary Sri. J.P. E. Tigga.

I therefore feel that no explanation other than state herein is needed.

Yours faithfully

(Signature)
3/5/74

(M.P. Kongari)

Principal Gossner High School,
Ranchi

Memo No. _____ Dated Ranchi the 3rd June, 1974.

Copy forwarded to:-

- ✓ (1) Pramukh Adhyaksh G.E.L. Church, Ranchi
- (2) Secretary Education Board, G.E.L. Church, Ranchi
- (3) All Anchal Adhyakshes of G.E.L. Church

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref. No. 347/A-8

Date 25th May '74. 197

To

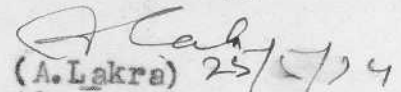
Mr. S. Bhengra
Head Acctt. KSS. GFLC.

Subject: -Annual increment of Mr. A. Lakra Edn. Officer.

Dear Mr. Bhengra,

Please find the extract from the minutes of the Education Board meeting dated 14.5.74 appended below for needful.

Yours sincerely,


(A. Lakra) 25/5/74

Education Officer
GFL Church Ranchi.

✓ cc: Pramukh Adh. GFLC.
Secy. Edn. Board.

Extract from the minutes of the Education Board meeting dt. 14.5.74.

Item No. 5. Application of Mr. A. Lakra Education Officer.

Resolved that Mr. A. Lakra Edn. Officer be allowed to draw his normal increment of Rs. 25/- p.m. with effect from 1st April '74.

Sd/- Rev. N. Ekka
Secretary
Education Board
GFL Church Ranchi.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 345/A-8

Date 25 -5-1974 197

To

Mr. J. P. E. Tiga
Kadru, Ranchi.

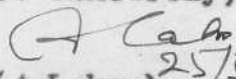
Subject:- Gossner High School Managing Committee

Dear Mr. Tiga,

Extract from the minutes of the Education Board GEL Church, meeting dated 14.5.74 is appended below for your information and needful.

Yours sincerely,

✓ cc: Pramu Kh Adhyaksh GELC.
2. Secretary Edn. Board GELC.


(A. Lakra) 25/5/74
Education Officer
GEL Church Ranchi.

Extract from the minutes of the meeting of Edn. Bd. dated 14.5.74.

Item No. 7(2) Gossner High School:-

Since Mr. J. P. E. Tiga has failed to comply with the decision of the Education Board and the KSS, even after several reminders, the Board resolves that his membership as church nominee to the Gossner High School M/C be withdrawn with immediate effect.

Further resolved that Shri J. P. E. Tiga be informed that immediately after receipt of this resolution he will have nothing to do with the Gossner High School managing committee.

Sd/- Rev. N. Ekka
Secretary
Education Board
GEL Church.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 346/A-8

Date 31 May 1974

To

Mr.M.P.Kongari
Principal G. H. S. Ranchi.

Sub:-Extract from the minutes of the Education Board meetings.

Dear Mr.Kongari,

please find extract from the minutes of the Education Board meeting dated 14.5.74.

Please comply within a fortnight and oblige. The term "this period" in (ii) below will be counted from 22.2.73, the date of issue of letter No.145/73/KSS-90 by Rev.J.Topno, the then Pramukh Adhyaksh.

Yours sincerely,

(A.Lakra)

Education Officer, GELC. Ranchi.

cc: Pr. Adh. GELC.
Secy. Edn. Bd.

Extract from the minutes of the Education Board meeting of 14-5-74.

Item No.7(3) Gossner High School M/C.

(3)Further resolved to call an explanation from the Principal Gossner High School:-

- (i) as to why he did not comply with Education Board and KSS instructions for constituting managing committee for the school.
- (ii) why the entire transaction made in the school during this period be not declared irregular, malafide and unjustified.

Sd/-Rev.N. Ekka

Secretary

Education Board GELC. Ranchi

To

The Acting Pramukh Adhyaksh,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated, Ranchi, the June '74.

Subject:- "NAVA-NIRMAN" Scheme & purging of
Education Department.

Sir,

We the undersigned persons would like to point out some important facts for your knowledge to consider thereon the next K.S.S. meeting.

(1) That there are two parallel Education Officers designated as Education Officer and various Executive Officer, in the Church at the expenses of the Central Education Fund. The functions of these Officers do not bring any improvement in educational matters of the Church, rather they dislocate the smooth running of the departmental works. A single paid officer in the Centre was enough for the execution of G.E.L. Church Educational works. It is simply the waste of money in their huge salaries and other expenses. How long the Education Fund will last when the same is exhausting so rapidly.

The second point is that there is so great discrepancy in the payment of these Officers. The Education Officer is being paid Rs.650/- P.M. whereas the Executive Officer is paid simply Rs.400/-. It is rather an injustice to the Executive Officer who is Senior to the Education Officer.

Thirdly the Education Officer is functioning beyond his jurisdiction and power, without the approval of the K.S.S. he has reported the internal affairs of the G.E.L. Church to the Govt. Authorities, which injures the prestige and image of the whole church, as our internal affairs are exposed to the outside bodies. So action should be taken for his irregular and illegal activities.

Fourthly, knowledge is gathered that there is a Central Education Fund amounting to approximately three lacs rupees donated under Foreign Aid exclusively meant for School development programme and welfare. But in practice it is being found, that this money is being wasted in fictitious way, while whole church economy is staggering for funds. We suggest that money be kept as Fixed Deposit in Bank and development works be carried out by interest. Secondly, one Officer is sufficient enough to carry out normal duties, while one, who is on leave be kindly sent back to his original job, for good and economy of the Church. How would Church be so lavish?

Fifthly it is clear that the K.S.S. had granted loan to Mr. A. Lekra for Khuntitoli High School a sum of Rs.14205/- in 1973. Unfortunately the said amount was shown in different dates in the School "Cash Book" as refunded to the K.S.S. But actually he has not refunded to the K.S.S. the whole amount. A part of it is still at balance. This gross maltransaction creates a suspicion and needs immediate suspension and needs immediate enquiry and necessary action.

P. T. O.

Under the circumstances we request that necessary action be atonce taken and bring confidence and save the Church administration from suspected character and bankruptcy.

Thanking you,

Sincerely yours,

(Copy to all concerned).

1. *[Signature]*

2. *श्री. एले*

3. *Emmanuel Kipkollu*

8. *Joseph Luma*

2. *Masc al. Suka*

A. S. D. Hured.

7. *[Signature]*

MINUTES OF THE BOARD OF PROPERTIES HELD ON 27-6-1974.

1. The meeting started with a prayer led by Sri C.A. Tirkey Secretary.

2. The following members were present :-

1. Sri. C.A. Tirkey, Secretary.
2. Rev. C.B. Aind
3. Rev. C.B. Ekka
4. Sri. E. Bara
5. Sri. M.S. Kandulna

Managers:-

1. Sri. P. Tiga - Manager
2. Sri. S.K. Barla - Asstt. Manager

3. Report of Manager:-

Report of Manager was readout and following action were taken.

(1) That schedule has been prepared partwise. Complete schedule could not be prepared as Anchals have not yet sent the documents and records of properties in their jurisdiction.

Resolved that Anchals be asked to cooperate with the Manager and office to complete the schedule.

✓ (2) That the Managers shall contact the pleaders concerned and supervise the cases.

In this connection it is resolved and recommended that a special power of attorney be delegated to the manager to ~~utilise~~ institute and supervise court cases to settle landed properties and realise rents in consultation with the Secretary. *Board of Properties*

(3) Conveyance:- Resolved that conveyance facilities be given to managers to visit places to supervise the properties.

In this connection the Board of Properties wants to know under what circumstances the work was entrusted to Mr. Modi with revised estimate

RCP Matters:- (1) RCP has reported that completion of extension building of Stosch Hotel has been offered to the old contractor Mr. Modi and has asked for him a revised estimate.

(2) RCP be reminded to give report asked for regarding lease holders.

Khutitoli Form:- It has been reported that forest at Khutitoli has been acquired by the Govt.

Resolved that action should be taken to release it for the church. Position of Properties in the new Constitution:-

Recommended that:-

(1) Under new constitution all properties should be managed by the Centre.

(2) The Board of Properties shall allot lands to different units according to their requirements in some agreements.

C.A. Tirkey
28/6/74.
Sd/- C.A. Tirkey
Secretary
Board of Properties
GEL Church Ranchi.

Forwarded to K.S.S for action.

B.T.E.MATTERS

From the minutes of B.T.E.Ex. of 27-6-74.

Item 3. Matters of G.Th. College:-

A. Building Plan:- The G.Th. College Council approved the Building plan prepared by Mr. Kuriam John. Resolved to approve and forward to KSS.

B. Staff:- The C.C. requested Dr. CKP Singh and Dr. N. Minz to continue as part time lecturers. Resolved to be approved & forwarded to KSS.

C. Library:- (1) The C.C. approved the appointment of Mrs. U. Hecker as full time faculty member of the college. She will be also the Librarian and (2) Mr. Yakub Soreng as Asstt. Librarian from 1st Aug. 74. Resolved to approve the same to be forwarded to KSS.

(2) Finance of Yakub Soreng:- regarding the finance of Yakub Soreng BTE requested the KSS and College Council to explore possibility of finance from the library fund as established in the previous years.

D. Admission of new students in 1974.

The C.C. has approved the admission of 14 new students in the college in 1974. Resolved to approve the names of students.

1. Mr. Royan Topno GELC. Marcha Ilaka.
2. Mr. Sudarshan Ekka GELC. Kinkel Ilaka
3. Naftali Tirkey " "
4. Santosh Khalkho, Lohardaga " "
5. Royan Kumar Mundu Jharsugda
6. Bimal Surin Takarma
7. Milansar Minz Ranchi Ilaka
8. Mikka Kiss Rajabahal Upper Assam
9. Reid Lakra " "
10. Titus Kispotta Udaipur M. field.
11. Urbanus Toppo, Gumla Ilaka
12. Jiwan Masih Kandulna Govindpur Ilaka
13. John Herman Soreng Koronjo Ilaka
14. Rowelson Timong N/matric Mikir Hills M/field. Assam. (special stu.)

E. 5 Years Integrated B.D. Course:-

The C.C. set up a committee of the Principal, Rev. M. Tete Chairman, Dr. CKP Singh, Actg. Pr. Adh. Dr. N. Minz and Royan Dang to study the above programme and to submit formal applications to the Senate of Serampore College requesting the latter to start the ~~new~~ course in 1975. Resolved to approve and forward to KSS.

Item 4. Matters from Pracharak Training School:-

A. Admission of new students from July '74:- The M.C. has selected 12 Pracharaks and 9 Pracharikas to admit for 1974-75. Resolved to approve and forward to KSS.

Names of students:-

- | | |
|------------|------------------------------------|
| S.E.A. | 1. John Murmu (Old JMB) |
| Pracharaks | 2. Boas Tirkey Takarma |
| | 3. Salan Suleman Mundu-Burju |
| | 4. Jidan Bage - Takarma |
| NWA. | 1. Surjan Tigga-Sarhapani |
| | 2. Hallan Guria Lohardaga |
| Orissa. | 1. Junul Dang - Karimatti |
| | 2. Manmasih Khalkho-Rajgangpur |
| | 3. Masihprakash Toppo " |
| Assam | 1. Elias Hanse-Mikir mission field |
- Pracharikas:- S.E.A. 1. Mrs. Rebka Murmu (old JMB Midnapur) 2. Miss Jasmani Mariam Horo-Burju. 3. Miss Mariam Mundu-Burju. 4. Miss Mariam Kandir-Burju. 5. Miss Nimi Topno-Burju. NWA:- 1. Miss Dulari Toppo - Lohardaga. 2. Miss Naemi Tirkey-Sarhapani. MA:- 1. Bardani Soreng-Khutitoli. Assam:- 1. Miss Elizabeth Timungpi-Mikir mission field.

Shunji
28/6/74
Sealy B.T.E.

MINUTE OF THE BEL EXECUTIVE COMMITTEE MITING

Ranchi, dt. 27.6.74.

I. Prayer :- The Miting was started with a word of prayer. *led by Rev. N. Bhuiya.*

II. Attendance :- The attendance was as follows :-

- | | |
|---------------------|------------------------------------|
| 1) Rev. Dr. N. Minz | 2) Rev. S.S. Dungdung |
| 3) Rev. C.S.B. Horo | 4) Rev. M. Jojo |
| 5) Rev. N. Bhuiya | 6) Rev. Dr. C.K. Paul Singh, Secy. |

III. Matters from the previous Minutes :-

a) The G.E.L. Press : It was noted that the situation of the Press is very delicate and serious. It was also noted that only last two conditions have been fulfilled, but these are also not satisfactory. First two conditions have not been fulfilled. It was resolved that -

With above note the KSS be requested to take immediate proper action for the betterment of the Press as the highest body.

b) Finance :- The finance of the BEL be considered seriously to bifurcate the same for proper function of the G.E.L.

c) Gharbandhu : After enough deliberations it was resolved that the following ^{staff} the Editorial Committee of Gharbandhu :-

- 1) Rev. Dr. N. Minz Actg. Pra. Editor
- 2) Rev. Saban Royan Topno,
- 3) Rev. M. Tete
- 4) Shri Salan Bhengra

Rev. S.R. Topno be requested to help the Editorial Part of Gharbandhu. The Gharbandhu Office be kept in the BEL Office and Dr. Singh be requested to help in all informal work.

IV. Application :- N.W. Anchal Secretary : To declare Palamau Dist. as Mission Field-

The BEL Resolves that :

The district be accepted as Mission Field and financial resources be explored. The NWA also be requested to explore possibilities of work and finance of the field.

V. Budget (1975) :-

It was agreed that the Budget of BEL for 1975 be submitted to the BEL by 25th July 1974 and BEL Executive shall take action on 30th August 1974.

Read & Confirmed.

Sd/ N. Minz Chairman
28-6-74.

Sd/ C.K. Paul Singh

Secretary, BEL

21.3.73

Press

Loans Rec - 40,000.00, Any other
(10,000 loan given)

- { 1. 40,000.00
2. 1000.00 loan the returned — call year

3. Inventory — of Properties: Gum and Car.

Personal name: Press Superintendent Mr. B. Khoo
31. Dec. 73

4. Case against the Liabilities
① Bank over draft.

5. ② 16,174.22 Liabilities Bills payable.

③ 33,860.60 Sales Tax.

④ P.F. 15,744.50. P.F.

⑤ 9,792.28 Medical Insurance.

1,24,189.50.

6. Asset side: 1) Bill. receive 59,530.68

2) Advance to employees 12,911.93.

3) Reimbursement from Gov 3,346.88.

4) Insurance Claim 1,936.75

5) Banks & Tel 1,369.27.

6) Works in Progress 22,500.00

Stocks held By the Press 7.12.73 68,489.75

Cash in hand. 4.67

1,70,891.93

Question 1) Why the problem?
even after paying the loan of 40,000.00
2)

21.3.73 Application:
40,000, → To pay Government dues.

Return in collection received.

22.3.73. Loan received. Rs 40,000.

22.3.73. Loan payment to: Rs 10,000 to Rev. J. Torgno.
out of Rs 40,000 loan

Three ~~hundred~~ received only
Rs 10,000.

a) And the purpose No signature

h) Jw. P.F.
in this E.S.I.
receipt.

to make up
Rs 20, 000

Rs 15,000/-

71. Rs 8,000.00.

Gharbandhu : 3, \$ 93.02

K 58

2,093.76

Educate

5,328.70

July 73-74

12,297.90

8,000 : 90

4,297.90

58

1.7.74 P.F. Case.

50%
~~We have~~ Criminal Case
 Superintendent and Occasional.
 P. 8,000.00. paid. how

Other loans

Smaller. accommodation trans

1. Liabilities - loan payment:

2. Production with AI or ML or DL or Training?

3. Banker's draft + loan?

4. Customers हैं नहीं हैं ?

**"BASIC STRUCTURE OF THE NEW CONSTITUTION
WHICH WOULD PROMOTE THE MISSION WORK OF
OUR CHURCH"**

Rev. Dr. C.K. Paul Singh

The theme has to be started from behind to base our thinking for the new Constitution .

1. OUR CHURCH : G.E.L.C. is our church because we belong to this church and not because we as individuals or even as groups own the church.
2. Mission work is based on conviction of individuals and groups within the church. Mission work is in movement in and with Christ (Joh. 20:21) in God's Mission.
3. To promote Mission work: Primarily God himself promotes the work of His Mission. The Church as body of Christ is to look ahead and work with and for God as His instrument/ as co-workers (1 Cor. 3:9).
4. The New Constitution should help the church to look ahead and outside from her Centre (A) and not so much inward for herself (B).

(A)

(B)

The Church as different units must go out in the world from its self-centered Fort. Therefore the Units be formed accordingly.

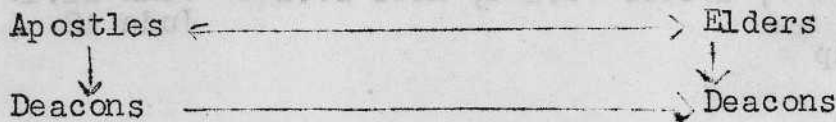
- (a) Top Units be formed in which historical/traditional and Geographical contiguity be preserved without prejudice.
- (b) Top Units be formed as natural as possible which may enable them for comprehensive Mission approach to all Communities and fronts.
- (c) Top Units be divided in an inter-dependent basis - with semi democracy but other than federation - for various joint action. The centre must be the Uniting Force through its collecting and sending power for individuals and Units. Units be guided to co-operate with one another.
- (d) Top Units be divided in more numbers (but not more than Twenty) so as to intensify the Mission Work effectively within and without. Mission Work
- (e) (FIELDS) be centrally administered and financed - In this all Units be guided, advised and enabled to co-operate in personnel and finance.

-----0000-----

V

The Chief Office in the Apostolic Church

The official Relation between Apostles, Deacons, Elders.



PRESBYTERATE

(3) A group of men who were selected to succeed the Apostles as spiritual leaders of local churches. Each church was normally controlled by seven Presbyters who all had equal authority

MONARCHIAL EPISCOPATE

(4) Leadership of a local church by one single official who was superior to the Elders and the Deacons - Examples: 1. The leader in Rev. Chap. 2-3, 2. Polycarp of Smyrna.

DEACONATE

(2) Deacons were elected by local Churches to assist the Apostles and the Elders in certain routine matters. Some of the Deacons were also permanent Evangelists such as Stephen and Philip.

DIOCESAN EPISCOPATE

(5) A Presbyter or a Bishop who had official supervisor of a large number of Churches such as
1. James at Jerusalem
2. John at Ephesus
3. Titus at Crete

The APOSTOLATE

(1) Luke 6:13, MT. 28:16-20

P.T.O.

...2.

Duties of the Office of Bishop

1. To Father (Shepherd)
(1 Tim. 3:4-5, 1 Peter 5:1-4, Acts 20:2-8 John 21:16
Jude 12)
2. Governing leadership
3. Worship Service
4. Pastoral guidance
5. Discipline

In relation to Church Government

1. Traditional Catholic doctrine
 - (i) According to rank various financial offices
 - (ii) The Power of ordination
 - (iii) The Power of making and executing laws
2. Lutheran:
 - (1) Ex-communication of open sinners.
 - (2) External leadership
 - (3) Proclamation of word
 - (4) Sacramental duties
 - (5) Calling of Pastors
 - (6) Visitation (Shapeling)
 - (7) Ecclesiastical jurisdictions
 - (8) Administration of Property.

The episcopacy as the highest spiritual office in apostolic succession seems to have been universally held by the middle of the second century. There were three orders in the Christian ministry:- Bishop; elders or presbyters and deacons.

Several reasons may be given for the increasing prominence of the Bishops. Once it was considered that it was not lawful, without the Bishop or his representative, either to baptise or to celebrate Eucharist. This practice enhanced the power and the dignity of Bishop.

Gradually the Bishop absorbed the main functions of the former evangelist, prophets and teachers as a chief security for the maintenance of the unity of the teaching transmitted from the apostles. The conflict with heresy made it expedient to transfer the responsibility to a single office. False teachers claimed to possess the truth delivered to the church by the apostles. The church answered by investing the office of the Bishop, the only direct succession from the apostles, with the power to determine and to interpret true doctrine and ~~several~~ ^{saving} faith.

Qualification:- He should have charismatic grace

Election:- By popular vote.

Rev. M. Tete
Principal,
G. Th. College,
Ranchi.

V

Relationship between Gossner Church
and Gossner Mission/LWF and other Churches.

Autonomy of the Church is the real touchstone upon which the relationship of Gossner Church with other Churches and Church bodies depends. Since 10th of July 1919, Gossner Church is an autonomous organisation and each of its members is proud of this fact and nomenclature. The Church is declared to be self governing, independent and free from all interference in its management and administration from outside bodies and agencies. The historical fact is that financial necessity and a state of helpless abandonment gave rise to this status of autonomy to our church and since then we have never looked back.

2. Since then instead of looking for outside help, financial as well as administrative, our Church has developed the welcome tendency of raising and utilising its own resources in finance and personnel for its management and administration - spiritual as well as temporal. Of course outside subsidy has always been thankfully received.

3. At this place one has to remember that the Autonomy which has been adopted is for the Church as a whole and not for any particular post or bodies within the Church. For example, we find in our present Constitution that "Archbishops are self contrived autonomous bodies ----" (P.4) and the mention of autonomy to the Church is conspicuously absent and this idea appears to be misplaced under the present situations.

4. On this back ground we may prefer to keep the autonomy of the Church and make plans and policies accordingly for the relationship of the Church with other national and international Church bodies in all fields of activities of our Churches, education, evangelism, development and other social actions.

5. So long we have termed the relationship of GEL Church with Gossner Mission as "That of a mother and her daughter". But at this time after so many years it may be noted and added that the daughter has reached the age of maturity and knows better when to look to her mother for help and guidance as she can and shall have to manage her own affairs herself in future. It is high time when the daughter can be safely trusted to make her own decisions for her affairs.

6. Similar may be the relationship with other Church bodies e.g. LWF and FELCI. While Co-operating in all and every activities of the Christian World where permitted, the role and extent or the part to be played by the Church shall have to be determined by her own peculiar status, limitations and advantages, so that it is not swayed away from its foundations and realities within it.

7. FOREIGN (Foreign means not belonging to the GEL Church) workers and missionaries of and outside India shall have to be admitted in the Church administration or its activities for some specified jobs and periods and who shall serve the Church under it and during its pleasure. There need not be any room for imposition of persons and forces which are unacceptable to the Church and not conducive to the general well being of the Church.

8. The Church may co-operate and participate in the religious, Social and other activities with the Churches of other denominations for the Common aims and objects. But in all such participation and co-operation initiative and identity of the Church need not be surrendered and the extent of such participation and co-operation also may be considered and decided within the limits of financial, administrative and managerial capacity of the Church.

9. All such policies and activities of the Church may be looked after by a specified body which may examine the positions from time to time and make necessary provisions for the sphere of the activity of the Church according to the conditions prevailing at that time.

Sd/- Z.B. Lakra
16.5.74

PROPOSED SUGGESTIONS FOR THE DRAFT CONSTITUTION OF THE
GELC OF CHOTANAGPUR AND ASSAM.

I. ADMINISTRATION

We endorse the proposed suggestion made by Pastor M. Seeber i.e. about the bifurcation of administration into two group-viz. Spiritual and Administrative.

We further add, that these two administration must be exclusively separate from each other having one Bishop at the top to control both. But he will be having limited jurisdiction to be defined in detail and in explicit wordings.

Spiritual administration must be exclusively in the hands of the Pastors and general administration should be in the hands of lay persons. Lay persons must be responsible and really committed persons. Special care should be taken to elect the lay representatives so that administration could be run efficiently.

2. YOUTH PARTICIPATION:-

Youths should be allowed to work in the various Boards and committees of the church at all levels. 30 p.c. youths should be allowed to serve on the committees in Pracharak Pan Panch, Padripan Panch, Anchal samity and at Central committees and Boards.

Special quota should be provided for youths of Headquarters to serve on the Central Boards and Committees in view of the anticipation that they are more in contact and elightened about the central affairs due to their consant physical presence. This special quota should be over and above the normal percentage e.g. 30 p.c.

3. ENQUIRY COMMISSION:

Enquiry Commission should be constituted at times, whenever they are required. Provision to this effect should be made. Special power and assistance should be provided to such commissions in order to make them effective.

One young man must be included in such Inquiry Commissions.

4. CORRUPT OFFICIALS:-

Church have seen many corrupt officials so far. They must not be taken in the administration or in any other posts of repute. Special provisions should be made to disqualify them from returning to power/s.

5. SAME PERSONS IN VARIOUS BOARDS AND COMMITTEES:-

Due to one man's representation at various boards and committees administration has felt great difficulty in running it smoothly. At the same time many committed and well educated and experienced lay men are not in a position to participate in the above boards and committees. Special provisions should be made to bring in more and more new personnels so that administrative defects could be eliminated.

6. AUDIT ADVICE:-

Provision should be made to obtain expert audit advice and following them strictly. This is one of the important point for the safeguard of our finance and properties.

7. PENAL PROVISIONS:-

So far no provisions appear to be in existence. Even big defaulters have been let off without taking any action. This slackness on the part of administration is unhealthy for the church administration.

8. RETIRED PASTORS:-

Re-employment of pastors after retirement must not be at the cost of church prestige and promotion or appointment of more able and qualified pastors. Present day case is really shameful. Director of Fudi, Director for other newly established department in the KSS is uncalled for and irregular.

9. PROPERTIES:-

Church properties should be managed efficiently so as to get maximum return from them. These are the only money earning elements for the whole church. These should be managed in line with the proposal of Pastor M. Seeberg.

10. SECULAR INSTITUTION:-

Existing schools, Hospital, Farms and T.T.C. Fudi should be reorganised to make them more effective in their respective spheres. The heads of these institutions should be carefully selected and their management should be central subject.

11. PASTORAL CARE:-

Pastoral care to the congregations is a deplorable feature of our church today. They should be specially trained and qualified to carry out their ministry in various congregation. In town congregations, suitable and qualified pastors should be appointed, who are powerful speakers and are able to meet the needs of the more enlightened and qualified congregations.

12. YOUTH CARE:-

Special care should be taken to bring youths in the fellowship of Christ Jesus. Department of Youths should be made responsible for this. Definite duties and functions of this department should be defined and a whole time paid secretary be appointed, so that youths activities in the church remains dynamic. Provisions for the expenses of youth leaders should be made in the budget of the KSS.

13. YOUTH OFFICERS:-

One youth should be appointed as full time paid worker under every officer-in-charge of various department viz. Education Deptt., Finance Department Etc.

14. ANCHALS:-

As regards Anchals we fully endorse the proposal advanced by Pastor M. Seeberg viz for 12 Dharamchetras.

President. Paikas Xess
NWA Youth Assl. Ranchi.
N.W.A. Youth Association, Ranchi.

Sd/-Secretary.
North West Anchal Yuwa
Sangh, GELC, Ranchi.

PROPOSED BASIC IDEAS FOR NEW CONSTITUTION OF GELC.

1. For the time being Pracharakpan, Padripan, and Ilakas of the GELC shall remain as they are. Only the powers and functions of the Pracharaks, Pastors, and the lay administrative officers at each level be more clearly and exhaustively defined.
2. The Ilakas of the GELC be brought under three dioceses: The Tezpur, Ranchi Dioces, and Jamshedpur (Khunti) Dioces.
 - a) Tezpur (Assam) Dioces shall be given complete autonomy for all internal and external matters if they so desire. It will be related to the one Gossner Church only fraternally. This would mean that (I) Ordination Pastors (II) Major functions be attended and participated by the head of the GELC.
 - b) The Ilakas outside Assam shall be assigned to Ranchi and Jamshedpur (Khunti) Dioces.
 - c) The Dioces shall be administered by a diocesan council with Bishop as the head. Education, Mission, and finance remain as Diocesan subject.
3. The Centre of the GELC shall be constituted of equal number of members from the Ranchi and Jamshedpur Dioces and Tezpur.
 - a) The two (three) Bishops shall become the head and assistants of the GELC alternately.
 - b) The Secretary to the presiding Bishop shall act as the co-ordinator and promoter of functions in the two (three) Dioces.
 - c) The Presiding Bishop shall remain the Bishop of his original Dioces even during the period he becomes the head of the GELC.
 - d) Property and Theological education shall remain as Central subjects.

गोस्सनर क्लीसिया की नयी नियमावली के लिए मौलिक विचार

.....

१, फिलहाल प्रचारकपन, पाद्रीपन और इलाका जैसे हों वैसे ही रहेंगे। प्रचारक और पाद्री तथा हर स्तर के ले शासकीय आफिसरों के अधिकार और कार्य का साफ-साफ और सम्पूर्ण विवरण आवश्यक है।

२, जी०ई०एल०सी० के इलाके तीन डायसिस के अन्तर्गत लाये जाएं - ये तेजपुर, रांची और जमशेदपुर (खुटी) डायसिस होंगे।

(क) तेजपुर डायसिस (आसाम), यदि चाहें तो अन्तः और बाह्य विषयों में पूर्ण ओटोनोमी दिया जायगा। केवल भातृभाव से गोस्सनर क्लीसिया से इसका सम्बन्ध रहेगा। इसका अर्थ है कि (१) पाद्रीयों का पदाभिषेक (२) अन्य विशेष कार्यक्रम में जी०ई०एल०सी० के सर्वोच्च अधिकारी भाग लेंगे।

(ख) आसाम के बाहर के इलाके रांची और जमशेदपुर डायसिस के अन्तर्गत रखे जायेंगे।

(ग) बिशप के साथ डायसिस समिति डायसिस का शासन भार संभालेंगे। शिक्षा, मिशन काम, और अर्थव्यवस्था डायसिस के विषय रहेंगे।

३, जी०ई०एल०सी० के केन्द्र का गठन रांची और जमशेदपुर (तेजपुर) डायसिस के बराबर सदस्यों से होगा।

(क) दो (तीन) बिशप वारी-वारी करके उच्च और सहायक शासक (अधिकारी) होंगे।

(ख) प्रधान बिशप के सेक्रेटरी दोनों (तीनों) डायसिस के कार्यों के प्रोत्साहक और समन्वय कर्ता होंगे।

(ग) प्रधान बिशप अपने डायसिस के बिशप भी होंगे।

(घ) जायदाद और आध्यात्मिक शिक्षण कार्य केन्द्रीय विषय रहेंगे।

REFLECTION ON THE POSSIBLE DIRECTIVES FOR NEW CONSTITUTION

A. Basic problems involved:

1. Uncertainty about Central finance - no guarantee for a regular receipt of the expected amounts from subordinate units (Anchals).
2. Existence of certain tensions among the different groups, Communal or otherwise, in respect of the Central positions, financial or other benefits received from outside agencies, and may be in respect of certain administrative policies based on different basic attitudes to church's relationship to cultural and political matters.
3. General complaints about an inefficient administration at the Centre in respect of the Central office, its co-operation with and its help to the subordinate bodies like Theological institutions Anchals or Ilakas etc.
4. Apprehension of a lack of mutual confidence.
5. Want of continuity of the stability in the Centre due to a change of Pramukhs after every three years, creating at the same time the problem of appointment of the Pramukh in any post after his term of Pramukhship is over.

B. Suggestions:

1. Anchal units should be retained, whatever may be number of Anchals. They be autonomous as far as practicable. The Centre to be responsible only for: (a) Ministerium affairs (b) Fixation of Pay-scale, (c) Operation of P.F. and Pension Funds, (d) Maintaining relationship with the outside bodies and (e) Work of Co-ordinating in whatever field necessary.
2. Centre: may have two categories of organisational bodies: (a) Decision making (legislative and administrative) body and (b) Executive body.

(a) Decision making body:- may be composed of the heads of their nominees (deputies) representing each Anchal unit. One of them may be appointed as Chairman for a certain period of years to be determined by the constitutional provision. The expenses required for attending the Central meetings by each Anchal representative is to be met by the unit which the number represents. The Executive officers responsible for different departments, may be invited to attend the meetings of such a decision making body as consultants. The Chairman to be the HEAD of the whole Church over and above his being the head of an Anchal.

(b) Executive body:- To be composed of the Executive officers responsible to promote the works of different departments e.g., Evangelism, Education, Property, Finance etc. Such an officer, though may be for the whole church, should be deputed by an Anchal and will also be paid by the Anchal. His T.A. and contingency expenses should be met by the Central Fund. Thus, each Anchal may be requested to depute a person fit for any one of the required departments. One of them will be in-charge of the Central finance, another to function, as office Superintendent and so on. These heads of departments will be jointly responsible for carrying out all decisions made by the decision making body. The director of the Evangelistic Work to be the Chairman of this joint meeting.

3. Theological College:- Each Anchal to supply teaching staff with his pay, and also to supply students with stipends. One of the senior staff members to be the head to lead the staff for a period of three years or for some such period of time as will be determined by the regulation.

The problems of other Central institutions can be discussed and suitable provisions may be made for their support through the Centre, or may be through an Anchal or through a few Anchals jointly.

D r a f t - G.E.L.Church Constitution (Article 4, Part II)

- I. A Pracharakpan is the smallest organisational part of the church.
 Spiritual authority: Pracharak appointed
 Administrative authority: Pracharakpan Elected, period 4 years
 Executive: Treasurer Elected, period 4 years
- II. A Padripan consists of several Pracharakpans.
 Spiritual authority: Pastor and Pracharak Council (all Pracharaks)
 Administrative authority: Padripan Panch (laymen only) elected, period 4 years.
 Executive: Treasurer, elected by Padripan Panch, period 4 years
- III. A Dharam Chhetra consists of several parishes
 There 12 Dharam Chhetra for the time being (see plan attached)
 Spiritual authority: Church Supervisor and Ministerium (all Pastors)
 Administrative authority: Dharam Chetra Samiti (laymen only), period 4 years
 Executive: Secretary and Treasurer, appointed by DCS
- IV. The Pracharakpans, Padripan and Dharam Chhetra constitute the
One Gossner Evangelical Lutheran Church
 Spiritual authority: Bishop and Church Supervisor Council (all)
 Bishops period: 10 years
 Administrative authority: Church Council - (one laymen from each Dharam Chhetra)
 Executive: General Secretary,
 Finance Officer,
 Education Officer, appointed by the Church
 Evangelistic Officer Council

The Functions of spiritual and administrative authority have to defined.

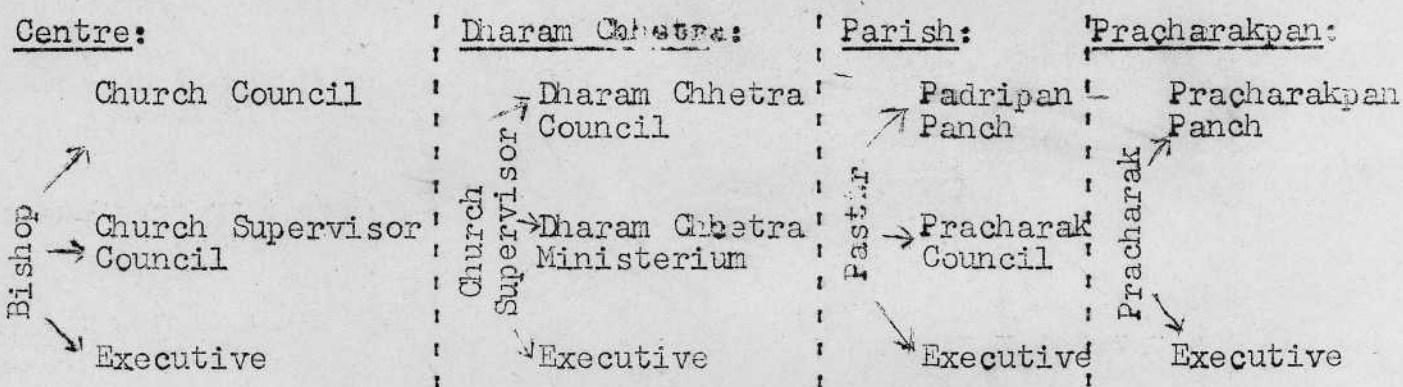
Remarks:

- I. Pracharak is appointed and transferred by Pastor in consultation with the Dharam Chhetra Ministerium. Salary: Parish
 Pastor is appointed and transferred by Bishop in consultation with Church Supervisor Council. Salary: Dharam Chhetra
 Church Supervisor is nominated by Dharam Chhetra Ministerium and elected by Dharam Chhetra Council. Salary: Centre
- Bishop is nominated by Church Supervisor Council and elected by Church Council. Salary: Centre
- II. Properties are managed on contract by an expert businessman with special terms of reference.
- III. Financing: From the total income of parishes to be transferred: 25 % to the Dharam Chhetra, 50 % to the Centre
- IV. The Dharam Chhetra Assam forms a special Administrative Unit with special rights and duties to be defined.

D r a f t G. E. L. Church Constitution

Plan of 12 Dharam Chhetra according to geographical situation

Name.		No. of parishes	No. of baptised	
1.	(Subdivision)	<u>Ranchi</u>	8	appr. 13,500
2.	"	<u>Lohardaga</u>		
		(including Hazaribagh)	8	" 11,500
3.	"	<u>Gurha</u>	7	" 15,500
4.	"	<u>Simdega North</u>	7	" 24,000
5.	"	<u>Simdega South</u>	10	" 25,000
6.	"	<u>Khunti</u>	12	" 21,500
7.	(District)	<u>Singhbhum</u>	4	" 13,000
8.	"	<u>Jashpur M.P.</u>	4	" 10,000
9.	"	<u>Sundergarh North</u>	6	" 26,000
10.	"	<u>Sundergarh South</u>		
		(including Sambalpur)	8	" 29,000
11.	(Province)	<u>West-Bengal</u>		
		(Jalpaiguri, Purulia, Calcutta, Andaman)	7	" 7,500
12.	"	<u>Assam</u>	10	" 21,000



① Simdega ② North Sundergarh ③ South Sundergarh +
 ④ M.P. ⑤ Gumla ⑥ Lohardaga ⑦ Ranchi ⑧ Hazaribagh + Jharkhand
 ⑨ Khunti, ⑩ Singhbhum ⑪ Bengal ⑫ Assam.

नेतृत्व, प्रार्थना एवं सुयोग्य शासन व्यवस्था के
दृष्टि-कोण से कलीशा में इकाईयां —

सत्य इकाईयां जाय तो नेतृत्व, प्रार्थना एवं सुयोग्य शासन-
व्यवस्था के अभाव में गोस्सनर कलीशा में कई उलझने
पैदा होती रहती हैं। इनमें शासन-व्यवस्था विशेष स्थान
राखती है। शासन-व्यवस्था को यदि सही रूप दिया जाय
तो बहुत हद तक नेतृत्व प्रार्थना की समस्या सुलझ
सकती है। गोस्सनर कलीशा में नेतृत्व प्रार्थना की कमी
नहीं है। अतएव नये संविधान में सुयोग्य शासन के
लिए सर्वसाधारण के लिए उपयोगी एवं व्यवहारिक
तत्वों का ही समावेश करना अच्छा होगा।

हमारी बुनियादी इकाईयां:—

प्रचारकपन, पेरिस

एवं इलाका हमारी बुनियादी इकाईयां हैं। हमने
अभी तक इन इकाईयों को सही शासन-व्यवस्था
में नहीं रख पाया है। ये इकाईयां कलीशा के जड़
प्रारंभ हैं। इन्हीं इकाईयों में आत्मिक प्रार्थना और नैतिक
प्रगति के अनेक अवसर हो गये हैं। हमने ऊपर की
इकाईयों पर विशेष ध्यान डाला है तथा उसी में
हमारी नेतृत्व उलझ जाती है प्रार्थना बुनियादी इकाईयां
गतिहीन हो जाती हैं। ऊपर की इकाईयां नीचे की
प्रार्थना देखती हैं तो नीचे वाले ऊपर की प्रार्थना लगभग
रहते हैं। नीचे से ऊपर केन्द्र तक का संबंध सही
होना आवश्यक है।

सुझाव:— ① प्रचारकपन, पेरिस एवं इलाका
का पुनर्गठन किया जाय। जहाँ रुकावटें आवश्यक हों
शासन विचार से भौगोलिक सीमा के भीतर घटाया
बढ़ाया जा सकता है।

(2) सभी इकाईयों का संबंध सही ढंग से जोड़ा
जाय। शासन में टकराव का स्थान न मिले।

(3) शासन-व्यवस्था में सर्वसाधारण के लिए भी
व्यवहारिकता लायी जाय तथा कलीशा के
प्रत्येक सदस्य को सही प्रार्थना में योगदान देने
का मौका मिले।

केन्द्र की इकाईयां:— मेरे विचार से
अंचलों को जैसा है वैसा ही रखा जाय। क्योंकि
(अभी ध्यान)

(2)

ग्रंचल पद्धति में स्वाशासी की और सोचने का मौका मिला है। इस विशाल और अवादी वाली कलीशा में ग्रंचल व्यवस्था ग्रन्थ ही मालूम पड़ता है। फिर भी आवश्यक है कि ग्रंचल के इकाईयों के लिए उचित संविधान दिया जाए।

ग्रंचलों का केन्द्रीयकरण:— वर्तमान पांच ग्रंचलों में ग्रन्थ को दोहरे बाकी चार ग्रंचलों को दो वर्गों में विभक्त किया जाए।

(१) उत्तर-पश्चिमी तथा मध्य ग्रंचल — एक विषय

(२) दक्षिणी-पूर्वी तथा उड़ीसा ग्रंचल — एक विषय

(३) असम ग्रंचल अकेले — एक विषय

ये ग्रंचल जैसा वर्तमान में स्वाशासी हैं आगे भी रहेंगे। दो में एक आध्यक्ष विषय होंगे।

एक 'ग्रंचल विषय कौंसिल' होगा जिसमें दोनों ग्रंचलों से द. द. प्रतिनिधि होंगे जिनमें तीन-तीन लेमैन होंगे। ये कौंसिल दोनों ग्रंचलों के आर्थिक और विकास कार्यों में सलह देगे। इन प्रकार दो विषय कौंसिल होगा। ग्रन्थ का विषय कौंसिल अलग होगा।

केन्द्र:— उपरोक्त दो विषयों में (ग्रन्थ के दोहरे) एक विषय — विषय चैयरमैन होंगे। दूसरा सहायक विषय चैयरमैन होंगे।

एक 'केन्द्र विषय कौंसिल' होगा। विषय चैयरमैन इसके प्रधान होंगे तथा कलीशा के सिर होंगे। दूसरा विषय उनका सहायक होगा तथा उनकी अनुपस्थिति में कार्य करेगा।

"ग्रंचल विषय कौंसिल" के चार-चार सदस्य जिनमें दो लेमैन — इसके प्रतिनिधि होंगे। ग्रन्थ के विषय तथा दो प्रतिनिधि (एक लेमैन) इसके प्रतिनिधि होंगे।

'केन्द्र विषय कौंसिल' केन्द्र शासन की व्यवस्था करेंगे तथा "ग्रंचल कौंसिल" को सुझाव पेश करेंगे।

केन्द्र के विषय:— ① प्रचार विभाग एवं आध्यात्मिक संस्थाएँ ② जायदाद एवं पुरा ③ शिक्षा तथा प्रकाशन ग्रह ④ फाइनेन्स।

(3)

१. प्रचार विभाग एवं अध्यात्मिक संस्थाएँ :-
एक डाइरेक्टर होगा तथा विषय चयन में सीधे इसकी निगरानी करेंगे।

२. जयदाद एवं प्रेस :-

एक जयदाद सुपर निरुक्त होगा। उसके अधीन मैनेजर होंगे। पूरी मनीषा के जयदाद का संचालन इस विभाग से होगा। ग्रंथों को इसकी जिम्मेदारी से प्रलग्न रखा जाएगा। ग्रंथ में भूमि-विकास एवं किसी कार्य के लिए जयदाद की आवश्यकता हुई तो जयदाद विभाग से सीधे प्रवन्ध कर लेना होगा। प्रेस की देख रेख किया जाएगा।

३. शिक्षा और प्रकाशन विभाग -

सहायक विषय इसके प्रभारी रहेंगे।

दो शिक्षा पदाधिकारी होंगे -

- (१) एक हाई स्कूल एवं ट्रेनिंग स्कूल
- (२) एक प्राइमरी और मिडल स्कूलों के लिए।
- (३) कॉलेज के लिए सहायक विषय जवाब-
देती होंगी।

प्रकाशन विभाग की कमी होगी और इसी विभाग से संचालन किया जाएगा।

४. भर्ष व्यवस्था - एक फाइनेंस सुपर की नियुक्ति की जाए। ये सभी विभाग के प्रत्येक व्यवस्था का प्रवन्ध करेंगे तथा भर्षों की भर्ष-व्यवस्था का परामर्श देंगे और भवलोक्त करेंगे।

मंडलियों के कुछ आमद सीधे केन्द्र में लाये जाएंगे। ऐसी व्यवस्था हो कि ग्रंथों से उचित रुकम केन्द्र में प्रवश्य लाया जा सके।

उपरोक्त सुझाव आप के लक्ष्य पेश किया जाता है। Detail विचार किया जा सकता है।

सी. ए. तिकी

REPORT ON COMMISSION ON STUDIES /LWF MEETING HELD FROM
24th APRIL --2nd MAY 1974 AT GENEVA.

As a member and representing the whole of Asia in Commission on Studies LWF I have to attend the meeting of the Commission once a year. The Commission has been kind enough to elect me as a member of four men administrative Committee of the Commission which meets once between the Commission meetings. This means twice a year I do attend the international meetings. This is my third year of membership in the Commission on Studies/LWF. Only once I have had the occasion to present a formal report on the event of commission meeting. I feel it my responsibility to do so each time whether I am asked or not. Hence this short report on the major events and decisions of the Commission on Studies in which I had the opportunity to participate.

1) Constitution and the form of the meeting:-

As this Commission met to review its previous three years works two members of the executive committee, a representative from Lutheran Church in Tanzania, and one from West Germany attended our meeting. Besides the 9 Commission and the two executive committee members, national committee members from U.S.A., Norway, Sweden, East and West Germanys, and staff representatives from Commission on World Service attended our sessions. This meant that there might have been over thirty members who attended our Commission meeting very regularly. The General Secretary of LWF Dr. Andre Appel attended the sessions regularly. It is pity that Dr. Appel has resigned from the General Secretaryship and the LWF is on the look out of a new General Secretary.

2. The meeting was organised in two parts. First: Seminar on Ecclesiology and identity of the church was held for three days i.e. 24th-26th April '74. The major focus of discussion centred around the meaning and function of the church and how far the present understanding of the church is effective in its function in modern world situation-such as in South Africa Apartheid situation, in Namibia etc. The second part of the meeting which was held from 26th eve-2nd May was the regular business sessions of Commission on Studies. The Commission on Studies deals primarily with four major areas of concerns of the member churches.

1) The life and work of churches faced by new challenges:-

This area has the following subsections (a) Worship (b) Identity of the church (c) Women in the church (d) Theological education and scholarship and exchange programme (e) Christian education and (f) Communications. Many important decisions in the first area of concern the following are to be noted: (a) Women and youth are gaining strength in their opinion and it is generally accepted that equal opportunities must be given to women and youth in the administrative structures of the church from the local to the central levels.

(b) In scholarship and exchange programme more women candidates be encouraged to apply and they must be given minimum 30% to 60% scholarship in the future. This means that we have to encourage women candidates to apply for LWF scholarship and exchange programmes.

Theological education Secretariat will change from March 1975. The present Secretary Dr. Julia Nagy of Hungary will leave the work and he will be replaced by Dr. Sitampal of Indonesia. Christian education section has many exciting programmes going on all over the world. They have agreed to conduct workshop on Christian education and curriculum development, at our invitation in February 1975.

2) Interconfessional dialogue:-

Various dialogues are being carried on at national and international levels between the Lutherans and other churches. Notable developments have taken place in Lutheran-Reformed, Lutheran, Anglican Lutheran-Roman Catholic dialogues. Dialogues between Lutherans and other smaller churches are being initiated. The published documents on these dialogues are available for member churches and they will be most useful for our local situation.

/ Among

3) Peace Justice and Human Rights:-

This section deals with churches duty and responsibility at local, regional, national and international levels to help promote peace, justice and human rights. The problem of American Indians and the white communities, the Southern labourers in Northern countries in Europe, the white and black problem in South and South-West Africa, the Chinese and the Malays in Singapore and so on are vitally important for the work of the church.

4) The Encounters with religious and ideologies:-

China study in this area is the major focus. The presence of China and Chinese form of socialism present a major challenge to the mission of the church in the world. It is being explored how the church can best fulfil its mission in the presence of China and Chinese ideologies all over the world.

After the Commission meeting I had the opportunity to meet staff members of other communities. I would like to mention two of them.

1) Dr. Won Yong Ji - Asia Secretary, Department of Church Co-operation. I acquainted Dr Ji with our present situation. He patiently listened to my verbal report. He and Dr. Hellberg have assured me that the C.C.C./LWF will find out ways and means to help us with Rs. 10,000/- during the interim period. Dr. Ji is very keen on building programme of our Gossner Theological Coll. at Ranchi. As we all know that the CCC/LWF sanctioned \$ 60,000 for our building purpose this year and they are working for \$ 50,000 for 1975. Dr. Ji is keen on implementing Asiaprogramme for advanced studies in theology. This will be a new programme in Asia.

2) Miss Christa Held:- At first she enquired about our school development programmes and she expressed her difficulties in helping this programme at the moment. More thought is being given along this line. She is interested in our development plans in business, industry and agriculture. In her opinion India needs more agricultural projects than school development plans. She is firm on the improvement of personnel rather than facilities in the press. And the CDS/LWF will be willing to pay more attention to agricultural projects than others.

Dr. Appel, Dr. Sovik, Dr. Ji, Miss Christa Held, Dr. C. Hellberg and others send greetings and good wishes to Gossner Church and pray that the Lord take her out of the present difficulties.

Barla/21

(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

A SHORT REPORT OF MY VISIT TO GERMANY

May 3rd - 13th, 1974.

The purpose of the visit was to attend the meeting of the KURATORIUM (Gossner Mission) as its member. Arrival in Berlin was not as scheduled but as planned by the Air Lines. I had only one day time in Berlin to discuss with the Mission Director about various points of concern for Gossner Church.

First of all I gave the latest news from our church and specially about the decisions of the last KSS pointing out some special points. The then existing news of corroborative vote of Anchals was also reported. Following points were also raised and discussed:

- (a) Request of Rs. 14,000/- for meeting etc. in regard with new Constitution. The Director expressed the readiness of G.M. to grant the sum.
- (b) Balance money of BEL of last years. As the money belong to the BEL/the KSS, the decision of BEL and KSS is not objectionable. The BEL should use as its money carefully and wisely for the mission work. The G.M. has nothing to claim.
- (c) Education Department: The Department has the highest sum for its use. It has nothing to request more for individual programs. But use the amount carefully for such programmes. The LWF is to channel some more amount for the department.
- (d) Successor for Pastor Hecker: The G.M. is not to force to accept a successor for Pastor Hecker. It is up to GELC. If she wishes, she should make formal requests in this case. It should contact the G.M. in GDR as the matter is discussed to send a successor from GDR.
- (e) Exchange Programme: I could not give a name, as it is not yet finalised in the KSS. The visitor is very much expected some times in the next fall between September-December 1974. Pastor Schmelter, Lemgo is to visit our church in January 1975 or already towards the end of December 1974.
- (f) Pastor H. Borutta; Exten: - He is my official substitute in the KURATORIUM. Therefore it is thought that he shall visit the GELC to get first hand information. The GELC has to get its contact with him. Necessary steps be taken with this respect.

The above points were also mentioned in the Kuratorium meeting and left the Executive for action.

For a short time I was in Exten with Pastor Borutta to give him informations and to discuss the matters with him.

This time Kuratorium meeting was in Mainz, about 15 members or their substitutes were present. This time one main point was to review the Budget (1974) and also to introduce the Budget 1975. The budget has been reduced but for GELC it is still favourable. The another point was a Theological one, which was discussed much. The Kuratorium discussed the approach of GM. to contemporary development in the field of theology (Practical), politics, industry, society etc. Decisions were made also for some personnel, i.e. Mr. Schmerk is leaving GM, Pastor Symanowsky shall go on pension. Special greetings were expressed by the Kuratorium for the GELC and good success in the coming KSS meeting.

After the meeting in Mainz I was rushed to East Berlin to follow up the programmes. As I was to return for KSS the long programme was shortened. I had a chance to preach in the most famous St. Marien church in east Berlin. I also visited some groups in Potsdam. Besides this I had a chance to meet different groups of leaders of Brandenburg church. Our discussion were centred on 'Partnership': How can we deepen and strengthen our 'Partnership'. The following points were expressed and are needed for attention in this KSS.

- a) The Church Council is ready to depute a teacher for theological College as successor of Pastor Hecker. The talks and preparations are going on. The KSS has to send a formal invitation.
- b) Dr. Althausen is to visit India in September 1974. It will be highly appreciated if he can be visited- invited to visit G.E.L. Church also.

(contd. next page).

- c) Two co-workers of GM. in GDR shall visit India, Durgapur and Calcutta in February-March 1975. It is expected that they shall visit GELC also.
- d) Delegates to Jakarta be invited to visit GELC on their way back to GDR.
- e) In future the visitors from G.E.L.C. should include GDR in their programme for visit.

The G.M. in G.D.R. specially Director Bruno Schottstadt is ready to help G.E.L. Church and co-operate in the field of VIM. necessary steps be taken with this regard.

The K.S.S. is requested kindly to make necessary decisions with these regards as and where needed.

Thankfully submitted.

(C.K. Paul Singh)

KURATOR

Director, BEL.

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

LUTHERISCHER WELTBUND - LUTHERSKA VÄRLDSPÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

OFFICE OF THE GENERAL SECRETARY

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland
Telephone 33 34 00 Telex 23423 OIK CH
Cable LUTHERWORLD GENEVA

24 June 1974

CJH:gr

TO: LWF National Committees and Member Churches

RE: New Director for LWF Broadcasting Service

Dear Friends:

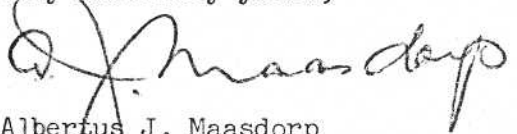
Further to my letter of April 3, this is to inform you what has happened until now with regard to finding a new director for the LWF Broadcasting Service.

When the LWF/BS Executive Committee met in Lund at the end of May, only one additional name had been submitted. The committee therefore found it impossible to take any action. It requested the General Secretary to send a reminder to all of you, pleading with you to once again take a close look at the possibilities within your constituency and submit more names of suitable candidates. The LWF/BS Executive Committee will then meet again at the end of September in order to make its recommendations to the LWF Executive Committee. After the endorsement of the CCC, these recommendations will have to be submitted to the LWF Executive Committee by mail vote.

Through this letter, I ask you to do your utmost to find suitable candidates. Biographical data, together with your comments on the candidates, is to be sent to the Director of the Department of Church Cooperation, Dr. Carl-J. Hellberg, 150 route de Ferney, 1211 Geneva 20, not later than August 15, 1974.

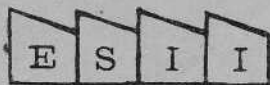
With warm regards,

Very sincerely yours,



Albertus J. Maasdorp
Acting General Secretary

cc: Dr. John Bachman
Dr. C.-J. Hellberg



ECUMENICAL SOCIAL AND INDUSTRIAL INSTITUTE

TEL : 5817
CABLE: ECUMENICAL

BIDHAN NAGAR
DURGAPUR-12

Pramukh Adhyaksh,
Gossner Evangelical Lutheran Church,
RANCHI.

Dear Pramukh Adhyaksh

We are organising a Consultation on "Church Administration & Management" which is to be held from Monday 16th September 1974 to Wednesday 25th September 1974 at ESII, Durgapur.

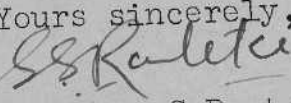
Last year we had organised a similar kind of programme and the response was excellent. Many of the Church leaders afterwards suggested that such kind of programmes should be organised again so that many of our church people who are dealing with the finances, administration, management, etc can be benefitted by this consultation.

We would very much appreciate if you can kindly give your personal attention to this consultation and please sponsor some delegates from your Diocese/Institution/Organisation/Schools/Hospitals/ etc because this programme is designed taking their needs into consideration. Kindly also let us know the names of your delegates latest by Saturday 7th September 1974.

Very much looking forward to your kind cooperation.

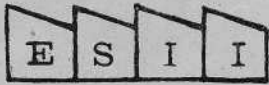
With every good wish,

Yours sincerely,


Sudhakar S. Ramteke
Director: ESII.

26.6.74.
Durgapur.

ssr.dp.



ECUMENICAL SOCIAL AND INDUSTRIAL INSTITUTE

TEL : 5817
CABLE: ECUMENICAL

BIDHAN NAGAR
DURGAPUR-12

CONSULTATION ON CHURCH ADMINISTRATION & MANAGEMENT

AIMS & OBJECTIVES

This Consultation will deal with basic principles of office administration, financial management, personnel management and human-relations in the organisation. This consultation will also discuss the problems of administration and how our Christian organisations can be administered on sound, effective and efficient management principles.

DATE Monday 16th September to Wednesday 25th September, 1974.

PARTICIPANTS

- ** This consultation would be helpful to Church leaders with administrative responsibilities
- ** This consultation would be helpful to office managers and secretaries, office superintendent, treasurers in Church organisations like our Diocesan offices, schools colleges, institutions, hospitals etc.

FEE Rs.100/- (Rupees one hundred only)
This includes, board, lodging and stationery etc.
CHEQUES may be drawn in the name of "ECUMENICAL SOCIAL AND INDUSTRIAL INSTITUTE".

REGISTRATION

- ** should be made by Saturday 7th September '74 -

The Director,
Ecumenical Social & Industrial Institute,
St, Michael's Centre, Bidhan Nagar,
Durgapur-12. (West Bengal)
Cable: "ECUMENICAL" Phone: 6388

Durgapur,
26th June, 1974.
ssr.dp.

Rules for final withdrawal from P.F. Contribution.

- I. Eligibility:- (a) Final withdrawal from the P.F. Contribution may be granted to a contributor who has completed 25 yrs. of Service in the Church from his own P.F. accumulation. *delay retirement*
(b) Employees on their superannuation may withdraw the full amount.
- II. Amount:- Three-fourth of the balance at his credit may be granted to the applicant on the following grounds.
- III. Ground:- Marriage of dependents, purchase of land or construction of house building, higher education for children, medical treatment of dependents.

(M) (L) ✓

Application for final withdrawal from G.P.F. Contribution

1. Name:-
2. Designation:-
3. Parish. ... Ilaka. ... Anchal. ...
4. Date of appointment:-
5. Date of superannuation:-
6. Balance at his credit:-
7. Ground on which applied:-
8. Amount applied for:-

Date:-

Signature of applicant.

Verification/Recommendation:-

Endorsement by Anchal.

Disbursing authority

Adhyaksh ... Anchal.

Certified that number 1 to 8 are correct.

Office.

Granted in the meeting No.

Date.

Pramukh Adhyaksh.
GEL Church, Ranchi.

RULES FOR ADVANCE FROM PROVIDENT FUND CONTRIBUTION.

Eligibility:- I. Advance from the P.F. contribution may be granted to a contributor who has completed 10 years of service in the church from his own P.F. accumulation.

II. Second application for advance shall not be entertained till the first advance is paid in full.

Amount:- One third of the balance at his credit or 5 times of his basic pay, whichever is less, will be granted to a contributor on the following grounds.

Ground:- Medical treatment, for higher education, marriage of dependants, clearing of outside loans, purchase of lands etc.

Recovery:- I. The advance will be recovered by not more than 24 equal instalments on the recommendation and guarantee by pay distributing authority that the monthly instalments will be recovered and deposited with the KSS Treasurer regularly and the interest accrued thereon to be realised in last and final instalments.

II. Advance of P.F. shall not be granted to any applicant of an Anchal/Anchals if any guarantee or loanee of that Anchal/s has been found a defaulter.

RULES FOR ADVANCE/LOAN TO CHURCH INSTITUTIONS.

No. 2 Loan to Institutions.

- (a) The question of granting loans to educational Institutions does not arise from KSS in view of the existence of a revolving fund.
- (b) Loans to other institutions:- Loans to other institutions should not be granted without prior sanction of the KSS.

APPLICATION FOR ADVANCE FROM PROVIDENT FUND CONTRIBUTION

1. Name.....
2. Designation.....
3. Parish..... Ilaka..... Anchal.....
4. Basic Pay.....
5. P.F. balance at his hand.....
6. Amount of advance applied for.....
7. Ground on which applied.....
8. Amount outstanding if any.....
9. Amount and number of instalments
on which advance is to be refunded.....

Date..... Signature of applicant

Recommendation/guarantee of the immediate higher authority that the above advance shall be recovered as on No.9 above and shall be deposited with the Treasurer KSS every month.

Signature of
Recommending/Guaranting authy

Certified that the number 1 to 9 are correct.

Office

Sanction No. /74 Date-----

Pramukh Adhyaksh
GELChurch Ranchi.

THE GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH, JAMSHEDPUR.

Chairman : Rev. D. Hemrom,
Gl. Secretary : Mr B. Topno, B. A.
Asstt. Secretaries : Mr. M. Indwar.
Mr. N. Tigga.
Treasurer : Mr. M. J. Topno.

Office : G. E. L. Church,
New Sitaramdera,
Jamshedpur-9.

Ref. No.

Date 27.6.74

To

The Pramukh Adhyaks
G. E. L. Church Ranchi
Through the Anchal Adhyaks
G. E. L. Church, Kadma
Khunti.

Sir;

The second extension period of my
Service in the G. E. L. Church will come to an
end on December 1974. But, I like to serve
the church a few years more. The medical
Certificate of my health is attached
here with for your favourable Considera-
tion and order.

Recommendation
27/6/74
A. Shyamsunder
S. C. H. A.

yours faithfully.

Rev. D. Hemrom
27.6.74

G. E. L. Church New Sitaramdera
Jamshedpur.

Chamber :

"DAS CLINIC"

Golmuri, Jamshedpur

Visiting Hours :

8-00 - 10-30 A. M

6-00 - 9-00 P. M.

Sunday Evening Closed

Phone : 7331

Dr. D. C. Das

M.B.B.S., MD.

Child Specialist & Physician

Residence :

108, New Baradwari,

SAKCHI,

JAMSHEDPUR.

Phone : 6731

Certified that Mr. Rev. D. Hanson
of G.E. L. Church Jamshedpur
appeared before me to-day
on 19th June 1941. On exam he
appeared to be in perfect physical
& mental health and can
continue his services for
one year more.

Dr. D. C. Das
19/6/41
6134 (Bihar)

Dr. D. C. Das

M.B.B.S., M.D.

Physician & Child Specialist.

M. G. M. MEDICAL COLLEGE

JAMSHEDPUR (BIHAR)

सेक्रेटरी के. एस. एस. जी. ई. एल चर्च शिखी के
निरुद्ध निवेदन।

महोदय .

आज निवेदन ऐसी है कि मेरी सेवा अवधि
जो एक वर्ष के लिये बढ़ा दी गयी थी लागू १२.
१९७४ को समाप्त हो जायेगी। अभी तक मेरे बरिसों
में कोई सफा करने वाला नहीं है जिससे मेरी अवधि
अधिका माय हो रहा है। जिससे मैं जब तक सफा
करने के न योग्य हूँ * जिसका पत्र जो डस्ट
ले दिया गया है सलग है

अतः मेरा नया निवेदन है कि मेरी सेवा अवधि
और एक वर्ष के लिये बढ़ा दी जाय अवधि १२ मास
१९७४ से १२ मास १९७५ तक ।

ई. एल कृपा के निमित्त आप तब आशा
करा दूँगा ।

Recommended
Shrinagar
27/6/74
A. S. Singh

आप को विनम्र

L. J. Singh
28/6/74

Slaka Chairman Group

Dr. B. Barla

M. D. H. Sc Regt. No. 12757

War Retired

Govindpur

Dt. Ranchi (BIHAR)

Date *26/6/74*

This is to Certify
that I, Dr. B. Barla
have examined *to*
Rev. L. Lofmo
of Govindpur and
found him medically
and physically fit for
his Service

B. Barla
Dr. B. Barla D. H. Sc.

Regt. No. 12757

P. O. Govindpur.

Dist. RANCHI (Bihar)

26-6-74

सेवा में,

Rs 10000/-

प्रमुख आध्यक्ष,
जी० ई० रूल चर्च
छोटानागपुर और कामास,

द्वारा,

आध्यक्ष,
रूम० ई० अंचल, जी० ई०
रूल चर्च कक्षा, खुंटी।

दिनांक १६ अप्रैल, १९६४.

महोदय,

आविनय निवेदन है कि मेरा परिवार मार्च माह में एक जमान लिया है। जिसका आधा रकम और रजिस्ट्रेशन काफ़ी है। फिल हाल मेरा परिवार में पैसा नहीं है और न कहीं से पैसा आने का उमेद है। बेसी परिस्थिति में लाचार होकर अपना प्रोमीडेंट फंड का पैसा निकालना चाहता हूँ।

इस लिये आप से मेरी विनय प्रार्थना है कि मेरा प्रो० रूल फंड का पैसा निकालने की अनुमति दे।

इस अनुमति के लिये मैं आपका आभार हूँ।

Recommended
and forwarded
28/6/74
S. C. Singh
S. C. Singh

आप का विश्वास
रूम० ई० लकड़ा
पेरिस चेयर्स
धनवाद।

To
Rs 3500/-
The Acting Pramukh Ashyaksh
G. E. L. Church Ranchi

Sir, humbly and respectfully I beg to state
that I have an occasion to function a
marriage ceremony of my eldest son, so
I feel great need of money at present.
As there is no money with me I desire to
withdraw my Provident fund.

I therefore request you, please allow
me to draw my provident fund.

for which act of your kindness I
shall be thankful to you & oblige.

Dated this

21-5-74

Recommended
and forwarded
to the Pr. Act. Pra-
Ashyaksh

M. S. Anand
27/6/74
Pr. Ashyaksh
S. E. Anand

Yours
faithfully

Rev. Shri
Supervisor
Former J. M. S. field
Charitara.

Evang. Oberkirchenrat

75 Karlsruhe 1, den 19. Juni 1974

Postfach 22 69, Blumenstraße 1

Fernruf: (0721) 1471, Durchwahl 147.....

Bankverbindung: Evang. Landeskirchenkasse

Postscheckkonto: 26 64 - 753 Karlsruhe

Bad. Komm. Landesbank Karlsruhe

Nr. 6709 (BLZ 660 500 00)

AZ:

(Bei Beantwortung bitte angeben)

Evang. Oberkirchenrat 7500 Karlsruhe 1, Postfach 22 69

Betr.:

LUFTPOST

Dr. Nirmal Minz
Acting Pramukh Adhaksh
of Gossner Evangelical
Lutheran Church
G.E.L. Church Compound

Ranchi 834001
Indien

Bezug:

Anlagen

Dear Mr. Minz,

Rev. Hecker, who spent his vacation with his family in Germany and who returned in the meantime to Ranchi to take up his activities again in your church, gave us a detailed information about the situation of your church and the work in your theological college.

We are glad to have a direct and personal contact with your church through Rev. Hecker and are anxious to deepen the relations between our churches, either through an exchange of letters or through personal visits.

Rev. Hecker told us that you attend regularly meetings in Germany. We should be pleased to see you at such an occasion and invite you to come to Karlsruhe. A personal visit is most certainly the best way to deepen the relations between our churches.

The Lord may bless your church and your work.

Sincerely yours,



(Dr. Sick)
Oberkirchenrat

G. E. L. Church
Kiladikh
Tatanagar
28-6-74

महापात्रावर प्रमुख उपधास, श्री ई. एन.
नन्ने सांन्नी।

महाशय,

आप के सामने फिर पुरानी
बातों को पेश कर रहा हूँ। यह बात
वर्तमान में कोई खराब नहीं कर
सकता है कि - मांहागी दिन दिन बढ़ती
जा रही है। कम आय का कम वेतन
वालों का गुलारा करना आपति कठिन।
ही चला है।

आपका आपका डिपार्टमेंट में मांहागी
माता बढ़ा दिया गया है - नमकींदू में
तो हाल में मांहागी भी बढ़ा दिया गया
है। इधर हमारे कलिसा के कार्यवाहों
के प्रति कौन सहनुयुति दिनाये कौन
उनके लिये वेतन का मांहागी माता

बढ़ावेगा। वे भी अनुपय है, उन्हे
भी एक मांहागी अधिकार है कि इस
मांहागी में आपका लोको के लेना
कुछ तो तलाशी पाते।

वर्तमान में हमारी कलिसा
की हालत शोचनीय हो गयी है
पाद्रीयों के प्रति लोको के दिल में
आपकी बात आपनी नहीं। आप
इस संकट काल में हम भूखे पाद्री
आप ही पर यैसा रखते हैं कि
कुछ तो हमारे दाना चाहे के लिये
कर दौलिये।

मैं ने पहले लिखा था कि
वर्तमान परिस्थिति अनुसार एक
साधारण का कम दर्जे का पाद्री
का वेतन कमसे कम तीन
सौ (300) रु. होना चाहिये इसी
देशी हिसाब से अपर दर्जे के
पाद्रीयों का वेतन भी निश्चित
किया जावे।

"पाद्री" चाहे कोई भी पाद्री
ही - लोका प्रामाणी पाद्री का -

D.D. S.T. 14. पाद्री - या है दोनों
पाद्री। पाद्री का जाने रेहरेन
का जाने आदर वन्त। कहां सिन्हे
हम आदर वन्त कहते हैं - उनका
मूल मरी के समय - आदर वन्त
दे का ~~आदर~~ कलिशा 3 है
आदर न की।

युधुव साहब - मैं नहीं पा
समय का युद्ध है कि गरीब पाद्री
के लीने खाने का उतम उद-ध
कलिशा की।

सो मैं युनः आप से -
पाद्री का लो हूँ इस विषय पर
K.S.S. में तुलत ही बात
पसला हो जाना चाहिये। देश
में रहने वाले पाद्री का मूल
परिचित है - पर शहरों में रहने
हारे पाद्री की हालत आप ही
शोरानिक हो रही है। मैं आप से
आशा करता हूँ कि इस बात पर आप
आवश्यक उचित कदम उठावेंगे।
आप का विश्वास
Sharan Puri. (Pastor)

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



To Rev. N. Minz
Acting Pramukh Adhyaksh
G. E. L. Church
Ranchi.

पिन PIN

तीसरा मोड़ Third fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—



Kitadik Talanagar

पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

यहाँ काट कर खोलिए To open cut here



church's auxiliary for social action

NATIONAL COUNCIL OF Y.M.C.A's BUILDING
MASSEY HALL, JAI SINGH ROAD
NEW DELHI-1

TELEGRAMS : CASARD, NEW DELHI

TELEPHONE : 311421 or 311379

A DEPARTMENT OF THE CHRISTIAN SERVICE AGENCY

Ref:No. ES/ ⁶⁰²⁷⁴²
~~6024~~

25th June, 1974

Rev. Dr. N. Minz
Acting Pramukh Adhyaksh
G. E. L. Church
Ranchi
Bihar State

Dear Dr. Minz:

After my return from vacation, I have had the opportunity of going through your letter No. 185/74/KSS-82 dated 16/20 May 1974, which had been responded by our Calcutta Area Office through their letter No. Bihar-Fin.Project/002528 dated 29th May, 1974.

While you have disputed that CASA was keeping quiet over your projects, it becomes evident from our Calcutta Area Office letter that CASA and Gossner Evangelical Lutheran Church have been in close correspondence in setting up the programmes/projects. I am sure that our Calcutta A/O letter would have convinced you that CASA has been attending on your projects/programmes in a desirable manner and there was nothing left undone in the matter. I am only trying to convey to you through this letter once again that CASA is always at your service and should you have anything further to take up with me, I would appreciate your bringing the matter to my notice.

Incidentally, I wish to advise that we have not so far received any remittance from the Bread for the World towards the assured payment of DM 20,000 and your financial project had already been submitted to them for funding. We shall certainly transfer the money as soon as received from the donor agency.

As regards the Burhu Barantpur Dam project, I have personally gone into the case with our Accounts Department and sought certain clarifications from our Calcutta A/O. On hearing from our Area Office, I shall revert on the subject.

I would also confirm that quite a few financial projects have since been received from your end only about ten days back during my vacation and CASA will handle them in an appropriate manner. I am sure you will appreciate that without the formalities being com-

...2/

pleted, it is not possible for us to submit projects to donor agencies. This naturally takes some time. I can assure you that your projects shall definitely receive due consideration. In the meanwhile, I express my deep regrets for the inconvenience caused to you in this matter.

With regards and best wishes,

Yours sincerely,

S. Ponraj

S. PONRAJ
EXECUTIVE SECRETARY

cc: Rev. M. A. Z. Rolston

Mr. P. C. Joseph
Mr. Paul Lakhan Lall
Accounts Section

SP/ds

To

The Chairman,
K.S.S., G.E.L., Church, Ranchi.

Rev. Sir,

I was elected as a member of the K.S.S. in October, 1972 and accordingly I have been attending the K.S.S. meetings from time to time as and when K.S.S. meeting took place till its dissolution in 1873.

The K.S.S. now having been revived, I should take it that my membership too has been revived but for reasons unknown to me, I have not been receiving any information about KSS's meetings nor have I received any information officially that my name has been stuck off from the list of KSS members.

Kindly elucidate and oblige.

Yours faithfully,

C. Topno 27.6.74
(C. Topno),

M/Anchal, Khutitoly

Copy to the Honourable KSS members for circulation please.



GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE

(Affiliated With Serampore 1949)

Rev. M. TETE,
PRINCIPAL

Main Road,
RANCHI 1. Bihar, India.

No. 304/74

Dated 12th June, 1974.

The Pramukh Adhyaksh
G.E.L.Church, Ranchi

Dear Sir,

I am forwarding herewith Claims made by the Rev.S.A.B.Lakra.
Kindly consider his Case.

Thanky you.

N.B: — True copy of
Mr Letter from K.S.S.
office for your
reference is enclosed.

M.T.E.
12/6.

Yours Sincerely,

M.T.E.
Principal.

With ref.No.233/70/K.S.S.

Dated 20-4-1970.

to Dr.N.Minz, Principal L.Th.College,Ranchi.

Subject :- Loss of under payment to Rev.S.A.B.Lakra.

Year From -to	Salary paid	Aught to be paid	Loss Paid P.Month.	No.of Months.	Total Difference	Qualification
1963	Rs.125/-	Rs.135/-	Rs.10/-	12	Rs.120.00	L.Th. (I.A. Co.
1964	Rs.130/-	Rs.140/-	Rs.10/-	12	Rs.120.00	(B.A.Ranchi.)
1965	Rs.135/-	Rs.145/-	Rs.10/-	12	Rs.120.00	B.D.
1966	Rs.140/-	Rs.150/-	Rs.10/-	5	Rs. 50.00	M.A.V Year.
			Rs.10/-	41	Rs.410.00	

D.A.

Service

1965 June to Dec.	Rs.15/-	P.M.				(a) as Candi. 1931-1931- 1937 = 19 6
1966 Jan to May	Rs.30/-	P.M.				(b) as Pastor 1937 to 1970 = 33 year. Total 39 yr.
1966 June to Dec.	Rs.225/-	Rs.235/-	Rs.10/-	7	Rs.70.00	
1967	Rs.230/-	Rs.240/-	Rs.10/-	12	Rs.120.00	
1968	Rs.234/-	Rs.244/-	Rs.10/-	12	Rs.120.00	
1969 June	Rs.238/-	Rs.248/-	Rs.10/-	6	Rs. 60.00	
1969 July to Dec.	Rs.243/-	Rs.253/-	Rs.10/-	6	Rs. 60.00	
					Total Rs.430.00	

1970 Jan	Rs.248/-	Rs.264/-	Rs.15/-	3	
1970 Feb.	Rs.---	Rs.264/-			
1970 March	Rs.---	Rs.264/-			= Rs.809.62
1970 April	Rs.---	Rs. 17.62)	S.Pd.201.00		
					Rs. 608.62

Grand Total Rs.1448.62

(Rupees fourteen hundred and fourty eight and Sisty two paise only)

Recommended for consideration
M. Th.

Sd/ S.A.B.Lakra 27.4.70
Gossner Compound,
Ranchi.

Principal,
GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE,
(Affiliated to Serampore University)
RANCHI. BIHAR. INDIA.

GOSSNER · EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
(Reg under Societies Registration Act XXI of 1860)

PRAMUKH ADHYAKSH, REV.C.B.MINZ
UP- PRAMUKH ADHYAKS, REV.J.TORNO
SECRETARY MR.C.A.TIRKEY
TREASURER REV.DR.M.BAGE

HEAD OFFICE
G.E.L.Church, Ranchi
Bihar/India
Phone, 510

Ref.No.233/70/Kss -19

Ranchi
Dated 20th April,1970

To,

Dr,N.Minz,Principal
Lutheran Theological College,
Ranchi.

Subject:- Loss of under payment of Rs.870 to Rev.S.A.B.Lakra.

Dear brother Minz,

With ref.to the application of Rev.S.A.B.Lakra,
Recommended by you, I have to say that before it is placed in the
K.S.S. meeting for considration please submit detail statment sho-
wing how under payment was made. I suggest to give statement in a
form as under.

Year From-to	Salary aid	Aught to be paid	Loss Paid P.Month	No.Of Months	Total Difference	Qualification

I think,if the statement is given in a form given above
the K.S.S. members to take decission. Please do so to enable the
K.S.S. for taking needful action.

Yours Sincerely,

Sd/B.Minz,
20/4/70
Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church, Ranchi.

Copy to-
Rev.S.A.B.Lakra.

Dr. K. Rajaratnam

~~Ref. to~~
~~to~~

Dr. K. Rajaratnam
As President, All India
G. R. R. Council

By dear K. Rajaratnam,

I returned home last
week after attending the CCC
meeting.

I am glad to inform you
that Rs. 10,000 that we have
ordered CCC to enable you
to push through the constitutional
amendments is sanctioned
as I will inform you after

Krip Hostel
Vehery
Roorkee-7,
June 15, '24

the Ex. com. of LWF meets
in July. So you go ahead
with your plans for wider
communication of the intent
of the constitutional changes
within all the branches.

I am also happy that CCC
accepted the principle of
Providing funds for us
(F. W. C.) as included in
\$50,000 in the statement of
Needs for 1925 with the
understanding that it will
be built up further -

Sorry I could not attend
the 1255 weeks in April/May
due to Railway strike. I was

to send Kripodanram
 back the strike in the way.
 Please begone know
 whatever I can & should
 do - I will be to very
 willing to do my utmost
 for you & State.

Another news!

I am appointed Asst
 Secretary from Spring 1955
 when Dr. I will be leaving
 Geneva! Hope this will give
 India some strength to
 push our plans ahead.

How are you? Greetings
 to all & friends. Love
 & affection.

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
 INLAND LETTER CARD



Dr. Kirmal Minz
 Ag. Praemulak Adyakh
 Gisser Corp
 Ranchi
 Bihar
 पिन PIN

पहला मोड़ First fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address:—

Dr. K. RAJARATNAM,
 KING HOSTEL
 VEBERY, MADRAS-7.

पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

पुनः काटने के लिए To open cut here

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

18/6/74

1. Rev. Dr. C. K. P. Singh, District BEL ~~DEL~~
2. Rev. M. Teta, Chairman RCP - Muz ^{18/6}
3. Mr. B. Khess, Secretary RCP. ^{18/6}
4. Rev. P. D. Sorey, Secretary KSS. ^{18.6.74}

Dear Colleagues,

May I request you to kindly assemble in the Office of the Pramukh Adhyaksh today the 18th June 74 at 2 P.M. for a brief consultation on an important matter of common concern.

N. Minz
18/6/74
Acting Pramukh Adhyaksh
G. E. L. Church, Ranchi.

पत्र क्रमांक-7

Gen-7

भारतीय डाक-तार विभाग
INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

प्रश्न
From

सेवा में
To

The Sub-Divisional Officer,
Telephones, Ranchi

The Prayuk Aniyaksh
G. F. L. Church
Ranchi

कम संख्या
No.

7-5/41

Dated..... at Ranchi..... the..... 15.6.74..... 196

Subj:- Provision of internal extension (Plan-103) for T.M. 23358
Ref :- Your letter No. 76/74/KSS-23 dt. 4-4-74.

Dear Sir,

As per your requisition for provision of one
internal extension (plan-103) has been registered in the
waiting list. Your serial no. is ----- are ③ and ④

The same will be provided when your turn
comes.

MGP/Am-1034-27-9-63-2,62,730 Nk

W. L. S. D. O. P. H. O. S.
Ranchi

Notice

Due to unavoidable circumstances the meeting of the managing committee of Bethesda Women's Training school, Ranchi scheduled to be held on 25th June, 1974 is postponed and the meeting will be held on Thursday the 27th June, 1974 at 7:30 A.M. in the school premises.

Members are requested to note the change and attend the meeting.

Agenda:-

1. Minutes of the last meeting.
2. Interview and selection of the applicants for the post of a teacher.
3. Any other matter.

H Bhargava
20 676
for Secretary,
Bethesda Women's Training School.
RANCHI.

Hazarapar
TEZPUR; ASSAM
Date: 13.6.74.

*Complied with
the request*
To
The Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church
Ranchi.

*Min
19/6/74*
Dear Sir,

I have received the Notice regarding the KSS meeting to be held on 28th and 29th June, 1974. We the members from Assam would definitely be attending the same. It would be better if the Constitution Draft Committee also meets on 29th (evening) and on 30th June to take up the preliminary works. This may please be discussed with the Convener of the Drafting Committee.

I was greatly impressed by your writing: 'Gossner Kalisia Nav-nirman ki rah men'. I am sure it will work as an eye opener for many more of our Church.

With best wishes and regard.

Your Co-worker in
His service

Sd/G. Tiru 12/6/74

NOTICE

NO 474/74

An ordinary meeting of H/S. M.C. will be held on the 8th of July, 1974 at 11 A.M. The members are requested to attend the meeting sharp.

M. S. Kandulua
Secretary 26/6/74

Members:

1. Dr. Rev. N. Minz, Actg. Pramukh.
2. Mr. M. Kujur (Hd. Master Middle School) HIGH SCHOOL KHUNTITOLI
3. Rev. P. D. Soreng, Anchel Adhyaksh.
4. Mr. B. Tigga (G.R.).
5. Mr. Bodhan Neik (G.R.).
6. Mr. S. Tiwary (T.R.).
7. Mr. A. Lekra, Education Officer (Church Nominee).
8. Mr. P. S. Minz, Actg. Hd. Master, H/S, Khutitoli.

Subjects:

- (a) Appointment of clerk.
- (b) Appointment of 2nd Peon.
- (c) Refund of loan from Secty., Rs. 4000/-.
- (d) Refund of loan from Press - Rs. 2000/-.
- (e) Hostel Matter : (a) Appointment of House Master.
(b) Approval of T.A. Bill of Mr. P. S. Minz, Manager.

Copy to-

- A. Rev. Dr. N. Minz, Actg. Pramukh Adhyaksh (Chairman).
- B. Rev. P. D. Soreng., Anchel Adhyaksh, M.A.
- C. Mr. A. Lekra, Education Officer, G.E.L.C., Ranchi.

NOTICE

minz
22/6/74 IS hereby given that there will be a meeting of the
ATC., Khutitoli's Managing Committee in the KSS's meeting
hall at Ranchi on 27-6-74 at 10 A.M. sharp.

Simedega,
Dated, the 22nd June, 1974.

Chandra 22/6
Secretary,
A.T.C., Khutitoly.

C.C. NM/PDS/AL/CAT/BT/MSK : Kindly be informed and attend
the meeting.

To

1. Chairman H. Q. Congr. GELC. Ansabha ✓
Ranchi.

2. The Secretary KSS, GELC. Ranchi.

3. The Convener, Constitution Drafting
Committee, GELC. Ranchi.

Ranchi 27 June '74.

*in
21/4/74*
Dear Sirs,

The resolution of the LUTHERAN HORO HON KOAA SONOTOO DUNUB passed in its meeting dated Sunday the 23rd June '74 is appended below for your information and necessary action.

Resolution: - The Lutheran Horo Hon koaa Sonotoo Dunub resolves that the status quo for the Ranchi Headquarters Congregation GEL Church be maintained as embodied in the 1960 Constitution."

Nicodem Kerketta
28/6

(Nicodem Kerketta)
Secretary

Lutheran - Horo Hon koaa Sonotoo
Dunub, Ranchi.

THE
GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM
SOUTH - EAST ANCHAL

Rev. N. BHUINYA, Adhyaksh
Rev. C. B. AIND, Up-Adhyaksh
Shri H. SOY, Secretary
Shri B. TOPNO, Treasurer

Office: G. E. L. Church, Kadma,
P. O. KHUNTI
(RANCHI)

Ref.....305/74

Date.....26/6/.....1974

To, the Acting Praramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church Ranchi.

Sir,

~~Mr. W. W. W.~~
Candidate Pius Toporo has great need of money for Preparation of Thakor for ordination. He is in great difficulties because he does not get money. I, therefore request you please arrange some money about Rs 200/- for him as loan from K.S.S.

for this kind act I shall be thankful to you.

Yours faithfully
Shriingra
26/6/74
Adhyaksh
S. C. Anchal.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone: 23358

No. 254/74/KSS-82

Ranchi Dated 19th June '74.

To

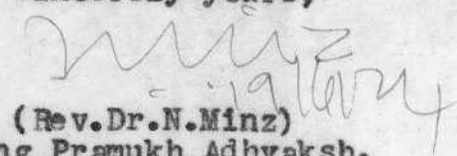
Rev. M.A.Z. Rolston
General Secretary,
NCCI,
N - 21, Greater Kailash 1,
New Delhi - 110048.

Dear friend,

Thank you for your telegram and the letter inviting me to attend the meeting to discuss the suggested CASA reformulation. I am pleased to receive this invitation and accept it gladly. It is a matter of joy for me to know the coincidence that I had to be in any case at Madras from 3rd - 5th of July and therefore, it will be possible for me to attend the CASA meeting on the 4th of July. Hope to see others also in that meeting and do our best to reformulate CASA to be of better service to the people through the Church.

I look forward to meeting you and others on the 4th.

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Mr. P. R. Guruswamy
Bursar,
Madras Christian College,
Madras - 59.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 255/74/KSS-109

Ranchi Dated 19th June '74.

To

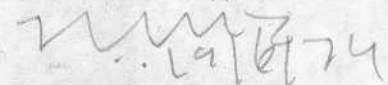
1. Rev.N.Bhainya
Adhyaksha SEA
2. Rev.M.Jojo,
Adhyaksha Orissa
3. Rev.P.D.Soreng
Adhyaksha M.A.
4. Rev.C.S.B.Horo
Adhyaksha Assam
5. Rev.M.Tete
Principal, Gossner Th.College.

Dear Colleagues,

The Holy Ordination of 10 Candidates is going to be held on the 30th of June '74 at 9.A.M. in Christ Church, Ranchi. May, I request you to kindly be an assistant at the Holy Ordination Ceremony on that day. Details of your part will be communicated to you after your arrival here at Ranchi for the KSS meeting. Hope you will be able to help perform this Holy Ceremony.

With greetings and good wishes,

Faithfully yours



(Rev.Dr.N.Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 256 /74/K33-109

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Mr. Piyus Topno, Marcha
Mr. Subash Chandra Naik, Sewai, Kinkal
Mr. C. A. S. Kandulna, Rajgangpur.

Dear brothers in-christ,

The committee of Examination, which examined you on 16.6.74 for declaring you Candidate for the Holy Ministry in the GEL Church, has found you fit for the same and has declared all of you pass.

Let me therefore congratulate you.
May our Lord Jesus Christ bless you and use you for His Service.

Sincerely yours,

Minz
(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

Copy to:

The Rev. M. Jojo, Adhyaksh O.A. Rajgangpur
The Rev. Dr. N. Minz Adhyaksh, NWA
The Rev. N. Bhunya, Adhyaksh, SEA.
The Ilaka Chairman, GELC, Kinkal
The Parish Chairman, GELC, Kochedega
The Ilaka Chairman, GELC, Govindpur
The Parish Chairman GELC, Marcha
The Ilaka Chairman, GELC, Rajgangpur.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 249/74/KSS-89

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Mr. J. Dungdung
Deputy Magistrate
Latehar (P.O)
Dist- Palamau

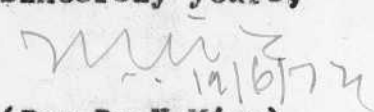
Dear Mr. Dungdung,

I will pass through Latehar on 24th June at about 9.A.M. or so on my way to Daltonganj for an official visit to our Lutheran members in that general area. I return back to Ranchi on the 25th of June. May I suggest to you and Mrs.Dungdung that we stop over at your residence for a cup of tea on 25th at about 4 P.M. on my way back to Ranchi. It is possible to stop briefly on 24th at your residence just to let you and Mrs.Dungdung know that the programme for the following would be in order.

It will be good to see you and your family after a long time. Let us hope and pray that our meeting on 24th and 25th would be possible.

With Yisusahay and Christian love,

Sincerely yours,


(Rev.Dr.N.Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 250/74/KSS-4-D.

Ranchi Dated 19th June '74.

To

1. Mr. H. Samad,
Secretary M/C
Bethesda Women Training School
Ranchi.
2. Miss H. Bhengra
Headmistress,
Bethesda Women Training School
Ranchi.

Dear friends,

Only Yesterday evening an emergency programme came to me which directly affects our M/c meeting on the 25th of June '74. On this emergency Programme I shall be out of station for 24th + 25th June.

May I, therefore, request both of you to kindly postpone the M/C meeting from 25th to 27th June. You may kindly call the meeting of the M/C on the 27th June at 7.30 A.M. I shall be available for this meeting on 27th morning. Hope you will not have too much of inconveniences to do so.

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
& Chairman of M/C.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 246/74/KSS-89

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Mr. Sashibhushan Beck
Deputy Magistrate,
Muhalla Abadganj,
P.O. Daltonganj
Dist Palamau

Dear Mr. Beck,

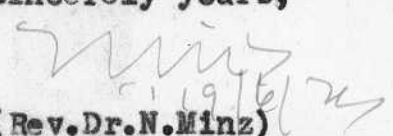
This is my first time to write to you. Hope you do recall our acquaintances in the past.

I am coming to Daltonganj on an official visit to our Lutheran members on the 24th of June '74. I shall go up to Bhandaria on the same day and return back on 25th. Mr. J. B. Minz will arrange for our meeting at Daltonganj. Hope to see you then.

May God bless you, your family and the people you are called to serve at Daltonganj.

Yisusahay,

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 247/74/KSS-89

Ranchi Dated 19th June '74.

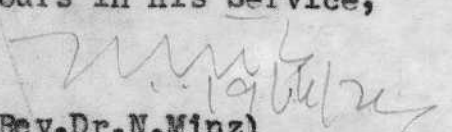
1. Rev. S. Toppe
GELC,
Lohardaga, Ranchi
2. Rev. S. Minz
GELC,
Kuru, Ranchi.

Dear Colleagues,

I am going to visit Daltonganj and Nawabhandaria area on the 24th and 25th of June '74. If you have time you plan to meet me at Kuru bus stop on the 24th at about 7.30 A.M.

Hope to see you at Kuru on 24th. With greetings and good wishes to you, your family and your Ilaka.

Yours in His Service,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 248/74/KSS-89

Ranchi Dated 19th June '74.

To

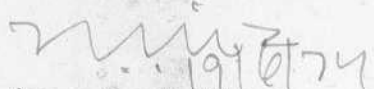
Bishop Seupin
Bishop of Daltenganj +
Hazaribagh
Alok Nursing Home
Jail Hata, Daltenganj

Dear Bishop,

I am coming to Daltenganj for my visitation programme on the 24th of June '74. I hope to arrive Daltenganj at about 10.30 A.M. Before I begin to meet the Lutheran Congregations I would like to call on you at about 11.A.M. at your residence. In case of any inconvenience please let me know. I have planned to return to Ranchi on 25th afternoon.

Greetings to you in the name of our Lord Jesus Christ.
Wishing you and your Dioces God's blessings,

Yours in the Lord,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 259/74/KSS-109

Ranchi Dated 19th June '74.

To

Cand. Pritam Hansda
Bermo

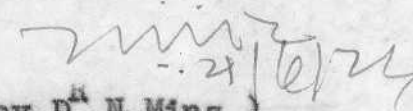
Dear Cand. Hansda,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. It is advised that you will have to work under an-experience Pastor. Also try for your marriage as soon as possible.

You are advised to go on working for the Service of our Lord. We hope you will be one of the Successful Servant of our saviour.

Faithfully yours,


(Rev. Dⁿ. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Ilaka Chairman
Hazaribagh.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 260/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Nirmal Tiga
Kalyanpur, Hatia.

Dear Cand. Tiga,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You were found weak in Pastoralogy. You are advised to improve in your practical life of Church Service.

You are advised to go on working for the Service of our Lord. We hope you will be one of the successful Servant of our saviour.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Ilaka Chairman Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 261/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Nelson Topno
Rajgangpur.

Dear Cand. Topno,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You were found weak in most of the subjects. In the beginning of your service you will have to work directly under an experience pastor.

You are advised to go on working for the service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,

Minz
(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Ilaka Chairman
Rajgangpur.

Laxakdas

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 26²/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Saban Martin Topno
Ranchi.

Dear Cand. Topno,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you:

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You are advised to improve in Pastoralogy. You need to be more alert to the situation and circumstances in which you work.

You are advised to go on working for the service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,



(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi

cc: Adhyaksh, SEA.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 263/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Piyus Topno
Marcha.

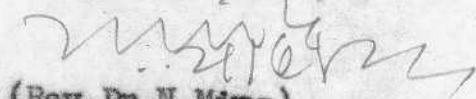
Dear Cand. Topno,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with the following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You are advised to improve in Pastoralogy in your practical life of Church service.

You are advised to go on working for the service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,



(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Ilaka Chairman Marcha.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 264/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Albert Minz
Gossner Theological College
Ranchi.

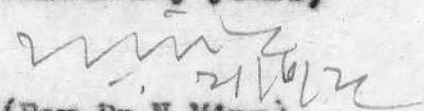
Dear Cand. Minz,

I am pleased to inform you that the Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You are advised to improve in Pastoralogy in your practical life of Church Service.

You are advised to go on working for the service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Rev. M. Tete, Principal
G. Th. College, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 265/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

Cand. Sushil K. Joseph Jojo,
Karimati.

Dear Cand. Jojo,

I am pleased to inform you that the ^Board of Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry with following advice to you.

1. You have to improve your Scriptural knowledge and Pastoral Ministry.
2. You are advised to go on working for the service of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of our saviour.

Faithfully yours,

(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Ilaka Chairman Karimati.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 266/74/KSS-109

Ranchi Dated 20th June '74.

To

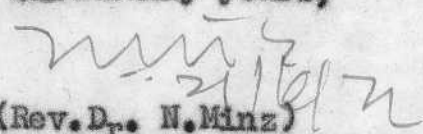
Cand. Saban Royan Topno
Gossner Theological College
Ranchi.

Dear Cand. Topno,

I am pleased to inform you that the Board of
Examiners has recommended you for ordination to the Holy Ministry.

You are advised to go on working for the service
of our Lord. We hope you will be one of the successful servant of
our saviour.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Rev. M. Tete, Principal,
G. Th. College, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 267/74/KSS-116

Ranchi Dated 20th June, 1974.

To

Dr. Wen Xong Ji
The Asia Secretary/CCC/LWF
Route de Fernex
1211 Geneva 20
Switzerland.

Dear Dr. Ji,

Thank you for your letter of June 10, 1974 and your Secretary's letter of June 11, 1974. Both the letters gave me and the Church great encouragement at this time of crisis. We know the sympathy and concern of friends at home and abroad are rooted in one faith in Jesus Christ which binds us together in a bond of life together. And therefore I personally and as representative of the GELC feel quite confident that the Lord of the Church will lead and guide her in the right path. All we need is to listen to His Commands and His promises to us and be obedient accordingly.

On behalf of the GEL Church may I thank you and Dr. Hellberg and the CCC/LWF for your faith active in love which is concretely seen in the help extended to this suffering Church. The US \$ 1,350 is an adequate and timely help to us. It is also gratifying to note that \$ 10,000.00 also has already been transferred to the Building construction A/c of Gossner Theological College in Canara Bank. May I thank the CCC/LWF for this favour to the Gossner Church. The College Council will send you an official invitation to the ground breaking and laying of foundation ceremony which is going to take place on the 10th of July 74. You would do us a great service by sending a message to the College on that occasion.

The KSS (Church Council) is going to meet on the 28th+29th of June '74 to officially approve the structure of the new constitution. I hope that with minor modifications the new structure will be approved and then the drafting committee will begin its work. It will be one step forward in our work.

Please keep praying for this sickly church that the Lord of the church may uphold and sustain her.

With personal greetings and good wishes to you and to the members of your department. Please greet Dr. Hellberg for me.

Sincerely yours,

cc: 1. Dr. K. Rajaratnam
2. Director Pastor M. Seeberg.

(Rev. D. N. Minz)
ACTING PRAMUKH ADHYAKSH,
GELCHURCH RANCHI.

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860]

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

Ref. No. BPR/109/106 / RC-74.

Date 26th June, 1974.

To,
Shri. K. Joshep Modi,
Contractor,
RANCHI.

Dear Joshep Modi,

As per record of RCP you have received a sum of Rs 1,14,200.00 as advance against the total estimate of Rs 1,40,000.00 for the construction of Stesch Hostel .

Please confirmed and intimate in writing.

Yours faithfully,



(M. KERKETTA)
Treasurer,

Ranchi Committee on Properties.,
G.E.L. Church, R A N C H I.

Copy to :-

1. Acting Pramukh Adhyaksh,
2. Treasurer, BEL Church Ranchi,

for information.

We could not refund the advance of Rs 20,000.00 due to some Omission and commission in the books of RCP. We will issue the cheque in your favour as soon as Shri. Modi gives us the reply.

Treasurer,
Ranchi Committee on Properties.,
GELC RANCHI.

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860]

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

Ref. No. BPR/109/107/RC-74.

Date 26th. June, 1974.

To,

The Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church, Ranchi.

min 24/6/74
Ref :- No. 252/74/KSS-3-A Ranchi dated 19th. June, 1974.
Sub :- Refund of Loan by RCP of Rs 20,000.00.

Dear Sir,

Enclosed please find a cheque bearing No. ¹⁴AS 506228 dated 26.6.1974 on United Commercial Bank for Rs 20,000.00 (Rupees Twenty thousand only) dated 26.6.74 on account of refund of loan taken by RCP from K.S.S.

Thanking you.

Yours faithfully,



Don 26.6.74
(B.KHESS)
Secretary,
Ranchi Committee on Properties.,
G.E.L.Church, RANCHI.

Copy to :-

- 14/6/74*
1. Dr. C.K.Paul Singh.
 2. Rev. M.Tete,
Chairman, RCP.
 3. Mr. M.KHarketta,
Treasurer, RCP.
 4. Treasurer, KSS.
- 26/6/74*

OFFICE OF THE EXECUTIVE OFFICER, EDUCATION DEPARTMENT, GELC, RANCHI.

No. 159/74

Dated Ranchi, June 26 '74.

To,

The Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church, Ranchi.

Sub:- Submission of a proposal for appointment of teachers
to DSE, Ranchi.

Sir,

min 27/6/74
It is brought to your kind attention that the Education Officer of our church had to submit a proposal for appointment of teachers in our various schools to the DSE, Ranchi latest by the 24th of June '74. I had been asked to prepare this proposal by his letter No.360/74 d/ June 17 '74. At the instance of the said letter I went on a tour and collected necessary informations. I prepared the proposal ^{which} is ready for submission to the DSE. But due to absence of Mr.A.Lakra timely despatch has not been done. Furthermore, each day is passing away thereby more delay is taking place. As per schedule of the govt., interview and appointment have started since yesterday. To add fuel to fire I have no authority and no jurisdiction - ction to deal with the govt., Vide letter No. 113/Ed-A/8 d/ 17th September 1973 from the Education officer in this respect.

I would therefore request you to order what line of action be followed in the above situation. Your IMMEDIATE reply is awaited.

Yours faithfully,

HSamad

26.6.74

(H.Samad)

Executive officer,
Education Department,
G.E.L.Church, Ranchi.

cc to Education officer,
G.E.L.Church, Ranchi.

N O T I C E

An emergent meeting of the M.C., A.T.C. Khutitoly will take place at its Khutitoly Office on July 8th, 1974 at 4 P.M.. All the honourable members of M/C are hereby requested to attend the meeting.

The agenda for the meeting is as follows:-

1. Approval of Hypothecation deed executed on 20-6-74.
2. ATC's financial matters.
3. ATC's Training Programme.
4. ATC's Vehicles and Machineries.
5. Khutitoli H/S's D/A.
6. ATC's Dairy Farm.
7. Misc.items.

Chapman 27/6
SECRETARY,
A. T. C., Khutitoly.
27th June, 1974.

cc. Rev. Dr. N. Minz. / Rev. P. D. Soreng / Mr. C. A. Tirkey / Mr. A. Lakra /
Mr. B. Tigga / Mr. M. S. Kandulna for information please.

सेवा में

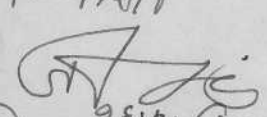
श्रीमान् कार्पवाहक प्रमुख अध्यक्ष,
डा० एन० मिश्र,
जी० ई० एल० चर्च रांची।

~~मिनि~~
~~रामपुर~~

विषय :- नया नियमावली ज्योसीस के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपपुक्त विषय के सम्बन्ध में पानीसानी
इलाका की एक आवश्यक बैठक दिनांक २५/६/६४
को हुई थी। बैठक के आश्रम न०-१ के अनुसार
यह निर्णय लिया गया है कि कलेशा नया
नियमावली में ज्योसीस का आधार सब्सिडिजन
होना चाहिए।

अतः इलाका का यह निर्णय आवश्यक
स्वना एवं कार्रवाई हैतु आपको प्रेषित
की जा रही है।

आपका विश्वासो
सचिव - 
पानीसानी इलाका २६/६/६४।

सुवा. ३.

श्रीमान्

बालवाहक मसुदा अन्तर्गत

पि. ई. नं. ५७०. बं. १०००।
२१०. ६००. १०००.

~~मिनि~~

श्रीमान् : बाल विभागावली एमिसिमा के मावना में।

महामा

उपरोक्त विषय में मावना में एमिसिमा

बालका से इस आवकक बेटक दिनांक २२/३/१०

महामा विभागावली में एमिसिमा का मावना बालविभागावली

दिनांक २२/३/१०

उपरोक्त बालका का महामा विभागावली

प्रेषित -

श्रीमान् कार्पवाहक पुनरुत्पन्न, डा. एन. मिला जी. ई. एल. बर्क राँची।

विभागावली
२२/३/१०

To,

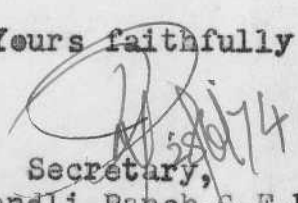
The Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church, Ranchi.

Dated Ranchi the ...22nd... June, 1974.

Sir,

With reference to your letter No.274/K.S.S.-3 dated Ranchi the 22-6-74, I have to inform you that the Mandli Panch in its meeting held on 23-6-74 agreed to submit reports of the Bal Samaj, Mata Samaj and youths of the Headquarter Mandli panch. But we did not decide anything about the Middle Schools. So I informed the Secretary of the Bal Samaj, Secretary of the Mata Samaj and Secretary of the youth; and not to the Secretaries of the Middle Schools, as the time is too short. Moreover it requires the approval of the managing committees concerned before submitting it in the Am Sabha.

Yours faithfully


Secretary,
H.Q. Mandli Panch, G.E.L.Church,
Ranchi.

GOSSNER MISSION
BERLIN

1 Berlin 41
Handjerystraße 19-20

Fernsprecher: 0311 · 83 01 61 · 83 96 33
Postscheckkonto: Berlin West 520 50 - 100
Bankkonto: Berliner Bank, Kto. XXXXXX
0407480700

June 14, 1974
psbg/sz

Minz
21/6/74

To:
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church
Rev. Dr. N. M i n z

R a n c h i / Bihar
India

Dear brother Minz,

thank you so much for the good news in your letter dated June 5, 1974. Without going into the details I hurry to announce our financial help during the interim period as we had agreed upon. We will transfer Rps 14.000,-- to the account of Dr. Singh because I suppose that you will get the money easier from the said account.

I am looking forward to receive more good news about your steps in order to have a good structure of the Church.

I am sincerely yours,

Martin Seeberg
(Martin Seeberg)

cc: Dr. Singh,
Frau Meudt

सेवा में,

प्रभारी प्रमुख अध्यक्ष,
जी०ई०एस० चर्च, रांची ।

विषय: के० एस० एस० स्टाफ का स्लावेस

महाशय,

आप से सविनय निवेदन यह है कि हम अधोहस्ताक्षरित लोगों ने उपर्युक्त विषय पर उत्तरोत्तर बढ़ती हुई महंगाई के कारण से एक दरखास्त पेश किया था । तदनुसार के०एस०एस० ने अपना फैसला दिया कि १) से २००) तक के वेतन भुगतान पानेवालों को ४०) तक प्रतिमाह, २००) से ३००) तक वालों को ३०) तक प्रति माह और ३००) से ऊपर वालों को २०) तक प्रति माह स्लावेस अप्रिल ७४ से दिया जाए । फैसले की शब्दावलियों को गौर करने से यह स्पष्ट होता है कि वह अस्पष्ट है । अतएव फैसला साफ-साफ कर दिया जाए ।

दूसरी बात यह है कि महंगाई तो दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है जिसपर हम लोगों का काबू नहीं है । ऐसी परिस्थिति में फैसले को अस्पष्ट रखना और अधर पर लटका कर रखना दरखास्त को टाल कर रखना है । यह तरीका अशोभनीय है । अंग्रेजी में कहावत है, " Justice delayed is justice denied". यही कहावत चरितार्थ की जा रही है ।

तीसरी बात यह है कि जैसा सुना जाता है कि के०एस०एस० पर आश्रित अन्य संस्थाओं को भी देना पड़ेगा ऐसा ख्याल जाहिर कर हमारे दरखास्त को उलफा दिया गया है । अन्य संस्थाओं को देना या नहीं देना अपनी जगह पर है । लेकिन हमारी मांग का ^{प्रश्न} जहाँ तक है तहाँ उस पर स्वतंत्र रूप से विचार किया जाना चाहिए । यदि मांग औचित्य है तो फैसला भी अनुकूल तौर पर शीघ्र किया जाए । विलम्ब का नतीजा मानसिक उत्पीड़न है । फलतः कार्य करने की रुफ्तान पर अवरोध आता है ।

अतएव प्रार्थना है कि फैसला शीघ्र किया जाए और अप्रिल ७४ से ही लागू करने का आदेश निष्कासित करें ।

हम आपकी कृपा के चिर कृतज्ञ रहेंगे ।

दिनांक रांची, जून ५, ७४ ।

आपके विश्वस्त कार्यकर्ता,

१ S. B. Dey

२ H. Samad

३ C. K. T. P. S. P.

४ K. S. D. M.

५ M. S. D. M.

६ S. D. M.

७ S. D. M.

८ S. D. M.

१५-६-७४

२०-६-७४

५६१८ हेमयेम

Dear Pawtch.

Letter regarding A.T.C. Loan
is attached herewith. The letter is for
Mr. M. S. Kandulna / Copy for you and
Secretary / Kindly handover them when
you shall call at Kumbhols,

Thanks.
S. Bhargava 12/6/74

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

LUTHERISCHER WELTBUND - LUTHERSKA VÄRLDSFÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

DEPARTMENT OF CHURCH COOPERATION

OFFICE OF THE ASIA SECRETARY

The Rev. Dr. N. Minz
Gossner Evangelical Lutheran Church
Ranchi

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland
Telephone 33 34 00 Telex 23423 OIK CH
Cable LUTHERWORLD GENEVA

Bihar INDIA

June 10, 1974

Dear Dr. Minz,

First of all, thank you for your recent correspondence to Dr. Hellber and myself. We are very happy to know that the situation in your church is improving considerably. We appreciated your leadership for the welfare of your church at this very important juncture of its history.

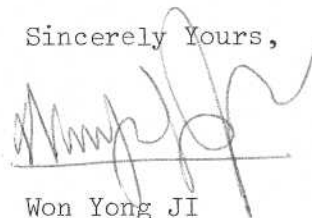
At our Commission meeting in Lund, Sweden, many decisions were made. As soon as we have received the final approval of the LWF Executive Committee toward the end of July we shall notify to the churches concerning the official decisions and action of the Commission. At this moment I can say this much that our Commission has shown a positive and very favourable attitude toward your church for its request.

One item for which the Commission took favourable action is the need of your church for the renewal of the constitution and structure of the churches with US\$ 1,350. Following the above decision, I am sending you the money for your use to this emergent need of your church. The money will be sent to your church's account number 1564 with the United Bank of India.

At the meeting the Commission also decided that CCC helps the Gossner Evangelical Lutheran Church to secure a person who could render consultative service in management of property for three to five months, or longer.

With personal regards and greetings,

Sincerely Yours,



Won Yong JI
The Asia Secretary

cc: Rev. M. Seeberg
Director, G.M.

Dr. K. Rajaratnam, Director FELCI

WYJ/An

total
The fund for Seminary will be coming in the later months. Now I am sending you only \$10,000.-.

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

LUTHERISCHER WELTBUND - LUTHERSKA VÄRLDSFÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

DEPARTMENT OF CHURCH COOPERATION

OFFICE OF THE ASIA SECRETARY

The Rev. Dr. N. Minz
Gossner Evangelical Lutheran Church
Ranchi

Bihar INDIA

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland
Telephone 33 34 00 Telex 23423 OIK CH
Cable LUTHERWORLD GENEVA

June 11, 1974

Dear Dr. Minz,

Today we are asking our Finance Office to transfer the amount of

US \$ 10,000.-

to the account of the Gossner Theological College, No. 1872, with the Canara Bank, Ranchi Branch, Bihar, India. The above sum represents a part payment towards the Gossner Theological College building project. Unfortunately, we are not able to transfer the total amount at this date since not all the money is yet assured.

We hope, however, to be able to transfer the amount in full in the next future. Please confirm receipt of the above sum.

With kind regards,

Yours sincerely,



Annika Norström
Secretary to Dr. JI

cc: Rev. M. Tete
Dr. K. Rajaratnam
/An

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

LUTHERISCHER WELTBUND - LUTHERSKA VÄRLDSFÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

minz
14/6/74
COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Dr. Nirmal Minz
Adhyaksh of the Northwest District
of the Gossner Evangelical Lutheran
Church in India
Ranchi, Bihar, INDIA

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland
Telephone 33 34 00 Telex 23423 OIK CH
Cable LUTHERWORLD GENEVA

June 4, 1974

Dear Friends,

You know that the CDS Governing Committee which approves a project for "inclusion in the CDS Project List and submission to a donor agency" meets twice a year. The next meeting this year takes place in Geneva from November 27 - 29. If you plan to submit new projects, please do it as soon as possible so that we have enough time to enter into correspondence with you without getting into time pressure. The deadline for submission of projects for that meeting is August 15.

With kind regards,

Sincerely yours,

Chr. Held
Christa Held

CH:goe

OFFICE OF THE BOARD OF PROPERTIES

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Head Office

G. E. L. CHURCH

RANCHI, BIHAR/INDIA

Ref. 84 / 74/BPR-29

Dated 12th June '74. 197

To

The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Sub:- Report on MES.Matters.

Sir,

With reference to your letter No.233/74/KSS-14 dated 11.6.74 I would like to inform you that I had taken up the matter relating to the MES occupation of our compound but unfortunately I could get only two files in this connection which do not give the complete picture of the case. I am still searching for more concrete records. Secondly the depreciation value of the structures of the MES has been requested to Nago Munda, contractor to submit but the same has not yet been submitted. As soon as he submits the same it would be dealt with accordingly.

Thirdly I had contacted the M.E.S. authorities who told me that some confidential letters on the subject have come from the General Headquarters of the Army, the contents of which have not yet been known to them. They will inform me as soon as they get these informations of the higher authorities. I shall report the matter to you in due course.

Thanking you,

Yours sincerely

(S.K.Barla)

Asstt. Manager, Bd. of Properties.
GELC. Ranchi.

Electrical & Irrigational Project

A.T.C. Khutitoli

Grant Received

29.10.71 Rs. 47,392.67

28.12.71 Rs. 94,768.12

16.4.72 " 27,432.15

20.1.73 " 27,977.00

1,95,69.94

Balance = 403.54

Expenditure

8.1.71 Cosmic Electric Rs. 20,000.00

4.11. " " " 46,660.00

5.11 Auditor fee " 300.00

6.11 Sarnatoli farm " 4,200.00

8.11 Cow feed " 7,000.00

" fertilizer " 3,074.69

" Petrol & Diesel " 1,300.00

9.11 Transport of fuel " 358.00

10.11 Salary (A.T.C.) " 2,459.00

15.11 unimog repair " 210.00

" Tyre resoling " 170.00

24.11 Premium Irrigation " 1,000.00

23.12 Electric Department " 1,055.00

27.12 Premium " 25,444.01

14.1.72 Tyre for Tractor " 1,470.00

17.1 A.S.M.A. Khutitoli " 4,000.00

" battery " 605.00

23.1 Chicks feed " 350.00

4.2 G.F.L. loan Back " 20,000.00

1.4 Field labling & Draining " 16,000.00

16.4 Irrigation pipe laying 39,510.00

1,95,166.40

M.S. Kandulua

26/6/74

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH, RANCHI.

Shri S. Bhengra
Head Accountant, KSS

Ranchi, the 12-6-74

Ref.No. 113/74

2/11/74
19/6/74
Shri M.S. Kandulna
Director,
A.T.C. Khuntitoli
P.O. Khuntitoli(Simdega)
Dt. Ranchi.

LOAN REFUND.

Dear Director,

I feel it necessary to remind you that LOANS taken from K.S.S. in 1973 by A.T.C. Khuntitoli have not been refunded as yet. Now almost half of the year has gone by but we have not heard anything from you.

Kindly, arrange to refund the amount at an earliest possible time and oblige. Loans taken are as follows :-

<u>Date.</u>		<u>Amount.</u>
9.6.73	...	Rs. 1,250.00
1.9.73	...	25,000.00
9.9.73	...	2,000.00
		=====
Total.		Rs. 28,250.00

Rupees Twenty-Eight Thousand Two Hundred
and Fifty and Paise nil only.

Yours faithfully,

✓
Copy to: ① Rev. Dr. N. Singh, Acting Primate.

② Rev. M. Jojo, Treasurer. K.S.S.

④ Rev. P.D. Soong, Secretary. K.S.S.

S. Bhengra
12/6
(S. Bhengra)

Head Accountant, KSS
G.E.L. Church,
R a n c h i /Bihar.

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860]

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

19/6/74
Ref. No. BPR/109/104/RC-74.

Date 19th. June, 1974 .

To,
Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church, Ranchi.

SUB : LOAN OF RS 20,000.00 FROM KSS THROUGH SHRI.SALAN
BEENGRA.

Sir,

Kindly refer the reports of Shri. Martin Soy (former Secretary, RCP)
This proves that a loan of Rs 20,000.00 was taken from KSS against our
deposited Cheque of Rs 20,000.00.

Loan of Rs 20,000.00 is not yet refunded to KSS . The money is
in our Bank intact.

Yours faithfully,

A. Panna
(A.PANNA) 19/6/74
Accountant,

Ranchi Committee on Properties.,
G.E.L.Church, R A N C H I.

COPY

LOAN ACCOUNT FROM HEAD ACCOUNTANT# KSS

1. Because of non clearing of Cheque in Banks a loan of Rs 20,000.00 was taken from Head Accountant, KSS against our deposited cheques of Rs 20,000.00.
2. It was very urgent to give money to contractor and hence to pay contractor the above mentioned Cash Loan was paid to the Contractor.

This is not entered in the Cash Book.

3. Loan from K.S.S. has to be refunded out of the Bank Account by the R.C.P.

Sd/- Martin Soy
28.8.73

T.

June 19, 1974.

Handwritten signature
The Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church in Chotanagpur & Assam, Ranchi.

KSS Loan of Rs. 20000.00 to RCP Ranchi.

Dear Sir,

On verbal request of the Secretary, RCP, a loan of Rs. 20000.00 (Twenty thousand) only has been paid to RCP on 11.6.1973 by Sri. +S. Bhengra, Head Accountant, GELC duly approved by the then Treasurer, Rev. N. Bhuinya of KSS.

The RCP was facing difficulty in clearing its cheques and was in urgent need of money. The loan was granted in a most temporary basis.

The RCP has been reminded more than once to refund the loan; but it kept silent. The above matter is forwarded to you for necessary action.

Yours faithfully,

S. Bhengra
(S. Bhengra) 19/6/74

H. Accountant, GEL Church.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 245/74/KSS-89

Ranchi Dated 18th June '74.

To

Rev. Cyrus Tiga
Nawa Bhandaria
P.O. Nawa Bhandaria
Dist Palamau

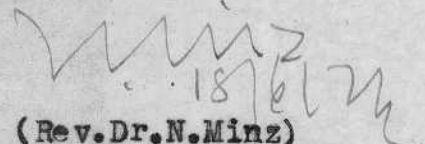
Dear Rev. Tiga,

Since a long time I had a desire to visit Palamau and Bhandaria area. Finally I have been able to find to do so on the 24th and 25th June '74. I shall arrive Nawabhandaria on the 24th evening at about 6 p.m. and stay over night there. I plan to leave for Ranchi at about 9 A.M. on the 25th to be here on time for an evening appointment.

May I, therefore, request you to kindly make yourself available for a brief conversation and discussion on the mission of the church in Palamau District. The GEL Church has made up her mind to launch on the mission work in Palamau and she would naturally look forward to getting Co-operation from you and others in Palamau.

With Yisusahay and love,

Sincerely yours,



(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 244/74/KSS-89

Ranchi Dated 18th June '74.

To

Mr. C. B. Minz
Nawa Bhandaria
P.O. Nawa Bhandaria
Dist - Palamau

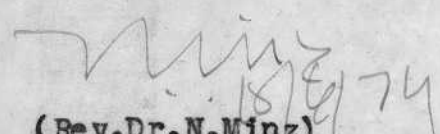
Dear Mr. Minz,

Since a long time I had a desire to visit Palamau and Bhandaria area. Finally I have been able to find time to do so on the 24th and 25th June '74. I shall arrive Nawabhandaria on the 24th evening at about 6 p.m. and stay over night there. I plan to leave for Ranchi at about 9 A.M. on the 25th to be here on time for an evening appointment.

May I, therefore, request you to kindly make yourself available for a brief conversation and discussion on the mission of the church in Palamau District. The GEL Church has made up her mind to launch on the mission work in Palamau and she would naturally look forward to getting co-operation from you and others in Palamau.

With Yisusahay and love,

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 236/74/KSS-73

Ranchi Dated 12th June '74.

Director Pastor H. Seeborg,
Gossner Mission
Berlin, Friedenau
Handjery Strasse 19/20

Dear Brother Seeborg,

I hope you are in receipt of my previous letter. Here I would like to inform and request you to make arrangements for the visits of Miss H. Bhengra, Mrs. P. Tirkey and Mrs. R. Kandulna. These friends, as you already know, are going to Birmingham (U.K.) for their special studies for 9 months.

Their tentative plan is as follows: The College authorities at Birmingham have already admitted these friends in the College and they have to arrive and report to the authorities on the 25th of September 1974. I have suggested to them that they should arrive London latest by 23rd September in order to give them enough time to go to Birmingham from London. The Lutheran World Federation representative in London will help them.

These three Sisters would like to visit Berlin and Germany for about 10 days. This would mean that they should arrive Berlin on the 12th or 13th of September. May I, therefore, request you to kindly see if the Gossner Mission can arrange for their visit in Berlin and Germany from 13th - 22nd of September. 74. If you have any other better suggestions to make in this regard, please feel free to do so. From this end, I shall try to help them as much as I can.

After hearing from you, I shall look into the details of their travel to U.K. through Germany and arrange it according to our agreed plans.

Creetings to you, your family and to the friends in Germany.

Yisusshay,

Sincerely yours,

cc:

1. Miss H. Bhengra, Ranchi
2. Mrs. P. Tirkey, Chhapra
3. Mrs. R. Kandulna, Jamshedpur.

(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. ~~237~~/74/KSS-116

Ranchi Dated 12th June '74.

Pastor O. Immonen
Deptt. of Studies/LWF
Geneva, Switzerland

Dear Pastor Immonen,

Greetings to you in Jesus' Name. Thanks for the copy of your letters to the three ladies of our Church who have been admitted to Westhill College of Education in Birmingham. They are busy working for their travel documents and other preparatory things. There are two things I would like to draw your attention to in this connection.

1) That the Gossner Mission has expressed its wish that these three ladies visit Gossner Church friends in Germany on their way to Birmingham. I have suggested Pastor M. Seeberg, Director of Gossner Mission that our friends visit Germany between 12th - 22nd of September. This would give them enough time to be in Birmingham from Germany. They have to arrive Birmingham and report to the authorities on the 25th of Sept. 74. I hope that the LWF would not have any objection to this travel plan of these candidates.

2) The Air India representative in Ranchi is arranging for this travel and helping to secure travel documents. He has always dealt with my travel and he does a good job. I am sure that you will certainly arrange the flights with Air India for these friends. Now, the Air India representative has one request, if this can be considered. He prays that tickets be bought here at Ranchi which will fetch him some commission. In the P.T.A he does not get any thing though Air India gets the benefit. Could we consider this matter and reply to me.

Kindly see that this not a must. If possible please consider the matter and let me know.

Thanks,

Sincerely yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

ख
B

भारतीय डाक
INDIAN POSTS AND



तार विभाग
TELEGRAPHS DEPARTMENT

ख संख्या/B. No. 33

प्राप्ति का समय/Received at.....	भेजने का समय/Sent at.....	परिपथ संख्या Circuit Number	तारीख मोहर Date Stamp
किससे/From.....	किसको/To.....		
किसके द्वारा/By.....	किसके द्वारा/By.....		

O 1517 N 125 NEW DELHI P S 14 37 NIRMAL MINZ GOSSNER EVANGELICAL
LUTHERAN CHURCH RANCHI ==

SHALL APPRECIATE YOUR ATTENDANCE DASAPRAKASH MADRAS ON JULY FOURTH
STARTING NINE AM FOR THE DAY (.) CASA REFOURMULATION MEETING (.)

LETTER FOLLOWS = ROLSTON = 48 125 CASA ASL

टिप्पणी—समय को स्पष्ट रूप से ठीक-ठीक भरिए। तार मनीआईरों, प्राथमिकता तथा जवाबी परियात के मामले में धूरे हस्ताक्षर करें।
Note—Enter Time neatly and correctly. Sign in full in T. M. Os. Priority and Reply paid Traffic.

MGIFAh.—226—6-5-70—5,00,000 Bks. MGIFAh.—496—22-7-71—7,50,000

[28-7/69(MT)]

B.T.E. Executive

Singhania

13. 6. 74

~~min~~
~~18/6/74~~
As per advice of the Act. Pr. Adh.
the above meeting will be held on 27th,
June 74 at 2 P.M. in K.S.S. Office Ranchi

Members are requested to attend
the same.

Yours sincerely
Dev. Singh

13. 6. 74

Secy. B.T.E.

Members

- (1) Dr. C.K.P. Singh Chamra
- (2) " N. Minj
- (3) " L. N. Bhuyan
- (4) " C.B. Anand
- (5) " P.D. Soreng
- (6) " C.S.B. Huro

M
13/6/74

पो
P.

14 JUNE
3 30PM
974



ADDRESS ONLY



Dr. N. Minj Act. Sec. Hd
K.S.S. Office G.E.L. Church
at P.O. Ranchi
Dist. Ranchi



GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE

(Affiliated With Serampore 1949)

Rev. M. TETE,
PRINCIPAL

Main Road,
RANCHI 1. Bihar, India.

No. 311/74

Dated 16th June. 1974.

Notice.

Minz
19/6/74

The College Council is to meet on 27.6. 74 at 3.P.M. in the College premises. All the members are requested to kindly attend the meeting.

- Agenda:-
- (1) Minutes of executive meetings.
 - (2) Principals reports.
 - (3) Senate delegation.
 - (4) Library grant
 - (5) Building Plan.

Members:- (1) Rev.Dr.N.Minz, Chairman (2) Rev.N.Bhuinya.(3)Rev.M.Jojo,
(4) Rev.C.S.B.Horo (5) Rev.P.D. Soreng,(6) Rev.S.Kujur(7)Rev.R.Dang.
(8)Rev.C.B.Rao (9) Rt.Rev.M.M.Tudu (10) Rev.Dr.Singh(11)Rev.D.Hecker.
invitee.

M. Tete
Secretary.

THE CENTRAL RELIEF AND DEVELOPMENT COMMITTEE

G. E. L. CHURCH CHOTANAGPUR & ASSAM RANCHI, BIHAR, INDIA

(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)

CHAIRMAN : DR. N. MINZ
SECRETARY : MR. BHUSAN KHESS
TREASURER : REV. C. B. AIND

MEMBERS : MR. S. BHENGRA
REV. M. TETE

Ref. No. CRDC/DEV/PROJ/1/27

Date 8th June 1974.

To

The Pramukh Adhyaksh
GELChurch Ranchi.

Sir,

Enclosed please find the Project application in respect of Shri J.B. Minz of Daltonganj for Agro-Mineral Industry. This application is meant for LWF help and therefore it should be forwarded to CDS through the Church i.e. Pramukh Adhyaksh. On scrutiny I found that all supporting documents are in a proper way. I would therefore request you to encourage our people in the Agricultural development this application may kindly be forwarded to the CDS, LWF with the requisite recommendations from the Church.

Enclos:

Yours sincerely,

B. Khess
(B. Khess)
Secretary

CRDC, GELChurch, Ranchi.

CC: Mr. J. B. Minz.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No.242/74/KSS-158

Ranchi Dated 18th June '74.

To

Director Pastor M. Seeberg
Gossner Mission,
Berlin Fredenau
Handjery Strasse 19/20

Dear Brother Seeberg,

Enclosed please find a Project application in respect of Mr. Jaiwant Bihari Minz of Daltongang for a resource and demand based Agro-mineral Industry. The application was submitted to CRDC, GEL Church, Ranchi for a help of Rs.36,000.00. The CRDC Examined the project and forwarded to me with strong recommendation for its transmission to your kind consideration and necessary favour.

The applicant Mr. Minz is a young mining engineer belonging to the Adivasi Christian Society. I had detailed discussions with him. On my examination of papers reports and suggestions of local experts and on concerned enquiries, I found the Agro-mineral Project quite feasible and the spirited applicant sufficiently conversant.

Now, in my opinion such calculated venture by an Adivasi of Chotanagpur with a Project aiming at such direct contribution to the rural and regional economy through agricultural and industrial improvements is appreciable. Economic level of the Adivasi christians is quite low and such a proposed role in the present economic revolution in Chotanagpur and the country would be commendable.

I would therefore highly recommend the Project and earnestly request you to examine the case and forward it with your personal recommendation to an agency for sanction and help the poor entrepreneur.

Please treat it as a special case different from the regular Project applications and hence help make special efforts for sanctions and remittances to enable the applicant for his best calculated execution of the Project.

Sincerely yours,



(Rev. D. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

The following candidates were interviewed and they were found fit for ordination to the ministry in the LEC Church:

1. Cand. Biraj Kujur (मंडली पाल विद्या में कमजोर हैं)
2. " Theodore Ekka (गाना कमजोर)
3. " Pritam Hansda (सहायता और सहायता का दो
 + अंतर्गत और)
4. " Nirmal Tiya (मंडली पाल विद्या)
5. " Nelson Topno (सहायक पाद्री ही है
 कमजोर)
6. " Saban Martin Topno (निमित्तता, प्रेमी
 पाल में कमजोर)
7. " Pius Topno (मंडली पाल में कमजोर)
8. " Albert Minz (मंडली पाल में कमजोर)
9. " Schan Royan Topno - (ही है)
10. " Sushil K. Joseph. Jyoti (ही है कमजोर)

(धर्मशास्त्र का ज्ञान कमजोर है | मंडली पाल में भी)

C.K. Paul Sd/ M. K. 15.6.74
 P. D. 15.6.74
 M. K. 15/6/74
 R. K. 15/6/74

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 359/

Date 13 June '74 197

To

The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Dear Sir,

In compliance to your letter No.231/74/KSS-161 dated 11 June'74 I would like to give you the following informations of the Education department as desired.

1. At present the Education department is dealing with the KNH matters, ~~and there appears now the coordination~~ between the Central Office of the KNH and KNH Homes of the GEL Church.
2. Central Education Fund:- Ilakas and Schools.
Ilakas:-All the Ilakas are now responding to the formation of the C.E.F. although the response is slow.
Schools:- There is slow progress due to recent disturbances in the State which particularly affected the Education departments.
3. Collection of informations and datas of ~~Angkha~~ High Schools through 126 forms. Consolidated statement will be submitted to you in due course
4. Audit of High Schools and KNH Homes accounts since April has been initiated but due to delay in verification by Govt. officers the work has been delayed in the church office. We have already received accounts from KNH Homes 562 and 563 for audit purposes. This will be pursued.
5. Pending cases of individual teachers of various schools such as Baman-dih, Chiredanr, Jatatoli and Konjoba etc. are being dealt with.
6. Declaration of pending High Schools as Minority schools:- I have come to know that Gossner H.S. has been declared as minority school, but for other high schools a visit to Patna is needed to meet the officers.
7. Plans:- 1. Review of schools;- Before the Puja vacation I would like to review the works and management of the following institutions;- Beth.W. T. S., H. S. Lohardaga, H. S. Khutitoli & KNH Home No. 563, H. S. Takarma @ KNH Home No. 564, Girls H. S. Govindpur & Home No. 562, Jubilee H. S. Govindpur and the middle schools attached to High Schools.

---contd----

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No.

Date..... 197

Page-2.

2. Organising orientation classes for religious teachers of High schools some time in October in consultation with the Pramukh Adhyaksh.
3. If the Education Departt. is allowed I would like to organise refresher courses for 20-25 Sunday school teachers.
4. I have a plan to visit Patna for various works of the Education Departt.
5. Subject to approval I would like to visit the Central office of the KNH at Bangalore for gathering first hand informations re-
working and for pursuing hostel building programmes and sanction for new more homes.

Remarks:-1. The posting of two parallel officers in the Education Departt. of the church is causing inconveniences in the performance of duties as their functions are not clearly defined. Some times it puts me in awkward condition in dealing with Middle and Primary schools concerned.

It is therefore suggested that constitutional provision be made so as to empower the Executive officer to deal with Govt. or other bodies in educational matters of common interest independently.
matters of middle and primary schools

2. Conveyance:- To do the work expeditiously and more efficiently the education department be provided with ~~an~~ a vehicle as decided by the Education Board, the extract of which has already been forwarded to you.

② ⑥ Revision of draft constitution for church schools at the light of new proposed constitution to be taken up simultaneously.

Yours sincerely,


(A. Lakra) 14/6/79
Education Officer
GEL Church Ranchi.

OFFICE OF THE EDUCATION EXECUTIVE OFFICER GEL
CHURCH RANCHI.

No. 158/74

Ranchi Dated 17th June '74.

To
The Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Subject:- Cancellation of leave petition instead of
tour programme.

Sir,

Just this afternoon I received a letter No. 360/74 dt 17.6.74 from Shri A. Lakra Education Officer GELC. requesting me to meet with Supervisors of different Anchals and some Ilaka Chairmen in connection with appointment of teachers. This business of appointment is to be completed by the 22nd of June '74 and then the same is to be presented in the DSE office before the 25th of June '74.

I am therefore constrained to go on tour from 18th to 22 June, for which a tour programme has been drawn up in a separate piece of paper.

Under the above circumstances my leave petition dated 17th June 74 be cancelled.

Yours faithfully,

H Samad

(H. Samad) 17.6.74

Edn. Exe. Officer, GELC.
Ranchi.

cc: Education officer GELC.

Tour programme

18.6.74	-.....	visit to Marcha.
19.6.74		" " Takarma
20.6.74		" " Keronje
21.6.74		" " Khutitoli
22.6.74		" " Lehardaga and return from there to Ranchi.

H Samad

H. Samad 17.6.74

Edn. Exe. Officer GELC.
Ranchi.

Office of the Executive Officer, Education Department, GELC, Ranchi.

No. 156/74

Dated Ranchi, June 17 '74.

To

The Acting Pramukh Adhyaksh,

G. E. L. Church, Ranchi.

Subject:- Immediate talk and proposed plan of the Education Department.

Sir,

I acknowledge receipt of your letter No. 23/74/KSS-161 dated 11th June '74 on the subject noted above.

With extreme regret I have to say that although I should know plans, programmes and talks of my department yet mysteriously enough they are kept in darkness from me. All policy matters and matters relating to programme are discussed and settled in the Board of Education. Neither I am a member of it nor I am informed about decisions, therefore, I am not in a position to acquaint you with them.

Under the circumstance I hope you will excuse me for my inability to comply with your letter.

Yours faithfully,

HSamad
(H. Samad), 17.6.74

Executive Officer,

Education Department, GELC.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 360/74

Date 17 June '74 197

To

Mr. H. Sanad
Executive Officer Edn.
GELC. Ranchi.

Dear Mr. Sanad,

As you know the education department is going to appoint teachers in Middle and Primary schools from 25th of this month, we have to select teachers from the panel for our schools. The D. S. E. has agreed to appoint in mission units according to our proposals. As I had requested you to make selections verbally I hope you have done so. Please submit your list to the undersigned before 22nd June 1974.

I am sorry that I have to write you as I am bed ridden. Otherwise it could have been done by mutual consultation. I hope you will not mind for it.

I have got two proposals which may kindly be included in your proposal. One Mrs. Lela Beck matric trained in Luth. L. P. School Birkera in newly revived mission unit. One Mr. Manohar Minz matric trained will be appointed in any of our Luth. schools in Gumla Sub-Division preferably in Chirodwar in place of Mr. Mangal Das Lakra. This may kindly be ascertained before giving this proposal. Miss Sheela Tirkey matric with science trained be appointed in Luth. Middle school Khutitoli in place of Bertha Surin. In Madhya Anchal other vacant places to be filled in are as follows:—

1. Luth. Middle School Khutitoli--2
2. Luth. M. S. Keondih--1 I. A. or matric trained.
3. Luth. U. P. school Birnibera--1 matric trained.
4. Luth. U. P. school Verikdar--1 matric trained.

It is no doubt a difficult work but at the same time unavoidable and urgent also, because if we miss this chance we will lose at least one more year.

Thanking you,

Yours sincerely,


(A. Lakra)

Education Officer
GEL Church Ranchi.

cc: Pr. Adhyaksh
Adhyakshes SEA, NWA, M. Anchals.
Supervisors-----do-----

OFFICE OF THE BOARD OF PROPERTIES

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Head Office

G. E. L. CHURCH

RANCHI, BIHAR/INDIA

Ref. 82/74/BPR-5

Dated 4th June, 74 197

To,
The Secretary
R.C.P. GELC/Ranchi

Sub:- Repair of Buildings

Dear Sir,

It has been reported by the following persons that their houses quarters are badly leaking and it would be very ~~different~~ difficult for them to live in such a ~~xx~~ condition during the rainy season.

You are therefore requested to make immediate arrangements and take necessary step to get the quarters repaired before the monsoons.

1. Rev. K.D. Soy
2. Rev. C.J. Tirkey
3. Rev. S. Surin
4. Shri. Prasad Hemrom
5. Shri. Simon Lakra
6. K.S.S. Rest House.

cc. Rev. Dr. N. Minz
Actg. Pramukh Adhyaksh
GELC/Ranchi.

Yours Faithfully

S.K. Barla
4/6/74
(S.K. Barla)
Asstt. Manager, Bd. of Property
GELC/Ranchi.

To

The Acting Pramukh Adhyaksh,

G. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

I have to say that I have submitted an application for leave .
The petition dates 15th June '74. The same may be treated as cancelled.
In its place I submit a fresh application today on 17th June '74. The
purpose of taking leave is that I have to give my presence at my vill-
age in connection with paternal property matters. The problem may not
be solved within a day or two. Therefore, I request you to grant me
leave for five days commencing from 18th to 22nd June '74,.

I shall be thankful to you for this act of your kindness.

Yours faithfully,

H Samad 17.6.74
(H. Samad),

Dated Ranchi, June 17 '74

Executive Officer,

Education Department, GELC.

CC to Education Officer, GELC, Ranchi for information and
needful.

- सूचना -

बड़े हर्ष के साथ सूचना दी जा रही है कि समस्त गोस्सनर कलीसिया का युवा सम्मेलन २६-६-७४ को रांची ख्रिस्त गिर्जे में हो रहा है। आप अधिक संख्या में आवें और लाभ उठावें। मेस एवं ठहरने का प्रबन्ध गोस्सनर थियोलोजिकल कालेज एवं युवा केन्द्र में रहेगा। मेस खर्च प्रति बेला ३) रूपये है। (तीन बेले का ९ (नव रूपये) होगा। मेस में ठहरने वाले अगोत्तर सूचित करें।

२५ जून शाम को पहुंचना। २६ जून शाम को विदायी।

विषय :—गोस्सनर कलीसिया का नया मोड़ :—

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| १ कलीसियाई एकता के क्षेत्र में | ३ धर्म शिक्षा के क्षेत्र में |
| २ संविधान के क्षेत्र में | ४ राजनैतिक क्षेत्र में |

तिथि ११ जून ७४

निवेदक :—

मार्टिन टेरे

निर्देशक युवा विभाग

गोस्सनर कलीसिया

11. 6-74.
The Acting Paramount
Adm. whs.

Dear Sir

May I request
you to send by
mail on
Youth Conference
on 26. 6) 4.

Thank you.

Yours truly
M. T. L.

Rev. Dr. N. Minz
Acting Paramount
Adm. whs.

G. E. L. Church

Ranch

सेवा में,

प्रमुख अध्यक्ष के. एस. एस.

जी. ई. एल. चर्च रांची ।

महाशय,

आप की चिट्ठी न० २७३/७४/K.SS-85

दिनांक २२.६.७४ के आदेश अनुसार
मैं अपने स्वास्थ्य के पक्ष में डाक्टर
की प्रमारा पत्र समर्पित करती हूँ ।

कृपया शहरा करें ।

आप की विश्वस्त

सन्तोषी हीरो शिक्षिका

दिनांक २७.६.७४

Dr. B. Barla

M. D. H. Sc Regt. No. 12757

War Retired

Govindpur

Dt. Ranchi (BIHAR)

Date

27/6/24

This is to certify that
I Dr. B. Barla have
examined the Miss S. Hono
of Rabita School Govindpur
and found her medically
and physically fit for
her service

Dr. B. Barla
Dr. B. Barla D. H. Sc.

Regd No. 12757

P. O. Govindpur.

Dist. RANCHI (Bihar)

27/6/24

सेवा में,

प्रमुख उपध्यक्ष के. एस. एस.
जी. ई. एल. चर्च रांची ।

M. B. K. P. K.
18/6/74

द्वारा - सचिव प्रबन्धक कमिटी गोस्सनर
वेबल एवं बुनियादी शिक्षा केन्द्र
गोविन्दपुर ।

विषय :-

सेवाविधि बृद्धि के सम्बन्ध में ।

महाशय,

सादर कथन ऐसी है- मैंने १९६६ ई. से
अब तक कलीसा के अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं
की सेवा की है । मेरी ६७ वर्षों की सेवाविधि
दिनांक २-६-१९७४ में समाप्त हो जायगी ।
मेरी स्थिति अत्यन्त दयनीय है, मेरे घर में
मैं अकेली हूँ, मेरा अन्तिम जीवन निराशा-
जनक है ।

उपरोक्त स्थिति में मेरी करवद्ध प्रार्थना है
कि मेरी सेवाविधि सम्भावित समय तक बढ़ा दी
जाय । मैं स्कूल के कामों में अब तक पूर्णरूप से
के साथ काम करने में इच्छुक हूँ । अतः

आवश्यक कार्यार्थ अपना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी
समर्पित करती हूँ ।

मैं अजीवन कलीसा का प्रभारी रहूंगी ।

आप की विवश
शान्ती होरी शिंदीका

ता: 20. 6. 74

The applicant has already
sent her application in which I have
simply forwarded, but in it I express
my desire to be extended her service
if Pension rule allow her. She is
doing her Teaching duty
very well. J. B. K. P. K.
Headmaster
G. B. K. P. K.
Govindpur

Ranchi Dated 18th June '74.

To

The Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

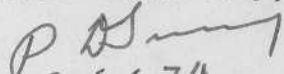
Sir,

I have bought a piece of land at Khutitoli, for which I had to take loan from the Co-operative Society, Simdega. I had to return this loan in time, but unfortunately I could not do so. Now if I do not return, the interest will be so much that I will be heavily burdened.

I therefore request you to kindly allow me to draw my Provident Fund.

I shall be very thankful to you for this act of your kindness.

Yours sincerely,


18.6.74
(Rev. P. D. Soreng)
GEL Church
Khutitoli.

G. E. L. CHURCH

BOARD OF EVANGELISM AND LITERATURE

Director & Secretary

C. K. Paul Singh, B. D., DR. THEOL. (BERLIN)

Ref. Memo. No. BEL/157/74

G. E. L. CHURCH
RANCHI, BIHAR/INDIA

The 15.6.74

To
The Acting Pramukh
GEL Church, Ranchi

Dear Sir,

In reply to your letter No. 23/74/KSS-161, dt. 11th June 1974 I have to state the following:

The main burden from the side of our field workers is the request of Interim Relief and increase in field allowance. The matter is being discussed to implement the decision of the KSS. As there is enough balance of previous years in the BEL a/c some amount could be given. On the other hand the BEL has to be well established financially, after the rumour of Foreign Contribution bill it is a matter of great concern, various steps have to be taken to collect money and to keep the same carefully. The income of the fields are not coming regularly, an Income and centralisation-Chalan is being prepared to check up the line.

For next rainy season term the plan is to encourage local resources (Personnel and Financial) for intensive mission work. The Ilakas will be requested to make such programmes where these things can be talked and planned.

Further the BEL has to make plan for next Refresher-Course of the field workers possibly with Foreign guests. The Time, Place and Finance are very important factors for organising the course. During the Refresher Course total method and means of our missionary approach will be discussed and the findings will be let known to the BEL.

I hope this much will give you some points for your reorientation about our department.

Thanking you,

Yours sincerely

C. K. Paul Singh
(Rev. Dr. C. K. Paul Singh)
Director, BEL.

To

12th June, 1974.

Paster Otto Immonen,
The Lutheran World Federation,
Scholarship & Exchange Programme,
Route de Ferney 150
1211 Geneva 20 Switzerland.

Dear Paster Immonen,

I thank you for your letter of 24th May, 1974 and for information that a place has been secured for me at the Westhill College of Education in Birmingham.

I had also received a letter dated 16th May, 1974 from Pastor Willis Leece and it has been indicated by the College authorities that a programme can be arranged for me for three academic terms. It is for a full academic year of 1974-75.

I would like to say that it is possible for me to make this change from three months programme to a full academic year. I accept the programme set by the College authorities at the Westhill College of Education for a full academic year.

With kind regards.

Sincerely Yours,

R. Kandulna
(Rahil Kandulna)
257, New Sita Ram Dera-Link,
P.O. Agrico
Jamshedpur
Bihar, India.

c.c.

1. Pastor Willis Leece

✓ 2. Rev. Dr. N. Minz,
Acting Premukh Adhyaksh.

Challan No. 526

Ranchi 14. 6 1974

Challan No. 526
Dr. N. Muz, Acting Pramath Adhyaksh, J.B. & Co. Ranchi 14. 6 1974.
Amount Rs. 83-68 (Rupees Eighty three + paise sixty eight only)

PARTICULARS		Amount	
		Rs.	Ps.
Petrol Expenses as per bill Dt. 14. 6. 74		83	68
By Cheque No. Dt. In cash. Total		83	68

Kindly fill up and return receipt to the Treasurer

For Treasurer

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH]
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

Ref. No. BPR/109/101/RC-74.

Date 13th June, 1974.

To,
Shri. K. Joshep Modi,
Contractor,
Ranchi.

Dear Sir,

An extract from the minutes of the meeting held on 12.6.1974 of the Executive of the Ranchi Committee on Properties is being communicated to you for your kind perusal.

Item No. 1. COMPLETION OF THE EXTENSION OF STOSCH HOSTEL AND REGISTRATION OF AGREEMENT DEED WITH TENANTS.

- (i) Discussed and resolved :- that Shri. K. Joshep Modi, Contractor be entrusted to complete the remaining portion of the extension of Stosch Hostel and also the 1st floor of the building immediately.
- (ii) Resolved also that due to rise in prices of materials a revised estimate is required for completion of the entire building which be submitted to RCP for necessary payment.

Shri. K. Joshep Modi be entrusted to submit a revised estimate immediately to RCP.

- (iii) Registration of Agreement Deed with tenants be made immediately.

Resolved :- Shri. K. Joshep Modi be requested to kindly use his good office to pursue the tenants to get the agreement deed registered immediately.

Sd/- B. Khess,
Secretary, RCP.

You are therefore entrusted to complete the entire Extension of Stosch Hostel including 1st floor and to kindly submit a revised estimate for works for completion of the entire building, and also to kindly pursue the tenants to get the registered Deed ^{agreement} registered.

Yours faithfully,

(B. KHESS)

Secretary,
Ranchi Committee on Properties,
G. E. L. Church, Ranchi.

Copy to :-

1. Secretary, Property Board.
2. Manager, Property Board.
3. Acting Pramukh Adhyaksh,



Notice

A meeting of the managing committee of Bethesda Women's Training School, Ranchi will be held on Tuesday the June 25, 1974 at 7:30 A.M. in the school premises. Members are requested to attend the meeting.

Agenda:

1. Minutes of the last meeting.
2. Interview of the applicants.
3. Any other matter.

H Samad
Secretary, 4.6.74

Bethesda Women's Training School.
RANCHI.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 236/74/KSS-19

Ranchi Dated 12th June '74.

Rev. M. Tete
Principal,
G. Th. College
Ranchi.

Dear Sir,

Rev. Paulus Tete of Assam had been directed by the KSS to join the Theological College Ranchi by 15th July '73 vide KSS resolution item No.21 dated 26th - 30th June '73, but through his letter dt.4.6.74 it is known that he has not yet joined the College. Kindly intimate us what further correspondences have been made with him after July '73.

Thanking you,

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 234 /74/KSS-5

Ranchi Dated 12th June '74.

Rev. C. A. B. Tirkey
University of California
Santa Barbara, California

Dear Rev. Tirkey,

I had expected you to write an official letter to the Church requesting for the extension of stay and for your Scholarship during that period. As I am not hearing from you and as the meeting of the KSS is drawing near, I feel I should take initiative to help you. The KSS meeting will be held on the 28th + 29th of June '74. Therefore, Please send your application for extension of your stay and for the Scholarship during that period. Your application must reach this office on or before the 27th of June 74. Hope you will be able to comply with this ~~ad~~ advice.

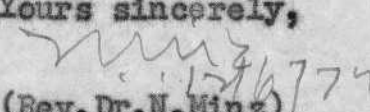
The Good Lord is leading and guiding His Church in a marvellous way. We done two major things by now - First, we have voted for amending the corroborative clauses in our constitution. This opens the gate for further moment in course of our renewal. Now there is no danger of any Anchal blocking the way. Second, that we have agreed upon a basic structure of the new constitution and now we need working out of the details in it. In the coming KSS we shall formally accept the new structure and forge ahead towards the adoption of the new constitution. I am hoping and working for the adoption of the new constitution by the end of September 1974. Till then a heavy burden and responsibility has come upon my head and shoulder. The Lord is good to me to provide me with the necessary strength, wisdom and understanding to carry on the work of renewal of this church.

On the 23rd of June, the Ranchi Mandali Aam Sabha is going to meet and on the 26th the Youth Convention of the whole church will be held. Hope God will use these occasion for His glory and bring many of us at our knees to begin his work of renewal.

We often remember you in our daily prayer. All in the family keep well. I resited Elsie and Children only Yesterday. Children are well and Elsie is improving.

We have begun to build a Kachha house at Malar. The house will be dedicated sometimes next week. With yisusahay and love,

Yours sincerely,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

Ranchi

14.6.74

The cases that are with P.K.Chatterjee, Advocate,
the legal adviser and Retained Lawyer of G.E.L.Church.

1) Kath Simla Case Title Suit 193 of 69 G.E.L.Church Vrs.
Budha Munda before Sub Judge and others. All steps have been
taken 13/6 was the date I have taken time the next date
will be in July. 5/7/74.

2) Sree A.T.Lakra the Secretary of the North West
Anchal has entrusted me with following case T.S. 170 of 73
G.E.L. Church Vrs. Bhaneswar Munda before Munsiff, Ranchi.
Bhaneshwar has ~~q~~ squatted upon some land of Chamanagri
Church Mr. Lakra had started a 144 Case in 1970.

~~xxx~~ The case is for injunction against Bhaneshwar not to
go over the land, the defendant has appeared and next date
is 3.7.74.

3) That Mr. A.T.Lakra has entrusted another case
with me case No.31 of 71-72 regarding Khata No.103 in
Mouza Rami. I have prepared the written statement which
has been filed along with my Vakalatnama. 15.6.74 is the
date.

I have promised him that I will be ready when the
date for argument is fixed so that it will not be necessary
to run to Khunti or Bundu twice I have asked him to inform
me when I will have to go two days earlier so that I can
arrange for my work at Ranchi.

4) That Mr. A.T.Lakra was complaining of another
difficulty Angarha, which was taken up by C.O. Angarha two
years back and the Judgment is in favour of the Church.
Mr. Lakra has with him the copy of the Judgment. I
instructed him that by showing the judgment he can get
over the difficulty.

P.K.-c

5) That Re: The property of G.E.L.Compound, Ranchi.

I had sent notices to tenants mentioning their arrears which was nearly 40 in number after notices all are responding to except two against whom Eviction case has to be brought.

6) That re:- newly built shop rooms negotiations are going on with the tenants to have registered Lease deeds. I have prepared one Draft and I hope all will agree to registered Leases.

I hope the tenants will agree a business man does not want to go into litigation.

7) That there is a case in which the Church wants to purchase about 2 acres of land tax there was appeal and the Appeal has been allowed the next date is

Appeal No.120 of 71 and Lower Court case No. 88 of 67-68.

8) That besides this after ceiling notices I have prepared the Church's Reply to the notices they are sent to D.C., Ranchi, Hazaribagh and Singhbhum. If they sent any other notice to appear then only we will have to take steps not before.

9) Re: Lohardaga property the petition is before C.O. and there is an order of the Minister to respect the old Lessees. As far as I have information the man of the Church is looking after the petition at Lohardaga.

10) That Re: Fulchand Panna - a 145 Case in which

Fulchand Panna lost in 1959 time to bring a civil suit is 12 years which has expired in 1971 Luckily I had kept a copy of the Judgment when I had to face a case with Fulchand Panna and Kuldip Sing and I have handed over the Judgment to Mr. Khess.

P. K. Chatterjee

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860]

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

Ref. No. BPR/8/99/RC-74.

Date 10th June, 1974.

To,

Shri. P.D. Tirkey,
S/o. Late Shri. Stephan Tirkey,
Babu Line.,
GELC Ranchi.

SUB : UNAUTHORISED CONSTRUCTION IN GELC COMPOUND AT RANCHI.

Sir,

Reference is invited to this office notice No. BPR/8/27/RC-74 dated 21st. February, 1974.

It is to inform you that the Resolution of KSS was communicated to you forbidding any unauthorised construction in the GEL Church Compound at Ranchi. You are now constructing a Pucca Septic Tank Latrine without permission granted by RCP. You should have taken prior permission from the RCP for any construction. This has not been done.

Hence you are to stop at once further construction of Septic Tank Latrine on receipt of this notice till the matter is finally settled by RCP.



Yours faithfully,

[Signature]
Secretary, 10/6

Copy to :-

For the Ranchi Committee on Properties.,
G.E.L. Church, RANCHI.

1. Manager, Property Board, GELC Ranchi.
2. Acting Pramukh Adhyaksh, GELC Ranchi.

for information and action.

2/8/6

From: Rev. Paulus Tete

4.6.74

Vill. Joradiya

P.O. Sirajuli, Dt. Darrang
Assam.

min 2
11/6/74

To The Pramukh Adhyaksh
B & L Church, Ranchi,
— x —

महोदय,
विषय विवेदन यह है कि KSS द्वारा मुझे Ranchi
Theol. College में विशेष प्रशिक्षण के प्रबंध का
निर्णय लिया गया है। परन्तु चूंकि मैं एक ordained
Pastor हूँ और Active Service में अत्यंत रूढ़ि को
मैं बिना अपने family साथ Assam Anchal में Transfer
कर आया हूँ। ऐसी परिस्थिति में KSS के निर्णय
में यह सन्देह नहीं बसाया जा रहा है कि मेरा प्रशिक्षण
काल मेरे Active Service में ही बिना जायगी
या नहीं। अगर नहीं तो मुझे इसी हानि होगी। और
यदि हाँ तो Pastor Payment मेरा जारी होगा
P.F./Pension F. भी जारी रहना चाहिए। कि यह
विषय में KSS Office को पहले भी लिखा था
कि कोई जवाब न मिला। जवाब की आशा में
मुझे महीने भर गुजर गए; और मेरे सामने परिवार
की देखभाल करने का भार बढ़ रहा है।
अतः विवेदन है कि मेरे बारे में KSS ने जो
निर्णय लिया है उसे reconsider किया जाए
और कमसे कम 3 महीने का प्रशिक्षण करवा दिया
जाए ताकि मैं अपना और परिवार का दायित्व

समाधि लेंगे। और इसी माध्यम पर मुझे
 प्रशिक्षण मिलित जाने का अव. T.A.
 150/- भेज दिये जाते की कृपा करें।
 ताकि मैं प्रशिक्षण करने के माह का
 लाभ कर फिर Assam का मुझे/कोई
 बच्चों को Assamese medium में
 शिक्षा दिलाना हुआ है जो दूसरे
 State में जाता शिक्षा के कारण
 मेरे बच्चों के लिए कठिन होगी।
 आशा है आप सहानुभूति पूर्वक
 मेरी सज्जी पर पुनर्विचार करके
 मुझे आवश्यक निर्देश देंगे।

आभारार्थ,

आपका विश्वस्त मित्र

Rev. P. Teti
4-6-74

is Rev. P. Teti's statements in this petition
 a true fact. So I think his matter
 be him to carry out the order of the court
 also in view of the financial
 responsibilities for his family
 in present crisis.
 September
 4/6/74
 Achyakh
 A.A.

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
 INLAND LETTER CARD



To
 The Rev. Dr. N. Minz, Pramukh
 G.E.L. Church, Achyakh
 A.L. & P.O. RANCHI
 Dt. Ranchi (Bihar)

पिन PIN

तीसरा मोड़ Third fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

Rev. P. Teti
 Irradia village
 Sirayahi P.O.
 Dt. Darrang
 Assam

पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

Office of the Adhyaksh, G.E.L. Church, S.E. Anchal, Kadma, Khunti.

Memo No. 262/74

Dated Khunti, 10th June, 1974.

To

The Secretary, K.S.S.,
G.E.L. Church, Ranchi.

*Recd
14/6/74*
Sir,

With reference to your letter No. 203/74/KSS-134 dated the 31st May '74 I have to say that in such a short time Anchal's opinion in connection with the "Structure of the new Constitution" cannot be given you by 15.6.1974. However the Anchal's opinion shall be conveyed to you on or before the K.S.S. meeting on 28.6.74.

Yours faithfully,

Adhyaksh
10/6/74

Adhyaksh,
S.E. Anchal, G.E.L. Church,
Khunti (Ranchi)

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam
(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No.

Date 12 June '74 197

To

The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Sir,

I beg to state that I had been on duty of the Education department of the GEL Church, proceeding on tour from Ranchi to Gumla. On the way near Sisai P.S. I met with an accident of the bus mishap on 7th June where I have been seriously injured.

Now I am under treatment in the ^{ACA} hospital, and therefore I request you to kindly treat my period of treatment as the period on duty. Further I request you to kindly grant me medical help out of the discretionary fund.

Thanking you,

Yours faithfully,

A. Lakra
(A. Lakra) 12/6/74
Education Officer
GEL Church Ranchi.

*Handed
over
12/6/74*

OFFICE OF THE BOARD OF PROPERTIES

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Head Office

G. E. L. CHURCH

RANCHI, BIHAR/INDIA

Ref. 87/74/BPR-3

Dated Ranchi 12th June, 74

Wm
12/6/74
Dear Sir,

With reference to your letter No.231/74/KSS-161 dated 11th June,74 I am to state that at present my office is endeavouring to prepare to complete schedule for the church property as far as practicable.

As regards immediate talk, we are discussing plans and schemes for developing the church compound at Ranchi and about the new building behind the sctosh Hostel has to how it should be completed and tenants be made to pay their dues to the church.

Regarding the general plans and schemes are already submitted in vide letter No.66/74/BPR-9 dated 10th April,74.

To,
The Acting Pramukh Adhyaksh
G.E.L. Church/Ranchi.

P. Tiga
Sincerely Yours

(P.Tiga)
Hone. Manager,
Bd. of Property
GELC/Ranchi.

OFFICE OF THE BOARD OF PROPERTIES

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Head Office

G. E. L. CHURCH
RANCHI, BIHAR/INDIA

Ref. 85/74/BPR-9

Dated 12th June 1974.

To

The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Sub:- Departmental Works.

Sir,

With reference to your letter No.231/74/KSS-16 dated 11th June '74 addressed to all heads of departments I beg to state that I am the Asstt. Manager of the Prop.Bd. and as such the sole responsibility lies with the Manager. Whatever work or plan I make is to be done with the consultation of the Manager. Therefore I shall be able to comply with your request only after due consultation is made with the manager.

With regard to the proposed plan I had already submitted a detailed plan for development to be made in the GEL Church through the Board of Properties, but the same was turned down on the ground that it was not feasible at the moment. However the Board kept it pending for the future.

Thanking you,

Yours sincerely

S.K. Barla
12/6/74
(S.K. Barla)
Asstt. Manager P.B.
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 232/74/KSS-225

Ranchi Dated 11th June '74.

To

Rev. C.B. Aind
Director, TTC Phudi
Ranchi.

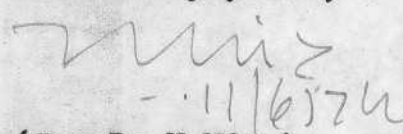
Subj: Donation for 1973.

Dear Rev. Aind,

Received your letter No. T 2 S/218-74 dated 18th May 74. I checked up the matter with the account section of our office and I am told that this office has no information about outstanding dues of the kind described in your letter. May I, therefore, request you to kindly clarify the matter by sending us the relevant documents to this effect.

Thanking you,

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 231/74/KSS-161

Ranchi Dated 11th June, 1974.

To

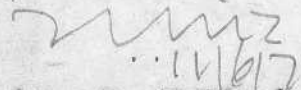
1. Rev. Dr. G. K. P. Singh, Director
Deptt. of Evangelism and Literature
2. Mr. A. Lakra, Education Officer
Mr. H. Samsad, Executive Officer
Deptt. of Education
3. Mr. P. Tiga, Manager
Mr. S. K. Barla, Asstt. Manager
Deptt. of Properties.
G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Colleagues,

I want to reorient myself to the total work of this Central Office of the GEL Church. As the heads of the departments mentioned above, would kindly inform me about the immediate task of your department you are at present involved in, and your proposed plan to under take the work in the near future. Kindly try to be as specific and concrete as possible.

May I request you to send your informations on before the 15th of June '74. This will help me immensely.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 233/74/KSS-14

Ranchi Dated 11th June '74.

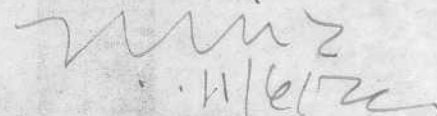
To

Mr. S. K. Barla
Asstt Manager
Board of Properties
GELC, Ranchi.

Dear Mr. Barla,

I would like to know the progress of your work regarding vacating the area now occupied by the M.E.S. You have asked for the files for further work. I am advising our office to help you in this regard.

Faithfully yours,



(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GELChurch, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 280/74/KSS-109

Ranchi Dated 11.6.74.

Rev. N. Bhuinya
Adhyaksh, SEA.
Kadma.

Dear Rev. Bhuinya,

The examination and personal interview of the Candidates for ordination is going to be held on 15th June '74 at 3 P.M. in the office of the Pramukh Adhyaksh. May I, invite and request you to kindly come to help and participate in this function.

Yours sincerely,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 228/74/KSS-3

Ranchi Dated 11th June '74.

To

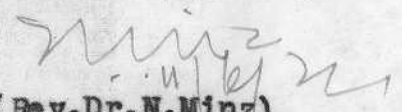
1. Mr. J. E. P. Tiga
Secretary, Mandali Punch
Headquarters, Congregation
Ranchi.
2. Rev. S. Surin
Asstt. Pastor
Headquarters Congregation Ranchi

Dear Colleagues,

The Rev. S. Surin came this morning (the 11th of ^{June} ~~June~~ '74) to my office and verbally informed me that the minutes Book of our Headquarters Congregation was lost Yesterday.

May I request both of you to kindly come to my office before the office closes at 12 noon to-day and inform me officially about the matter. This should be done without fail.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)

Acting Pramukh Adhyaksh
Pastor Incharge,
Headquarters Congregation
Ranchi.

National Christian Council of India

TELEPHONE : 77329 GRAM : AIKYA NEW DELHI.

OFFICE OF THE GENERAL SECRETARY
N-21, GREATER KAILASH I,
NEW DELHI-110048.

NCC/U-2/UIM/J-8

5th June, 1974

Wm
W.C.C.
The Rev. G. Egemba Igwe
Rural Agricultural Mission
World Council of Churches
150, Route de Ferney
Geneva 20, Switzerland

Dear friend:

I am glad that we have now a separate Rural Agricultural Mission Desk. The forced marriage between UIM & RAM has been nullified and I am sure it will be in the best interest of both UIM & RAM. Let us hope that there will be an effective link between the two.

To begin with I am sending you just a few names for contacts with addresses. These are persons who are either deeply concerned about the rural agricultural mission or are involved. I am sure you will enjoy working with them.

May God bless your ministry. With kind regards,

Yours sincerely,

M. A. Z. Rolston
M. A. Z. ROLSTON
GENERAL SECRETARY

cc: Dr. Nirmal Minz, President, G.E.L.Church, Ranchi, Bihar
Dr. S. K. Hulbe, Ahmednagar College, Ahmednagar, Maharashtra
Mr. P. R. Guruswamy, Madras Christian College, Tambaram,
Madras-59, Tamil Nadu.
Mr. Malcolm Buck, Methodist Centre, 21 Club Back Road,
Byculla, Bombay-8.
Mr. S. J. Palve, Vadala Mission, Vadala, Dist. Ahmednagar, Maharashtra.
Mr. R. J. Solomon, The National Council of the YMCAs of India,
Massey Hall, Jai Singh Road, New Delhi-110001.

National Christian Council of India

RECEIVING OFFICE - GREAT NIKKA NEW DELHI

REC/5-2/0001-3

SEP 1960, 1964

General Sec. Secretariat
100, Route de l'Inde
World Council of Churches
International Christian Mission
The Rev. G. K. K. K.

Dear Sir,

I am glad that we have now a permanent international mission
I am sure it will be in the best interest of both NCC & WCC. For the
past, the forced marriage between NCC & WCC has been nullified and
to begin with I am sending you just a few lines for contacts with
major Christian mission as are involved. I am sure you will
the first international mission as are involved. I am sure you will
addresses. These are persons who are either really concerned about
to begin with I am sending you just a few lines for contacts with

← पहला मोड़ First Fold →

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER



(2)

Dr. Nirmal Minz
President
G.E.L. Church
Ranchi
Bihar State

PIN

← तीसरा मोड़ Third Fold →

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

GENERAL SECRETARY N.C.C.I.

N-21, GREATER KAILASH

NEW DELHI-110048

← दूसरा मोड़ Second Fold →

261
41
301

NO ENCLOSURES ALLOWED



AGRICULTURAL TRAINING AND DEVELOPMENT CENTRE KHUNTITOLI

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

Minz
12/6/74

P. O. ~~Khuntitoli~~ Simdega, 7th June '74
DT. RANCHI

Dear Dr. Minz,

I thank you for your greetings of the 4th instant and reciprocate the same to you.

I also thank you for your proposal to have MC's sitting of the ATC, Khuntitoly on the 12th June, 1974 evening.

While I should very much wish to take the opportunity of your visit to this part of our Church to have the pleasure of hearing your good counsel through discussions in the proposed meeting, I very much regret to inform you that one of the MC's Hon'ble members Mr. M.S. Kandulna who, as you will appreciate, is directly connected with ATC matters/affairs will be out at Patna on the 12th June, 1974 as already fixed by him with the Hon'ble Forest Minister to discuss matters relating to the Mission's Forest property at Khuntitoly, I regret it would not be possible to hold the meeting neither on the date proposed nor on the day following. I am, as such, not summoning the Hon'ble M.C. members concerned.

The inconvenience, if any, caused to you is very much regretted.

With kind regards,

Yours sincerely,

C. Topno 7.6.74
(C. Topno),
Secretary,
A. T. C. Khuntitoly.

Ref. Dr. N. Minz,
Acting President,
G.E.L. Church, Ranchi.

To The Treasurer,
Madhya Anchal,
G.E.L.Church Khutitoly,
Semdega, RANCHI.

G E L CHURCH PRESS
MAIN ROAD RANCHI-1
PHONE 510

REMINDER

Date 10.6.1974.

BILL PENDING SINCE.....

Please allow us to remind you ONCE AGAIN that you are one of our best patrons and your PROMPT attention in settling our pending bills mentioned below is most valuable to us.

Date	Bill No.	Particulars	Amount
6.12.72.	6748	1200 Letter Head	Rs. 59=00
25.4.74.	7458	3, Cash Book & 3 Ledger Book.	Rs. 270=00
		Punjika Account	Rs. 550=00
		Total.	879900

CC: Pramukh Adhyaksh,
G.E.L.Church,
RANCHI.

Superintendent

G.E.L. CHURCH PRESS, RANCHI

UNIVERSITY OF CALIFORNIA, SANTA BARBARA

BERKELEY • DAVIS • IRVINE • LOS ANGELES • RIVERSIDE • SAN DIEGO • SAN FRANCISCO



SANTA BARBARA • SANTA CRUZ

CHARLES J. HITCH
President of the University

OFFICE OF THE CHANCELLOR
SANTA BARBARA, CALIFORNIA 93106

VERNON I. CHEADLE
Chancellor at Santa Barbara

May, 1974

Dear Parent:

I am honestly pleased to be able to invite you to contribute to THE PARENTS FUND this year. I'm pleased because it is some of our finest young people - like your own son or daughter - who are the recipients of this financial help.

I also want you to know why THE PARENTS FUND is so important to me:

THE PARENTS FUND is involved in young lives at one of the most crucial times in their educational experience.

THE PARENTS FUND is involved in young lives when financial matters can loom so large as to be almost overpowering.

THE PARENTS FUND is involved in young lives when a "no" can affect a whole lifetime and a whole generation.

THE PARENTS FUND is investing in the future of young lives - an investment with incomparable returns.

I am not embarrassed to tell you that we need the help you can give. We try to provide financial assistance to every student who honestly needs it. But our resources are limited. As a result, THE PARENTS FUND is becoming an important alternate source of financial aid for our students.

I know that some of you may be able to give \$1,000 without missing it. Others may have to pinch to send \$10. But it's not the amount that matters so much to me, as it is the willing spirit of parents helping other parents with the education of their children.

All contributions to the Fund are tax-deductible, of course, and will only be used to provide financial assistance to our students. You will receive a receipt promptly for your contribution.

Thank you for considering this request. I want you to know that your "extra step" will have my personal appreciation - and it may mean all the difference in the world to a very deserving student.

I hope to hear from you soon.

Sincerely,

A handwritten signature in dark ink, reading "Vernon I. Cheadle". The signature is written in a cursive style.

Vernon I. Cheadle
Chancellor

Respected Mr. Menz,

Bokaro
6/6/74

W/V yesu Sahay,
By the Grace of God we were able to celebrate our first Parish day at Kalthara unit. Unfortunately in the last moment ~~to~~ we had to change our program. There was sudden and untimely death of one young member Mel Prakash Karketta of Shamkora near Marigantoly. He was a fitter here. On 26th maybe he was sick and admitted to hospital and had Paralysis of Palate and was shifted to Ranchi N.C.D.C. hospital (a worker of Kalthara) on 30th evening ~~he~~ died at about 9 pm. in the night. Before that we had one more death from Bokaro unit, one Mr. Martin Lakka from Chatti Parish Lohardaga. Died by electric shock at Chandrapura on only one month ago.

So we had to change our

program and had a condolence meeting. The money for the food was given to the family of Late Mel Prakash and every unit has promised to contribute something to the widow. The prayer offering of about Rs. 38/- was also given to the widow. We are also trying to arrange for some job for the widow. She is hardly 20. with two very small children. Rev. Menz was kind enough to preside and conduct the Parish day. Your message and letter to me for the parish was read out to the parish members. We were lucky to have a visitor here at Bokaro. Rev. Sharamdas Toppo came

here for one day on 21st and
told our Pentecost Church
on 21st and did some
healing also. we are thankful
to the Lord...

It was discussed in the
Parish that if the present
ghorasiemi system is strictly
observed through out the Kalishaya
sufficient money will be raised
to meet the day to day demand
of the Kalishaya. But it
must be rigorously observed
and the money or the rice must
be collected very strictly.
The suggestion from the Parish
to Elaka was that ghorasiemi
should be not ^{be} on the basis of "family",
but on the basis of the "each
earning member" of the family.
Nobody should be allowed to escape
the subscription if he or she wants to
be in the Kalishaya. With regard
Yours sincerely. Nirmal Chandra

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



Rev. Sr. Nirmal Miaz.
Acting Adhyakshya.
F. E. L. Church
Po. RANCHI.

पिन PIN

प्रेषक का नाम और पता भेजें Sender's name and address:-

Ch. B. Chandra
S. C. Hospital
Po. Belkathermal
578 - Hazaribagh.

पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखाएँ NO ENCLOSURES ALLOWED

सरनाटौली
दिनांक 30.5-68

W
4/6/79

श्रीमान

जी. ई. रुल. चर्च प्रमुख अध्यक्ष राँची।

सेवा में,

सबिनम निवेदन योंही है कि सरनाटौली फ़ॉर्म

के सुपरमैजर श्री बी. मुण्डू हमारे गांव की गांव सभा
को आमजोर और मंग करने के लिए दूसरे टौली में
मिटिंग बैठावा है और वहाँ के लोगों को इसके विरोध में
उसकाता है।

2. सरनाटौली ग्राम वामियों को बुझू बना कर यही या कहते
सुना गया है कि ये लोग कौन स्वतः का देला है बोलता
है और अपना स्वयं सिद्ध करने के लिए कभी इसका तौकर्म
दूसरे का विरोध में बोल चलता है।

3. कुछ दिनों पहले सरनाटौली में फ़ॉर्म की ओर से स्कीम
देखने का जिम्मा फ़ॉर्म को दिया गया था। पर श्री बी. मुण्डू
के चलते स्वयं सरनाटौली में रुक भी कुवां या तालाब
नहीं बन पाया। जब कि दूसरे टौली में वही आदमी पांच
रु. कुवां बनवाया है।

4. आज कल यहाँ के मुख्य आदमियों के विरोध में उनका
प्रचार जारी है। इससे सरनाटौली ग्राम वामियों से सम्बन्ध
तोड़ दिया है। यह तीसरी बार इस गांव से इस तरह
कर रहा है।

इस लिए आप से सरनाटौली ग्राम वामियों का
निवेदन है कि श्री बी. मुण्डू सुपरमैजर सरनाटौली फ़ॉर्म

का बदली यथा शीघ्र करना दें। नहीं तो शाम वाली उस
व्यक्ति को यहाँ से हटाने के लिए कदम उठावगी।

यह रखना जी. ई. एल. प्रोपर्टीज के सीक्रेटरी, जंचल अध्यक्ष
तथा स. टी. सी. डायरेक्टर गवर्नरीली को भी दी जगती है।

निवेदन गरा सर-गवर्नरी शाम वाली:—

1 Samuel Daba 13 Joseph Dhan.

2 Aijub Tim

30.5.74.

3 John Dhan

4 Bhonda Baelham

5

देवा निशानी
वक्ता प्रधाक

6 गवर्नरी प्रधाक

देवा निशानी

6

उद्घोषणा

7 मि. ग. प्रधाक

8 M. P. Luti

10 गवर्नरी प्रधाक

11 Eker Kettin

12 Premchand Pham



Vikas Maitri : विकास मैत्री

A Christian Association for the Development of
Health and Socio-Economic Projects

ST. JOSEPH'S CLUB
PURULIA ROAD
RANCHI-1, BIHAR, INDIA
Tel. 22769.

May 23rd, 1974

To

Heads of Churches associated with
Vikas Maitri.

My Lord/Dear Sir,

Included kindly find some copies of a little brochure recently brought out by Vikas Maitri, indicating the programmes of Vikas Maitri and the services which it can offer to the members.

I would be very grateful if you could circulate these brochures amongst the institutions and members of your area which might be interested in asking for the services of Vikas Maitri.

Let me use this opportunity to request those heads of Churches who have not yet contributed their Church membership fee for the current year or for previous years, to do so as soon as possible?

Funding agencies are greatly interested in the work of Vikas Maitri and are willing to render assistance, but it is only fair that the members of Vikas Maitri itself, especially the Church members, contribute their part also. Otherwise, there is a danger that the organisation might appear to be a beggar.

I am glad to inform you that we are at present in contact with the Swiss Lantern Campaign, Switzerland and the Protestant Central Agency for Development at Germany, to obtain funds for involving graduate volunteers in village development. I will make use of my stay in Europe to push this matter with these agencies.

In the meantime you can always contact Sri J.I.P. Singh, our General Secretary or Sri D. Bara, for further information regarding Vikas Maitri.

Finally, let me use this opportunity to also inform you that our pilot project for training entrepreneurs from amongst tribal youth is progressing satisfactorily. A batch of 20 young entrepreneurs will complete their training at the end of June and will be assisted in setting up their business, with the help of local Banks. We hope that this programme can be repeated at a later time. A great amount of interest is generated and candidates are coming forward every day asking to be admitted to the next programme.

Hoping to hear from you and wishing you all the best,

I remain yours truly,

M.V.d. Bogaert
(Fr. M.V.d. Bogaert S.J.)
Joint Secretary

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 212 /74/KSS-198

Ranchi Dated 5th June '74.

To

Mr. B. Mundu
Area Supervisor Sarnatoli Farm
Simdega Road.
P.O. Khunti, Ranchi.

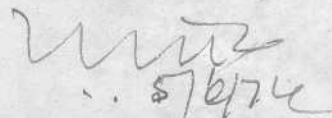
Dear Mr. Mundu,

A reminder has come to me about your non-payment of loan taken from V.M.K.S amounting Rs.15,000.00 (Rupees Fifteen thousand). It is mentioned in their letter of June 3, 1974 that you are the only loanee who has not returned your dues.

I am surprised to note that you have not responded to my previous letter in this connection. May I urge upon you to kindly reply to me as soon as possible why the loan has not yet been paid back. On the 13th of June I pass through Sarnatoli at about 5 P.M. Please make it a point to be, in residence and meet me definitely. I would like to know the situation personally and help you out of this situation.

With greetings and good wishes.

Sincerely yours,



(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

cc: Secretary V.M.
St. Joseph's Club
Purulia Road
Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 211/74/KSS-198

Ranchi Dated 5th June, 1974.

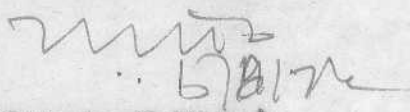
To

Mr. S. Bhengra
Accountant,
GELC, Ranchi.

Dear Mr. Bhengra,

The Vikas Maitri joint Secretary Father Bogaert has reminded all the heads of Churches in Chotanagpur region about payment their membership fee in his letter of May 23, 1974. May I request you to kindly look into the matter and acquaint me with our membership situation. If we have not yet paid it please see that this is done as soon as possible.

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GEL Church Ranchi.

Shree Vijay Mukherji,
Advocate Bar-At-Law,
B. A. L. L. B. M. A.
Borry Street, Bombay No. 9
I N D I A.

DATED: 5-5-1974.

TO
THE HEAD OF THE MISSION (WARDEN)
'G. E. L. CHURCH MISSION, RANCHI,
MAIN ROAD RANCHI,
BIHAR INDIA.

Sub: Notice to surb against Rev. P.D.S. Baghe & Miss Bidiyawati Baghe
According to I.A.C. Rule-302-340-409-420, Flashing and cheating

1. The first Notice surb on 26th March, 1974 and other on May, 1974, but I have not received any reply of Notice surb against you and therefore Case is Clear, that you are aqused and lawfull stepped will be taken against you people as soon as possible.
2. This complain will be shown to police department for Enquiary and arrest in custody and shurch withing 15 days. If no reply come down from my office.
3. Also G.E.L. Church, Missionery will inform that they should try to help Mr. Baghe in this connection or helping in the above matter and this case will charged with connecting people in the same complain.
4. Notice period is finishing on dated, 15th June, 1974 and no other extention ~~xxx~~ will be given to aqused.

c.c. : Copy forwarded to Mr. P. D. Rishi,
P.O.BOX.NO. 309 C/O ADDF ABUDHABI. U.A.E.

Copy forwarde In Respect of :-
Police Commisioner, Distt, Darrang,
and Sub Area Police Superintendent
Baita Bhanga, PS. Tejpur PS. Assam India.

Yours faithfully,


(VIJAY MUKHERJI)
B.A.L.L.B. M.A.



GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE

(Affiliated With Serampore 1949)

Rev. M. TETE,
PRINCIPAL

Main Road,
RANCHI 1, Bihar, India.

No. 285/74

Dated 29th May 1974

Dr. Won Yong Ji,
The Asia Secretary,
Department of Church Cooperation,
Route de Ferney 150.
Geneva, Switzerland.

Dear Dr. Ji,

In continuation of our letter No. 120/74, dated the 1st April 1974, we would like to communicate to you the following words for your kind action.

The College Council of the Gossner Theological College, met on 22nd May 1974, resolved to request Dr. Ji, Secretary for Asia, Department of Church Cooperation, to transfer the money sanctioned for the college building to the Gossner Theological College Building Fund A/C No. 1872, Canara Bank, Ranchi Branch, Ranchi/Bihar.

The College Council has also formed a committee for the Building Construction. The members of this committee are Rev. Dr. N. Minz, Acting President, GELC, Rev. Dr. C. K. P. Singh, Chairman, Board of Theological Education, GELC, Rev. N. Bhuinya and Rev. M. Tete, Principal and Secretary of the College Council. This committee is to supervise the building construction.

It has been decided that the foundation of the College Building be laid on 10.7. 1974, which is the Autonomy Day of our Church.

The delegation of the Serampore University is to visit our college during autumn this year. This delegation has to deal with our affiliation with Serampore University.

Under the above circumstances may I request you on behalf of the College Council to kindly transfer the money sanctioned for our college building. within June to enable us to start construction.

Yours sincerely.

C.C. Rev. Dr. N. Minz.
Acting President. GELC.
with a request to kindly endorse
our letter to LWF.
Rev. Dr. C.K.P. Singh for information.

(M. Tete)
Principal/ Secretary
College Council.



VIKAS MAITRI KALYAN SANSTHA

विकास मैत्री कल्याण संस्था

ST. JOSEPH'S CLUB
PURULIA ROAD
RANCHI-1, BIHAR, INDIA
Tel. 22769

June 3, 1974.

Minj
4/6/74
Dr. M. Minj,
Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church,
Main Road, Ranchi 834001

Dear Dr. Minj,

Included kindly find a copy of a letter received from Sri M.G.V.Pai, Manager of Canara Bank Ranchi and of my letter addressed to Shri Mundu.

May I request you to personally look into this matter of loan taken by Sarnatoli Farm and if possible, repay the loan from the funds of G.E.L. church?

You will kindly appreciate that the name of GEL church is at stake since Sarnatoli farm is a Church institutio .

You will also understand that VMKS must take a very firm decision in this matter if it is to survive at all.

Hoping to hear from you soon,

I remain yours truly,

M.V.d. Bogaert s.j.

(M.V.d. Bogaert s.j)
Secretary

Vikas Maitri Kalyan Sanstha,
Purulia Road, Ranchi.

P.S.: I'm forwarding of
copy of my letter to B. Mundu to
the heads of Churches also

M.V.d. B.
2) The Reference No of the letter whereby
of the GEL Church stands paramount is
405/198/73 date 21 June 1973, signed
by Rev. J. Topno & Mr. M.S. Kandulua, (ASMA).



VIKAS MAITRI KALYAN SANSTHA

विकास मैत्री कल्याण संस्था

ST. JOSEPH'S CLUB
PURULIA ROAD
RANCHI-1, BIHAR, INDIA
Tel. 22769

June 3, 1974.

Shri B. Mundu,
Area Supervisor, Sarnatoli Farm,
Simlega Road, P.O. Khunti, Dt Ranchi.

My dear Sri Mundu,

Included kindly find a copy of a letter sent by Sri M.G.V. Pai, Manager of Canara Bank, addressed to the Secretary, VMKS about the loan of Rs. 15,000/- which is still outstanding with you.

Inspite of several reminders you have not yet paid back this money. The result is that now the Canara Bank may take legal action against VMKS. This might result in the stoppage of all loans for crop purposes and this at a moment when the members need these loans most.

I would therefore request you once again to pay off the loan immediately, if necessary by mortgaging some of your machinery or other property which can be mortgaged.

I hope that you will appreciate the seriousness of this matter.

Till now Sarnatoli farm is the only organisation which has not paid back in time the loans financed by the Canara Bank. If VMKS let this matter go, other members may adopt the same attitude of carelessness and this would mean the collapse of the organisation.

If, within 15 days of receiving this letter the loan is not repaid in full, together with interest, VMKS will be obliged to initiate legal action against you.

Yours sincerely,

M.V.d. Bogaert
(M.V.d. Bogaert s.j.)
Secretary.

✓
Copy to Dr. Minj, Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church, Main Road, Ranchi.
Heads of Churches.

CANARA BANK

Budhia Building
Main Road, Ranchi.

Date/ 31st May 1974

Ref No. MS: CR: 761/ 74.

To

The Secretary,
Vikas Maitri Kalyan Sanstha,
Ranchi 1.

Dear Sir,

Sub: Crop Loan

It is with great regret we note that the amount of Rs.15,000/- advanced to you in respect of your finance to Sri B.Munda, Area Supervisor, Sarna Toli Farm, is outstanding for more than a year.

Please note that this loan should have been cleared within six months or on harvest.

Please take notice that if we do not receive the your payment within 15 days from the date of this letter we will be constrained to take legal action against you and the loan will also attract penal interest at 15 per cent.

We hope you will not give room for this.

Yours faithfully,

M G V Pai
Manager.

/ Copy /

THE RANCHI COMMITTEE ON PROPERTIES

[GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860]

G. E. L. Church

P. O. & Dt. Ranchi (Bihar). Phone : 21510

Ref. No. BPR/41/80/RC-74.

Date 9th. May, 1974.

To,

The Secretary,
K.S.S.;
RANCHI.

Ref :- Your letter No. 153/74/KSS-3-A
dated the 2nd. May, 1974.

Dear Sir,

We are in receipt of an extract from the minutes of the KSS meeting dt. 16th. April, 1974 Item No. 16(i) which reads as follows:-

Item No. 16(i) : That Rent be directly collected from Good Books also. RCP and Good Books be informed of this decision.

In this connection we are to state that there is no mention of the date from which this decision will be in force.

We have received KSS decision on 2nd May, 1974 and hence the RCP will collect rent due from Jan, 1974 to April, 1974 @ Rs 300.00 per month and the KSS will receive Rent w.e.f. May, 1974. This is for your kind information.

Yours faithfully,

Bhusan Khess
9.5.74

(BHUSAN KHESS)

Secretary,

Ranchi Committee on Properties.,
G.E.L.Church, R A N C H I.

Copy to :-

Rev. Paul G. Kniss,
Good Books,
Main Road, Ranchi.

:- With a request to kindly pay rent due from January, 1974 to April, 1974 @ Rs 300.00 amounting to Rs 1,200.00 to RCP direct and the rent to be paid, kindly, to KSS direct w.e.f. May, 1974 according to KSS decision.

Shri. S. Bhengra,
Head Accountant, KSS.



GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

PRAMUKH ADHYAKSH : REV. J. TOENO
UP-PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : MR. C. A. TURKEY
TREASURER : REV. N. BHUNYA

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

Acting Pramukh Adhyaksh - Rev. Dr. N. Minz

No. 200 / 74/KSS-134

Ranchi Dated 31st May, 1974.

Dr. G. J. Hallberg,
Director,
Deptt. of Church Cooperation/LWF
Geneva.

Dear Dr. Hallberg,

After returning from Geneva the piled up works took all my time to clear them off. On top of it there was a need of an extensive visit to various constituencies during the last 10 days or so and therefore, this delay in writing to you and others at Geneva. Let me say the following.

1) That all the five Anchals (N.M., S.E., Orissa, Madhya, and Assam) have given positive Corroborative Vote to the amendment of clauses related to constitution. This has opened door for the Church to get through the new constitution.

2) That the KSS and substantial number of lay, youth and women representatives have agreed upon the basic structure of the New Constitution for the Church in their meeting on 23rd-24th of May '74. It is another constructive step that the church has taken towards her reorganisation. Now the time is fairly ripe that the drafting of the new constitution should begin.

3) That we hope to get the first draft of the New Constitution ready for presentation in the next meeting of the KSS which is going to be held on the 28th and 29th of June '74. We are awaiting the O.K. of Assam Anchal to the basic structure of the new constitution in a week or so.

4) That the Church needs your prayer and financial support to the slow but steady progress of our work during the interim period. As you have verbally given a green signal for your financial support to forming the new constitution, may I request you to kindly make Rs. 10,000.00 (Rupees ten thousand) available to the GELC as soon as possible. We have been informed from reliable authority that the Gossner Mission also is willing to bear its share of financial burden of the GELC even during this interim period.

Hoping to hear from you at your earliest convenience.

cc: Rev. N. Soeborg,
Director, G.M.

Dr. K. Rajaratnam

Sincerely yours,

Minz
31/5/74
(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GELCHURCH, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

PRAMUKH ADHYAKSH : REV. I. TOPNO
UP-PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : MR. C. A. TIKEY
TREASURER : REV. N. BHUNYA

Acting Pramukh Adhyaksh - Rev. Dr. N. Minz

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. ¹⁹⁹/74/232-10

Ranchi Dated 31st May, 1974.

Dr. Wen Xiang Ji,
Asia Secretary,
Deptt. of CCC/LMF
Geneva,
Switzerland.

Dear Dr. Ji,

After returning from Geneva the piled up works took all my time to clear them off. On top of it there was a need of an extensive visit to various constituencies during the last 10 days or so and therefore, this delay in writing to you and others at Geneva. Let me say the following.

The Gossner Theological College Council has taken steps to enable you and your department to transfer the building fund to the A/c mentioned in the letter of the Principal/Secretary of the College Council. May I emphasise one point. As I have said in course of our conversation it is essential that we begin our construction in July. This can be done only after you transfer the money to the College building fund A/c. Therefore, it is urgently required that the money be transferred as soon as possible. I hope and believe that you would do this favour and enable us to go ahead with this important building programme of the Gossner Theological College. With this letter I endorse as the head of the Church the actions and request of the College Council in their letter addressed to you dated 20th May, 1974.

Hoping to hear from you at your earliest convenience.

Sincerely yours,

Minz
31/5/74
(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
G. E. L. Church, Ranchi.

cc: 1. Rev. N. Dote
Principal/Secretary
College Council.
11. Dr. K. Rajaratnam.

To,

Rev. Dr. N. Minz,
Pastor-in-charge,
H.Q. Congregation,
G.E.L. Church., RANCHI.

*Minz
1/6/74*
Dated 1st June, 1974.

Dear Dr. N. Minz,

With reference to your letter No. 195/74- KSS dated the 30th May, 1974 I have to inform as follows :-

1. The announcement of excommunication of Mr. Noel Lakra and Miss. Silwanti Ekka has not been done on last Sunday, the 26th May, 1974. You may recall that we unanimously decided in the last Mandli Punch meeting that we should move cautiously and nothing should be ~~done~~ done till the minute is confirmed. Now, the minute have been confirmed on 30-5-74 so I have already instructed Rev. S. Surin to announce on 2-6-74 in the Church.

2. In the last meeting on 17-4-74 we decided that Rev. M. Tete and Headmaster Mr. Bage be requested to give their ideas separately for our help in writing. It was also ~~decided~~ decided that it should be circulated to all members one week before the meeting. I have not received any news from them as yet. The moment I receive it from them I shall call the meeting.

Thanking you,

Yours faithfully,

[Signature]
Secretary, Mandli Punch,
H.Q. G.E.L.C., RANCHI.
Secretary
H. Qr. Congregation
G. E. L. Church, Ranchi.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 349/A-39

Date 1st June 1974

To
Mr. Bhaskar A. Bhaskar
KNN Central Office
Old 18 Lavelle Road
Bangalore-560001
Karnatak State.

Subject:- Lutheran Hostel Ambikapur Home No.531.

Dear Sir,

I would like to express my hearty thanks on behalf of the Home No.531 and the Gossner Church for your recommendations in connection with this Home. I am also fully satisfied with the management of this Home. Girls' Hostel is really over-crowded. Your recommendation for improvement of buildings in this Home has encouraged us for carrying on the responsibility more efficiently.

I have the understanding that plan and estimate for improvement of buildings in this Home have been directly submitted to you. I would be very much thankful to you for consideration and early action in getting the project materialised. This is my first letter in response to your letter JU/JS dated 15 May '74. Rev. Obed Toppo Superintendent of the Home is expected here in a day or two. After consultation with him and Rev. Dr. N. Minz, I will write to you regarding our project at Ambikapur.

Yours sincerely,

(A. Lakra)

Education Officer
GEL Church Ranchi.

cc: ✓ Pramukh Achyaksh
Rev. Obed Toppo, Ambikapur.



GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE

(Affiliated With Serampore 1949)

Rev. M. TETE,
PRINCIPAL

Main Road,
RANCHI 1, Bihar, India.

No. 283/74

Dated 22.5. 1974

11/6/74
The chairman,
Board of Theol. Education
G.E.L. Church, Ranchi

Dear Sir,

Please find enclosed herewith
resolution of the College Council
executive met on 22.5.74.

Kindly forward these resolutions
for approval to all concerned.

Yours truly,
M. Tete

Principal
Secretary.

C.C. The Secretary B.T.E
The Oranushk Athiyals
G. E. L. C.

MINUTE OF THE GOSSNER THEOLOGICAL COLLEGE COLLEGE COUNCIL MEETING

HELD ON 22-5-1974 at 3 p.m.

- 7
- (1) College Building & Fund :-
The Executive of the College Council resolved :
A.1. That Theological College Building Fund Account be opened with the Kanara Bank Ranchi branch, Ranchi.
 - (2) The Theological College Building Fund be jointly operated by the chairman and the Secretary of the College Council.
 - (3) That Dr. J. I. Secretary for Asia of the Lutheran World Federation Department of Church co-operation be requested to transfer the money sanctioned for the College Building to the College building account Fund.
 - (4) That a Committee consisting of Dr. Minz Dr. C.K.P. Singh Rev. M. Tete and Rev. N. Bhuinya be formed for College building.
 - (5) That Mr. Kurien John be contracted for the plan of the building.
 - (6) That the foundation ^{of} College building be laid on July 10, 1974

II. APPLICATION FROM THE MEMBERS OF THE COLLEGE TEACHING STAFF:-

The Principal Rev. M. Tete placed the applications of the College teaching staff before the Executive of the College Council.

- A) Resolved to build up the Library of the Theological College.
- B) Resolved to make for helping pastors working in the field through supplying books.
- C) Resolved to permit Royan Dang, Albert Minz, C.R. Stopnon and Bijay Toppe to do their M.A's.
- D) The Principal is requested to see that their (Royan Dang, Albert Minz, C.R. Stopnon and Bijay Toppe) M.A's studies do not disturb the daily routine of the College.
- E). Request for DA be forwarded to the KSS.

III. Rev. D. Hecker's successor to be invited in 1975.

Rev. D. Hecker's term is over in 1975, therefore it was resolved :
That the Gossner Mission be requested for the successor of Rev. D. Hecker.

IV. LIBRARY TRAINING :- Yakub Soreng $\frac{3}{4}$ The Principal reported that on the recommendation of the Faculty Mr. Yakub Soreng has been deputed for Library Training at UTC Bangalore. Rev. D. Hecker has been very kind to make financial arrangement for the training of Yakub Soreng. He has joined UTC on 1-5-74 and he comes back on 1-8-74. The Executive of the College Council resolved endorsed Mr. Yakub Soreng's Library Training.

V. The Question of our College affiliation :- The Principal read the Senate resolution before the Executive of the College Council.

SENATE RESOLUTION: - Senate January /38 C/Ranchi/17 dt. 6th May 1974.

"That the provisional B.Th application granted to Goss. Theol. College be extended for one more year and a commission be appointed to visit the college during 1974 and report to the Senate".

The Executive of the College Council resolved to request the Senate delegation to visit our College after October 1974.

Ranchi,
The 22-5-1974.

M. Tete
(M. Tete)
Secretary, College Council.
G.E.L. Church, Ranchi.

To

The Acting Pramukh Adhyaksh
GFL Church Ranchi.

Subject:-Withdrawal of P.F.A/c.

nm
1/6/74
Sir,

Respectfully I have to state that when I was Suprintendent in Surguja Mission Field I had operated my P.F.A/c in the church . ~~which comes to Rs. *20/5*~~ , but it was stopped when I began to give my service at Lutheran High School Lohardaga.

I would therefore request you to kindly allow me to draw my P.F.A/c.

Thanking you,

Yours faithfully,

N. Ekka
20/5/74
(Rev. N. Ekka)

GFL Church Loghardaga.

DER LUTHERISCHE WELTBUND

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION - LUTHERSKA VÄRLDSFÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

STUDIENABTEILUNG

*minz
2/6/74*
THE LUTHERAN WORLD FEDERATION
SCHOLARSHIP AND EXCHANGE PROGRAMS
Route de Ferney 150
1211 GENEVA 20 - Switzerland

Route de Ferney 150
1211 Genf 20, Schweiz
Telephon 33 34 00 Telex 23 423 OIK CH
Telegrammadresse LUTHERWORLD GENEVA

*Letter to
these friends*
To: Miss Bhengra
Mrs. Tirkey
Mrs. Kandulna

May 24, 1974

Dear Miss Bhengra, Mrs. Kandulna & Mrs. Tirkey,

In February, you have been informed by individual letters to each one of you of the favourable decision which was made by the Governing Committee of the Scholarship and Exchange Program of the LWF on your scholarship applications. According to this decision, you were put on the active list for a one term study program in the field of education at the Westhill College of Education (Selly Oak Colleges, Birmingham) England, during the academic year 1974-75.

I was very happy to receive the information from our correspondent in Great Britain, Rev. Willis Leece, that a place has been secured for each one of you at the Westhill College of Education in Birmingham. According to this information which you have also received from Rev. Leece, in his letter of May 16, 1974, this acceptance is for the full academic term. It has been indicated by the College authorities at the Westhill College of Education that a program can be arranged for you, but that it will be necessary for you to be there for the three academic terms. It is for a full academic year.

At the time when consideration was given to your applications, it was the understanding of the Governing Committee that it would be possible to undertake studies at Westhill College of Education also on a term basis and, as a consequence, to enrol for studies for one term only. The action of the Governing Committee in regard to your applications was based upon that assumption and understanding. As the College now however indicated that it would be necessary to enrol for a full year, I would appreciate a word from all of you whether it would be possible for you to go to Great Britain for a full academic year, 1974-75.

In view of the fact that in the LWF all plans in regard to your study assignments, particularly also in regard to the financial arrangements, have been made on the basis of a one term program, it would then of course also be necessary for us to make some adjustments and new arrangements in the light of this changed situation. However, before we give any further consideration or take any further steps on our part in this matter, I should like to hear from you about your possibilities to make this change from three months program to a full academic year.

May 24, 1974

- 2 -

Incidentally, I have once again written also to Rev. Leece asking whether it is indeed a condition that a student enrolls for a full academic year and whether consequently the possibility of a one-term study assignment would be entirely excluded. It is important to have these reactions, clarifications and further information as soon as possible, so that appropriate final decisions can be made without delay. It is of course the main goal in all our efforts that we could find the best possible way to implement your specific study aims in the field of education.

As you will note, a copy of this letter goes also to the acting president of your church, Dr. Nirmal Minz. Through copies of my letters in February, he has also been informed about the original decision of the Governing Committee for a three months program. I therefore assume that you will, of course, be in touch also with him as you consider your possibilities to undertake a study program for a full academic year.

With best wishes, I am

Yours sincerely,



Otto Immonen

cc. Dr. Nirmal Minz
Rev. Willis Leece

OI/jd

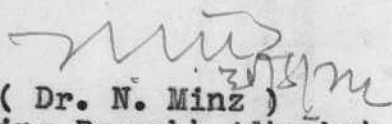
Mr. S. Bhengra,
Accountant
GEL Church, Ranchi.

30.5.74

Dear Mr. Bhengra,

Please make payment of the
following bills attached herewith:

1) No.10393	Rs. 15.35
2) No.11389	Rs. 61.40
3) No.33696	Rs. 20.00
4) No.3766	Rs. 15.35
	<u>Rs.112.10</u>


(Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GELC, Ranchi.

(Rupees one hundred twelve and paise ten only)

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

LUTHERISCHER WELTBUND - LUTHERSKA VÄRLDSFÖRBUNDET - FÉDÉRATION LUTHÉRIENNE MONDIALE

DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland
Telephone 33 34 00 Telex 23423 OIK CH
Cable LUTHERWORLD GENEVA

Mr. F.D. Lakra
G.E.L. Church Gumla
P.O. Gumla, District Ranchi
Bihar / INDIA

May 17, 1974

Subject: CDS 289 - Gumla College Hostel, India

Dear Mr. Lakra,

Thank you very much for your kind invitation through Dr. Ming to be present at the inauguration service of the hostel on June 23. It would of course be wonderful if I personally or somebody else from the Lutheran World Federation could be with you but we have to ask you to accept our written greetings instead. Please, convey our best regards to everybody who will be present. We are thankful to all who have contributed to complete this hostel and we wish and pray that it will be a blessing to the children and the church.

We know that there have been problems for the Gossner Evangelical Church during the past and we equally hope that all members and each congregation will strive towards a harmonious and faithful cooperation in the future. May God bless you all.

With kind regards,

Sincerely yours,

Christa Held
Christa Held

cc: Dr. N. Minz ✓
Director Seeberg

in second copy to Mr. Lakra:
Dear Mr. Lakra,

I did not want to spoil the official message with another reminder but I am afraid I have to call your attention once more to the fact that many letters from us have remained unanswered, that we have not received the acknowledgment of receipt for the payment of \$ 6,000, made on October 6, 1972 and the \$ 6,632 transferred on December 12, 1972. Further, reports and accountings are also missing since this period. I trust that you will make any efforts to straighten out this matter.

CH:spt

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

No. 197/74/KSS-109

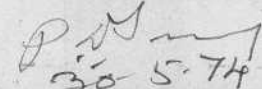
GEL CHURCH RANCHI.
30th May, 1974.

Dear brothers,

You are requested to come to the KSS office to examine the candidates for ordination on 15.6.74 at 3.P.M. The subject of examination is given against your names.

- | | | |
|-------------------|---|-----------------------|
| 1. Rev.R.Dang | - | Old Testament |
| 2. Rev.Dr.Singh | - | Nestament & Greek |
| 3. Rev.M.Tete | - | Church History |
| 4. Rev.P.D.Soreng | - | Pastoralia |
| 5. Rev.M.Jojo | - | Church Administration |
| ✓6. Rev.Dr.Minz | - | Dogmatics. |

Yours sincerely,


30-5-74
(Rev.P.D. Soreng)
Secretary, KSS
GEL Church, Ranchi.

Rev. Dr. N. Minz
Atij Prammukh Athiyalesh
Q. E. Church, Ranchi

Berlin 41
Handjerystr. 17/20
5.5.76

Dear Rev. Dr. N. Minz,
Through Mission Director Pastor M. Seeberg I came to know that you have already left for India, and I hope that you will be in Ranchi in time. I arrived here well without any difficulty. My staying in Germany is very short and a busy one. Today (Sunday) after the service, in the after I shall leave for W. Germany to meet Pastor Borutta, my substitute in the Kuratierung, from there I shall proceed to Mainz for the meeting on 8th May. On 9th I shall be back to Berlin, then proceed immediately to East Berlin to comply with the programmes which were made for you. So I do not have any rest or free day even for shopping. My return journey is booked, I shall leave Frankfurt on 13th May and shall be in Delhi on 14th. According to the time table I shall be on 14th at 14.55 in Ranchi.

I am very sorry that I could not comply with your letter requesting me to write a preparatory Essay - I received your letter very late and then I was very busy in preparation for my travel. I have already begun consultative talks with Pastor Seeberg, and I can inform you the happy news that he is agreed to give give us Rs. 14,000/- for meetings & printing charges incurred in New Constitution Drafting.

Please convey my greetings to all in the K.S.S. Staff.

Yishusaraj,

Yash Saraj
C.K.P. 15/2

alle 3 gummierten Klappen befeuchten und den Falzbrief zukleben!

alle 3 gummierten Klappen befeuchten und den Falzbrief zukleben!

1. Falz
nach oben einschlagen

2. Falz
nach oben einschlagen

1. Falz
nach oben einschlagen

1. Falz
nach oben einschlagen

LUFTPOSTLEICHTBRIEF
AEROGRAMME

20

30

40



Miss
A. E. L. Church
Ranchi / India

BY AIR MAIL
PAR AVION
MIT LUFTPOST

IN DIEN

Der Luftpostleichtbrief darf nach den Vorschriften der Union postale universelle l'aerogramme ne doit contenir aucun objet.
D'après les dispositions de la convention de l'union postale universelle l'aerogramme ne doit contenir aucun objet.

Dr. K. Paul S. G.
18.11.57
19/20

Exp.
Absender:

Raum für weitere Mitteilungen

Raum für weitere Mitteilungen

Bethesda Women's Teachers' Training School Ranchi

MISS H. BHENGRA
HEADMISTRESS

June 3, 1974

To: Pr. O Immonen

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION
Scholarship and Exchange programs
Route de Ferney 150
1211 GENEVA 20- Switzerland.

*Wm
4/6/74*
Dear Pr. Immonen,

I thank you for your letter of May 24, 1974 and the information that a place has been secured for each of us at the Westhill College of Education in Birmingham and ^{that} the acceptance is for the full academic term. I have also received from Rev. Leece the same information and enclosed with his letter there is a formal letter of acceptance from the College and some further application forms- medical addendum, medical questionnaire and application form which the College requires from us as soon as possible.

In answer to your letter, I would like to say that it would be possible for me to go to Great Britain for a full academic year, 1974-75, and through this letter I give my acceptance of this change from one term to the full academic term.

With regards, I am

Yours Sincerely

HBhengra

Helen Bhengra

cc. Br. N Minz.

Gossner Evangelical Lutheran Autonomous Church

(Regd. Under Societies Registration Act. XXI of 1860)

PURNAPANI, SECTOR-18, ROURKELA-3.

EST. 1845

REGD. 1921

Address C/78-Sec.15

Rev. C. C. Minz
Minister of Religion

P.O. Raurkela-3
Dist. Sundergarh

Ref. No. 4.E.L.C.R/131/-74

Date 24-5-74 Raurkela

To

The Divisional Forest Officer Sundergarh

Sub:- Illegal sale of trees existing in the compound of G.E.L. Church
Rajgangpur, Dist. Sundergarh.

Sir,

Most humbly and respectfully I beg to state the following for
your kind information and needful-

That at Rajgangpur there is a compound of G.E.L. Church, enclosed
by a wall, where several Mission houses and about one thousand trees
(Sal and fruit bearing) exist.

That the compound is the Head Quarts of G.E.L. Church "Orissa Anchi"
That the Anchal Adhyakh Rev. Martin Jojo is trying to sale the
trees exist in the compound, illegally.

That he is not the owner of the property. The owner of the property
is the G.E.L. Church.

That at present, he has already cut some trees.

That from reliable sources it is heard that he has applied for
transit pass in the Divisional Office Sundergarh, for all the trees
exist for sale.

That a case is going to be lodged against him in the G.E.L. Church
the copy of the same is enclosed herewith.

That I on behalf of "Raurkela Kiaka", object the illegal felling
and sale of the trees.

Therefore I request humbly that, transit pass from Divisional
Office may not be issued in his favour, for which act of kindness
I shall be thankful.

Y

Yours faithfully

Rev. C. C. Minz
(Rev. C. C. Minz)

Copy forwarded to (1) the Forest Ranger Rajgangpur, Sundergarh Division
(1) Pramukh Adhyaksh Dr. N. Minz Ranchi
for kind information and needful.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer :—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No.

Date 23 - 5 - 1974.

To,
The Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church, Ranchi.
Through;

The Secretary
Education Board, GELC.

Sir, Respectfully I have to say that my Life Insurance Policy have been declared paid up as I failed to pay my premium for last three years. Now the L.I.C. have given special facility for such policy holders for revival of their policies. This facility is available till 31st day of this month only. I want to avail of this facility but I am not in a position to pay the premium which amounts to nearly Rs. 2000/ only.

I, therefore, request you to advance me Rs.2000/-(Rupees Two thousand) only against my salary. This advance may kindly be adjusted from my salary in 16 equal instalments of Rs 125/p.m.

I will be very much thankful to you for this act of your kindness and favourable order.

Yours faithfully,

A. Lakra
23/5/74
(A. Lakra), Ed. Officer GELC.

Recommended
20/5/74
Secy. Ed. Bd.

(Try copy)

Rajgangpur Ilaka.
Dated 3-5-74

To

The Rev. M. JOJO,
Adhyaksh, Orissa Anchal, Rajgangpur Dist. Sundergarh

Dear Rev. Jojo,

with grate surprised we discovered that you are making preparation to cut down the trees of the compound and the forest trees of the adjoining forest for sale, about more than one thousand trees. It is more surprising that you have taken the law in your hand and you are trying to act arbitrarily in this mattre.

May we point out to you that you have no right to destroy the trees as you intend to do in this transitional period. We also belong to the G.E.L. Church which is legal owner and proprietor of all the properties of G.E.L. Church and no one person has right to exercise the power of the whol church, as you have already cut some trees and have sold. You cut the trees you commit the crime for which you will be responsible and punishable.

We therefore warn you and ask not to cut the trees. We shall offer resistance if you deal with these trees, and we shall criminally deal with you. The new constitution is under construction and if you want peace in the church, wait for the implimentation of new constitution which will determine how these trees are going to be managed. If you do thing illigally you will be stopped leagally and we shall offer all the resistance we can.

Yours faithfully

s/d Rev. C.B. Ekka 3-5-74
Member of the property Board.
s/d Rev. C.C. Minz 3-5-74
" T. Bakhla Ilaka member
" S. Kerketta " "
" S.P. Tirkey " "
" D. Khakha
" Mannasih Toppe
" Gossne Tiga

Cpoy to:-

- 1) Acting Pramukh Dr. N. Minz Ranchi.
- 2) Secretary Sri C.A. Tirkey, Property Board.
- 3) Chairman Rev. C.B. Aind, " "

SERAMPORE COLLEGE
Theology Department

Serampore
Hooghly Dt., W. Bengal
712 201

Date: 11-4-74

Dear Mr. *Sauvan Jaisna*

During the academic year 1973-74 you have received the following marks in the College examinations held in the three terms:

July-September, 1973

1. *Intro to History & Religion of Israel* - 49 (*referred paper*)
2. *Man, Sin & Grace* - 40
3. *Church Adm. & Religious Ed.* - (33)
4. *Pauline Teaching (with Greek)* - (21)
- 5.

October-December, 1973

1. *Indian Church History* (38)
2. *Hinduism* - 47
3. *OT Writings* - (29)
- 4.
- 5.

January-April, 1974

1. *Pentateuch* - (27)
2. *St. Luke* - (33)
3. *Reformation* - (28)
4. *Christian Ethics* - 38
- 5.

The Serampore College Theology Department reopens after the summer vacation on 29th June, 1974. Registration of students commences from 2:00 p.m. The opening service will be held at 8:30 a.m. in St. Clave's Church on Sunday, June 30th, 1974, and lectures will begin from July 1st.

A financial statement for your expenses during the past year ~~and for the coming year~~ will be sent to you shortly.

With all best wishes for a happy summer holiday and a fruitful year of ^{ministry} studies in 1974-75.

Yours sincerely,

K. Dasgupta
Rector, Theology Department

SERAMPORE COLLEGE
Theology Department

Serampore
Hooghly Dt., W. Bengal
712 201

Date: 11-4-74

Dear Mr. *Nirdosh Lakra*

During the academic year 1973-74 you have received the following marks in the College examinations held in the three terms:

July-September, 1973

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

October-December, 1973

1. *English 46*
2. *Greek 71*
- 3.
- 4.
- 5.

January-April, 1974

1. *St Luke 42*
2. *Intro to Theology 45*
3. *Reformation - 45*
4. *Christian Ethics - 38*
- 5.

The Serampore College Theology Department reopens after the summer vacation on 29th June, 1974. Registration of students commences from 2:00 p.m. The opening service will be held at 8:30 a.m. in St. Olave's Church on Sunday, June 30th, 1974, and lectures will begin from July 1st.

A financial statement for your expenses during the past year and for the coming year will be sent to you shortly.

With all best wishes for a happy summer holiday and a fruitful year of studies in 1974-75.

Yours sincerely,

K. Dasasayam
Rector, Theology Department

SERAMPORE COLLEGE
Theology Department

Serampore
Hooghly Dt., W. Bengal
712 201

Date: 11-4-74

minz
1/6/72
Dear Mr. Christodas Jijo

During the academic year 1973-74 you have received the following marks in the College examinations held in the three terms:

July-September, 1973

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

October-December, 1973

1. English 60
2. Greek 65
- 3.
- 4.
- 5.

January-April, 1974

1. St Luke - 40
2. Reformation - 44
3. N. I. Greek II - 60
4. Christian Ethics - 48
- 5.

The Serampore College Theology Department reopens after the summer vacation on 29th June, 1974. Registration of students commences from 2:00 p.m. The opening service will be held at 8:30 a.m. in St. Olave's Church on Sunday, June 30th, 1974, and lectures will begin from July 1st.

A financial statement for your expenses during the past year and for the coming year will be sent to you shortly.

With all best wishes for a happy summer holiday and a fruitful year of studies in 1974-75.

Yours sincerely,

K. Durasayanam
Rector, Theology Department

SERAMPORE COLLEGE
Theology Department

Serampore
Hooghly Dt., W. Bengal
712 201

Date: 11-4-74

Dear Mr. N. Ekka

During the academic year 1973-74 you have received the following marks in the College examinations held in the three terms:

July-September, 1973

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

October-December, 1973

1. English - 62
2. Greek - 49
- 3.
- 4.
- 5.

January-April, 1974

1. St Luke - 46
2. Intro to Theology - 56
3. Reformation - 44
4. Christian Ethics - 40
- 5.

The Serampore College Theology Department reopens after the summer vacation on 29th June, 1974. Registration of students commences from 2:00 p.m. The opening service will be held at 8:30 a.m. in St. Olave's Church on Sunday, June 30th, 1974, and lectures will begin from July 1st.

A financial statement for your expenses during the past year and for the coming year will be sent to you shortly.

With all best wishes for a happy summer holiday and a fruitful year of studies in 1974-75.

Yours sincerely,

K. Guasatayam
Rector, Theology Department

not possible
minut
4/6/68

श्री मान् प्रमुख अध्यक्ष महोदय,
जी० डी० स्ल० चर्च, राँची।
बालाखटंगा मंडली की ओर से यशुसहाय।

महाशय,
4.6.72

सेवा में शिकवार घेरिस के
बालाखटंगा मंडली के ग्राम गम्हारिया में एक नया उपासना गृह
जनामा गया है जिसका संस्कार करना आवश्यक है।
जिसके लिये लीडरिंग इलाका-चैयरमैन से स्वीकृति ली गई
है। उपासना गृह संस्कार की तिथि २-६-७४ को निश्चित
किया गया है। जिसका कार्यक्रम १० बजे ^{दिन} से आरम्भ है।

अतः श्री मान् से करवद्ध प्रार्थना है कि हमारा
निमंत्रण सहर्ष स्वीकार करके उक्त तिथि को संस्कार के
उपलक्ष में हमारी मंडली में पधार कर मंडली के गई-
बहिनों को दृश-भरा बनाने की कृपा करेंगे।

आपका विश्वस्त
मसीह दास लक्ष्मी
सुप्रेमरी- बालाखटंगा
मंडली
२४-५-७४

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 353/A-39

Date 4th June '74. 197

To

Mr. J. D. Saunders
Business Manager KNH Central Office
Old 18 Lavelle Road
Bangalore 560001
Karnatak State.

Subject:- Rectification of my address.

Dear Sir,

With reference to your letter dated 4.5.74 I have to say that due to wrong address, the said letter has still not reached me. However I had a opportunity to meet the Mr. N. Bhunya ex treasurer and I could know the contents of your letter.

My address is very clearly given in my letterhead above. My head office is Ranchi and not Kinkel. Please note for future correspondence. Similar case has been observed in the past also.

Further I would like to inform you the change in our Central office of the church.

1. Pramukh Adhyaksh:- Rev. Br. N. Minz in place of Rev. Junul Topno.
2. Secretary:- Rev. P. D. Soreng at & P. O. Khutitoli, Ranchi, Bihar in place of Mr. C. A. Tirkey.
3. Treasurer:- Rev. M. Jojo, GEL Church Rajgangpur, Dt. Sundargarh Orissa in place of Rev. N. Bhunya.

Please note this change also.

Thanking you,

Yours sincerely,

(A. Lakra)

Actg. Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

cc: 1. Bhaskar A. Bhasme
Director KNH Bangalore.
2. Pramukh Adhyaksh.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 240 /74/KSS-141

Ranchi Dated 4th June '74.

To

Mr. B. Guria
Qr. No. C/2/A, S.T. No. 64
S.P. North, Chittaranjan
Dt. Burdwan, W. B.

Dear Mr. Guria,

Thank you for your letter of 18.4.74 which you handed over to me personally. It was good to see you after a long time and to renew our friendship. I am extremely sorry to note that your original letter to this effect did not reach me in time and hence the delay in reply.

I am extremely sorry to hear that the S.E. Anchal Adhyaksh could not arrange to send any Pastor to Chittaranjan for the Easter Morning service. It might have been too frustrating experience for the members of the congregation. Any way let us have courage in the fact that the Resurrection of our Lord Jesus Christ gives us the power and patience to overcome unsurmountable difficulties on our way. And I am sure that the enabling power of our resurrected Lord helped the brother who represented our GEL Church that Easter morning. According to Lutheran teaching all the baptised and confirmed members of the church form the royal priesthood of all believers. Therefore at that basic and fundamental level of our life in Christ, the laymen also validly represent our church at all responsible places.

Good Friday and Easter are the most busy periods for our Pastor. All assignments are made in sufficient time. At least that is true with the Pastors here at Headquarters Ranchi. And that is the reason we could not provide you with the Pastor for Easter from Ranchi. I had expected the Adhyaksh of S.E. Anchal would be able to help you and so I had requested him to depute one Pastor to go to Chittaranjan. I am again sorry that the Adhyaksh S.E. Anchal could not help you. I apologise for all the inconveniences caused to you due to our inability to help you. Hope this will not be repeated in future. Kindly keep in touch with us, and do write to us in sufficient time for any emergency help. We shall do our best to help you and the congregation at Chittaranjan.

Greetings to all of you and good wishes to the congregation.

Sincerely yours,

(Rev. Dr. N. Minz)

Actg. Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

cc; Rev. N. Bhuiya, Adh.
SE Anchal.

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 35th / A-39.

Date 3/6/74 197

To,

Mr. Bhaskar A. Bhasme,
Director KNH
Old-18, Lavelle Road,
Bangalore - 560001.
Karnataka State.

Sub:- Orientation course for managers correspondents.

Sir,

Thank you for your telegamme which I received in the early hours of 3rd June '74. In this connection I would like to say the following-

1. That Rev. J. Topno is no longer the Pramuks Adhyaksh of the Gessner Church. Rev. Dr. H. Minz is now the Acting Pramuks Adhyaksh of our Church.
2. That your letter dated 29th May have not yet reached to this office. As such I and the Pramuks Adhyaksh were quite unknown about the orientation course. I urgently feel that orientation course is essential for the managers/ correspondents of new Homes.

I am really very sorry for my inability to send the managers/ correspondents for this orientation course on 3rd June due to lack of communication in time.

However, I can send them by 9th June, if it would be of any use. Please let me know the duration of your course. Please also inform me telegraphically, wheather I should send them by 9th June or not. I will wait for your reply.

Thanking you,

Yours faithfully,

cc:- 1. Pramuks Adhyaksh. ✓

2. Managers, Home No. 562, 563, 564 & 587.
They are requestyed to be prepared to leave for Bangalore on short notice.

(A. Lakra)
4/6/74
Education Officer,
G.E.L. Church, Ranchi.

From:-

Rev. Dharamdas Toppo,
Ex-Supervisor,
Udaipur Mission Field,
Ludeg - M.P.

Rs. 3350.50

To,

The Acting Pramukh Adhyaksh,
G.E.L. Church,
Ranchi.

Through the Anchal Adhyaksh, N.W. Anchal, G.E.L. Church.

Sir,

Most respectfully I beg to state that as per decision of the North West Anchal Officers' meeting, Dt. 24-5-74, I have been transferred from Udaipur Mission Field to Surguja Mission Field with effect from 1st June 1974, and accordingly I joined there from 1st June, 1974.

In giving charge of Accounts of the Udaipur M/F, I have to give some money to the new field Supervisor of the field which comes against me. As I have no other way out to clear up the accounts, withdrawal of my P.F. money is the only alternative for me.

I, therefore, request your honour to allow me to draw Rs. 3350.00 (Rupees three thousand three hundred fifty) only as non-refundable loan to clear up the accounts of Udaipur Mission Field.

For this act of your kindness, I shall remain ever grateful to you.

Thanking you.

Yours faithfully,

Dh. D. Toppo 46.7

(Rev. Dh. D. Toppo.)
G.E.L. Church, Ambikapur,
Surguja - M.P.

Dated ~~KANCHI~~
the 4th June 1974.

G. E. L. CHURCH.

CHITTARANJAN.

NO. GELE/ECGY/74

Date - 18 - 4 - 74.

To, Rev. N. Minz,
Acting Promukh Adhyaksh,
G. E. L. Church, Ranchi.

Ref. your letter NO. 82/74/KSS-141, Ranchi Dated 5th April '74.
Sir,

With reference to your above quoted letter addressed to Adhyaksh, S.E. Anchol, Copy to Chittaranjan, I would like to state ^{that} in spite of your clear instruction to Adhyaksh to depute one pastor for Chittaranjan on the 'Easter - Day' finally ended with no result. Keeping in view the genuineness of our demand in the occasion, really this had become the matter of great regret. Here, we were over-sure and confident at your assurance vide the contents of your letter, that, we are having a pastor from the Centre in this happy occasion and accordingly made announcement in the congregation for general information. This announcement created a great scene of joy, but all changed into more disappointment to all in the Easter morning. However the Cemetery service, as per programme, was held unitedly with Union Church. Our Church rituals were followed along with a sermon by our layman and second sermon by 'Union Church Pastor' with a blessing to the mass.

As the incidents went across in this connection
P.T.O.-

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration Act XXI of 1860)

~~PRAMUCHI ADHYAKSH~~ : ~~REV. N. TOPNO~~
~~UP-PRAMUCHI ADHYAKSH~~ : ~~REV. DR. N. MINZ~~
~~SECRETARY~~ : ~~MR. C. A. THREY~~
~~TREASURER~~ : ~~REV. N. DHUNYA~~

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

Rev. P. D. Soreng - Secretary

Ranchi Dated 30th May, 1974.

No. 202/74/KSS-1

To
All KSS Members
G. E. L. Church

Dear Sirs,

As per decision of the KSS Officers meeting held on 24.5.74, the next KSS meeting will be held on the 28th & 29th of June '74 at Ranchi.

You are requested to arrive Ranchi on 27th evening at the latest.

The main agenda of the meeting is to formally accept the basic structure of the new Constitution of GEL Church agreed upon at the consultative meeting in connection with the new constitution of the GEL Church, held on 23rd & 24th May '74.

Please treat it as urgent and make it sure to attend this important session of the KSS.

Yours faithfully,

P.D. Soreng
30-5-74
(Rev. P. D. Soreng)
Secretary, KSS,
GEL Church Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

No.205/74/KSS-134

GEL CHURCH RANCHI.
1st June, 1974.

To

The Adhyakshas, KSS members,
and Invitees to Consultative
meeting on Basic structure of
the New Constitution.

Dear friends,

I am enclosing herewith a copy of the minutes of our meeting held on 23rd + 24th of May '74. It is a brief summary account of the findings based on our discussions. All the details of discussion on the documents and the major points emerging out of them are recorded in the minute book for ready reference. The present finding has to be seen and understood in the light of all eleven documents and detail discussions on the main points.

Thanking you for your active participation and support.

Faithfully yours,

P. M. 1-6-74
(Rev. P.D. Soreng)
Secretary KSS.

The Minutes of the Consultative Meeting in connection
with the New Constitution of the GELC held
on 23-5-74 and 24-5-74.

The meeting started at 8.00 A.M. in the Chapel room. The opening prayer was led by the Acting Pramukh Adhyaksha Rev. Dr. N. Minz.

Attendance:-

- (i) Members of the KSS - 13.
- (ii) Official invitees - 7.
- (iii) Others on request - 5.

Among the official invitees special provision was made for representing the Mahila and Youth of the Church.

Election of Chairman and Recording Secretary: As the meeting was a consultative meeting it was agreed that some one other than the Acting Pramukh Adhyaksha be on chair and similarly some one other than the KSS Secretary to be elected for recording its minutes.

Accordingly Rev. Dr. M. Bage and Rev. N. Ekka were unanimously elected as Chairman and recording Secretary respectively. After this election the meeting was adjourned to meet at 11. A.M.

At 11.00 A.M. the members again met under the Chairmanship of Rev. Dr. M. Bage with Rev. N. Ekka as its recording Secretary.

Paper presentation: The following papers were presented.

- i. Basic structure of the Church in the context of Social structure - By Rev. Dr. N. Minz
- ii. The future of the Gossner Church:- Centralisation or decentralisation:- By Rev. Dr. M. Bage.
- iii. Basic structures of the New Constitution which would promote the mission work of the Church - By Rev. Dr. C. K. Paul Singh.
- iv. Basic structures of Proposed Constitution: By Sri. A. Lakra.
- v. The Chief office in the Apostolic Church - By Rev. M. Tete.
- vi. Relation between Gossner Church and Gossner Mission/LWF and other Church: By Sri. Z. B. Lakra.
- vii. Proposed suggestions for the draft constitution of the GELC of Chotanagpur & Assam - By N. W. A. Youth Association Ranchi.
- viii. Proposed Basic ideas for New constitution of GELC- By Rev. Dr. N. Minz.
- ix. Reflection on the possible directives for new constitution- By Rev. Dr. M. Bage.
- x. Draft of GEL Church Constitution: By Pastor Seeberg, Director, GM.
- xi. Netritwa Arth Awan Suyogya Shasan Byawastha ke Dristikon se Kalisha men Ikaiyan - By Sri. C. A. Tirkey.

After the papers were read, the discussion mainly dealt with the following matters arising from the papers:-

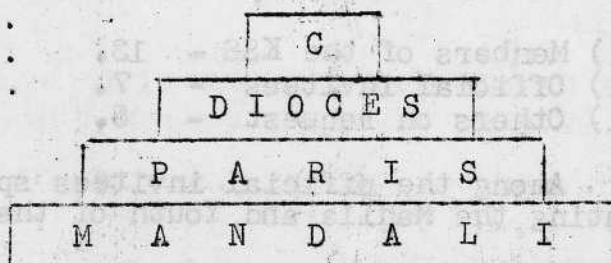
1. Social context in Basic Principles.
2. Structure of the Church Organisation
3. Episcopacy.
4. Bifercation in the administrative set up.

After a good deal of discussion on above matters, the concensus of openion expressed was;

1. That, the social context as already recognised in the existing constitution of the Church (Art. IV: Basic Principles and Organisation, Part I 3) be given recognition also in future.

- ii. That, in principle the structure as proposed by Mr. A. Lakra (paper No. iv) be accepted.

The sketch of the structure is as follows:-



In accepting this structure the following points be noted.

- (a) Dharamchetra be called Diocese.
 - (b) The total number of these Dioceses should be less than twelve and be based on about an equal numerical strength.
 - (c) The highest organised administrative unit of the GEL Church be called synodical Council.
 - (d) The kind of bifercation as proposed by Director Seeberg is not acceptable.
 - (e) The Episcopal system is to be introduced.
 - (f) The present headquarters congregation, Ranchi be a part of the Ranchi Diocese, but its properties be under the management of the centre. Gossner High School, Bethesda Girls High School, Middle School and Boys Middle School will be run by the Ranchi Diocese, but like other schools they will be under the administrative authority of the centre. Gossner Theological College, Gossner College and Women's Training School will become as central institution.
- iii. That in matter of finance, centralised system to be adopted according to which all incomes of congregations will be centralised in the centre through its higher constituencies.
- iv. That a permanent efficient administrative machinery should be set up from top to bottom to render efficient administration in the whole church comparable to Civil Service.
- v. That, a Church service Commission be set up so that able and suitable persons can be appointed in different offices.
- vi. That an adequate provision be made to strengthen the evangelistic programs.
- vii. That adequate provisions be made to involve the Youth and Mahilas in the Church administration at all levels.

The meeting closed with prayer and benediction.

Sd/- Rev. Dr. M. Bage
24.5.74
Chairman

Sd/- Rev. N. Ekka
24.5.74
Recording Secretary.

DT Q31415

FM CENT COMD

TO CWF DINRPORE
INFO GE Ranchi

UNCLAS 07319

RELEASE GEL CHURCH LAND NOW OCCUPIED BY GE RANCHI (.)
REF OWNER EVANGELICAL LUTHERANCHURCH RANCHI

LETTER 47/74/KSS .14 MAR 22 (.) FORWARD DETAILED REPORT BY
APR 15(15)

Phone Milly 7 Ranchi

Office of the Garrison Engineer
Ranchi

17 May 74

No 2004/5/ 80 /E2H

To
The Commander Works Engineers
Dinapore Cantt.

RELEASE OF GEL CHURCH LAND OCCUPIED BY THE ARMY
MEASURING 8.89 ACRES PREVIOUSLY KNOWN AS 46
REST CAMP AND NOW AS THE OFFICE OF GARRISON
ENGINEER MES AND STAFF QUARTERS.

Reference CECC Lucknow No 920013/1/SAT/E2W dated 27.4.74 copy
received under your letter No 20660/305/E2 dated 07 May 74

2. The information called for by CECC Lucknow letter under refer-
ence are submitted as under para wise :-

- a) The MEO B&O Circle Dinapore is being requested to intimate to
your office direct regarding the terms and conditions of the lease
agreement with the period upto which the subject land has been
hired as the hiring of land is now dealt by his Office and all
relevant records with lease agreement are available with his Office
- b) All the buildings situated on the subject land belong to the Defen
Deptt and they are of temporary specifications. The land only
pertains to GEL Church authy for which an annual ground rent of Rs
1066.80 is paid to them by MEO B&O Circle Dinapore.
- c) No previous correspondence on the subject from the Under Secretary
to Govt of India is available with this Office. A copy of GEL
Church Ranchi letter No 131/68/PA-22 dated 4 Mar 68 which has been
referred to in para 1 of GEL Church letter No 47/74/KSS-14 dated
22 Mar 74 (Copy endorsed to you) which is available with this
office is forwarded herewith.

3. Your letter No 20660/309/E2 dt 8.5.74 referred to in your
signal No 5043 dated 14.5.74 has not been received as yet.

Encl:- one letter

Sd/ Mahipal Singh

Copy to:-

E E
GARRISON ENGINEER

1. MEO Bihar & Orissan Circle
Dinapore Cantt.

Kindly forward the terms and condition of the
lease agreement and period upto which the subject
land has been hired, direct to CWE Dinapore quoting
reference of this letter and his letter quoted
above with copy to this Office. The inf is very
urgently required by Command HQ hence this may pl
be treated as PRIORITY.

2. STATION HEADQUARTERS

RANCHI

A copy of GEL Church Ranchi letter No 47/74/KSS-14 dt
22.3.74 with our comments thereon submitted to CWE D'por
under this Office No 2004/5/77/E2H dt 6.4.74 is enclosed
herewith for your inf and necessary action.

PHONE MILE 25 RANCHI

No 2004/5/77/E2H

To

CWE DINAPORE CANTT

OFFICE OF THE GARRISON ENGINEER
RANCHI DIVN

RANCHI

06 APR 74

RELEASE OF GEL CHURCH LAND OCCUPIED BY THE ARMY
MEASURING 8.89 ACRES PREVIOUSLY KNOWN AS 66 REST
CAMP AND NOW AS THE OFFICE OF GARRISON ENGINEER
(MES) AND STAFF QUARTERS

Reference GEL Church Ranchi letter No 47/74/KSS-14 dated 22 Mar 74
and HQ Central Command Lucknow Signal No 07319 dated 04 Apr 74

The G E L Church authorities have represented for release
of the subject land, where at present the Office of GE Ranchi
and some staff Quarters are located.

~~The G E L Church authorities have represented for release~~

The buildings in occupation of the Army in the above site.
are in good stage of repair and therefore should remain in
occupation of the Army till such time the GE Office is built at its
K L P Site at Namkum.

Since no work for construction of the Office of GE and its
essential staff quarters has so far been sanctioned nor there is
any likelihood of its sanction in the near future, it would not
be in the interest of the State to consider any proposal to release
the above land at present. There is no other suitable accommodation
available in the Station, where the Office can be shifted.

Sd/ Mahipal Singh

GARRISON ENGINEER

G. E. L. CHURCH

(Registered under Societies Registration
Act XXI of 1860)

PRESS

EST 1872

PHONE 21510

MAIN ROAD RANCHI BIHAR

REF

DATE

Information about Monotype & Blocks unit for
Printing Press, Ranchi.

1. Press Project sent to L.W.F. through the Pramukh Adhyaksh G.E.L. Church Ranchi on 28.11.67
Discontinued
2. Received the request when Dr. Sverre Utne happened to visit G.E.L. Church Press During 1st week of November, 1970.
3. Dr. Sverre Utne letter dated February 22, 1971 asking details of machineries the Press have at the moment and other many queries.
4. Details of machineries and quotation of Monotype Machines obtained from M/s. Monotype Corporation of India Ltd., Calcutta submitted to Dr. Utne CDS on April 21, 1971.
5. Acknowledgement letter regarding the matter received from the Secretary Miss Christa Held dated May 18, 1971.
6. Miss Christa Held was reminded regarding the matter on 16.8.1972.
7. Letter received dated 24.8.1972 from Miss Christa Held with a suggestion to discuss the matter jointly during her stay in India during October 1972.
8. Her letter was acknowledged by the Press dated 29th August 1972.
9. The Project proposal was discussed with Miss Christa Held on way from Chainpur to Ranchi dated 14.10.1972.
10. A letter received from Miss Christa Held to submit a revised project vide her letter dated December 22, 1972.
11. The revised extension project was submitted to the Pramukh Adhyaksh in duplicate for onward transmission on 5th January, 1973 (Through Dr. Rajaratnam).
12. The Pramukh Adhyaksh, forwarded the application to Dr. K. Rajaratnam Director FELC (India) on 5.1.1973 for onwards transmission to Miss Christa Held.
13. An acknowledgement of all the complete papers received from Dr. K. Rajaratnam received from Miss Christa Held vide her letter dated January 23, 1973.

P.T.O.

14. A reminder letter to Dr. Rajaratnam, copy to Miss Held by the Pramukh Adhyaksh G.E.L.Church, Ranchi vide his letter dated 21st February, 1973.
15. A querries asked by the Secretary CDS Miss Christa Held vide her letter dated February 16, 1973, received by the Press copy both (Dr. Rajaratnam, and Pramukh Adhyaksh).
16. Compliance made to Miss Held vide G.E.L. Church Press letter dated February 22, 1973 copies endorsed to the Pramukh Adhyaksh and Dr. Rajaratnam.
17. A reminder letter sent to Miss Christa Held by G.E.L.Church Press on 6.7.1973.
18. A reminder from the Pramukh Adhyaksh G.E.L.Church Ranchi vide his letter dated 17.9.1973 copy to Dr. K.Rajaratnam and the Press Supdt.
19. Reply of Pramukh Adhyaksh letter vide CDS letter dated October 16, 1973 copies endorsed to Dr. Rajaratnam and Superintendent.
20. Another reminder by the Press letter dated 17th January, 1974.
21. Reply received from the Secretary Miss Christa Held vide her letter dated February 14, 1974 asking Annual Report for the year 31.12.1973.
22. Annual Report duly completed by the Chartered Accountant, sent to Miss Christa Held on 29th March 1974 copy of the letter sent to the Pramukh Adhyaksh.

/ TRUE COPY /

No. 4

The Pramukh Adhyaksh
G.E.L. Church,
Ranchi.

28.11.67

LWF/SDC

U R G E N T

Sir,

Keeping in view that time is too short for sending in the Press Project to LWF, I would request you to please send our Form with our request immediately to LWF with its copy to GM Berlin. This will save some time. Meanwhile I will also inform GM Berlin about this. Kindly treat it as very urgent for the sake of larger interest of the Church.

Thanking you,

Yours in His Service

Sd/- J.S.Luther

Superintendent

G.E.L.Church Press, Ranchi.

/ TRUE COPY /

No. 3

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

Community Development Liason
and Validation Service

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland

February 22, 1971.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L.Church Press
Main Road,
Ranchi - 1 (Bihar)
India.

Re: CDS 22 - Printing Press in Ranchi, Bihar
Your Ref. GELP/LWF/4/CDS/839 of November 19, 1970.

Dear Mr. Khess,

First of all my best wishes for you, your staff and the press of 1971. I would also like to thank you for your kindness during my visit in Ranchi.

I am now studying the letter you handed over to me in Ranchi. Although a press like yours should be able, with its own means, to renew and to a certain extent have an expansion and modernisation of its machinery, an assistance through CDS is not excluded.

1. Could you please send us complete documentation on the press describing all the machinery you have with information on trade mark, type and year of installation.
2. Secondly we would need annual reports for 1969 and 1970 with auditors' reports and production statistics. What sort of printing work are you mostly doing?
3. You have asked for a monotype machine. Please give us the reasons for choosing a monotype and not a linotype. Are there many linotype machines in use in India?
4. What are the actual prices for monotype and linotype units in India?
5. What types and sizes do you need for your printing work? Please give detailed information as to quantity and sizes (in English and Hindi script) of normal-meager-half-fat-fat.
6. Please let us have information about other presses in Ranchi and in other towns from which you get a certain competition. How many are they, how employees do they have and what are their printing receipts approximately? (a list of presses is needed).
7. You also have to present to us a feasibility study for a installation of a monotype.
What reduction in salary would you obtain if a monotype is used instead of handsetting? (How many workers and what are their salaries)
8. How do you look upon the demand for printed material in your region? (Development during the last years and prognosis for the next few years).

Once we have all this information we will reexamine your request.

Sincerely yours,

Sd/- Sverre

/ TRUE COPY /

No.4.

To,

Mr. Sverre Utne
Community Development Liaison
and Lutheran World Federation
Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, SWITZERLAND.

Ref:- GELP/LWF/4/CDS/1090 Date- April 21st.71.

Dear Sir,

In response to your letter dated 22nd February 1971, we are pleased to submit the information needed by you.

Monotype Machines are widely used in India. The types moulded in this machine are superior in workmanship. The customers have a special fancy and liking for Hindi mono face types to go on their books. There is a remarkable advantage over lino Machine, that while going through correction a particular alphabet can be recasted. In lino the complete line is to be re-moulded. Details of the Machine we have already sent to you in our previous letter dated 19th November 1970. We have attached here with an estimated cost from the dealers in India.

Two Presses in Ranchi have this machine, one is run by the Catholic church, the other is a private firm. The Catholic church press is our sole rival they have almost monopolised the Government orders not only from the state of Bihar but from the Union Government also. With us we have one Lino called Typograph where there are English types. Hindi and other languages are by hand composing. Hindi types are more in demand, and is the need of the day.

By installing this machine we are confident to turn out more jobs in much less time taken. We can save at least Rs.2000/- a month which otherwise is spent on wages by engaging workmen at extra hours and on contracts.

Annual account of the press is being audited, we shall send you a copy in due course.

Encl: 1) Details of Machines
2) Monotype dealers estimate.
RC/CDO/II-RNC-3/71/942
dated 18th March 1971, in duplicate.

Yours faithfully,

Sd/- Bhusan Khess

Superintendent

G.E.L.Church Press, Ranchi.

/ TRUE COPY /

No. 7

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION
DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

Community Development Service.

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20,
Switzerland.

August 24, 1972.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L.Church Press
Main Road
Ranchi, Bihar
INDIA.

Re: CDS P 7 - Monotype Machine f. Printing Press in Ranchi
(CDS 22), India.

Dear Mr. Khess,

This is to acknowledge receipt of your letter dated August 16
(GELP/LWF/4/CDS/456).

This matter will be taken up again and reconsidered, but I would
suggest that we discuss it jointly during my stay in India which
will be in October this year.

Kind regards,

Sincerely yours,

Sd/-Christa Held.

/ TRUE COPY /

No.5

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

Community Development Liaison
and Validation Service.

Rbute de Ferney 150
1211 Geneva 20,
Switzerland.

May 18, 1971.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L. Church Press Ranchi
Main Road, Ranchi Bihar
I N D I A.

Subject : CDS 22 - Printing Press in Ranchi, Bihar
Your letter GELP/LWF/4/CDS/1090 of April 21, 1971.

Dear Mr. Khess,

Thank you very much for your letter of April 21 concerning a printing machine with a monotype dealers estimate.

Since right now there are a number of meetings going on, we like to come back to your letter somewhat later and ask you to be a bit patient with us.

Thanking you very much.

With kind regards,

Sincerely your,

Sd/- Christa Held.

/ TRUE COPY /

No.6

To

Miss Christa Held
Secretary,
Community Development Liaison
and Validation Service
The Lutheran World Federation
Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, SWITZERLAND.

16.8.1972
GELP/LWF/40CDS/456

Dear Miss Held,

I am extremely sorry to trouble you with a request for an information concerning Monotype Machine in reference to you No.CDS.22 dated May 18, 1971. Since the demand of the Machine is on higher side, your goodself is very kindly requested to consider the matter sympathetically.

With kind regards.

Yours sincerely,

Sd/- Bhusan Khess
Superintendent

G.E.L.Church Press, Ranbhi.

/ TRUE COPY /

No. 8

To

Miss Christa Held,
The Secretary,
Community Development Liaison
and Validation Service,
Lutheran World Federation,
Route de Ferney - 150
1211 Geneva - 20, SWITZERLAND.

REF. GELP/LWF/4/CDS/686

Date 29th August 1972.

Re :- CDS-P.7 Monotype Machine - Printing Press
in Ranchi (CDS-22), India.

Dear Miss Held,

With great pleasure and joy we have received your letter of August 24, 1972 and noted the contents with delightfully, to see you here with us sometimes in October 1972 when G.E.L.Church Press will complete its one hundred years of service of the literature of the backward area of the Chotanagpur region where, your coming is a unique for His services.

With kind regards.

Sincerely yours,

Sd/- B. Khess

Superintendent
G.E.L.Church Press, Ranchi.

/ TRUE COPY /

No. 10

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION
DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20,
Switzerland.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L.Church Press
Main Road,
Ranchi / Bihar / INDIA

December 22, 1972

Re: CDS P 7 - Monotype Machine for Printing Press in Ranchi, India.

Dear Mr. Khess,

Thank you for your letter of December 9, 1972. Actually, I thought I should have written earlier, but you can imagine that it was a hectic time after my return on November 11, 1972.

As far as the Printing Press is concerned, I am sending you our normal CDS questionnaires, since we can only act upon receipt of a complete project request. Kindly fill in all the points. Attached hereto please also find the relevant part of my travel report. Please feel free to make corrections and comments. You should if possible, also get the endorsement of SKIP (Skills for Progress) in Bangalore; unfortunately right now I do not have the address. Is the agency known to you? Please also obtain the endorsement of FELCI through Dr. Rajaratnam.

Our next CDS Governing Committee meeting takes place in May. Deadline for submission of new projects is March 15, 1973; Please send us the application as soon as possible, so that we may exchange some letters before that deadline.

I remember well our lively discussion as you drove back to Ranchi and the lovely lunch. Thank you also for taking me to the airport.

May I wish you a happy Christmas and all the best for the New Year.

With kind regards,

Sincerely yours,

Sd/-Christa Held

cc: The Rev. J. Topno
Dr. K. Rajaratnam.

/ TRUE COPY /

No. 11

To

The Pramukh Adhyaksh
G.E.L. Church, Ranchi.

REF GELP/FR/4/CDS/861 DATE 5th January 1973.

Subject : Submission of a Extension Project for G.E.L. Church
Printing Press in Ranchi, India.

Dear Sir,

With reference to secretary Miss Christa Held letter dated December 22, 1972, I attached with this letter an application form in duplicate duly filled in for LWF/CDS, for transmission with recommendation by the Church through Dr. Rajaratnam. I request you to please give your full support for its realization in the greater interest of the G.E.L. Church Ranchi.

Thankingyou,

Yours faithfully,

Sd/- B. Khess
5.1.73

Superintendent
G.E.L. Church Press, Ranchi.

Encl: as stated.

/ TRUE COPY /

No. 13

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION
DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20,
Switzerland.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L. Church Press
Main Road
Ranchi - 1
Bihar / INDIA.

January 23, 1973.

Re : CDS P 7 - Monotype Units for Printing Press, Ranchi, India.

Dear Mr. Khess,

This is just to acknowledge receipt of your letter dated January 6, 1973 and the enclosed questionnaire and other papers on the above project request, for which we thank you.

We shall start working on this project as soon as possible. You will then hear from us again in due course.

With kind regards,

Sincerely yours,

Sd/- Christa Held.

cc: Rev. J. Topno, President
Dr. Rajaratnam.

/ TRUE COPY /

No.14

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

HEAD OFFICE

G.E.L.Church, Ranchi
Bihar/India.

No.141/73/KSS-171

Ranchi Dated 21st February 1973.

Dr. K. Rajaratnam, M.A.Ph.D. (Lond)
Secretary & Promotional Director, FELC (I)
King Hostel, Vepery
Madras - 7, South India.

Subject: CDS 7 - Monotype units for Printing Press, Ranchi, India.

Dear Sir,

An application for Extension Project of G.E.L.Church Printing Press Ranchi has been sent to you for recommendation and transmission to CDS/LWF, which was very kindly transmitted to CDS/LWF by you.

The CDS Committee has taken up this project for discussion; and is interested to get evaluation of this request from SKIP (Skills for Progress) 72, Brigade Road, Bangalore 25, India.

Unfortunately, GELC Press, uptill now, has not been registered in the SKIP membership list. As such we are unable to appeal directly to them for evaluation.

It is therefore, requested to very kindly get evaluation from SKIP, considering the general situation and requirement of the Printing Industries, in India.

Since the original Application Forms have been submitted to the CDS/LWF through you along with all the original relevant papers, we are unable to furnish the documents afresh.

The rest of the querries will be clarified by the Super-in-tendent of GEL Church Press, Ranchi India in his seperate letter.

Hope and trust your immediate action.

Yours faithfully,

Sd/- Rev. J. Topno
President,
GEL Church, India.

Copy to:-

Miss Christa Held with reference to
her letter dt. February 16, 1973.

Shri B. Khess, Superintendent, GEL Church Press
Ranchi, for information. He is directed to
furnish clarification of other relevant points.

/ TRUE COPY /

No. 15.

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

DEPARTMENT OF WORLD SERVICE.

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20,
Switzerland.

February 16, 1973.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L.Church Press
Main Road
Ranchi - 1
Bihar / INDIA.

Subject : CDS P 7 - Monotype Units for Printing Press, Ranchi, India.

Dear Mr. Khess,

We have just had a CDS Staff Committee meeting and had a very lengthy discussion about your project. I was not able to convince the Committee why this request should be sponsored by CDS. It was appreciated that you had to carry the costs for a training program but it was felt that these costs (6 students at Rs.50 per month and some other expenses) are not such a big item in the overall costs. Further, these students are in a way also cheap labour.

It is understood that the press needs modern equipment like Monotype Units etc. at this time in order to be competitive but in view of the overall needs in India and the limited funds for development work, the question was raised how we would justify a grant. Would not a loan from a local bank be a solution?

The Committee was also interested to get the evaluation of this request from SKIP (Skills for Progress), 72, Brigade Road, Bangalore-25, India.

Another point came up: Lookign at the overall needs of the church and in view of limited funds, which priority among all these requests would the Gossner Church give to this one ?

I am very happy that I know you personally and therefore find it so much easier to openly raise these questions with you. I know I can count on your understanding.

I am very much looking forward to hear from you again. With kind regards,

Sincerely yours

Sd/- Christa Held.

cc: Rev. J. Topno
Dr. Rajaratnam.

To

Miss Christa Held
Secretary
Community Development Liaison
and Validation Service,
The Lutheran World Federation,
Route de Ferney - 150
1211 Geneva 20,
S w i t z e r l a n d.

GELP/FR/4/CDS/84

DATE February 22, 1973.

Subject : CDS P-7 Monotype Units for Printing Press Ranchi.

Dear Miss Held,

I received your very kind letter dated February 16, 1973 in connection with the subject quoted above. I would like to state the following categorically:-

Firstly, that the Management of the GEL Church Press, on authorisation by the KSS (Vide an extract from the minutes of the full KSS meeting dated 3-8 Nov '72 item No. 35 copy endorsed to me bearing No. 950/72/KSS-32 dated 13.11.1972) approached almost all the Banks who are the custodians of GEL Church FUND for a possible Loan for development of the G.E.L. Church Press, Ranchi. But the Banks raised a point that the loan can not be granted to an institution based on charitable and Religious aspects. Moreover, there is no provision in the constitution of the GEL Church Ranchi, India, that the GEL Church Press can borrow money from any Bank or other Government sources. The Bank studied the Church constitution minutely and observed, that GEL Church Press which is registered under Society Registration Act XXI of 1860, is debarred from any benefit from the Nationalized Banks or any sources as per the rules applicable of the Banking Law. The reason why, the Management of the Press approached to CDS/LWF in 1962 for a grant for modernization of the GEL Church Press, which had been graciously granted by CDS/LWF.

Therefore, the possible loan from any Local Banks is not possible.

Secondly, that unfortunately, GEL Church Press, up till now, has not been registered in the SKIP (Skills for Progress) 72, Brigade Road, Bangalore-25, India. However, Rev. J. Topno the President of the GEL Church Ranchi, India has requested Dr. K. Rajaratnam to get evaluation from SKIP about the project, the copy of the same has also been communicated to you.

Cont'd ... P/2.

Thirdly, the project for which the grant has been requested for, is of purely different nature. It can not be compared with the other overall needs of the Church. The GEL Church Press being a charitable institution stands to promote the Gospel through the medium of Literatures. Secondly the Press being a registered Establishment under Factory Act by the Government, hence it is counted under small scale industries, meant for the development of the general community in the field of Printing Technology of the Youths and the Church as a particular. Therefore, this Project has got its own priority which Gossner Church has to give the first priority in its Trades. Ours Printing Industries is a unique one in the state, for the purpose, the Founder of this new Establishment was visioned.

Lastly, so far the Training programme is concerned, the Press is carrying out the programme satisfactorily and hope for further development in the schemes in order to fulfill the commitments already made to the Government of India. I have also sent my audit Report - 1972 in support of the performance and need of the Press.

I am really proud of your confidence in me which finds me earlier to open dialogue with you, with great interest and understanding.

I am very much looking forwards to hear from you a good news, Co-operation and assistance.

With very kind regards.

Sincerely yours,

Sd/- B. Khess
22.2.73

Superintendent
G.E.L. Church Press, Ranchi.

cc: Rev. J. Topno, President,
GEL Church Ranchi.

Dr. K. Rajaratnam
Secretary & Promotional Director, FELC(I).

/ TRUE COPY /

No. 17

To

Miss Christa Held, Secretary
Community Development Liaison
and Validation Service,
The Lutheran World Federation,
Route de Ferney - 150
1211 Geneva - 20
SWITZERLAND.

GELP/FR/4/CDS/267

6.7.1973.

Subject : CDS P-7 Monotype Units for Printing Press Ranchi.

Dear Miss Held,

It is a pleasure indeed to hear from you again regarding the proposed projects. Thank you very much for your kind letter dated February 16th, 1973. The compliances of your letter has already been sent to you on February 22nd, 1973.

My Committee members are thankful to you and your staffcommittee for taking interest on our projects. The G.E.L. Church Printing Press is representing the Area as a quality printing House only due to CDS efforts for that we are grateful to your committee.

I am very much looking forward to hear from you a good news.

With very kind regards.

Yours sincerely,

Sd/- B. Khess

6.7.73

Superintendent

G.E.L. Church Press, Ranchi.

/ TRUE COPY /

No. 18

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

HEAD OFFICE

G.E.L.Church, Ranchi
Bihar/India.

No.665/73/KSS-171

Ranchi Dated 17th Sept.73.

To

Miss Christa Held
Secretary CDS/LWF
Geneva.

Dear Miss Held,

I would request you to kindly refer to the letter No. GELP/FR/4/CDS/84 dated 22 February '73 of Shri Bhusan Khess Superintendent GEL Church Press, Ranchi, addressed to you with copies to me and Dr. K.Rajaratnam. This is with regard to the project-CDS.P-7 Monotype Units for Printing Press GELC.Ranchi. All queries made by you in your letter dated 16th February '73 has been replied by the Press Superintendent.

Now I would like to know what is the present position of the request. Awaiting for your reply,

With kind regards,

Yours sincerely,

Sd/- J.Topno

17.9.73

Pramukh Adhyaksh
GELChurch, Ranchi.

cc: Mr. B. Khess Supdt. GELC Press

Dr. K Rajaratnam, Secy.& Promotional
Director FELC(I).

/ TRUE COPY /

No. 19.

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

DEPARTMENT OF WORLD SERVICE

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, Switzerland

Rev. J. Topno
Pramukh Adhyaksh (President)
Main Road
Ranchi - 1 (Bihar) / India.

October 16, 1973.

Re: CDS P 7 - Monotype Units for Printing Press Ranchi, India.

Dear Rev. Topno,

In Miss Held's absence - she is presently travelling - we should like to acknowledge receipt of your letter of September 17, with regard to the above project. This is just to inform you that no staff committee has taken place yet at which your project could be discussed. After your application has been presented to our staff committee we shall let you have word.

Sincerely yours,

Sd/-

for Christa Held

- travelling -

cc: Dr. Rajaratnam
Mr. B. Khess

/ TRUE COPY /

No. 20.

Rev. Carl John Hellbeg, Th.D.
Director,
Lutheran World Federation
Department of Church Co-operation
150 Route de Ferney,
1211 Geneva - 20
SWITZERLAND.

REF. GELP/FR/4/CDS/16 DATE 17th January, 1974.

Dear Sir,

I still remember with greates pleasure of your visit to our printing Press in Ranchi. It was indeed nice of your^f to have spared times for the discussion of the Press further development Programme and our Publication work. It is indeed a pleasure always when dignitaries from abroad come to us and incline to share our joy and sorrow of the Institution. I have acquainted you about the Project of the Press we have submitted to the CDS. I hope that the subject matter is receiving your favourable attention.

I shall be highly obliged if you could drop a informative letter, so that I may be in a position to understand the position. When man like you and your accompanied friend (I forgot his good name) have appreciated the Project put for before the CDS for financial help. I think you will try to convince other authorities, for the same.

Awaiting a good news from you.

With kind regards.

Yours sincerely,

Sd/- B. Khess
17.1.74

Superintendent
G.E.L. CHURCH PRESS, RANCHI.

/ TRUE COPY /

No.21

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

Department of World Service.

COMMUNITY DEVELOPMENT SERVICE

Route de Ferney 150
1211 Geneva 20, SWITZERLAND.

Mr. Bhusan Khess
Superintendent
G.E.L.Church Press Ranchi
Main Road Ranchi, Bihar
I N D I A.

February 14, 1974.

Subject: CDS P 7 - Monotype Units for Printing Press Ranchi, India.

Dear Mr. Khess,

Thank you very much for the various letters and also the greetings conveyed through Dr. Hellberg.

Unfortunately, it has not yet been possible to come to a decision about your request since we had hoped that it would be possible to involve SKIP because in your letter of March 3, 1973, you indicated that you had tried to contact SKIP through Dr. Rajaratnam. You remember that the first reaction from our committee showed a certain hesitation ~~was~~ because we cannot assist any longer in making projects available for the modernization of a printing press that is run as a commercial enterprise. This all the more since the press was completely modernized through outside funds 10 years ago and since then ~~there~~ there should have been provision for depreciation and replacement of machines.

As I wrote to you on February 16, the training aspect (at that time 6 students at Rs. 50 per month plus some other expenses) were not regarded of such big position in an overall income and expenditure account of closely Rs.160,000 (December 1972). Could you spare a balance sheet per 31.12.1973 and send us an up-to-date report, listing employees, trainees, general business, specific orders, etc. which would give a picture of the work that the press is doing today and the future prospects. I will then try to present it at the next meeting of our Executive Committee in order to find a final decision.

With kind regards,

Sincerely yours,

Sd/- Christa Held

cc: Dr. Paul Sing, Acting President
Dr. Rajaratnam.

(22)
/ TRUE COPY /

Miss Christa Held
Secretary,
Community Development Liaison
and Validation Service,
The Lutheran World Federation,
Route de Ferney - 150,
1211 GENEVA - 20,
SWITZERLAND.

REF. GELP/FR/4/CDS/69 DATE 29th March, 1974.

Subject : CDS P.7 - Monotype units for Printing
Press Ranchi, India.

Dear Miss Held,

Thank you very much for your kind letter of February 14, 1974. A balance sheet as per your suggestions as on 31.12.1973 has been drawn by the Chartered Accountant Mr. S.R.Singhee, which is a self explanatory of the subject matter. I trust that you will co-operate with Management of the G.E.L.Church Press to promote the aims and objects of the Press and thereby to serve the people of the Region. I conclude the issue with this humble request and hope for the future good of the Institution.

So far the training aspect (at that time 6 students at Rs.50.00 per month plus other expenses) is concerned, it is informed that the arrangement has already been made.

With very kind regards.

Sincerely yours,

Sd/- B.Khess
29.3.74

Superintendent

G.E.L.Church Press, Ranchi.

CC : Acting Pramukh Adhyaksh
for information. He is requested
to please contact the Secretary during
his coming visit to Geneva.

5445 CONNIE LANE / VIRGINIA BEACH, VIRGINIA 23462

1-800-582-5861

"ALL DONATIONS TAX DEDUCTIBLE"


**broken
needles**

Rev. William D. Marrow, Jr.
President

James A. Ridgwell, IV
Vice-President

Martha Jones
Secretary and Treasurer

BOARD OF DIRECTORS
Rev. William D. Marrow, Jr.
Ethel M. Marrow
James A. Ridgwell, IV
James D. Carr
Thomas U. Jones
Richard Schwartz
Martha A. Jones
Mary J. Berlind
Roderick S. Hall

BOARD OF REFERENCE
Edna Crute
Thomas Jones
Ernest Marrow
Rev. Albert J. Schrader
Henry M. Harrison
George Bunn
Henry Capps
James D. Charlton, M.D.
John W. Vakos
Herbert T. Dail
William Burnside

BOARD OF ADVISORS
& CONSULTANTS
Lt. Henry Capps
Shirley P. Marlow
Dr. Sam Ray
William F. Burnside
Edna Crute
A. Deck Jordan
Major James Hipps
Margret Fenner
Curtis Brooks
Bob Roughton, Jr.
Delbert E. Berry
Margaret Williams
Leola Dyson
Captain R. C. Mandeville
Gene Alan Woolard

Dear Pastor,

"Without a vision the people perish"

Greetings in the name of our blessed Redeemer, Jesus Christ!

Broken Needles is a Christian organization. Our primary objective is to evangelize the world with the Gospel of our Saviour. At the present time we have joined together with churches from different parts of the world, such as Haiti, Africa and South Korea to coordinate United Crusades for Christ.

All crusades have been very fruitful for the Lord, Jesus Christ. We understand that since we are visitors in each country we need to know the technique that they use to win the lost to Christ. Would it be possible to have one or more representatives come and talk with you about the method of evangelism used in your area. Realizing that the local pastors have a responsibility to their congregation and individuals who need Christ we would like to join with you and your church in your effort to reach many precious souls for Christ.

Enclosed you will find literature about our ministry. I will be eagerly waiting for your response.

Yours because of Calvary,

Richard Schwartz

Richard Schwartz
Director of Evangelism

RS:ngr

enclosures

THE *lively* AGE

Ex-addicts tell of horrors from drug induced life



NANCY



JIMMY



RICK



MARTHA

By BETH POLSON

NORFOLK — Since last September, more than 8,000 students in the Norfolk school system have heard the personal testimonies of six former drug addicts in an effort to better inform students of the harmful effects of drugs.

Greyson Daughtrey, director of health, physical education and safety for the Norfolk schools, said, "I started this program because all the other programs

which have been tried have failed.

"This is one of the most effective programs in the country, I believe. Other programs have not worked because students will not listen to parents, doctors or teachers but they will listen to former addicts who have experienced the drug scene."

The six young people who are working in the program are members of Broken Needles, Inc., a drug rehabilitation organization at Virginia Beach.

"We've all experienced the high that comes from drugs," Rick Swartz said. "We've done every dope from pot to heroin and we can present them with the facts."

"What we tell them scares them," James (Jimmy) Ridgwell IV added. "It makes 'em think twice. I've had some of them ask me if I were trying to scare them. I tell them, 'these are the facts, man. If they scare you, that's the way it is.'"

Jimmy's wife, Nancy, is also a former addict and a member of the program. "Drugs are so sneaky," she said. "You don't realize what's happening until it gets you."

"Maybe you're not getting along with your parents or a girl breaks up with a boyfriend or something. You're emotionally weak and somebody says to you, 'Smoke this, you'll feel better.' You do it."

Rick, Jimmy, Nancy, Martha Jones, Jim Carr and Mary Berling talk to health classes. They started with sixth grade classes in September and will finish up with 10th graders at the end of the school year.

In a survey which they conducted, they found that 390 out of the 693 students interviewed had been exposed to the drug scene and 113 had tried drugs. The number of students who said the program would prevent them from using drugs was 486.

"They think they're different. I know. I thought I could handle it, too," Jimmy said.

"But drugs break down your morals."

"You lose your pride, your self-respect and your morals," Martha said.

The program is divided into three phases. In the first phase, teachers talk to their students about drug prevention. Then a team of former addicts goes into the classroom to give their testi-

monies. Finally, in the third state, students volunteer to talk to the former addicts in private meetings.

"I tell them it's like flying an airplane," Jimmy said. "If you want to fly, are you going to ask the guy who has been flying for years questions or are you going to ask the guy who has only been up a couple of times."

"All we want to do is let out the facts."

Many of the students tell them about problems at home with their parents. "Kids don't need pals," Martha said. "They have plenty of friends. What they need is parents."

"That's more lasting than buying them a new car which is going to deteriorate and go to the junk yard."

In his personal testimony, Rick says that he was a high school student, 15 years old, when he first tried drugs. "Friends of mine were doing it," he said. "They asked me how would I like to get high with them. They built up drugs so big, I wanted to try it."

His first experience was with hash. "I felt like I was on a magic carpet," he said, "like music was flowing through my body. When I walked, I felt like I was bouncing. I loved that feeling."

By the time he was 16, he had his first LSD trip. He spent all the money which he earned from his job, on drugs but also stole and sold drugs.

At the end of three years, one of his friends said, "Rick, I can't take it anymore. I want you to tell my parents that I'm on drugs and have me committed to an asylum."

"That started me to think about what drugs were doing to my life . . . the road they were taking me down," he said. "I was in love with drugs, literally. Drugs were the biggest thing in my life. I used to get high three and four times a week."

Then he attended one of the crusades sponsored by Broken Needles and the Rev. Danny Marrow. It was the way that he ended a three year habit. "I found out that Jesus never lies to you. He never steals from you," Jimmy said. Jesus, he says, is the "only total solution to the drug problem."

Before beginning to tell her story, Martha asked if she could have a cigarette. "I always get nervous when I have to give my testimony," she said.

When Martha was 14, she left home and was living with a deserter from the Marine Corps.

"I left home because I didn't want to embarrass my parents, to bring them shame."

"I tried witchcraft, ARE (Association for Research and Enlightenment) and free love. Then my boyfriend decided to do drugs again. I wouldn't really say I liked it but I was caught up in it."

She eventually ran away to New York and after being picked up, spent time in both the Norfolk Detention Home and the Virginia Beach Jail.

When she learned she was pregnant, she was afraid to tell her parents and went to live with her boyfriend's mother.

She returned home, however, before her son was born. When she finally got married, she and her husband and baby spent most of their time alone. "We got stoned by ourselves," she said.

When her son was 18 months old, she found out she was pregnant again. "I just wanted to kill myself," she said. When her daughter was born, there was an initial fear that the child might be mentally retarded. "Then I started looking for answers," she said.

Her husband had already discovered Broken Needles and offered her \$50 if she would attend one of Rev. Marrow's Bible study classes. "I figured I didn't have anything to lose."

It was then that she ended four years of drugs. She is now secretary and treasurer of Broken Needles and at home. "We're kinda like a family for Christ," she said.

Nancy, 22, said her "home life left a lot to be desired" when she began experimenting with drugs. "I had had four or five different fathers. I looked to drugs for things that I hadn't gotten from school, friends or at home."

"I wanted freedom. I wanted security. I wanted people to care about me. That was in 1968 when the drug scene was all about peace and love for your fellow-man."

During the next nine months, she tried marijuana, hash, LSD, opium, speed, cocaine, uppers and downers until she had a physical breakdown.

When she recovered, she left for New York "where it seemed like the true hippie element was." That resulted in a mental breakdown and in desperation she married "a boy in service who liked to do dope as much as I did."

The marriage ended in a year and Nancy came back to Virginia. "After seeing all my dreams shattered, I was a complete mental wreck."

"A girl introduced me to Christ and He took me off drugs." But in a few months, she was back to drugs, this time heroin included.

"All the guilt was driving me nuts. Nothing filled what was missing. I had money, males, clothes. I had everything and still I had nothing."

She started attending Bible study classes at Broken Needles. When she found out that she was five months pregnant, she too lived with the fear of what would happen to her baby.

She met Jimmy and they were married one month before her son was born.

Jimmy got hooked on drugs when the Army sent him to Texas. "Somebody asked me how the grass was in Virginia and I said, 'green,'" he recalled.

He had, however, joined the Army after being busted in Richmond and arrested on burglary charges. "I figured it was best for me to get out of town."

But instead of getting away from drugs, he got in deeper. He had already been married at 16, had it annulled and married the same girl again at 18.

When the Army recognized his drug problem, they sent him to Germany where he found drugs were easier to acquire than they had been in the states. So his habit continued.

When his Army hitch was over, he came home and thought he could break away from drugs. His marriage ended in divorce. He dropped out of business college. "I found all my old friends were shooting junk."

He joined them and ended up with hepatitis.

He eventually spent time in a mental hospital before deciding to go to horticulture school in Norfolk. But even then, he was using drugs regularly.

"I was sick and tired of doing drugs," he said. In the summer of 1971, he met Rev. Marrow. "I'm not going to say it was easy. I came close to going back to drugs but I never did. Jesus claimed the victory."

Jimmy finished the horticulture school and says he could be making a lot more money working in his field but he and his five fellow speakers are all full-time employees of Broken Needles.

"I could have another job," Nancy said. "But I couldn't do it knowing kids are out there killing themselves."

DOCTRINAL STATEMENT

Be it here resolved, that this Board of Directors of Broken Needles, Inc., records the following statement of faith as that to which its members severally subscribe and to which it requires the subscription of any member, staff or other of the organization.

I. God is a person who has revealed himself as a trinity, one God, three persons. The Trinity is made up of Father, Son and Holy Spirit; the three being forever in unity.

(Deut. 6:4; Matt. 28:19; Mk. 1:9-11; 1Cor. 8:6)

II. Jesus Christ is the Son of God, and has been the Son of God since eternity past. He was incarnate in the flesh when conceived by the Holy Ghost and born of the Virgin Mary. He died upon the Cross as a substitutionary sacrifice for the sin of the world. He arose from the dead and ascended into Heaven in the body in which He was crucified, though it was glorified. He now is our flesh-and-bone High Priest in Heaven, interceding to the Father on our behalf. He will personally and visibly come again to set up His Kingdom and to judge the unregenerates both dead and alive.

(Col. 1:15; Phil. 2:5-8; Matt. 1:18-25; Rom. 5; 1 Pet. 2:25; Luke 24; John 16:25-27; Heb. 4:14-16; Acts 1:9-11; 1 Thess. 4:16-18; Matt. 25:31-46; Rev. 11:15-17; 20:4-8, 11-15)

III. The Holy Spirit is the third person of the Trinity. He is an incorporeal being, who dwells within the believer and works out the regenerative process within him constantly. He is also a witness to our spirit that we belong to Christ. He is not an influence, a power, a dove, or a spirit of a holy person; nor is He a virtue. He convicts of sin and is the agency by which men come to Christ. He testifies of Jesus Christ and what He did at Calvary and is omniscient, omnipresent and omnipotent. He is co-equal with the Father and the Son and acts in unity with them.

(Matt. 28:19; Heb. 3:7; Tit. 3:5,6; 1 Cor. 3:16; Rom. 8:16; II Cor.-1:22; John 15:26; IS.40:13; Ps. 139:7)

IV The Bible, consisting of 66 books Old and New Testament, is a divine revelation, the original autographs of which were verbally inspired by the Holy Spirit.

(II Pet. 1:21; II Tim. 3:16)

V. The Church is the entire company of believers Baptized by the Holy Spirit into one body; its mission is to witness concerning its Head, Jesus Christ, proclaiming the Gospel among the nations; it(they) will be caught up to meet the Lord Jesus Christ in the air before He will set up His Kingdom on earth. His Kingdom on earth will be set up after the 7 years of Tribulation.

(Acts 2:11; 15:13-17; Eph. 1:3-6; 1Cor. 12:12, 13; Matt. 28:19, 20; Acts 1:6-8; 1 Thess. 4:16-18)

VI. Man was created in the image of God, but fell into sin and in that sense he is lost; this is true of all men; and except a man be born again he cannot enter the Kingdom of God. Salvation is by grace through faith in Christ who His own self bare our sins in His own body on the tree. The retribution of the wicked and unbelieving and the reward of the righteous are everlasting, and both are conscious.

(Gen. 1:26-27; Rom. 3:10,23; John 3:3; Acts 13:38, 39; 4:12; John 3:16; II Thess. 1:7-10; I Cor. 1:1; Matt. 25:46)

VII Salvation is through the vicarious atonement of Christ on the Cross. He died in our place and suffered the penalty for the sin of the world. He shed His Holy Blood as full payment for all sin. It is by accepting the fact that His Blood can cleanse away all sin. In bringing all this together in prayer by faith to Jesus with a repentive attitude, that one is saved.

To,
The Acting Pramukh Adhyaksh
G.E.L. Church Ranchi

G. E. L. CHURCH
(Registered under Societies Registration
Act XXI of 1860)

PRESS

EST 1872

PHONE 21510

MAIN ROAD RANCHI BIHAR

REF GELP/Man/3/148

DATE 5.6.1974.

Dear Sir,

In recalling back to our Telephonic talk, we had in this morning regarding the payment of our printing bill lying in the Ranchi University since long time towards the printing of Kunruk Language for Intermediate standard. We would like to state that the bill has been withheld due to non-printing of the Price of the book. In this connection we are sure that we tried to get the evaluation of the books from the authorities concerned to be printed but we could not get any specific instructions from the University. Ultimately we supplied the entire lot to them. However, we have taken ~~undatta~~ undertaking for printing of the price of the book to the Dy. Registrar and he was convinced with us. But the bill at the moment is lying somewhere in clerks table and no one is taking interest. We have approached personally several time but we could not succeed in getting payment of the same.

Kindly see to it personally and pursue them to settle the bill immediately.

Thanking you.

Yours faithfully,

form
Superintendent
G.E.L. CHURCH PRESS, RANCHI

Office of the Department of Education G.E.L. Church Chotanagpur & Assam

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Education Officer:—

Mr. A. LAKRA, B. Sc. Dip-in-Ed.

Head Office

G.E.L. Church

Ranchi / Bihar

Ref.No. 357/A-50

Date 5th June 1974.

To
The Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

Subject:- Tour Programme.

Sir,

I am submitting herewith my proposed tour programme for your approval.

<u>Date of Departure</u>	<u>Place of visit</u>	<u>Purpose</u>
7.6.74 Morning	Gumla	Pursuing the case of Bamandih and Chiredanr with the S.D.E.O.
8.6.74	Raidih	Bill of Mangaldas Lakra in B.E.O's office.
9.6.74	Sunday	Return.
12.6.74 Afternoon	Kochedega	
13.6.74	Prop. H. S. Kochedega	--accompanying S.D.E.O. Khunti-cum-Simdega.

Yours sincerely,

(A. Lakra)

Education Officer
GEL Church Ranchi.

Wint
2/6/74

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 226/74/KSS-14/

Ranchi Dated 10th June '74.

Mr. Walter Khalkho
Asst. Inspecting Officer
Q.No.105, Str.8 - C Road
Sector II D. B.S.City
Dhanbad.

Dear Mr. Khanlkho,

Thanks for your letter of 7th June '74. The bearer brought me the letter and the plan and project application of Church and Christian Centre at B.S.City. As you have not mentioned any thing about the copy of the plan I am sending it back. But I would request you to kindly send a copy of the plan for our office record and reference. This will keep us interested in the project. I have already endorsed the application forms and I hope that this would be adequate for the moment. If there is any thing I can do for making the project successful, please inform me and give me some hints so that our contribution in term of men, money and programme be recognised by the Centre.

You have indicated the ten thousand contribution to be made by our Church towards financing the project. You have acknowledged receipt of Rs.3000.00 from S.E.Anchal and some amount from the local Lutheran Christians. The rest of the amount has to be found out. And I assure you that we must find out the remaining amount. I have to take this matter up in the next full KSS meeting to be held on the 28th+29th of June and then inform you how the Church can make her contributions to reach the target.

Thanks for your good wishes to me. The Church and I need prayers of the faithful in order to renew the Church to be an effective instrument in the hand of Almighty God our Father in this part of India. We are working hard and praying that God would bring a new day for us in this church.

Yisusahay. Please greet all Lutheran Christians and other brethren in B.S.City from me and from the Church.

Yours sincerely,

Minz
60/6/74

(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh,
GELChurch Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1960)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ

HEAD OFFICE

G. E. L. Church, Ranchi

Bihar/India

Phone : 23358

No. 227/74/KSS-1

Ranchi Dated 10th June '74.

To

- The Secretaries,
a. Board of Theological Education
b. Education Board.
c. Board of Properties
d. Board of Evangelism & Literature

Dear friends,

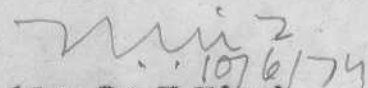
May I remind and inform you that the following order of time be observed in calling your meetings on the 27th of June '74.

- | | |
|-------------------------------------|--------|
| a. Board of Theological Education | 2.P.M. |
| b. Education Board | 3.P.M. |
| c. Board of Properties | 4.P.M. |
| d. Board of Evangelism & Literature | 6.P.M. |

You are advised to call your meetings on the 27th with the above time in view.

Thanking you,

Faithfully yours,


(Rev. Dr. N. Minz)
Acting Pramukh Adhyaksh
GEL Church Ranchi.

—The 7th May 1974.

Dear Dr. Ming.

Ramukh Adhyaksh

G. E. L. Church, Ranchi.

I am sending herewith 2 nos. of Project
Application Form A. for your ^{endorsement &} ~~signed~~ signature on page
no. 12. Items no. 31 to 37. These forms will be
sent to W.C.C. Geneva. for financial help for our
Union Church. As you know about the union at Bokaro
Steel City's churches and activities, we have
received Rs. 3,000.00 (Rupees three thousands ^{only}) from
S. E. L. A. which was donated by German church
I hope. We, the members of G. E. L. church have
taken burden to give Rs. 10,000.00 to the Union church.
As I am a member of the society I would
like to let you know about the financial position
of the church. I have received Rs. 550.00 (Rupees
five hundred and fifty only) from members of local
church. May I request on behalf of the local
G. E. L. church for more help from headquarters
as our people here, are mostly low paid.
I hope you will kindly endorse the

attached forms and hand over them, to the Secy of
this letter Mr. Belkha Kujin.

I trust in the Lord that He will guide
you for the betterment of the church and
will use you mightily in this vineyard.
Let His holy spirit live in you and
bless our G.E.L. church through you.

How our children and sister, convey our
"yishusahay" to them.

Please do continue to send
prayers. Hope to hear more from you.

Yours sincerely

Walter

(Walter Khalkho)

Asst. Inspecting Officer

Q.A. no. 105, Str. B. C. Rd.

Sector - II D

B. S. City

Dhaubad.

NATIONAL CHRISTIAN COUNCIL OF INDIA

N-21, "AIKYA"
Greater Kailash I
New Delhi 11 00 48

11 May 1974

TO

THE MEMBER CHURCHES OF THE NCCI

Dear Friends:

May I please call your attention to the CASA Reformulation Plan sent to you vide my letter dated 11th March, 1974. We requested you to kindly study the plan and to let us know your critical assessment of it along with your recommendations for its modification and improvement. I am sure you are complying with our request, and that I will hear from you soon.

In our meetings in Madras, a Committee has been appointed, drawn from the Churches, to study the CASA Reformulation Plan in the light of your reactions and recommendations. This committee will modify, alter and improve the plan and submit it for the consideration of the representatives of member churches and the NCCI Executive Committee/ General Body, so that the final decision can be made on the plan for a new CASA.

It has also been decided that a meeting be called on August 2nd and 3rd, 1974 at Madras for

- i. representatives of member churches, and
- ii. the NCCI Executive Committee/CSA General Body

to meet together to give the final shape to the plan and to decide about the administration of the new CASA.

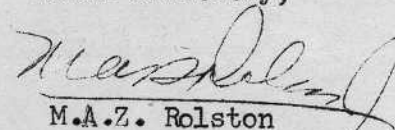
The combined meeting will start at 9.00 A.M. on August 2nd, 1974

May I therefore invite you kindly to nominate one representative who will attend the combined meeting on behalf of your church on August 2nd & 3rd, 1974 at Madras. Kindly send his full address also. I shall inform about the venue of the meeting later. Your representative will be allowed Class I railway fare plus 10% incidental charges. We will be responsible for the hospitality.

A prompt response will be highly appreciated.

With kind regards.

Yours sincerely,


M.A.Z. Rolston
General Secretary

LUTHERAN HIGH SCHOOL CHAINPUR, RANCHI

SRI C. A. TIRKEY
Headmaster/Secretary

Ref.

Date 197

From

Mrs. P. Tirkey

To

Mr. Otto Immonen,
The Lutheran World Federation,
Scholarship and Exchange Program, GENEVA.

Dear Mr. Immonen,

Thanks for your letter of May 24th regarding study program. I am also very grateful to Rev. Leece for the information that a seat has been secured at the Westhill College of Education during the academic year 1974-75.

I, on my part, fully agree to go for a full academic year 1974-75 and I would request you to make arrangement for my scholarship accordingly. As for my friends, I am not definite, but I am sure, you shall get a favourable reply from them also in right time.

I hope this will help you to decide about our education programme.

With best wishes,

Yours Sincerely,

CC. Dr. N. Minz.

Priti Tirkey

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

(Regd. under Societies Registration act XXI of 1860)

ACTING PRAMUKH ADHYAKSH : REV. DR. N. MINZ
SECRETARY : REV. P. D. SORENG
TREASURER : REV. M. JOJO

HEAD OFFICE
G. E. L. Church, Ranchi
Bihar/India
Phone : 23358

No. 204/74/KSS-134

Ranchi Dated 31st May, 1974.

To

Rev. C. S. B. Horo.
Adhyaksha Assam Anchal

Dear Rev. Horo,

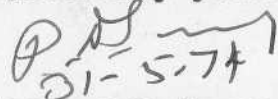
Thank you for your timely telegram about your positive corroborative vote on the amendment to the clauses in our Constitution. Your telegram reached here before we began our session on the 23rd. We were all pleased to receive the same. Your request was well received and we did not hold the KSS meeting in your complete absence. The discussion on the Basic structure of the New Constitution took place and the result is the minutes of the Consultation meeting in connection with the new constitution. The minute is sent to you and all KSS members along with the relevant document. I personally hope that your KSS members and your Anchal will be able to concur this agreed basic structure.

Opinions on the matter be communicated to this office on or before the 15th of June. Even a telegram to this effect will do in this case.

Yisusahay.

Wishing you Gods' blessings upon your services.

Faithfully yours,


(Rev. P. D. Soreng)
Secretary KSS.
GELC, Ranchi.

OFFICE OF THE BOARD OF PROPERTIES

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

(Registered Under Societies Registration Act XXI of 1860)

Head Office

G. E. L. CHURCH

RANCHI, BIHAR/INDIA

Ref. 83/74/BPR-13

Dated 10/6/74 197

mu5b
10/6/74

To,

All The Anchal Adhyaksh,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Sirs,

May I request you to prepare the details schedule of all the landed properties at your respective Anchals. It is urgently required in this office for necessary dealings.

Please treat this most urgent.

Thanking you,

Yours faithfully,

S. K. Barla
10/6/74
(S.K. BARLA)
Asstt. Manager,
Board of Properties,
G. E. L. Church, Ranchi.